अवैध संविदा अधिकारी चला रहे हैं पर्यटन विभाग

● शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला

भा बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (BSTDC) एक बार फिर भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरता नजर आ रहा है। इस बार मामला सीधे मुख्य अभियंता श्री अशोक कुमार से जुड़ा है, जिन पर न केवल करोड़ों के टेंडर घोटालों का आरोप है, बल्कि सरकार के स्पष्ट निर्देश के विरुद्ध सेवा विस्तार कराने का भी गंभीर प्रयास किया जा रहा है। सरकार के आदेशानुसार, बिहार में सेवानिवृत्त अधिकारियों की संविदा पर नियुक्ति या पुनर्नियुक्ति को वर्जित किया गया है, विशेषकर उच्चतम पदों पर। इसके बावजूद, अशोक कुमार को सेवा विस्तार दिलाने का प्रयास किया जा रहा है जबकि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार, टेंडर बिक्री, और फर्जी दस्तावेजों के प्रयोग जैसे गंभीर आरोप हैं। श्री अशोक कुमार एक वरिष्ठ अभियंता हैं, जो पूर्व में बिहार सरकार की सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी नियुक्ति BSTDC में संविदा के आधार पर की गई, जबकि उस समय सरकार ने ऐसे सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों की पुनर्नियुक्ति को नकारा था। इसके बावजूद उन्हें मुख्य अभियंता जैसे महत्वपूर्ण पद पर तैनात रखा गया।

अशोक कुमार

बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने 2025 में एक सर्कुलर जारी किया था जिसमें यह स्पष्ट किया गया था कि किसी भी सेवानिवृत्त अधिकारी को विशेष परिस्थिति के बिना पुनर्नियुक्त नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद अशोक कुमार को विस्तार कराने का भी गंभीर प्रयास किया जा रहा है। विभिन्न शिकायत पत्रों में यह दावा किया गया है कि अशोक कुमार ने पूर्व संविदा कनिष्ठ अभियंता अमरेंद्र अजय और सहायक लेखा प्रबंधक राकेश रोशन के साथ मिलकर एक संगठित माफिया गिरोह खड़ा किया है। इस गिरोह ने वर्षों से निगम के टेंडरों की खरीद-फरोख्त कर करोड़ों की बंदरबांट की है। खासकर S.R. Construction नामक कंपनी को टेंडर देने में फर्जी ईमेल और फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र का प्रयोग किया गया, जबकि वह कंपनी पहले से ही इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट अथॉरिटी, बिहार द्वारा Debar की गई थी।

श्री अशोक कुमार पर आरोप है कि उन्होंने CPWD के नाम से एक self-created फर्जी ईमेल आईडी बनाकर अनुभव प्रमाण पत्र का सत्यापन दिखाया और इसे आधार बनाकर न केवल टेंडर आवंटित किए, बल्कि प्रतिस्पर्धी संवेदकों को जान बूझकर अयोग्य घोषित किया।

✯ आय से अधिक संपत्ति और दोहरी सेवा :- पूर्व संविदा अभियंता अमरेंद्र अजय ने BSTDC से त्यागपत्र देने के बाद भवन निर्माण विभाग में योगदान कर लिया था, फिर भी उन्हें पर्यटन निगम में सेवा में दिखाया जाता रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विभागीय मिलीभगत से फर्जीवाड़े को संरक्षण मिल रहा है।

आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार
(बिहार सरकार का उपक्रम)
प्रथम तल उद्योग भवन, पूर्वी गाँधी मैदान, पटना।
Email md@idabihar.com Web-www.idabihar.com Phone/ 0612-2675933,2675935 Fax: 0612-2675934

पत्रांक.............. दिनांक ....

प्रेषक,
निदेशक (कार्यक्रम कार्यान्वयन)

Registered Post & E-Mail

सेवा में,

M/s S.R. Construction.
Shashi Place, Ram Krishna Nagar
Ward No-20, Begusaria- Bihar-851101

विषयः **Construction of Plug and play Pre- Engineered Multi Story Building at Industrial Area Begusarai, Phase II कार्य हेतु Debar करने के संबंध में।**

प्रसंगः इस कार्यालय का पत्रांक– 4677/Tech. दिनांक– 25.08.2023 एवं प्राधिकार के पत्रांक 5104/Tech दिनांक 15.09.23

महाशय,

उपरोक्त विषय के संबंध में कहना है कि Construction of Plug and play Pre-Engineered Multi Story Building at Industrial Area Begusarai, Phase II का एकरारनामा सं० 52/SBD/2022-23 दिनांक 24.12.2022 किया गया है, जिसके अनुसार कार्य प्रारंभ करने की तिथि दिनांक 10.12.2022 एवं कार्य पूर्ण करने की तिथि 15.03.2023 थी। उक्त परियोजना को पूर्ण करने की अवधि वर्त्तमान में समाप्त हो चुकी है। परंतु अबतक आपके द्वारा कार्य को पूर्ण नहीं किया गया है।

उक्त के संदर्भ में प्राधिकार के पत्रांक 4677/Tech दिनांक 25.08.23 द्वारा स्पष्टीकरण निर्गत किया गया है, जिसके आलोक में आपके पत्रांक 00 दिनांक 20.09.2023 द्वारा स्पष्टीकरण का प्रत्युत्तर कार्यालय को प्राप्त हुआ है। आपके द्वारा समर्पित प्रत्युत्तर की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षोपरांत निम्न तथ्य प्रकाश में आये हैः–

कार्य समाप्ति अवधि के 06 माह बीत जाने के बाद भी अबतक लगभग 24 % कार्य ही पूर्ण किया गया है। प्राधिकार के पत्रांक 4677/Tech दिनांक 25.08.23 में उल्लेखित प्रासंगिक पत्रों एवं Site Order Book के माध्यम संवेदक को कार्य पूर्ण करने हेतु निदेशित किया गया, परंतु संवेदक द्वारा कार्य में अपेक्षित नहीं लाया गया। पुनः पत्रांक 4115/Tech दिनांक 21.07.2023 उक्त कार्य में गति लाने हेतु नोटिस भी दिया गया, परंतु कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं है। Drawings चरणबद्ध आपको उपलब्ध कराया जाता रहा है। उक्त परियोजना एकरारनामा के अनुसार अत्यंत मंद गति से क्रियान्वित किया जा रहा है। जिससे स्पष्ट होता है कि किसी परिस्थिति में प्रासंगिक योजना को प्रावधानित समय–सीमा में पूर्ण किया जाना संभव नहीं है।

अतः **M/s S.R. Construction** द्वारा प्रदत्त स्पष्टीकरण को अस्वीकृत करते हुए उनके **निबंधन संख्या– IDA/31/Class-1/2022** को भविष्य में किसी भी निविदा में भाग लेने से वंचित (Debar) किया जाता है।

विश्वासभाजन
ह०/–
निदेशक (कार्यक्रम कार्यान्वयन)

ज्ञापांक 5448/Tech दिनांक 30/09/23
प्रतिलिपिः जन–संपर्क पदाधिकारी, आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

निदेशक (कार्यक्रम कार्यान्वयन)

✯ **राकेश रोशन द्वारा 23 लाख रूपये का गबन :–** संविदा पर कार्यरत सहायक लेखा प्रबंधक राकेश रोशन पर भी लगभग 23 लाख रूपये के एरियर वेतन की अवैध स्वीकृति और भुगतान लेने का आरोप है, जिसे बिना वित्त विभाग की स्वीकृति के प्राप्त किया गया था। इतना ही नहीं, आयकर की देरी से अदायगी के कारण विभाग को लगभग 40 लाख रूपये का दंड भी भुगतना पड़ा।

इन तमाम मामलों को लेकर कई विधायक, जैसे श्री महानंद सिंह एवं श्री सत्येंद्र यादव ने बिहार विधानसभा में प्रश्न पूछे हैं। इसके बावजूद, आज तक इन पर कोई प्रभावी जांच नहीं की गई है। शिकायतकर्ताओं ने निगरानी विभाग या विशेष निगरानी इकाई से समेकित जांच की मांग की है। सरकार जहां भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन का दावा करती है, वहीं BSTDC में व्याप्त यह संगठित भ्रष्टाचार शासन की साख को बट्टा लगा रहा है। श्री अशोक कुमार जैसे सेवानिवृत्त अधिकारी को संविदा पर बनाए रखना, सरकार के आदेशों की खुलेआम अवहेलना है। अब देखना यह है कि क्या सरकार ऐसे अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई कर संदेश देगी कि भ्रष्टाचार किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शिकायतों के अनुसार श्री अशोक कुमार ने निविदा प्रक्रिया में S.R. Construction नामक एक फर्म को टेंडर आवंटित कराने के लिए CPWD की नकली ईमेल आईडी तैयार करवाई, जिसके माध्यम से फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र का सत्यापन दिखाया गया। जबकि वास्तविकता यह है कि यह फर्म पहले से ही इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट अथॉरिटी, बिहार द्वारा 'Debar' की गई थी। इस फर्जीवाड़े के चलते S.R. Construction को चार प्रमुख योजनाओं के ठेके मिल गए। यह फर्म इन निविदाओं में अकेली योग्य घोषित की गई, जिससे प्रतिस्पर्धा समाप्त हो गई और निविदाएं मनमानी कीमतों पर आवंटित कर दी गईं। यह एक संगठित योजना के तहत हुआ प्रतीत होता है।

इस पूरे मामले में अशोक कुमार के साथ–साथ पूर्व संविदा कनिष्ठ अभियंता अमरेंद्र अजय और संविदा पर कार्यरत राकेश रोशन का भी नाम प्रमुखता से सामने आया है। आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर एक संगठित गिरोह बनाया जो निविदाओं की खरीद–फरोख्त करता है। कई बार शिकायतकर्ताओं ने दस्तावेज और पत्रों के माध्यम से इस गिरोह की गतिविधियों के प्रमाण प्रस्तुत किए हैं।

इस प्रकरण में बिहार विधानसभा के कई विधायकों, जैसे श्री महानंद सिंह और श्री सत्येंद्र यादव ने सदन में प्रश्न पूछे और तत्काल कार्रवाई की मांग की। बावजूद इसके, अब तक कोई ठोस जांच या कार्रवाई सामने नहीं आई है।

श्री अमरेंद्र अजय, जो पहले BSTDC में संविदा पर कनिष्ठ अभियंता थे, अब भवन निर्माण विभाग में कार्यरत हैं। शिकायत के अनुसार, उन्होंने BSTDC से त्यागपत्र दे दिया, लेकिन त्यागपत्र को मंजूरी न देकर उन्हें दोनों जगहों पर कार्यरत दिखाया गया, जिससे वित्तीय और प्रशासनिक

राजपत्रित पदों पर संविदा से बहाली नहीं होगी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार में राजपत्रित पदों पर अब संविदा के आधार पर बहाली नहीं होगी। राज्य सरकार ने विभागों के सचिव, निदेशक, विभागाध्यक्ष समेत शीर्ष पदों पर संविदा से नियुक्ति पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। कोई भी सेवानिवृत्त राजपत्रित पदाधिकारी लेवल-11 से ऊपर के पदों पर संविदा पर नहीं रखे जाएंगे। सेवानिवृत्त सेवकों की शीर्ष पदों पर संविदा नियुक्ति को लेकर पहले से जारी तमाम निर्देशों को समाप्त कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस बाबत नया आदेश जारी किया है। इसमें सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव, डीजीपी, प्रमंडलीय आयुक्त और जिलाधिकारियों को ऐसा नहीं करने का निर्देश दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. बी राजेन्दर ने संविदा नियोजन को लेकर पहली जुलाई 2015, 16 जुलाई तथा 6 अक्टूबर 2021 और 25 नवम्बर 2022 को जारी निर्देशों को सरकार द्वारा विलोपित किये जाने की जानकारी दी है। राज्य सरकार के ताजा आदेश से सेवानिवृत्त सरकारी पदाधिकारियों की शीर्ष पदों पर संविदा के आधार पर बहाली के विभागों में बढ़ रहे प्रचलन पर लगाम लग गई है। वर्तमान में कई विभागों में शीर्ष पदों पर सेवानिवृत्त अफसर काबिज हैं। इनमें से कुछ तो नियुक्ति समितियों के प्रमुख भी हैं। सरकार के ताजा आदेश के बाद अब इन्हें हटाया जाएगा।

संविदा पर नियोजन को लेकर पुराने सभी आदेश निरस्त

■ **सरकार ने माना, ऐसी नियुक्तियों से समकक्षों का हित हो रहा प्रभावित**

मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद ही अब भर्ती

अपर मुख्य सचिव ने अपने आदेश में कहा है कि बेहद जरूरी होने पर ही राज्य मंत्रिमंडल के अनुमोदन से राजपत्रित तथा राज्य सेवा के शीर्ष पदों पर संविदा नियोजन को लेकर विचार किया जा सकता है। क्योंकि, सरकार का मानना है कि शीर्ष पदों पर सेवानिवृत्त अफसरों को संविदा पर रखने से उक्त संवर्ग के वरीय पदाधिकारियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

राकेश रोशन

अभिजीत कुमार

अमरेंद्र अजय

गौरव

अनियमितताएं उत्पन्न हुईं। इस तरह की घटनाएं केवल सरकारी धन का दुरुपयोग ही नहीं दर्शातीं, बल्कि शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी प्रश्नचिह्न लगाती हैं। यदि भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों को सजा नहीं मिलती, तो यह पूरे प्रशासनिक तंत्र में अनुशासनहीनता को बढ़ावा देता है।

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पटना में विगत दो वर्षों में भ्रष्टाचार और अनियमितता गबन घोटाला एवं आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के संबंध में दिए गए प्रमुख परिवाद पत्रों/Assembly Question की सूची :-

✯ **माननीय विधायकों द्वारा दिए गए Assembly Question की सूची :-**

☞ क्या मंत्री, पर्यटन विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे की 1. क्या यह बात सही है कि बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना में M/S S.R. Construction रामकृष्ण नगर, बेगूसराय को आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार (IDA) द्वारा Debar रहने के बावजूद तथा जाली अनुभव प्रमाण पत्र का सीपीडब्ल्यूडी (CPWD) के SELF CREATED फर्जी ईमेल के माध्यम से कार्य अनुभव का सत्यापन कर, निविदा में सफल घोषित कर सपोर्टिंग निविदा बनाकर, मनचाहे संवेदक को टेंडर दे दिया गया है। यदि उपरोक्त कथन स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त मामले में जांच स्वतंत्र इकाई (निगरानी विभाग) से करवा कर फर्जीवाड़ा करने वाले पदाधिकारी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों?

-श्री महानंद सिंह,
माननीय सदस्य बिहार विधानसभा
(Diary Number 17/14/3570)
(विभाग के द्वारा अभी तक जवाब नहीं दिया गया है)

☞ बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना में संविदा पर कार्यरत सहायक लेखा प्रबंधक, श्री राकेश रोशन, वित्त विभाग की स्वीकृति के विरुद्ध फर्जी तरीके से पत्रांक 01/21/स्था०/18-19/151/22 दिनांक

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि०
Bihar State Tourism Development Corporation Ltd
बीरचन्द पटेल पथ / Beerchand Patel Path, पटना / Patna- 800 001
दूरभाष / Phone :- +91-612-2222622 फैक्स न० / Fax No.- 0612-2506218
CIN : U63040BR1980SGC001486 web www.bstdc.bih.nic.in E-mail contactbstdc@gmail.com
BSTDC

पत्रांक : 01/21/स्था0/18-19/151/22 दिनांक [illegible]

कार्यालय आदेश

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि. पटना मे कार्यरत कर्मियों हेतु निगत का.आ.सं. 121/12 दिनाक 29/03/2012 द्वारा षष्ठम कन्द्रीय वेतनमान पुनरीक्षण के अनुरूप कुल 40 पदो हेतु निर्धारित वेतनमान मे कुल 07 पदो हेतु अनुशंसित पुनरीक्षित वेतनमान मे उत्पन्न विसंगति को सकल्प संख्या 630 दिनाक 21/01/2010 के Schedule-II and Schedule-III मे अंकित वेतनमान के अनुरूप निम्न रूप से वेतनमान संशोधित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है –

Sl No.	Designation	Revised Scale (6th Pay) as per Notification No. 630 Dt. 21.01.2010 Organisational Pattern of BSTDC. Scale Fixed by Public Enterprise Bureau (Finance) and O. o No. 121 Dt. 29.03.2012			
		Pay Band	Pay Scale	Pay in Pay Band as per Schedule II	Grade Pay
1	Company Secretary	PB-3	15600-39100	18750	6600
2	Manager Construction	PB-3	15600-39100	18750	6600
3	Manager Finance & Accounts	PB-3	15600-39100	18750	6600
4	Asstt. Manager Accounts	PB-2	9300-34800	14880	5400
5	Asstt. Manager Construction A.E.	PB-2	9300-34800	14880	5400
6	Asstt. Manager Travel Trade	PB-2	9300-34800	14880	5400
7	Secretary to M.D.	PB-2	9300-34800	13350	4600

उक्त के अनुरूप वर्तमान मे कार्यरत निम्न वर्णित कर्मचारी/ पदाधिकारी का वेतनमान एवं ग्रेड-पे निर्धारण की स्वीकृति दी जाती है –

Sl. No.	Name of Employee	Designation	Pay Band	Pay Scale	Pay in Pay Band as per Schedule II	Grade Pay
1	Sri Kamlesh Sharma	Asstt. Manager Construction A.E.	PB-2	9300-34800	14880	5400
2	Sri Rakesh Roshan	Asstt. Manager Accounts	PB-2	9300-34800	14880	5400

1) इससे संबंधित पूर्व निर्गत कार्यालय आदेश 121/12 दिनांक 29/03/2012 को यथा संशोधित किया जाता है।
2) यह निर्धारण औपबंधिक है, फलस्वरूप अधिकाई पाये जाने पर संबंधित से एकमुश्त वसूली कर ली जाएगी।
3) उपरोक्त निर्धारण 01/01/2006 के प्रभाव से की जाती है, जिसका वास्तविक आर्थिक लाभ संबंधित कार्मिक को 01 अप्रैल 2007 अथवा "समान कार्य समान वेतन" प्रदान करने की तिथि से प्रदान की जाएगी।

ह/-
(कँवल तनुज)
प्रबंध निदेशक

ज्ञापांक : 01/21/स्था0/18-19/2052/22 दिनाक : 18/10/2022

प्रतिलिपि:- स्थापना शाखा/ लेखा शाखा, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कारंवाई हेतु प्रेषित।

प्रबंध निदेशक

संचिका संख्या- 01/21/स्था०/18-19 पार्ट-I पृष्ठ संख्या- 08

4. प्रशासी विभाग का कहना है कि सहायक प्रबंधक लेखा, सहायक प्रबंधक ट्रे०ट्रे० का पद सरकार के अधीन नही होने के कारण इसके समकक्षीय पद सहायक अभियंता के अनुरूप छठा पुनरीक्षित वेतनमान P.B-2+G.P-5400/- स्वीकृत करने एवं इसी प्रकार कम्पनी सचिव का पद भी सरकार के अधीन स्वीकृत नही होने के कारण इस पद का छठा पुनरीक्षित वेतनमान कार्यपालक अभियंता के समकक्ष P.B-03+G.P-6600/- किये जाने पर वित्त विभागीय सहमति की अपेक्षा की गयी है।

5. संचिका पर उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर सहायक प्रबंधक लेखा, सहायक प्रबंधक ट्रे०ट्रे० का पद सहायक अभियंता के समकक्ष/समरूप होने का कोई आधार स्पष्ट नही हो पा रहा है, उसी प्रकार कम्पनी सचिव का पद कार्यपालक अभियंता के समकक्ष होने का भी कोई आधार स्पष्ट नही हो पा रहा है। पृष्ठ-13/प० के अवलोकन से ज्ञात हो रहा है कि दिनांक-01/01/2006 के प्रभाव से कम्पनी सचिव के वेतन का पुनरीक्षण P.B-3+G.P-6600/- मे किया गया है।

6. प्रबंध निदेशक के सचिव का छठा वेतन पुनरीक्षण P.B-2+G.P-4200/- के स्थान पर P.B-2+G.P-4800/- करने का अनुरोध किया गया है, चूंकि राज्य सरकार के अंतर्गत निजी सहायक पद का दिनांक-01/01/2006 से वेतनमान P.B-2+G.P-4600/- अनुमान्य है, तद्नुसार प्रबंध निदेशक के सचिव का भी दिनांक-01/01/2006 से पुनरीक्षित वेतनमान P.B-2+G.P-4600/- अनुमान्य किया जा सकता है।

7. शेष पदो का प्रतिस्थानी वेतनमान सही प्रतीत होता है। प्रशासी विभाग उपर्युक्त कंडिका 4,5 मे अंकित तीनो पदो के प्रतिस्थानी पुनरीक्षित वेतनमान के प्रति आश्वस्त हो लेना चाहेगा तदुपरांत प्रस्ताव गठित करना चाहेगा। उल्लेखनीय है कि इन तीनो पदो का उल्लेख राज्य सरकार के अधीन उपलब्ध नही है।

प्रशाखा पदाधिकारी
कृपया प्रशासी विभाग के [illegible] सम्बन्धित संस्थान के कर्मियों के सम्बन्ध में उपर्युक्त टिप्पणी।
2. प्रशासी विभाग [illegible] के आलोक में प्रस्ताव की समीक्षा, संगत अभिलेख सहित करना चाह सकता है।
20.03.2021

बिहार सरकार
वित्त विभाग

पत्रांक–3/एम0–12/2025सा0प्र0......1929....../
बिहार सरकार
सामान्य प्रशासन विभाग

प्रेषक,
डॉ0 बी0 राजेन्दर
सरकार के अपर मुख्य सचिव

सेवा में
सभी अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव
सभी विभागाध्यक्ष
पुलिस महानिदेशक
सभी प्रमण्डलीय आयुक्त
सभी जिला पदाधिकारी

पटना–15, दिनांक–25/04/2025

विषयः– सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों के संविदा नियोजन के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि सामान्य प्रशासन विभाग के संकल्प ज्ञापांक–10000 दिनांक–10.07.2015 द्वारा सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों के संविदा नियोजन की प्रक्रिया एवं मार्गदर्शक सिद्धान्त निरूपित है। उक्त प्रावधान के तहत सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों का संविदा नियोजन संकल्प की अनुसूची में सम्मिलित पदों पर ही किया जा सकता है।

2. पूर्व में उक्त प्रावधान के तहत संविदा नियोजन किये जाने के संदर्भ में सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र संख्या–10681 दिनांक–16.09.2021, 11899 दिनांक–06.10.2021 एवं 20947 दिनांक–25.11.2022 द्वारा कतिपय निदेश निर्गत किये गये थे। परिपत्र संख्या–20947 दिनांक–25.11.2022 द्वारा पूर्व में निर्गत परिपत्र 11899 दिनांक–06.10.2021 की कंडिका–6(क)(ii) एवं (iii) में संसूचित निर्णय को विलोपित किया गया है।

3. उल्लेखनीय है कि सम्प्रति सामान्य प्रशासन विभाग की अधिसूचना संख्या–19300 दिनांक–13.10.2023 में विहित प्रावधानों के आलोक में किसी सेवा/संवर्ग के प्रोन्नति के पदसोपानों में वेतनमान सहित उच्वतर पद का अस्थायी प्रभार दिया जा रहा है। परन्तु इस क्रम में प्रथम/द्वितीय चरण में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए पद सुरक्षित रखे जाने से पदसोपान के उतनी संख्या में उच्चतर पद अभी भी रिक्त रह जाते हैं।

परन्तु किसी सेवा/संवर्ग के Apex पदों पर सेवानिवृत्त कर्मियों का संविदा नियोजन करने से उक्त संवर्ग के वरीय पदाधिकारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना भी बनती है।

4. अतः उक्त वर्णित तथ्यों पर सम्यक् विचारोपरान्त, सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों के संविदा नियोजन के संदर्भ में पूर्व में निर्गत सभी निदेशों को अवक्रमित करते हुए, निम्नवत् निर्णय लिया जाता है–

(i) संकल्प ज्ञापांक–10000 दिनांक–10.07.2015 के प्रावधानों के आलोक में सचिव/विभागाध्यक्ष, राजपत्रित राज्य सेवाओं के Apex पदों अथवा अन्य महत्वपूर्ण पदों पर सेवानिवृत्त कर्मियों का संविदा नियोजन नहीं किया जाय।

–02–

(ii) किसी सेवा/संवर्ग के अधिकतम वेतन स्तर–11 तक के पदों की ऐसी रिक्तियाँ, जिन्हें अधिसूचना संख्या–19300 दिनांक–13.10.2023 में विहित प्रावधान के तहत अनिवार्य रूप से रिक्त रखा जाना है, के विरुद्ध ही सामान्य प्रशासन विभाग के संकल्प ज्ञापांक–10000 दिनांक–10.07.2015 के प्रावधान के तहत संविदा नियोजन पर विचार किया जाय।

परन्तु प्रशासी विभाग द्वारा संविदा नियोजन के ऐसे प्रस्ताव अग्रसारित किये जाने के पूर्व संबंधित सेवानिवृत्त कर्मी की उपयोगिता, दक्षता एवं उनके संविदा नियोजन के औचित्य पर निश्चित रूप से विचार किया जाय तथा प्रशासनिक हित में होने पर ही सामान्य प्रशासन विभाग को अग्रतर कार्रवाई हेतु अनुशंसित किया जाय।

(iii) मंत्रिपरिषद् के अनुमोदन से, राजपत्रित राज्य सेवाओं के Apex पदों पर सेवानिवृत्त कर्मियों के संविदा नियोजन पर अत्यन्त ही अपरिहार्य परिस्थितियों में विचार किया जाय।

5. अतः अनुरोध है कि वर्णित तथ्यों से अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों/कर्मियों को अवगत कराते हुए इसका अनुपालन सुनिश्चित करने का निदेश दिया जाय।

विश्वासभाजन,
24.4.2025
(डॉ0 बी0 राजेन्दर)
सरकार के अपर मुख्य सचिव

18-10-2022 से ग्रेड पे बढ़ा कर 2007 से 2023 तक वेतन वृद्धि का एरिया प्राप्त किया है। सरकार के खजाना से लाखों रुपए फर्जी तरीके से निकालकर श्री राकेश रोशन ने वित्तीय अराजकता पैदा किया है। सरकार से सहायक लेखा प्रबंधक, श्री राकेश रोशन द्वारा फर्जी तरीके से वेतन एवं एरियर निकाले जाने की कुछ स्तरीय टीम अथवा निगरानी विभाग से जांच करने का निवेदन करता हूं।

–श्री महानंद सिंह,
माननीय सदस्य बिहार विधानसभा,
निवेदन समिति से निवेदन, दिनांक –19-03-2025
(विभाग के द्वारा अभी तक जवाब नहीं दिया गया है)

✯ माननीय विधायकों द्वारा दिए गए परिवाद पत्रों की सूची :-

☞ श्री अभिजीत कुमार महाप्रबंधक बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पटना के द्वारा पर्यटन निगम में की जा रही भारी अनियमिता और भ्रष्टाचार एवं घोटाला पर रोक लगाने तथा दोषी व्यक्तियों पर जांच कर कार्रवाई करने के संबंध में

सुदय यादव
माननीय सदस्य, बिहार विधानसभा

☞ श्री अभिजीत कुमार महाप्रबंधक बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के द्वारा होटल कौटिल्य बिहार के रिपेयर कार्य योजना एवं अन्य योजना में बड़े पैमाने पर घोटाला एवं सरकारी राशि का गबन किए जाने के संबंध में।

–श्री महानंद सिंह,
माननीय सदस्य, बिहार विधानसभा (2 पत्र)

☞ बक्सर जिला अंतर्गत Budget Hotel का निर्माण कार्य हेतु Tender No.-27/Etender/BSTDC/SBD/2024-25 के माध्यम से Bihar State TourismDevelopment Corporation Limited,

महानंद सिंह
स.वि.स.
214–अरवल
सदस्य : पर्यटन उद्योग संबंधी समिति
(बिहार विधानसभा)

भाकपा माले जिला कार्यालय
एन.एच.-139, पटना-औरंगाबाद रोड, अरवल
मो॰ : 9470421281, 9006244096
Email ID : mahanand.cpiml@gmail.com

पत्रांक 54/25

दिनांक 19/03/2025

निवेदन

प्रभारी सचिव,
बिहार विधान सभा,
पटना।

बिहार विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के नियम–292 (घ) के तहत अत्यंत लोक महत्व के विषय पर निवेदन की सूचना देता हूँ।

भवदीय
19/3/2025
(महानंद सिंह)
स0वि0स0

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, पटना में संविदा पर कार्यरत सहायक लेखा प्रबंधक श्री राकेश रौशन वित्त विभाग के स्वीकृति के विरूद्ध फर्जी तरीके से पत्रांक–01/21/स्था0/18–19/151/22 दिनांक– 18–10–2022 से ग्रेड –पे बढ़वाकर वर्ष 2007 से 2023 तक वेतन वृद्धि का एरियर प्राप्त किया है। सरकार के खजाना से लाखों रूपये फर्जी तरीके से निकाल कर श्री राकेश रौशन ने वित्तीय अराजकता पैदा किया है।

सरकार से सहायक लेखा प्रबंधक श्री राकेश रौशन द्वारा फर्जी तरीके से वेतन व एरियर निकाले जाने की उच्च स्तरीय टीम अथवा निगरानी विभाग से जांच कराने का निवेदन करता हूं।

19/3/2025
(महानंद सिंह)

स0वि0स0
214–अरवल।

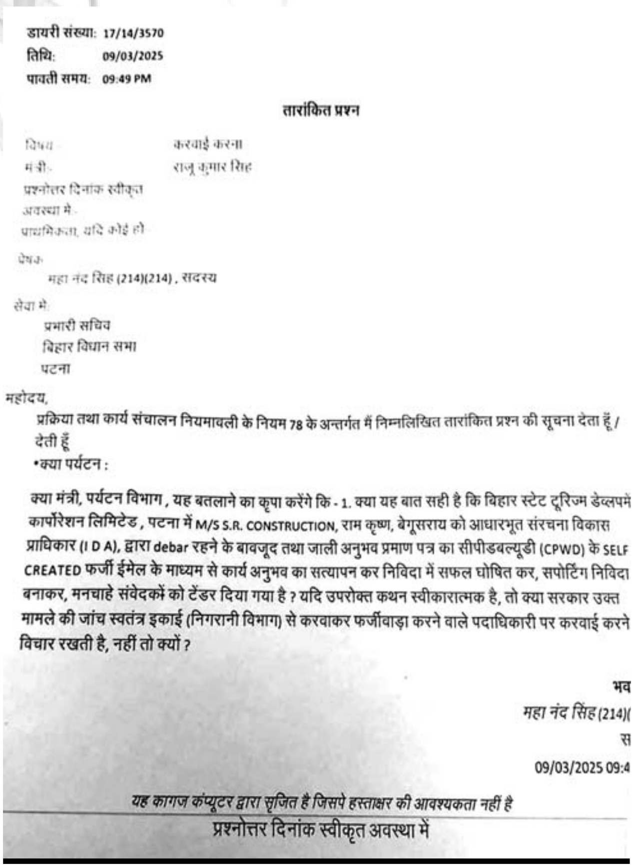

डायरी संख्या: 17/14/3570
तिथि: 09/03/2025
पावती समय: 09:49 PM

तारांकित प्रश्न

विषय - करवाई करना।
मंत्री- राजू कुमार सिंह
प्रश्नोत्तर दिनांक स्वीकृत अवस्था मे -
प्राथमिकता, यदि कोई हो -

प्रेषक
महा नंद सिंह (214)(214), सदस्य

सेवा मे
प्रभारी सचिव
बिहार विधान सभा
पटना

महोदय,
प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 78 के अन्तर्गत मैं निम्नलिखित तारांकित प्रश्न की सूचना देता हूं / देती हूँ
•क्या पर्यटन :

क्या मंत्री, पर्यटन विभाग, यह बतलाने का कृपा करेंगे कि - 1. क्या यह बात सही है कि बिहार स्टेट टूरिज्म डेव्लपमें कार्पोरेशन लिमिटेड, पटना में M/S S.R. CONSTRUCTION, राम कृष्ण, बेगूसराय को आधारभूत संरचना विकास प्राधिकार (I D A), द्वारा debar रहने के बावजूद तथा जाली अनुभव प्रमाण पत्र का सीपीडबल्यूडी (CPWD) के SELF CREATED फर्जी ईमेल के माध्यम से कार्य अनुभव का सत्यापन कर निविदा में सफल घोषित कर, सपोर्टिंग निविदा बनाकर, मनचाहे संवेदकों को टेंडर दिया गया है ? यदि उपरोक्त कथन स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त मामले की जांच स्वतंत्र इकाई (निगरानी विभाग) से करवाकर फर्जीवाड़ा करने वाले पदाधिकारी पर करवाई करने विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

भव
महा नंद सिंह (214)(
स
09/03/2025 09:4

यह कागज कंप्यूटर द्वारा सृजित है जिसपे हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है

प्रश्नोत्तर दिनांक स्वीकृत अवस्था में

पटना द्वारा निविदा आमंत्रित की गई थी, में भारी अनियमितता के संबंध में।

–श्री सत्येंद्र यादव

माननीय सदस्य, बिहार विधानसभा

☞ कार्यपालक अभियंता बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पटना के द्वारा निविदा में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र होने के उपरांत भी संवेदको पर विधि सम्मत उठी उचित कार्रवाई (जैसे कि EMD जप्त करना, ब्लैक लिस्ट करना) ना करते हुए बिहार ठेकेदारी नियमावली की अवहेलना करते हुए इन सभी से मोटी रकम लेकर उनकी निविदा में जमा की गई BID SECURITY (EMD) की राशि लौटा देने के संबंध में।

–श्री प्रमोद कुमार

माननीय सदस्य, बिहार विधानसभा

✯ केवल सच पत्रिका के द्वारा दिए गए परिवाद पत्रों की सूची :-

☞ श्री अमरेंद्र अजय, कनिय अभियंता (संविदा), बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा गलत तरीके से आए से अधिक अवैध संपत्ति अर्जित किए जाने के जांच के संबंध में।

☞ पटना जिला अंतर्गत पटना साहिब स्थित प्रकाश पुंज पर्यटक केंद्र के पास अवस्थित तालाब का सौंदर्यीकरण एवं चारों तरफ सड़क निर्माण के संबंध में।

☞ गया जिला के कोटेश्वर धाम मंदिर में पर्यटक की सुविधाओं के विकास कार्य (संवेदक रंजीता कुमारी द्वारा वर्ष 2021 में कराए गए एग्रीमेंट के तहत किया गया कार्य) के संबंध में।

BIHAR TOURISM
Blissful Bihar

☞ बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में लगभग डेढ़ दशकों से अभियंत्रण, होटल एवं लेखा संभाग में सक्रिय एक संगठित गिरोह के द्वारा भ्रष्टाचार/अनियमितता/गबन आदि की गतिविधियों सलिप्त रहने संबंधी मामले की जांच के संबंध में।

☞ बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पटना में सक्रिय संगठित माफिया गिरोह के सरदार श्री अमरेंद्र अजय कनीय अभियंता (संविदा) एवं श्री अशोक कुमार, मुख्य अभियंता, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना के द्वारा सुशासन को ठेंगा दिखाते हुए, इनके विरुद्ध दर्जनों परिवाद पत्र समर्पित होने के बावजूद, अभी भी सेटिंग कर, पर्यटन निगम का टेंडर बेचे जाने के संबंध में।

☞ बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड पटना में कार्यरत, केवल तीन कर्मियों के द्वारा पर्यटन निगम को अपनी जागीरदारी समझते हुए, पर्यटन विभाग एवं पर्यटन निगम के समस्त गतिविधियों/योजनाओं के क्रियान्वयन आदि को बर्बाद किए जाने के संबंध में।

☞ बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना में, के पूर्व कनिय अभियंता, श्री अमरेंद्र अजय के द्वारा एक साथ दो विभागों (बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड तथा भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना) में समानांतर रूप से कार्य करने की सूचना उपलब्ध कराने तथा इसे तत्काल रोक जाने के संबंध में निवेदन।

☞ श्री अशोक कुमार, मुख्य अभियंता, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना के द्वारा विभाग में सक्रिय एक संगठित माफिया गिरोह के सरदार श्री अमरेंद्र अजय संविदा कनिय अभियंता के मिली भगत से खुलेआम नियमों को तक पर रखकर टेंडर बेचे जाने एवं सुशासन के सरकार को ठेंगा दिखाने के संबंध में।

☞ बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना में को फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र एवं Debar होने के बावजूद मुख्य अभियंता, बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना के द्वारा कार्य आवंटित कर देने के मामले में, श्री महानंद सिंह, सदस्य बिहार विधानसभा द्वारा विधानसभा में उठाए गए प्रश्नों के जवाब में, आपको सही तथ्यों की जानकारी देने के संबंध में।

✯ आम जनता के द्वारा दिए गए परिवाद पत्रों की सूची :-

☞ श्री अमरेंद्र अजय कनिय अभियंता (संविदा), बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड द्वारा गलत तरीके से आए से अधिक अवैध संपत्ति अर्जित किए जाने के जांच के संबंध में

–दीपू पासवान, कृष्णा ब्रह्म, बक्सर।

☞ बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन में कार्यरत श्री राकेश रोशन, सहायक लेखा प्रबंधक के द्वारा हम से अनाधिकृत राशि की मांग करने तथा हमारे द्वारा राशि (रिश्वत) नहीं दिए जाने के कारण 4 वर्षों से मुझे लगातार प्रताड़ित करने एवं आर्थिक क्षति पहुंचाने के संबंध में।

–ऋषिकेश कुमार, संवेदक, कंकड़बाग, पटना।

बिहार पर्यटन निगम में घोटाले का आरोप संविदा कर्मी पर वेतन का फर्जी भुगतान लेने का मामला उजागर

बिहार स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (BSTDC), पटना में संविदा पर कार्यरत सहायक प्रबंधक (लेखा) श्री राकेश रोशन पर गंभीर वित्तीय अनियमितता और गबन के आरोप लगे हैं। एक लिखित शिकायत के माध्यम से यह मामला माननीय मुख्यमंत्री को

सेवा में,

जिला पदाधिकारी महोदय,
बक्सर

विषयः- जिला गोपनीय शाखा, बक्सर में श्रीकृष्णदेव चौधरी, लिपिक का लगभग 8 वर्ष से पदाधिकारियों को गुमराह कर प्रतिनियुक्त पर कार्य करने एवं अपने चहेतों को लाभ पहुचाने के संबंध में।

महाशय,

सविनय निवेदन पूर्वक सूचित करना है कि आपके जिला गोपनीय शाखा में श्री कृष्णदेव चौधरी, लिपिक लगभग 10 वर्ष से एक ही जगह पर कार्य रहे हैं। यह बहुत ही शातिर कर्मी है। पदाधिकारी को गुमराह करना इनके लिए बड़ी बात नही है। इनका जब भी किसी कार्यालय में तीन वर्ष की अवधि पूर्ण होता है यह अपना स्थानांतरण जिला स्थापना शाखा से मेलजोल करके किसी दूसरे शाखा में कराकर प्रतिनियुक्ति जिला गोपनीय शाखा में कराते हैं। जबकि जिला गोपनीय शाखा में प्रतिनियुक्ति पर लगभग 10 वर्ष से काम कर रहे है। यह जाँच का विषय है कि इनके बाद या पूर्व के सभी कर्मी जो जिला गोपनीय शाखा में प्रतिनियुक्त हुये उनका स्थानांतरण दूसरे जगह हो गया, लेकिन इनका स्थानांतरण अब तक क्यों नहीं हुआ है। इनके खिलाफ जो भी आवाज उठाता है उसके संबंध में वरीय पदाधिकारी को गलत फीडबैक देकर उसका स्थानांतरण दूर के किसी प्रखण्ड में करा देते है। समाहरणालय के सभी लिपिक प्रखण्ड एवं अंचल कार्यालय में कार्य कर चुके हैं और अब तक यह जिला से बाहर किसी प्रखण्ड अंचल कार्यालय में काम नही किये है। क्या इनके बिना जिला पदाधिकारी के गोपनीय शाखा का कार्य नही हो सकता है या इनकी सोची समझी साजिश का नतीजा है कि यह वर्षों से एक जगह पर जमे है इस पर जिला पदाधिकारी महोदय को गौर करने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में श्रीमान के निर्णय और प्रशासन पर कोई प्रश्न चिन्ह्न खड़ा न हो सके।

श्री कृष्ण देव चौधरी विगत कई वर्ष से गोपनीय शाखा में कार्य कर अपना वर्चस्व [illegible] कर लिये हैं और इसका लाभ अपने परिवारीक सदस्यों को पहुँचाये हैं यह गोपनीय शाखा में कार्य करते हुये सांठगांठ से अपनी पत्नी एवं भाई को कार्यपालक सहायक बना दिये। अगर इनके नियोजन की जाँच की जाय तो संभव है कि इसमें भी कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आयेंगे। श्रीमान् अपने आसपास कार्य करने वाले कर्मियों से भी इनके आचार-व्यवहार के संबंध में जानकारी ली जायेगी तो सारी स्थिति का खुद पता चल जायेगा। आपके स्थापना शाखा में इनकी पहुँच बहुत है जिसके प्रमाण स्वरुप एक छोटा वाक्या आपके जानकारी में लाना चाहता हूँ। दिनांक [illegible].2021 को जिला अध्यक्ष, छात्र राजद, बक्सर द्वारा तत्कालीन जिला पदाधिकारी, बक्सर को श्री कृष्ण देव चौधरी के कारनामों के संबंध में अवगत कराते हुये एक आवेदन दिया गया जिसे जिला पदाधिकारी द्वारा स्थापना शाखा को भेजते हुये DDC को स्वयं जाँच करने का निदेश दिया गया, लेकिन संचिका स्थापना शाखा से तत्कालीन DDC के समक्ष नहीं भेजा गया और मामले की लिपापोती कर दी गई। (आवेदन की छायाप्रति संलग्न कर रहा हूँ)

श्रीमान् को यह भी बताना चाहता हूँ कि गोपनीय शाखा में कार्य करके और वहाँ धौंस दिखाकर यह अपनी पत्नी एवं एक भाई को कार्यपालक सहायक पर नियोजन कराने के साथ ही मनमाने तरीके से उनका स्थानांतरण अपनी इच्छा के अनुसार करा लेते हैं। इनकी पत्नी श्रीमती मनीषा कुमारी, कार्यपालक सहायक जो अंचल कार्यालयों में RTPS के लिए नियोजित है उनका गलत प्रकिया के तहत समाहरणालय RTPS काउंटर पर स्थांतरण करा लिया गया है, जबकि समाहरणालय RTPS काउंटर पर कल्याण शाखा के कार्यपालक सहायक को प्रतिनियुक्त किया जाना है। कई बार इनका स्थानांतरण बक्सर अंचल में किया गया, लेकिन पुनः इनका स्थानांतरण समाहरणालय RTPS पर नियम को ताक पर रख कर दिया गया। इसी प्रकार यह अपने भाई चन्द्रशेखर चौधरी का स्थानांतरण भी उनकी सुविधानुसार करा लेते हैं। इसकी विस्तृत जाँच कार्यपालक सहायक के स्थानांतरण संचिका से करायी जा सकती है। श्री कृष्ण चौधरी की पत्नी भी अपनी पति के रोआब का फायदा उठाती हैं कार्यालय आकर उपस्थिति दर्ज कर गायब हो जाती हैं, जिसके आने-जाने का समय CCTV फुटेज से देखा जा सकता है। कई लोग जो महोदय से मिलने आते है तो यह बोल देते है कि हमको बता दिजिये हम देख लेगे इनके व्यवहार से लगता है कि यह ही जिला पदाधिकारी है।

अतः अनुरोध है कि जिला अध्यक्ष, छात्र राजद, बक्सर द्वारा पूर्व में दिये गये आवेदन एवं मेरे द्वारा श्री कृष्णदेव चौधरी के संबंध में अवगत करायी गयी स्थिति को गंभीरता से लेते हुये इनका स्थानांतरण [illegible] एवं [illegible] कार्यालय में करने की कृपा की जाय ताकि भविष्य में इनके कारण जिला प्रशासन का छवि धुमिल न हो सके।

अग्रेतर कार्रवाई/

प्रतिलिपि- प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन. बिहार. पटना.

विश्वासभाजन
(जितेन्द्र दूबे)
जिला प्रवक्ता भाजपा।
बक्सर
17-08-2023

भेजा गया है, जिसमें आरोप है कि श्री रोशन ने नियमों की अवहेलना करते हुए वेतन पुनरीक्षण एवं ग्रेड पे में अवैध वृद्धि कर सरकार की राशि का दुरुपयोग किया है।

शिकायत में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि श्री रोशन ने पत्रांक 01/21/स्था०/18-19/151/22, दिनांक 18-10-2022 के माध्यम से अपने वेतन में वर्ष 2007 से 2023 तक की बढ़ोतरी के लिए ग्रेड पे में संशोधन कर arrear प्राप्त कर लिया। यह सब बिना वित्त विभाग, बिहार की अनुमति के किया गया, जो राज्य सेवा नियमों के अनुसार स्पष्ट रूप से अवैध है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इस वेतन पुनरीक्षण और ग्रेड पे वृद्धि का प्रस्ताव, संचिका संख्या 01/21/स्था०/18-19/पार्ट-1 के अंतर्गत भेजा गया था, जिसे वित्त विभाग द्वारा पहले ही अस्वीकृत कर दिया गया था। इसके बावजूद श्री रोशन ने इस आदेश की अनदेखी करते हुए वेतन लाभ प्राप्त किए और आज तक बढ़े हुए वेतन का भुगतान ले रहे हैं।

इस गंभीर मामले को 19 मार्च 2025 को बिहार विधानसभा की निवेदन समिति के माननीय सदस्य श्री महानंद सिंह के संज्ञान में भी लाया गया है। हालांकि, विभाग की ओर से अब तक कोई औपचारिक उत्तर नहीं दिया गया है, जिससे प्रशासनिक उदासीनता और लापरवाही की आशंका और प्रबल हो गई है।●

जगजीवन महाविद्यालय डेहरी ऑन सोन राजभवन सरकार और उच्च न्यायालय पटना के आदेश को न मानते हुए

अवैध कर्मियों को कर रहा है भुगतान

● **शशि रंजन सिंह/राजीव कुमार शुक्ला**

पूरे राज्य में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार और अनियमिता की खबर आपको रोज देखने को मिल जाएगी। शिक्षा विभाग में आंगनबाड़ी केंद्र से लेकर विश्वविद्यालय तक अनियमिता और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय से सबद्ध जगजीवन महाविद्यालय डेहरी ऑन सोन, रोहतास में राजभवन, बिहार सरकार, शिक्षा विभाग और पटना उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद अवैध शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मियों का भुगतान हो रहा है। वीरकुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा (जो बिहार के रोहतास, भोजपुर और भभुआ जिलों में शिक्षा प्रदान करता है) और इसके अधीनस्थ जगजीवन महाविद्यालय, डेहरी–ऑन–सोन, रोहतास से संबंधित है। यह कॉलेज उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्थानीय छात्रों को स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षा प्रदान करता है।

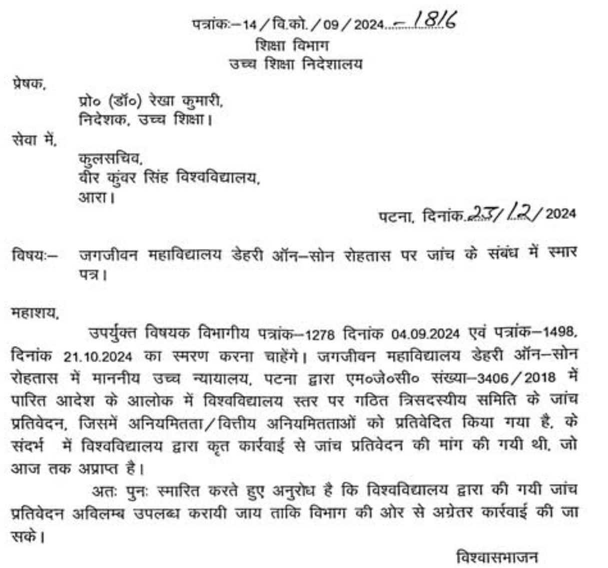

पत्रांकः–14/वि.को./09/2024.–1816
शिक्षा विभाग
उच्च शिक्षा निदेशालय

प्रेषक,
प्रो० (डॉ०) रेखा कुमारी,
निदेशक, उच्च शिक्षा।

सेवा में,
कुलसचिव,
वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय,
आरा।

पटना, दिनांक 23/12/2024

विषयः– जगजीवन महाविद्यालय डेहरी ऑन–सोन रोहतास पर जांच के संबंध में स्मार पत्र।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक विभागीय पत्रांक–1278 दिनांक 04.09.2024 एवं पत्रांक–1498, दिनांक 21.10.2024 का स्मरण करना चाहेंगे। जगजीवन महाविद्यालय डेहरी ऑन–सोन रोहतास में माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा एम०जे०सी० संख्या–3406/2018 में पारित आदेश के आलोक में विश्वविद्यालय स्तर पर गठित त्रिसदस्यीय समिति के जांच प्रतिवेदन, जिसमें अनियमितता/वित्तीय अनियमितताओं को प्रतिवेदित किया गया है, के संदर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा कृत कार्रवाई से जांच प्रतिवेदन की मांग की गयी थी, जो आज तक अप्राप्त है।

अतः पुनः स्मारित करते हुए अनुरोध है कि विश्वविद्यालय द्वारा की गयी जांच प्रतिवेदन अविलम्ब उपलब्ध करायी जाय ताकि विभाग की ओर से अग्रेतर कार्रवाई की जा सके।

विश्वासभाजन
Signed by
(रेखा कुमारी) Rekha Kumari
निदेशक, उच्च शिक्षा
Date: 23-12-2024 06:33:57

माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा पारित न्यायदेश, शिक्षा विभाग बिहार सरकार और राजभवन द्वारा निर्गत आदेश के साथ जगजीवन महाविद्यालय डेहरी ऑन सोन रोहतास में माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा MJC नंबर- 3406/2018 में पारित न्यायदेश के आलोक में शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा गठित जांच समिति की जांच प्रतिवेदन; जिसमें सरकारी अनुदान राशि के वितरण में वर्तमान कुलपति पूर्व कुल सचिव एवं अवैध शासी निकाय, जिसके अध्यक्ष वर्तमान में विधान परिषद सदस्य और विधान परिषद के माननीय सभापति अवधेश नारायण सिंह हैं सहित सभी सदस्यों को दोषी मानते हुए जांच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित वित्तीय अनियमिता को प्रतिवेदन किया है। राज्य सरकार द्वारा गणित अंकेक्षको द्वारा प्रतिवेदित जाँच प्रतिवेदन में महाविद्यालय में वित्तीय अनियमिता का स्पष्ट प्रमाण है लेकिन आज भी कुलपति और कुल सचिव के सहयोग से महाविद्यालय द्वारा अवैध कर्मियों का भुगतान हो रहा है।

माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा याचिका संख्या CWJC

नंबर-2096, 2222, 3578 एवं 722/2010 में पारित आदेश दिनांक-19/08/2018 के आलोक में त्रि-सदस्यीय जांच समिति के आधार पर कुलसचिव, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा द्वारा निर्गत आदेश पत्रांक संख्या-C/185/Estab/11 दिनांक-23/02/2011 में वर्ष 2005 के जाँच की तिथि-02/11/2010 तक नियुक्त शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी की नियुक्ति अवैध करार दिया था। जगजीवन कॉलेज डेहरी ऑन सोन के Add हॉक समिति ने दिनांक-17/09/2022 को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा द्वारा निर्गत आदेश का अनुपालन करने का संकल्प लिया गया था समिति के निर्णय के आलोक में कॉलेज के समिति द्वारा वर्ष 2005-07 एवं वाद की विधि-सम्मत रूप से नियुक्त, अनुकंपा नियुक्ति को छोड़कर शेष नियुक्तियां पत्रांक-09/sec/12 दिनांक-20/12/2012 के द्वारा निरस्त कर पटना उच्च न्यायालय को समर्पित कर दिया गया था। उसके बाद कई कर्मियों ने पटना उच्च न्यायालय में पुनरीक्षण याचिका डाली जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया और अंततः CWJC नंबर-6252/2015 का आदेश प्रभावी हो गया।

माननीय उच्च न्यायालय, पटना ने रिट याचिका CWJC No.--6252/2015 पर निर्णय पारित किया। इस निर्णय में निम्नलिखित दिशा-निर्देश दिए गए :-

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय को जगजीवन महाविद्यालय सहित संबंधित कॉलेजों के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सूची की जांच करनी है, जो सरकारी अनुदान से वेतन पाने के योग्य हैं।

☞ विश्वविद्यालय को इन कर्मचारियों के वेतन की राशि निर्धारित करनी है।

☞ कॉलेज प्रबंधन और गवर्निंग बॉडी को जांच में पूर्ण सहयोग करना होगा। असहयोग की स्थिति में विश्वविद्यालय को दस्तावेज जब्त करने का

मनीष कुमार
सामाजिक कार्यकर्त्ता

सत्यमेव जयते

आवास : C/o - B.R. Ojha
कोपरेटिव बैंक के पीछे, गली नं०-03 के आखिर में महाराजा हाता, आरा, भोजपुर- 802301
Mob. 8757737808
Email-mannishkumar08@gmail.com

पत्रांक ...-175 — दिनांक 13-01-2025

राज्यपाल सचिवालय
बिहार, पटना
प्राप्ति की तिथि 13/01/2025
हस्ताक्षर

सेवा में,

माननीय कुलाधिपति,

बिहार के सभी विश्वविद्यालय,

राज्यपाल सचिवालय, पटना।

विषय - जगजीवन महाविद्यालय, डेहरी आन सोन, रोहतास के परिप्रेक्ष्य में सरकारी अनुदान के वितरण में जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित जांच समिति के प्रतिवेदन में प्रतिवेदित वित्तीय अनियमितता के संदर्भ में कुलपति, कुलसचिव एवं अवैध शासी निकाय के सभी सदस्यों पर विधिसम्मत निर्णय लेकर प्राथमिकी दर्ज कर / कराने एवं सरकारी अनुदान राशि की वसूली हेतु स्मार करने के संबंध में।

प्रसंग - शिक्षा विभाग, राज्य सरकार का जांच प्रतिवेदन (छायाप्रति संलग्न), राज्यपाल सचिवालय का आदेश पत्रांक - 1433 दिनांक- 03.09.2024 (छायाप्रति संलग्न), पत्रांक -1432 दिनांक - 03.09.2024 (छायाप्रति संलग्न) एवं शिक्षा विभाग बिहार सरकार का निर्गत पत्रांक - 1278 दिनांक - 05.09.2024 (छायाप्रति संलग्न), पत्रांक -1498 दिनांक 21.10.2024 (छायाप्रति संलग्न) एवं पत्रांक- 1816 दिनांक - 23.12.2024 के क्रमिक निर्देशों के क्रम में।

महोदय,

उपयुक्त विषय प्रसंग में माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा पारित न्यायदेशों / शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा निर्गत आदेशों के साथ जगजीवन महाविद्यालय, डेहरी आन सोन, रोहतास में माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा एम.जे.सी. संख्या - 3406/2018 में पारित न्यायदेश के आलोक में शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा गठित जांच समिति के जांच प्रतिवेदन जिसमें सरकारी अनुदान राशि के वितरण में वर्तमान कुलपति, पूर्व कुलसचिव एवं अवैध शासी निकाय के सभी सदस्यों को दोषी मानते हुए जांच प्रतिवेदन में वित्तीय अनियमितता को प्रतिवेदित किया है।

उपयुक्त प्रसंग में हमारे द्वारा राज्यपाल सचिवालय को अभ्यावेदन पत्रांक - 115 दिनांक - 15.10.2024 (छायाप्रति संलग्न) पत्रांक -134 दिनांक - 28.10.2024 (छायाप्रति संलग्न) में अंकित है कि राज्यपाल सचिवालय के पत्रांक - 1432 दिनांक - 03.09.2024 (छायाप्रति संलग्न) के आलोक में विश्वविद्यालय पत्रांक - 1881 दिनांक - 14.10.2024 राज्यपाल सचिवालय को प्रेषित कर दिया गया है परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि राज्यपाल सचिवालय के अधिकारी / कर्मचारी की भूमिका पूर्णतः संदिग्ध है तथा हठधर्मिता / स्वेच्छाचारिता एवं अनुतरदायी व्यवहारों / आचरण का परिचायक है। क्योंकि आदिनांक भ्रष्ट कुलपति, कुलसचिव तथा अवैध शासी निकाय के सभी सदस्यों पर राज्यपाल सचिवालय स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

पुनः उपरोक्त प्रसंग में यह अंकित करना है कि राज्य सरकार द्वारा गठित अंकेक्षकों द्वारा प्रतिवेदित जांच प्रतिवेदन महाविद्यालय के वित्तीय अनियमितता का स्पष्ट प्रमाण / साक्ष्य है और अवैध भुगतान आदिनांक भ्रष्ट कुलपति और कुलसचिव के सहयोग से महाविद्यालय में हो रहा है।

अतः माननीय कुलाधिपति महोदय से आग्रह है कि राज्य सरकार गठित जांचदल के प्रतिवेदन में अंकित तथ्यों को दृष्टिपथ में रखते हुए जगजीवन महाविद्यालय में पायी गयी वित्तीय अनियमितता के आलोक में वर्तमान कुलपति, कुलसचिव तथा महाविद्यालय के अवैध शासी निकाय के जनप्रतिनिधि, सचिव, प्रभारी प्राचार्य, दानदाता सदस्य एवं शिक्षक प्रतिनिधि पर अविलंब अपने स्तर से प्राथमिकी दर्ज कर / कराने की महति कृपा की जाए तथा public demand recovery atc तरह अनुदान राशि की वसूली हेतु सम्यक विधिसम्मत निर्णय लेने की कृपा की जाए।

अनुलग्नक - यथोक्त

प्रति - राज्यपाल सचिवालय पत्रांक - पत्र दिनांक - 10-01-2025

भवदीय
मनीष कुमार

शैलेन्द्र कुमार दीक्षित

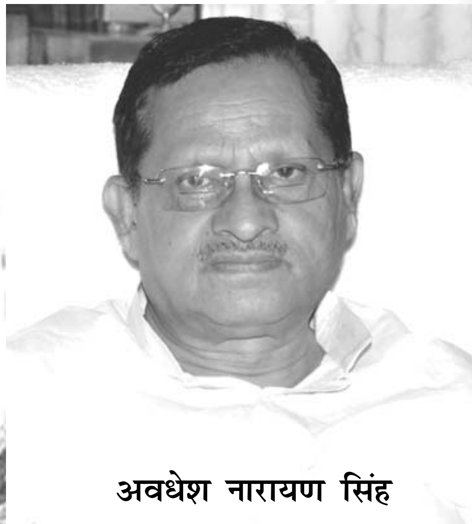
अवधेश नारायण सिंह

अशोक कुमार सिंह

अधिकार होगा। जांच तीन महीनों के भीतर पूरी होनी चाहिए और इसके परिणाम के आधार पर कर्मचारियों को वेतन दिया जाएगा।

☞ यदि जांच में अनियमितता (जैसे किसी को गलत वेतन या वंचना) पायी जाती है, तो विश्वविद्यालय कॉलेज को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के आदेश दे सकता है, जिसका पालन करना कॉलेज के लिए अनिवार्य होगा।

☞ प्रशासनिक और वित्तीय संदर्भ पृष्ठ 4 में "राज्यपाल सचिवालय, बिहार, पटना-800022" का उल्लेख है, जो दर्शाता है कि यह दस्तावेज बिहार सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय या वित्त विभाग से संबंधित हो सकता है। यह अनुदान वितरण और वेतन प्रबंधन में राज्य सरकार की भूमिका को

श्री विजय कुमार मंडल, माननीय स०वि० स० से प्राप्त तारांकित प्रश्न संख्या शिक्षा–17/14/1941	श्री सुनील कुमार, माननीय मंत्री, शिक्षा विभाग द्वारा दिया जाने वाला उत्तर
प्रश्न	उत्तर
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:–	
(2) क्या यह बात सही है कि शिक्षा विभाग के पत्रांक–14/वि.को./ता.प्र.–08/2023–2017, दिनांक–18.12.2023 द्वारा जगजीवन महाविद्यालय, डेहरी ऑन सोन, रोहतास में विभागीय स्तर से गठित 02 सदस्यीय जांच प्रतिवेदन के निष्कर्ष में वित्तीय अनियमितता को प्रतिवेदित किया गया है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त प्रतिवेदन के संदर्भ में दोषी सदस्यों तथा विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों के विरुद्ध कौन सी कार्रवाई कब तक करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?	उत्तर स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि विभागीय स्तर पर गठित दो सदस्यीय जांच समिति से प्राप्त जांच प्रतिवेदन की प्रति विभागीय पत्रांक–1278 दिनांक 04.09.2024 द्वारा कुलसचिव, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा को उपलब्ध कराते हुए उक्त जांच प्रतिवेदन एवं विश्वविद्यालय स्तर पर गठित त्रि–सदस्यीय समिति के जांच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित अनियमितता/वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा की गई कार्रवाई के प्रतिवेदन की मांग की गई है। विश्वविद्यालय से प्रतिवेदन अप्राप्त रहने के कारण उक्त प्रतिवेदन देने हेतु विभागीय पत्रांक–1498 दिनांक 21.10.2024 एवं पत्रांक–1816 दिनांक 23.12.2024 द्वारा स्मारित भी किया गया है। प्रतिवेदन प्राप्त होने पर तदनुसार कार्रवाई की जा सकेगी।

ह०/–
सरकार के उप सचिव
शिक्षा विभाग, बिहार, पटना

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
राजभवन, पटना–800 022

पत्रांक वि.वि.(विविध) 33/2024– /रा.स.(I), दिनांक–

प्रेषक,
राबर्ट एल. चोंग्थू, भा.प्र.से.
राज्यपाल के प्रधान सचिव

सेवा में,
कुलपति / कुलसचिव
वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय
आरा।

विषय–श्री मनीष कुमार से प्राप्त परिवाद पत्र के संबंध में।

प्रसंग– इस सचिवालय के पत्रांक–वि.वि.(विविध)–33/2024– 1432/रा.स.(I) दिनांक 03.09.2024

महोदय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक एवं प्रासंगिक पत्र के संदर्भ में विश्वविद्यालय का कृत कार्रवाई प्रतिवदन आदिनांक अप्राप्त है।

इसी बीच पुनः श्री मनीष कुमार, सामाजिक कार्यकर्त्ता, आवास संख्या–द्वारा श्री बी.आर. ओझा, कोपरेटिव बैंक के पीछे, गली नं.–03 के आखिर मे महाराजा हाता, आरा, भोजपुर–802301 से प्राप्त आवेदन दिनांक 13.01.2025 की छायाप्रति संलग्न करते हुये अनुरोध है कि विषयांकित मामले नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाय एवं कृत कार्रवाई संबंधी प्रतिवेदन **15 दिनों** के अंदर निश्चित रूप से इस सचिवालय को उपलब्ध कराया जाय ताकि वस्तु स्थिति से माननीय कुलाधिपति महोदय को अवगत कराया जाय सके।

कृपया इसे आवश्यक समझा जाय।

विश्वासभाजन,
ह./–

अनु.:–यथा वर्णित।

(राबर्ट एल. चोंग्थू)
राज्यपाल के प्रधान सचिव

ज्ञापांक–वि.वि.(विविध)–33/2024–875 /रा.स.(I), दिनांक– 29/05/2025

प्रतिलिपि:–श्री मनीष कुमार, सामाजिक कार्यकर्त्ता, आवास संख्या–द्वारा श्री बी.आर. ओझा, कोपरेटिव बैंक के पीछे, गली नं.–03 के आखिर में महाराजा हाता, आरा, भोजपुर–802301 **|mannishkumar08@gmail.com|** को सूचनार्थ एवं आवयश्क कार्यार्थ प्रेषित।

29.5.2025
राज्यपाल के प्रधान सचिव

रेखांकित करता है।

जगजीवन महाविद्यालय, डेहरी-ऑन-सोन में वेतन वितरण और सरकारी अनुदान के उपयोग में पारदर्शिता लाना प्रतीत होता है। उच्च न्यायालय का 2010 का निर्णय और वर्तमान दिनांक (14 जून 2025) का उल्लेख दर्शाता है कि यह मामला लंबे समय से विचाराधीन है और हाल ही में पुनर्जनन या समीक्षा के दौर से गुजर रहा है।

✯ **पारदर्शिता और जवाबदेही :-** उच्च शिक्षा संस्थानों में वित्तीय प्रबंधन की पारदर्शिता और कर्मचारियों के वेतन अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय और कॉलेज प्रबंधन को सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

✯ **OCR सुधार की आवश्यकता :-** दस्तावेज में व्यापक दोहराव और अस्पष्टता OCR त्रुटियों के कारण है। मूल दस्तावेज की समीक्षा और

दैनिक भास्कर 30-08-2024

कार्रवाई • वीकेएसयू आरा के वीसी की नियुक्ति पर भी इन्हीं मामले में हाईकोर्ट में याचिका

वीकेएसयू के वीसी की नियुक्ति पर संशय

टीएमबीयू के वीसी की बहाली में वही पेच

एजुकेशन रिपोर्टर | भागलपुर

वीकेएसयू आरा के कुलपति डॉ. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी की नियुक्ति में अनियमितता के जिस मामले में हाईकोर्ट ने आगे की कार्रवाई करते हुए वहां के रजिस्ट्रार को जवाबी हलफनामा देने को कहा है, टीएमबीयू के कुलपति प्रो. जवाहर की बहाली में भी वही गड़बड़ी का आरोप है। जवाहर लाल का मामला भी हाईकोर्ट पहुंचा है और पहली सुनवाई की प्रतीक्षा हो रही है। लेकिन एक ही तरह का मामला होने के कारण कहा जा रहा है कि जवाहर लाल को लेकर भी कोर्ट की वही कार्रवाई जल्द हो सकती है जो कोर्ट ने शैलेन्द्र चतुर्वेदी के मामले में की है। शैलेन्द्र चतुर्वेदी की नियुक्ति में प्रोफेसर के रूप में 10 साल का अनुभव नहीं रहने और नियुक्ति क प्रक्रिया के लिए गठित सर्च कमेटी में यूजीसी का कोई भी प्रतिनिधि शामिल नहीं रहने को लेकर दाखिल की गई याचिका पर संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और जस्टिस पार्थ सारथी की खंडपीठ ने वीकेएसयू आरा के रजिस्ट्रार को जवाबी हलफनामा देने को कहा है। जानकारों ने बताया कि कुलपति के पद पर नियुक्ति के लिए प्रोफेसर के रूप में 10 साल का अनुभव अनिवार्य है। साथ ही नियुक्ति के लिए जो सर्च कमेटी राजभवन के स्तर पर बनती है उसमें राजभवन और राज्य सरकार के एक-एक प्रतिनिधि के साथ ही यूजीसी का भी एक प्रतिनिधि शामिल होना चाहिए।

टीएमबीयू के कुलपति जवाहर लाल के मामले की बात करें तो इनकी नियुक्ति में भी इन दोनों मानकों का पालन नहीं होने का आरोप लगाते हुए करीब दो महीने पहले टीएमबीयू के ही पूर्व रजिस्ट्रार गिरिजेश नंदन कुमार ने भी हाईकोर्ट में याचिका दी थी। गिरिजेश नंदन कुमार ने कहा कि उनकी याचिका अभी सुनवाई के लिए सूची पर नहीं आई है। लेकिन संभावना है कि एक हफ्ते में याचिका लिस्ट पर आ जाए। चूंकि दोनों कुलपतियों के केस एक हैं और आरा विवि के कुलपति के मामले में कोर्ट ने सुनवाई करते हुए हलफनामा मांगा है इसलिए टीएमबीयू के कुलपति नियुक्ति को लेकर भी यह प्रक्रिया होगी।

जवाहर लाल का कार्यकाल अभी एक साल और है बचा

जवाहर लाल के मामले में तो खुद यूजीसी ने कोर्ट को बताया है कि जब उनकी नियुक्ति की प्रक्रिया की गई थी तब यूजीसी के किसी भी प्रतिनिधि को सर्च कमेटी में नहीं रखा गया था। टीएमबीयू में 22 अगस्त 2022 को कुलपति नियुक्त हुए जवाहर लाल का कार्यकाल अभी एक साल और बचा है। इधर गिरिजेश नंदन कुमार ने बताया कि इस अनियमितता में राज्य के एक-दो और कुलपतियों की नियुक्ति सवालों में घेरे में है। इनकी नियुक्ति भी पूर्व कुलाधिपति फागू चौहान के समय हुई थी।

Aara Hindus...
:.livehindustan.com

राज्यपाल सचिवालय ने जारी किया पत्र

आरा। विशेष निगरानी इकाई निगरानी विभाग बिहार सरकार के आरोप पत्र के अलोक में नामजद आरोपितों को दायित्वपूर्ण कार्य से मुक्त करने का पत्र राज्यपाल सचिवालय के विशेष कार्य पदाधिकारी (न्यायिक) बालेन्द्र शुक्ला ने कुलपति को जारी किया है। राज्यपाल सचिवालय ने सामाजिक कार्यकर्ता मनीष कुमार के पत्र का जिक्र करते हुए कई बिंदुओं पर प्रतिवेदन की भी मांग की है।

सामाजिक कार्यकर्ता से मारपीट, केस

घटना की निंदा

- पूर्व कुलसचिव और उनके पुत्र पर दर्ज करायी गयी प्राथमिकी
- विश्वविद्यालय में घटित घटना की कई लोगों ने की निंदा

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में सामाजिक कार्यकर्ता मनीष कुमार सिंह के साथ हुए मारपीट मामले में नवादा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। नवादा थाना पुलिस ने मनीष कुमार सिंह के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की है।

घटना सोमवार की दोपहर बाद की विवि कैंपस में घटित हुई है। मामले में मनीष की ओर से विवि के पूर्व कुलसचिव डॉ धीरेंद्र कुमार सिंह और उनके छोटे पुत्र शशि कुमार सिंह और उसके साथी आये सात-आठ अन्य अज्ञात लोगों को आरोपित करते हुए कार्रवाई की मांग की गयी है। मनीष कुमार सिंह ने बताया कि जब वे विवि पहुंचे तो पूर्व कुलसचिव के पुत्र और साथ में आये अन्य जो शराब के नशे में उन्होंने मुझे घेर लिया और लाठी डंडे से मारने पीटने लगे। अत्यधिक चोट के कारण मेरे हाथ की कलाई भी टूट गई। किसी तरह प्रशासनिक भवन में घुसकर मैंने अपनी जान बचाई। आवेदन में कहा है कि शशि सिंह द्वारा मेरा नाम पूछकर यह घटना करायी गयी है। इसमें पूर्व कुलसचिव का हाथ है। उन्होंने पूर्व कुलसचिव के खिलाफ कई जगहों पर पत्र लिखा है। मामले को ले राजभवन और शिक्षा विभाग ने उन पर कार्रवाई को पत्र भी विवि को लिखा है। इस घटना के साजिशकर्ता पूर्व कुलसचिव को बताया है। इधर, विवि में परिसर में घटित इस घटना की कई लोगों ने निंदा की है। वहीं, पूर्व कुलसचिव ने अपने ऊपर लगे आरोप को बेबुनियाद बताया है।

शिक्षक संघ ने घटना को बताया चिंताजनक

विवि कैंपस मे घटित मारपीट की घटना पर वीर कुंवर सिंह विवि सेवा शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ दिवाकर पाण्डेय ने कुलपति को पत्र लिखा है। डॉ पाण्डेय ने कहा है कि मनीष कुमार के साथ कैंपस मे घटित घटना चिंताजनक है। संघ इसकी निंदा करता है और असमाजिक तत्वो पर कार्रवाई की मांग करता है। कहा है कि इस तरह की घटना से ऐसे तत्वो का मनोबल भी बढ़ रहा है। कुछ वर्ष पूर्व जैन कॉलेज मे भी शिक्षकों के साथ ऐसी घटना घटी थी। इधर, विवि के एनएसयूआइ के पूर्व अध्यक्ष डॉ अमित कुमार द्विवेदी और कमल कुमार सिंह ने कहा कि यह घटना निंदनीय है। इस मामले की विवि जांच करे और दोषियों पर कार्रवाई करे। ऐसी घटनाओं से विवि की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

छवियों के विश्लेषण से सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय (VKSU), आरा और इसके अंतर्गत कार्यरत जगजीवन महाविद्यालय, डेहरी-ऑन-सोन, रोहतास से संबंधित है। वित्तीय और न्यायिक पहलुओं को समेटे हुए है। इसमें कर्मचारी वेतन, सरकारी अनुदान, और उच्च न्यायालय के आदेश जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं का समावेश है।

☞ पहले एक तीन सदस्यीय समिति का गठन एक न्यायिक आदेश के आधार पर किया गया था, जिसने कॉलेज (जगजीवन कॉलेज, देहरा-ऑन-सोन, रोहतास) के मामलों की जांच की और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

☞ इसके बाद, बिना किसी स्पष्ट कारण के विश्वविद्यालय ने इस रिपोर्ट को रद्द कर दिया और एक पांच सदस्यीय समिति का गठन कर दिया।

☞ याचिकाकार्ताओं का तर्क था कि इस निर्णय में पारदर्शिता की कमी थी और यह संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करता है, क्योंकि सार्वजनिक निर्णयों को तर्कसंगत और निष्पक्ष होना चाहिए।

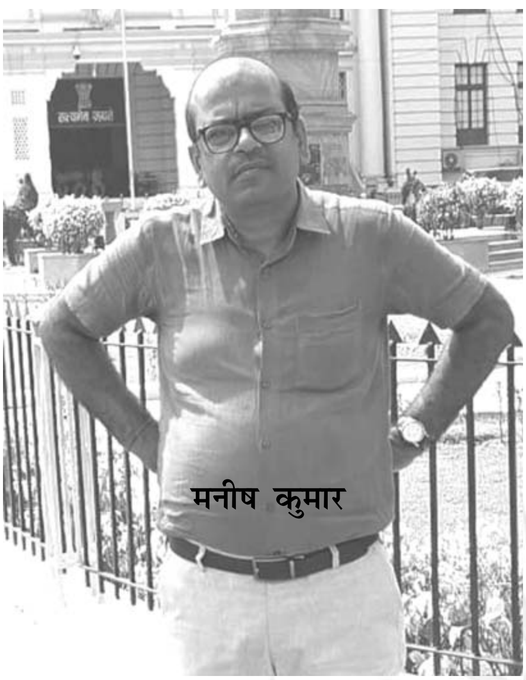

मनीष कुमार

✯ **न्यायालय का निर्णय :-**

☞ न्यायालय ने पाया कि तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट को रद्द करने और पांच सदस्यीय समिति गठित करने के पीछे कोई ठोस कारण नहीं दिया गया।

☞ यह भी सामने आया कि कॉलेज के कुछ प्रभावशाली लोगों ने तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट से असहमति जताई और विश्वविद्यालय के कुलपति पर दबाव डालकर जल्दबाजी में जारी करवाया।

☞ न्यायालय ने माना कि सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति को अपने अधिकारों का प्रयोग तर्क और निष्पक्षता के साथ करना चाहिए।

☞ न्यायालय ने पाया कि 28 जुलाई 2016 का आदेश तथ्यात्मक स्थिति को ध्यान में रखकर पारित किया गया था, जिसमें तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट को एकतरफा रद्द करने और पांच सदस्यीय समिति गठित करने की प्रक्रिया पर विचार किया गया था।

☞ न्यायालय का मत था कि यदि कोई सार्वजनिक निर्णय अपने आप में स्पष्ट और तर्कसंगत नहीं है, तो वह न्यायिक जांच में टिक नहीं सकता।

परिणामस्वरूप, न्यायालय ने पाया कि 28 जुलाई 2016 के आदेश में कोई

त्रुटि या कमजोरी नहीं है। इसलिए, समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया गया।

✯ **कुल निष्कर्ष :-**

☞ **रिट केस (CWJC No.- 6252/2015) :-** इस मामले में न्यायालय ने विश्वविद्यालय के निर्णय को रद्द करते हुए याचिकाकर्ताओं के पक्ष में फैसला सुनाया, क्योंकि यह निर्णय पारदर्शी और तर्कसंगत नहीं था।

☞ **समीक्षा याचिका (C.REV. No.- 416/2016) :-** इस मामले में न्यायालय ने पहले के आदेश को सही पाया और समीक्षा याचिका को खारिज कर दिया, जिससे 28 जुलाई 2016 का निर्णय बरकरार रहा।

सामाजिक कार्यकर्ता मनीष कुमार ने दिनांक-13/01/2025 को महामहिम राज्यपाल महोदय सह कुलाधिपति महोदय को पत्र लिखकर कुलपति/कुलसचिव महोदय वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय को आग्रह किया था कि जगजीवन महाविद्यालय डेहरी ऑन सोन के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित जांच दल के प्रतिवेदन में अंकित तथ्यों को दृष्टिपथ में रखते हुए जगजीवन महाविद्यालय में पायी गई वित्तीय अनिमियता के आलोक में वर्तमान कुलपति, कुलसचिव तथा महाविद्यालय के अवैध शासी निकाय के जन प्रतिनिधि, सचिव, प्रभारी प्राचार्य, दानदाता सदस्य एवं शिक्षक प्रतिनिधि पर अविलंब अपने स्तर से प्रथिमिकी दर्ज कर कार्रवाई करते हुए पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट के तहत अनुदान राशि की वसूली हेतु सम्यक विधि सम्मत निर्णय लिया लेने की कृपा की जाए। इस पत्र के आलोक में राज्यपाल सचिवालय ने पत्रांक-वि.वि विधिध-33/2024-875, दिनांक-29/09/2025 से कहा कि विषयांकित मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए एवं कृत कार्रवाई संबंधी प्रतिवेदन 15 दिनों के अंदर निश्चित रूप से राज्यपाल सचिवालय को उपलब्ध करवाया जाए ताकि माननीय कुलाधिपति महोदय को अवगत कराया जाए। यह पत्र भी राजभवन द्वारा कुलपति एवं कुलसचिव वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय दोनों को जारी किया गया। यह पत्र दर्शाता है कि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय पर राजभवन का नियंत्रण नहीं है। बिहार सरकार, शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा निदेशालय ने अपने पत्रांक-14/वि./09/2024-1816, दिनांक-23/02/204 को कुलसचिव वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा को पत्र लिखकर कहा कि विभागीय पत्रांक-1278, दिनांक-04/09/2024 एवं पत्रांक-1498, दिनांक-21/10/2024 का स्मरण करना चाहेंगे। जगजीवन महाविद्यालय डेहरी ऑन सोन रोहतास में माननीय उच्च न्यायालय पटना द्वारा MJC संख्या-3406/2018 में पारित आदेश का आलोक में विश्वविद्यालय स्तर पर गठित त्रि-सदस्यीय समिति के जांच प्रतिवेदन, जिसमें अनिमियता/वित्तीय अनिमियताओं को प्रतिवेदित किया गया है के संदर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा कृत कार्रवाई से जांच प्रतिवेदन की मांग की गई थी, जो आज तक अप्राप्त है। पुनः स्मारित करते हुए अनुरोध है कि विश्वविद्यालय द्वारा की गई जांच प्रतिवेदन अविलम्ब उपलब्ध कराई जाए ताकि विभाग की ओर से अग्रेतर कार्रवाई की जा सके, लेकिन अभी तक आलेख लिखे जाने तक अवैध शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों का भुगतान जारी है। गौर करने वाली बात यह है कि वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी की भी नियुक्ति संदेह के घेरे में है और इसका भी सुनवाई पटना उच्च न्यायालय पटना में जारी है। ●

पुनपुन नदी बना पटना का नाला

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

कभी स्वच्छ पानी के लिए जानी जाती थी पुनपुन नदी। अब पांव धोने लायक भी नहीं बची। इस नदी का पटना का नाला बना दिया गया है। पटना का मल मूत्र आदि इसी नदी में प्रवाहित होता है। बताया जाता है कि भाजपा के बड़े बड़े पदाधिकारिकारियों से बड़े बड़े अधिकारियों के मलमुत्र आदि इसी नदी में प्रवाहित होती है। भाजपा मीडिया डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने भाजपा के बड़े बड़े पदाधिकारिकारियों से कहा है कि अपना अपना मलमुत्र आदि इस धार्मिक नदी में न डाले। तथा पटना वासियों का मल मुत्र भी पुनपुन नदी में डालने पर प्रतिबंध लगाएं। यदि मल मूत्र डालना विवशता है तो पटना शहर को पटना से दूर , पटना वासियों चलों गाँव की ओर। फतुहा की धरती अनेक ऋषि मुनियों एवं महान लोगों की जन्मभूमि और कर्मभूमि रही है। महाभारत के अनुसार भगवान कृष्ण जरासंध से मिलने के लिए फतुहा से होते हुए राजगृह गए थे। बुद्ध भी फतुहा होते हुए राजगृह गए थे। महावीर पावापुरी फतुहा के रास्ते गए थे। चंद्रगुप्त अपने गुरु चाणक से मिलने फतुहा होते हुए पटना सिटी गए थे। सम्राट अशोक अपने निवास स्थान फतुहा होते हुए कुमहार जाते थे। फतुहा में महत्वपूर्ण त्रिवेणी स्थल है जहां गंगा, पुनपुन एवं फल्गु नदी का मिलन स्थल है। फलगु एक मील दक्षिण से पूर्व की ओर निकल गई है। जिसे धोवा नदी के नाम से जाना जाता हैं। त्रिवेणी संगम वावन भगवान का जन्म स्थल है जहां आज भी बारणी मेला लगता है। फतुहा के जदयू एवं भाजपाईयों से निवेदन है बड़े बड़े भाजपाईयों के साथ फोटो खिंचवाने से से ज्यादा महत्व है की पटना के मल मूत्र त्रिवेणी संगम में आने से रोकें।●

पूरे बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार से कोहराम के बावजूद सरकार खामोश है

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

अपराध और भ्रष्टाचार पर सरकार द्वारा चुप्पी साधने के पीछे गहरा राज है। बताया जाता है कि अपराधी और भ्रष्टाचारी भी वोटर है। चुनाव में एक वोट का महत्व है। जनता को दिगभ्रमित करने के लिए चुनाव से पहले भारी संख्या में अधिकारियों की बदली कर दी जाती है। बदली कर देने से क्या अपराध रुक सकता है। सरकार अपराध रोकना चाहे तो पुलिस की बदली की जरूरत नहीं है। सबसे पहला काम है कि सरकार सख्त आदेश दे कि एक भी निर्दोष व्यक्ति जेल नहीं जाए, निर्दोष को जेल भेजने वाले को जेल भेजेंगे। दूसरा अपराध में इस्तेमाल होने वाले हथियार को बरामद करना ही होगा साथ ही हथियार निर्माण स्थल का भी उद्भेदन करना होगा। तीसरा आदेश कारतूस उपलब्ध कराने वाले को भी उद्भेदन करना होगा? यह आदेश जारी होते ही 90 प्रतिशत अपराध में कमी आ जाएगी।

वैज्ञानिकों ने अपराध रोकने के लिए नार्को टिक्स मशीन बनाया, वैज्ञानिकों द्वारा निर्माण किया गया मशीन से सभी कार्य सरकार लेती है। उसी प्रकार यह मशीन से भी काम लेना चाहिए। भ्रष्टाचार से जुड़े विभाग थाना, प्रखण्ड, अंचल, आगंणवाड़ी, शिक्षा विभाग आदि को सरकार आदेश जारी कर दे कि साल में एक बार नार्को टिक्स करवाना होगा। यह आदेश जारी होते ही भ्रष्ट अधिकारी 50 प्रतिशत से ज्यादा लोग नौकरी से त्याग पत्र देकर भागेगा। नार्को टिक्स मशीन लागू होने से सिर्फ इमानदार व्यक्ति ही नौकरी में जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता यादव जी का मानना है कि यदि ऐसे कदम बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उठाते हैं तो उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगी। ●

भाजपा में सत्ता की मलाई चाभने नहीं आया हूं

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

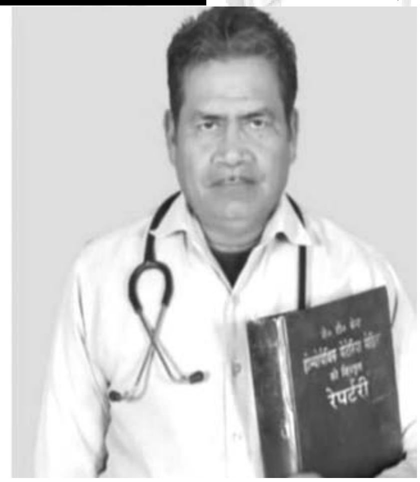

मेरा भाजपा में आने कारण सत्ता के मलाई चाभने के लिए नहीं बल्कि अन्याय के बिरुद्ध दो- दो हांथ करने के लिए आया हूँ। हमारे देश के नेता असाधारण प्रतिभा के होते हैं लेकिन देश को समाज को प्रेरित करने की अपनी क्षमता के कारण नहीं बल्कि निचता, संकीणर्ता, निकम्मेपन, बेईमानी के कारण। कोई भी संवेदनशील नागरिक आज अपने नेताओं को मुख्यत: चार वर्गो में बांटकर देखता है। , स्वाभिमानी नेता, कमीशनखोर नेता, मौसमी नेता और ईमानदार नेता। स्वाभिमानी नेता का पोशाक से पहचान नहीं होती है। स्वाभिमानी नेता को अन्याय के विरुद्ध विद्रोह की ज्वाला को धधकने से कोई रोक नहीं सकता। दुनिया में आज तक जो भी स्वाभिमानी नेता हुए उनका पहचान पोशाक से नहीं हुआ। सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल ,लाल बहादुर शास्त्री ,राम मनोहर लोहिया पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामाप्रसाद प्रसाद मुखर्जी नेता हुए उनका पहचान कपड़ा नहीं स्वाभिमान था। स्वाभिमानी नेता धनहीन और अभावग्रस्त रह सकते हैं किंतु उनके मन में शांति और संतोष होता है। उनका चरित्र निर्माण पृष्ठभूमि पर आधारित होता है। उन्हें यह झीझक या संदेह नहीं रहता की कोई किसी दिन आकर उसके बेईमानी को पकड़ लेगा और उनका मानहानि होगी। दूसरे होते हैं कमिशनखोर नेता जिनके जोशीले नारों और ख्वाबों से अभिभूत होकर आप उन्हें अपना कर्नहआर मानकर सत्ता की कुर्सी तक पहुंचा देते हैं ।कुर्सी मिलते ही विकास योजनाओं में बनी बनाई कमीशन मिलना शुरू हो जाता है।यह कड़वा सच है कि आज के युग में माननीय बनना सबसे मुनाफे का पेशा है। यह आम धारणा बन गई है कि जिस राज्य में इतना ज्यादा विकास योजनाएं बनेगी उतना ही वहां के नेता खुशहाल होंगे। क्योंकि उन्हें मोटा कमीशन मिलेगा। तथा कमीशन के पैसे से अपनी मांसपेशियां मजबूत के अलावा उनके पास महलों और गाडियों की कतारे सज जाती है। तीसरी हैं मौसमी नेता तो सड़कों को शोभा बढ़ाने वाला इंसानियत के सारे बस्त्र उतार कर राजनीति के समुद्र में धन बटोरने के लिए गोता लगाते रहते हैं। अपने विषैले दांत से विकास योजना पर डंक मार कर एक कतरा चूसने के लिए बेताब रहते हैं। इनका प्रत्येक चुनाव में महत्व बढ़ जाता है। प्रत्याशी दुलहे की तरह सजते हैं तो मौसमी नेता प्रत्याशी के बारात में जाने के लिए तरह-तरह से सज कर शोभा बढ़ाते चलते हैं। मौसमी नेता का नहीं कोई स्वाभिमान होता है और नहीं अन्याय, चोरी, घूसखोरी, कालाबाजारी के विरोध करने का साहस होता है। एक दूसरे को आंखों में धूल झोककर सरकार के द्वारा चलाए जा रहे हैं विकास योजनाओं के पैसे बटोर कर महल बनाने के फिराक रहते हैं। नीती शास्त्र में कहा गया है कि एक लज्जा का त्याग देने से आप सर्वत्र सुखी हो जाएंगे। सत्ता के सभी दलों के नेताओं ने अपने सारे वसत्र उतार कर फेक दिया है। राजीव गांधी ने भी यह स्वीकार किया था कि सरकारी योजनाओं के लिए निर्धारित धनराशि का सिर्फ 15% ही वास्तव में खर्च होता है। जबकि 85% हिस्सा नेता, अधिकारी और उनके दलाल हड़प जाता है। मोदी जी की नीतियां अच्छी ही नहीं बहुत अच्छी है। क्योंकि लूट खसोट, गवण, घोटाला, कमीशन खोरी, कालाबाजारी, घूसखोरी विकास योजना में गुणवत्ता, उनको पोषण अशिक्षा के लिए त्राहि त्राहि होने के बावजूद सत्ता धारियों में कोई राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं हो रही है। समुचे बिहार में अपराध से चित्कार मची है दूसरी ओर भ्रष्टाचार का साम्राज्य होने के बावजूद भाजपाई को नींद हराम नहीं हो रही है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनहित में 300 से ज्यादा योजनाएं चलाई जा रही है अधिकांश योजनाएं सरकारी फाइलों की शोभा बढ़ा रही है तथा लूट खसोट का भेंट चढ़ रही है। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा बड़े बड़े पद पर बैठे भाजपाईयों से दो हाथ करना पड़ रहा है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

चुनाव के बाद सेवक, शासक बन जाता है

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

राजनीति मौज मस्ती का साधन नहीं बलिक भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने का हथियार है। सत्ताधारी के कार्यकर्ताओ की डबल जिम्मेदारी होती है। पहले स्थानीय स्तर पर अपराध और भ्रष्टाचार पर अंकुश रखने तथा जनप्रतिनिधि के कार्यकालकों पर भी अंकुश रखना ऐसा होता नहीं है जीत जाने के बाद 5 वर्षों तक जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं का दर्शन भी दुर्लभ हो जाता है। दैनिक समस्या किसे सुनाएं यह समस्या बन जाता है। जन प्रतिनिधि द्वारा कार्यकर्ताओं को ठेकेदार बना दिया जाता है। ठेकेदार बनते ही कार्यकर्ता जनप्रतिनिधि का खास आदमी बन जाता है और भ्रष्टाचार में गोता लगाने लगता है। ठेकेदारी दूसरे व्यक्ति को देना होगा तथा कार्यकर्ताओं को निगरानी रखनी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से बोले थे कि नहीं खाऊंगा और नहीं खाने दूंगा।

नरेंद्र मोदी द्वारा लगभग 400 योजनाएं जनहित में गरीबों के लिए चलाई जा रही है। अधिकांश योजनाएं कागजी बनकर रह गई है। मोदी जी ने फिर 2019 में लाल किला से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सभी को आना होगा। क्या यही राजनीति है कि चुनाव में सेवक बनकर आना तथा जीत कर शासक बन जाना। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि चुनाव आता है। जीत कर जन प्रतिनिधि बन जाता है। नारा, रंग अबीर से स्वागत होती है। मिठाइयां बटती है। परंतु सिस्टम नहीं बदलता पहले की अपराध नगरी,भ्रष्टाचार का साम्राज्य बना रहता है। लाशों की कतारें सजाती रहती है, चीत्कार मचती रहती है। आपके जन प्रतिनिधि ,मंत्री और नेताओं के कान पर पर जू तक नहीं रेइंती। अपराध को कैसे रोका जाए , भ्रष्टाचार पर लगाम कैसे लगे, इस पर चर्चा तक नहीं होती है। अपराध भले ही नकली हथियार से होती है, परंतु कारतूस तो सरकार का ही रहती है।●

झूठ बोलने के आरोप में कई मुकदमें में कोर्ट से जमानत पर हैं राहुल गांधी

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने राहुल गाँधी को कहा है कि झूठ बोलने के आरोप में कई मुकदमे में आप जमानत पर है। झूठ बोलने के आरोप में सुप्रीम कोर्ट तक फटकार लगा चुकी है। ऐसी स्थिति में मेरा सुझाव है कि जहां भी जाए वहां उपस्थित नागरिकों को यह बता दे कि मैं झूठ बोलता हूं।मेरे बातों पर विश्वास न करना। इतना जानकारी देने के बाद झूठ बोलने की कतार सजाते रहे।

नवंबर 2016 में महाराष्ट्र की भिवंडी अदालत में एक मामला में राहुल गांधी को जमानत दे दी थी। राहुल गांधी ने कहा था कि आरएसएस ने महात्मा गांधी को हत्या कर दी थी। कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि उन्हें मुकदमा का सामना करना पड़ेगा और अदालत में अपनी बात को साबित करनी होगी। गुवाहाटी अदालत में एक मानहानि मामले में राहुल गांधी का 2016 में 50 के मुचलके पर जमानत दी गई थी। 2 जुलाई 2019 को राहुल गांधी को अहमदाबाद की एक अदालत में मानहानि के मामले में जमानत दी थी। राहुल गांधी नेशनल हेराल्ड मामले में भी जमानत पर है। अप्रैल 2019 में राहुल गांधी को मोदी सरनेम टिप्पणी पर मानहानी के मुकदमा में दो साल का सुनाई गई है, राहुल गाँधी सातवां मुकदमा के जमानत । एक नया सिगुफा छोड़ दिया है कि ट्रम्प के सामने मोदी सलेंडर कर गए। लगता है कि राहुल गाँधी कांग्रेस को विदाई समारोह करके ही दम लेगें डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने

राहुल गाँधी से सवाल किया है कि जातिय गणना चाहते हैं तो आप अपना कौन जाती लिखाएंगे।●

मसौढ़ी के लाल ने किया कमाल

सौढी के लाल चौतन्य प्रभु का चयन देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों में से एक इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद (ट्रिपल आईटी एच) में हुआ है। चौतन्य एमटेक कोर्स के लिए कंप्यूटर साइंस और सूचना सुरक्षा प्रोग्राम के पहले लिस्ट में ही शॉर्टलिस्ट हुए हैं। मसौढी से प्रारंभिक शिक्षा हासिल करने वाले चौतन्य ने एनआईटी सिलचर से बीटेक की डिग्री हासिल की थी। चौतन्य की सफलता पर उनके दादा सत्येंद्र प्रसाद आर्य (पूर्व प्राचार्य), पिता साकेत कुमार सहित रिश्तेदारों और शहर निवासियों में खुशी व्याप्त है। लोगों ने चौतन्य को उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी है। बता दें कि इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद एक डीम्ड यूनिवर्सिटी है।यह देश का पहला ट्रिपल आईटी है जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप में बनाया गया है। इस संस्थान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और रिसर्च जैसे कोर्स विशेषज्ञता हासिल है।●

रिपोर्ट :- श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

पटना भाजपा कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर पटना में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया इसका मुख्य उदेश्य यूरिक एसिड और उसकी होम्योपैथिक चिकित्सा। इस आयोजन का अध्यक्षता पूर्व भाजपा फतुहा नगर मंडल के मंत्री अकुंश कुमार, मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होमियोपैथी चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आजकल यूरिक एसिड बीमारी का संख्या तेजी से बढती जा रही है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी में यूरिक एसिड का कारगर दवा है। उन्होंने कहा कि होम्योपैथी में लक्ष्ण के आधार पर दवा दी जाती है। कभी-कभी यूरिक एसिड के साथ गठिया आदि जुड़ जाने के कारण परेशानियां बढ़ जाती है जिसका भी इलाज होम्योपैथी में है।

कुछ ऐसी बीमारियों के लक्षण और उनकी दवाएं निम्न है :-

☞ बहुत दर्द होना जोड़ो में सूजन लाल पीला मांसपेशियों में दर्द, कट कट आवाज होना दवा का नाम कालचिकम 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ उच्च स्तर पर बढे हुए यूरिक एसिड के लिए लीडम पाल 30 बहुत बेहतर है, एक बूंद तीन बार रोज।

☞ रोगी को गर्मी बर्दाशत नहीं हो पुराने यूरिक एसिड की बीमारी सिर, गर्दन तक दर्द पहुंच जाती है। ग्वायकम 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ पेशाब गहरा भूरा एवं अत्यंत दुर्गंध पूर्ण होता है। सच तो यह है कि जिस व्यक्ति ने इस दवा के रोगी को यदि एक बार भी पेशाब देखा है उसे जीवन भर याद रहेगी। वेंजोइक एसिड 6/12/30 एक बूंद तीन बार रोज लेना चाहिए।

कोई भी दवा चिकित्सा के सलाह से इस्तेमाल करें। इस अवसर पर रेखा शर्मा सीमा कुमारी, अनामिका पटेल, मिल्ली, कुमारी, शोभा पटेल। अरुण पटेल आदि शामिल हुए।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

कैंसर स्क्रीनिंग : स्वस्थ जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

डॉ. नवीन कुमार पटना के प्रसिद्ध एवं वरिष्ठ कैंसर सर्जन हैं, जिनका नाम न केवल बिहार बल्कि देशभर में कैंसर सर्जरी के क्षेत्र में आदर और सम्मान से लिया जाता है। वर्तमान में वे पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (PMCH) में सहायक प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं और साथ ही पटना कैंसर हॉस्पिटल के निदेशक के पद पर अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने वर्षों तक महावीर कैंसर संस्थान, पटना में बतौर सर्जन सेवाएं दी हैं, जहाँ उन्होंने हजारों जिंदगियों को न सिर्फ चिकित्सा बल्कि उम्मीद दी। डॉ. नवीन कुमार का जीवन केवल एक सफल डॉक्टर का नहीं, बल्कि एक समाजसेवी और जनसेवक का भी है। वे बेहद मिलनसार, संवेदनशील और जनकल्याण के प्रति समर्पित हैं। मरीजों के साथ उनका व्यवहार अत्यंत मानवीय होता है। वे न केवल उनका इलाज करते हैं, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से भी मजबूत बनाते हैं। उनका मानना है कि किसी भी रोग से लड़ाई में डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास सबसे बड़ी औषधि है। युवाओं के लिए डॉ. नवीन कुमार एक आदर्श हैं। उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन और सेवा-भावना के बल पर चिकित्सा के क्षेत्र में जो मुकाम हासिल किया है, वह यह बताता है कि अगर इरादे नेक हों और लक्ष्य स्पष्ट हो, तो कोई भी मंजिल दूर नहीं। मेडिकल छात्रों के बीच वे न केवल एक शिक्षक बल्कि एक मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत के रूप में जाने जाते हैं। उनकी सादगी, समाज के प्रति उत्तरदायित्व और चिकित्सा सेवा के प्रति समर्पण उन्हें बाकी लोगों से अलग बनाता है। वे नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर कैंसर जागरूकता और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करते हैं, जिससे उन तबकों तक भी इलाज पहुंच सके, जो अक्सर सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। डॉ. नवीन कुमार का व्यक्तित्व यह सिखाता है कि एक डॉक्टर का कर्तव्य केवल इलाज तक सीमित नहीं होता; वह समाज का एक सक्रिय स्तंभ होता है, जो अपनी सेवा और संवेदना से लाखों लोगों की जिंदगी में आशा और उजाला भर सकता है। प्रस्तुत है कैंसर रोग से सबंधित बिषयों पर पत्रिका के सहायक सम्पादक **मिथिलेश कुमार** का **डॉ. नवीन कुमार** (वरीय कैंसर विशेषज्ञ) के साथ हुए बातचीत के प्रमुख अंश :-

आधुनिक जीवनशैली और बदलते परिवेश में कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। हालांकि, चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति के कारण अब इसे लाइलाज नहीं माना जाता। कैंसर से जंग जीतने में सबसे शक्तिशाली हथियार है - समय पर इसकी पहचान और सही इलाज। वरीय कैंसर विशेषज्ञ (सर्जन) डॉ. नवीन कुमार (MBBS, MS, MCH, AIIMS, New Delhi) पटना कैंसर हॉस्पिटल का मानना है कि कैंसर के प्रति जागरूकता और नियमित स्क्रीनिंग अपनाकर लाखों जानें बचाई जा सकती हैं।

✯ कैंसर स्क्रीनिंग क्या है और यह क्यों जरूरी है?

कैंसर स्क्रीनिंग का मतलब है किसी स्वस्थ व्यक्ति में कैंसर के शुरुआती लक्षणों या पूर्व-कैंसरस स्थितियों का पता लगाने के लिए की जाने वाली जांचें। कई बार कैंसर शरीर में बिना किसी बाहरी लक्षण के विकसित होता रहता है। स्क्रीनिंग इन छिपे हुए खतरों को उस चरण में पकड़ लेती है, जब इलाज सबसे ज्यादा असरदार होता है और बीमारी को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है।

✯ महिलाओं में आम कैंसर: पहचान, लक्षण और स्क्रीनिंग :-

1. स्तन कैंसर (Breast Cancer)यह महिलाओं में होने वाला सबसे आम कैंसर है। चिंता की बात यह है कि कई बार इसके कोई शुरुआती लक्षण नहीं दिखते (एसिंपटोमैटिक ब्रेस्ट कैंसर)। जब तक ट्यूमर महसूस होता है, तब तक यह फैल चुका हो सकता है। किसे जांच करानी चाहिए?

डॉ० नवीन कुमार

☞ **20-40 वर्ष :-** हर महीने मासिक धर्म के बाद स्तनों की स्वयं जांच करें। गांठ, आकार में बदलाव, निप्पल से स्राव या त्वचा में किसी भी असामान्य परिवर्तन पर ध्यान दें।

☞ **40-50 वर्ष :-** स्वयं जांच के साथ-साथ हर 1-2 साल में किसी विशेषज्ञ से क्लिनिकल जांच करवाएं।

50-74 वर्ष :- हर 1-2 साल में मैमोग्राफी (स्तनों का एक्स-रे) करवाना अनिवार्य है। यह छोटी से छोटी गांठ का भी पता लगा सकता है जिसे हाथ से महसूस नहीं किया जा सकता।

☞ **अतिरिक्त जांचें :-** यदि मैमोग्राफी में स्थिति स्पष्ट न हो, तो डॉक्टर अल्ट्रासाउंड, एमआरआई या बायोप्सी (टुकड़े की जांच) की सलाह दे सकते हैं।

☞ सर्वाइकल कैंसर (बच्चेदानी के मुंह का कैंसर)यह महिलाओं में दूसरा सबसे आम कैंसर है। अच्छी बात यह है कि स्क्रीनिंग और वैक्सीन के जरिए इससे काफी हद तक बचा जा सकता है।मुख्य लक्षण:दो पीरियड्स के बीच या यौन संबंध के बाद असामान्य ब्लीडिंग।मेनोपॉज (मासिक धर्म बंद होने) के बाद भी रक्तस्राव होना। योनि से असामान्य, बदबूदार या गाढ़ा स्राव। कमर या पैरों में लगातार दर्द और पेशाब में रुकावट।

☞ **खतरे के कारक :-** कम उम्र में यौन संबंध, एक से अधिक पार्टनर, गुप्तांगों की सफाई में कमी, कमजोर इम्युनिटी और एचपीवी (Human Papillomavirus) संक्रमण इसका मुख्य कारण है।

✯ स्क्रीनिंग कैसे होती है?

☞ **पैप स्मीयर टेस्ट :-** 21 से 65 वर्ष की महिलाओं को हर 3 साल में यह जांच करानी चाहिए। इसमें गर्भाशय ग्रीवा से कोशिकाओं का सैंपल लेकर जांच की जाती है।

☞ **एचपीवी टेस्ट :-** यदि पैप स्मीयर के साथ एचपीवी डीएनए टेस्ट भी किया जाता है, तो हर 5 साल में स्क्रीनिंग पर्याप्त है।

☞ **बचाव का टीका :-** 9 से 45 वर्ष तक की लड़कियों और महिलाओं को एचपीवी वैक्सीन लगवानी चाहिए, जो इस कैंसर से बचाव में बेहद प्रभावी है।

✯ पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए महत्वपूर्ण स्क्रीनिंग

☞ **कोलन कैंसर (बड़ी आंत का कैंसर) :-** यह कैंसर 50 वर्ष की आयु के बाद अधिक आम है।

☞ **स्क्रीनिंग :-** 50 से 75 वर्ष की आयु के सभी वयस्कों को मल का नमूना (Stool Test) देकर उसमें छिपे हुए रक्त (Occult Blood) की जांच करानी चाहिए। इसके अलावा, डॉक्टर कोलोनोस्कोपी की सलाह

भी दे सकते हैं, जो इस कैंसर का पता लगाने के लिए सबसे सटीक जांच है।

✯ **लक्षण :** मल में खून आना, पेट में दर्द, बिना कारण वजन कम होना।

✯ **ओरल कैंसर (मुंह का कैंसर) :** भारत में तंबाकू और सुपारी के सेवन के कारण मुंह का कैंसर बहुत आम है।शुरुआती लक्षण क्या हैं? मुंह में सफेद या लाल चकत्ते (Leukoplakia/Erythroplakia)। मुंह में ऐसा छाला जो 2-3 हफ्तों में भी न भरे। मुंह, जबड़े या गर्दन में गांठ या सूजन। खाना निगलने या चबाने में कठिनाई। आवाज में बदलाव या दांतों का अचानक कमजोर होकर गिरना।

✯ **बचाव कैसे करें? :-** तंबाकू, सिगरेट, गुटखा, पान मसाला और शराब का सेवन तुरंत बंद करें। यही मुंह के कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। नियमित रूप से दंत चिकित्सक से अपने मुंह की जांच करवाएं।

✯ **डॉ. नवीन कुमार का संदेश : जागरूकता ही बचाव है :-** डॉ. नवीन कुमार के अनुसार, कैंसर का डर इलाज में देरी का कारण बनता है। लोगों की सतर्कता और जागरूकता ही कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। अपने शरीर में होने वाले किसी भी असामान्य बदलाव को नजरअंदाज न करें। यदि आपके परिवार में किसी को कैंसर रहा है, तो आपको और भी अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। कैंसर को प्रारंभिक अवस्था में पहचानकर इसे पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है, परन्तु देर होने पर मुश्किलें बढ़ जाती हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि आप हमेशा कैंसर स्पेशलिस्ट से ही इलाज कराएं ताकि आपको सही और अत्याधुनिक उपचार मिल सके।ष्स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं: संतुलित आहार लें, नियमित व्यायाम करें, वजन नियंत्रित रखें और तनाव से दूर रहें। यह आदतें भी कैंसर के खतरे को कम करती हैं।

✯ **विशेष जानकारी एवं विशेषज्ञ परामर्श हेतु संपर्क करें :** डॉ० नवीन कुमार, MBBS (PMCH), MS, MCH (Surgical Oncology), AIIMS, New Delhi एवं वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ (सर्जन)। ●

राष्ट्रीय (पावर लिफ्टिंग) स्पर्धा में वारिसलीगंज के कर्मवीर ने लहराया परचम

93 किलो बॉडी वेट में ब्रांज और सिल्वर मेडल किया हासिल नवादा / देश की राजधानी दिल्ली के रोहिणी में 30 मई 2025 से 1जून तक आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय भारोतोलन (पावर लिफ्टिंग)स्पर्धा में वारिसलीगंज नगर परिषद क्षेत्र के निवासी अभय कुमार उर्फ विनय सिँह के पुत्र कर्मवीर सिँह ने बिहार का प्रतिनिधित्व करते हुए 93किलो बॉडी वेट लीफ्टिंग में 577किलो का भार उठाकर इतिहास रच दिया। कर्मवीर ने ब्रांज एवं सिल्वर मेडल हासिल कर प्रखंड का नाम रौशन किया। कर्मवीर ने बताया की संघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहमद रजा के नेतृत्व में आई पी एफ फेडरेशन इंडियन पावर लिफ्टिंग राष्ट्रीय गेम में 255किलो ग्राम भार में भी सफल रहा। वहीं कर्मवीर के पिता ने बताया की राष्ट्रीय स्पर्धा के पूर्व स्टेट लेवल प्रतियोगिता में सफल होने के बाद राष्ट्रीय स्पर्धा में शामिल होने का मौका मिला जिसमें कर्मवीर ने अपने मेहनत और कठिन परिश्रम के बल पर बिहार एवं प्रखंड का नाम रौशन किया। उन्होंने बताया की राहुल कुमार उर्फ मीशू भगत ने भी 83किलो बॉडी वेट में 542किलो एवं 247किलो भार उठाकर ब्रांज और सिल्वर मेडल प्राप्त करने में सफल हो गया। दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग गेम में मेडल हासिल करने बाले सभी खिलाड़ियों को आई पी एफ के सचिव कोस्तुभ दत्ता एवं सीओ ललित कुमार तथा बिहार पावर लिफ्टिंग संघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद रजा ने मेडल प्रदान करते हुए बधाई एवं शुभकामनायें दिया है। पावरलिफ्टिंग एक प्रतिस्पर्धी ताकत वाला खेल है जिसमें तीन लिफ्टों पर अधिकतम वजन पर तीन प्रयास शामिल हैं स्क्वाट , बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट। ओलंपिक भारोत्तोलन के खेल की तरह , इसमें एथलीट वजन प्लेटों से भरे बारबेल के अधिकतम वजन के एकल-लिफ्ट प्रयास करता है। पावरलिफ्टिंग एक ऐसे खेल से विकसित हुआ जिसे 'ऑड लिफ्ट्स' के रूप में जाना जाता है, जो उसी तीन-प्रयास प्रारूप का पालन करता है लेकिन स्ट्रॉन्गमैन प्रतियोगिता के समान घटनाओं की एक विस्तृत विविधता का उपयोग करता है। आखिरकार, ऑड लिफ्ट्स को वर्तमान तीन में मानकीकृत कर दिया गया। कर्मवीर की सफलता पर क्षेत्र के दर्जनों गणमान्य लोगों एवं खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामना दी है। नवादा भारोतोलन संघ के अध्यक्ष बसंत प्रसाद ने भी कर्मवीर को उसकी उपलब्धि के लिये शुभकामनायें दी है।

रिपोर्ट :- मिथिलेश कुमार

रमन प्रकाश बँका आईपीएस स्मृति ट्रस्ट ने बिहार बोर्ड के टॉपरो को किया सम्मानित

● **मिथिलेश कुमार**

पटना महानगर के बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभागार में रमन प्रकाश बँका आईपीएस स्मृति ट्रस्ट के तत्वाधान में आयोजित रमन अवार्ड के तहत बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के द्वारा आयोजित मैट्रिक व इंटर परीक्षा में सभी संकायों के प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी टॉपरो को रमन अवार्ड 2025 सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता स्व रमन प्रकाश बँका के पिता सेवा निवृत कार्यपालक अभियंता ओम प्रकाश बँका ने किया। इस अवसर पर इंटर साइंस में प्रथम स्थान पर रहे प्रिया जायसवाल को एक लाख रूपये, इंटर वाणिज्य में प्रथम स्थान पर रहे रौशनी कुमारी को एक लाख रूपये, इंटर कला में प्रथम स्थान पर दो टॉपरो में अंकिता कुमारी एवं शकीव शाह को पचास -पचास हजार रूपये तथा मैट्रिक में प्रथम तीन टॉपरो में साक्षी कुमारी, अंशु कुमारी एवं रंजन वर्मा को 75 -75हजार रूपये का चेक ट्रस्ट के चेयरमैन ओम प्रकाश बँका एवं मुख्यअतिथि आईआरसीटीसी के चेयरमैन संजय कुमार जैन के हाथों चेक प्रदान किया गया। समारोह का संचालन किशोर केशव ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईआरसीटीसी के चेयरमैन संजय कुमार जैन ने अवार्ड वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा की रमन प्रकाश बँका ट्रस्ट के द्वारा पिछले दस बर्षो से लगातार यह कार्यक्रम चला रही है।

ट्रस्ट अब तक 70 विधार्थियो के बीच पचपन लाख रूपये का वितरण शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने एवं स्व रमन प्रकाश बँका के पदचिन्हो पर चलने के लिये किया गया है। उन्होंने स्व बँका के साथ अपने संस्मरणों को साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व की चर्चा किया। समारोह को केवल सच के सम्पादक ब्रजेश मिश्रा ने कहा की जो कार्य ट्रस्ट एवं श्री ओम प्रकाश बँका जी के द्वारा अपने पुत्र की स्मृति में किया जा रहा है उसे आगे ले जाने की जरूरत है। मौके पर दिल्ली आयकर मुख्य आयुक्त आनंद केडिया, अरुण बँका, रवि बँका सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

☞ **शहीद आईपीएस रमण की शहादत को तीन दशक बाद मिला सम्मान :-** शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा..... कवि जगदंबा प्र. मिश्र शहितैषीश की ये क्रांतिकारी पंक्तियां देश के लिए शहीद होने वाले आईपीएस रमण प्रकाश बंका के मामले में शनिवार को एक बार फिर लोगों के जेहन व जुबां पर तैरती मिलीं। इसकी वजह थी कि देश के उक्त जांबाज वीर सपूत की शहादत को सम्मान देते हुए पटना के राजीव नगर में उनकी प्रतिमा का अनावरण किए जाने के साथ-साथ पटना नगर निगम ने राजीव नगर रोड नंबर 16 सड़क का नामांकरण भी किया है (शहीद रमण बंका मार्ग) किया था। मौके पर दीघा के विधायक डॉ. संजीव चौरसिया

एवं वार्ड पार्षद धनराज देवी तथा स्व. बंका के पिता ओमप्रकाश बंका व चाचा अरूण बंका समेत पटना से ले झाझा तक के कई प्रबुद्ध लोग मौजूद थे। बता दें कि राज्य सरकार के झाझावासी सेवानिवृत्त इंजीनियर के पुत्र और गुजरात कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे रमण प्रकाश बंका की 2 मई, 1995 को गुजरात के जामनगर में पोस्टिंग के दौरान अपने सीनियर अधिकारी को बचाने में शहीद हो गए। वे जिले में गहरी पैठ जमाए तस्करों के एक सिंडिकेट को ध्वस्त कर उसे कानून की चौखट पर लाने को निकले थे।

☞ **पिता हर साल इंटर-मैट्रिक टॉपरों को देते एक-एक लाख :-** बता दें कि शहीद रमण के पिता ढलती उम्र में भी समाज व शिक्षा के प्रति समर्पित है। साथ ही गरीब, मेधावी छात्र-छात्राओं को संबल देने व उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्व० रमण प्रकाश बंका आईपीएस स्मृति ट्रस्टश नामक एक ट्रस्ट बनाकर बीते 12 सालों से हर साल के इंटर के साइंस, कॉमर्स एवं आर्ट्स के अलावा मेट्रिक के भी स्टेट टॉपरों तथा एक अन्य बालिका यानि कुल छह होनहारों को एक-एक लाख रूपए की पुरस्कार राशि सौंपते हैं। उनके इस कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार के कई आलाधिकारियों समेत अन्य विभूतियां भी शामिल होती रही हैं।

☞ **सम्मान मिलने पर पिता ओपी बंका भाव विह्वल हो गए :-** देश की खातिर अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले जांबाज पुत्र की शहादत की यादें ताजा हो पड़ने पर शेरे दिल वयोवृद्ध पिता ओ. पी. बंका काफी भाव विह्वल हो गए थे। तो उधर शहीद रमण को शहादत के तीन दशक बाद मिले इस सम्मान पर जमुई जिला चौंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष सीताराम पोद्दार व अरूण बोहरा, झाझा नप के मु.पा संजय कु. यादव, समाजसेवी गुड्डू यादव, अग्रवाल पंचायत के महामंत्री प्रभाष बंका, संजय बंका, पूर्व बैंक अधिकारी शैलेश कुमार आदि भी भावुक हो जाने के साथ-साथ उनके चेहरों पर कहीं न कहीं गर्व व गौरव के भाव भी नजर आ रहे थे।●

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर मजलिसपुर पंचायत के सभी जनता व प्रखंडवासियो को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-

प्रभुचन्द विश्वास

मुखिया

ग्राम पंचायत राज, मजलिसपुर, पलासी, अररिया

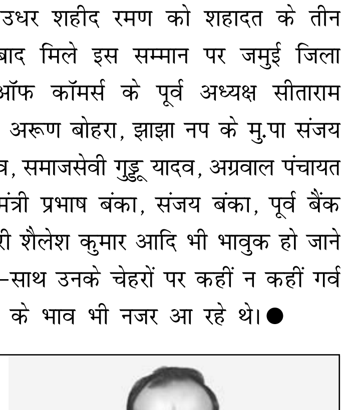

देश की आन बान शान के लिए कुर्बान हुए मनीष चन्द्रवंशी

पत्नी खुशबू ने की केन्द्र और राज्य सरकार से नौकरी की मांग

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

6 मार्च को शादी और 14 मई को मांग का सिन्दुर उजड़ जाना कितना कठिन पल होगा खुशबू के लिए लोग कहते है कि खुशबू के हाथो की मेंहदी भी ठीक ढंग से फिका नही पड़ा था अभी हाथ की मेंहदी भी नहीं छुटी थी कि शादी के कुछ दिन बाद देश सेवा के लिए डियूटी पर चला गया कि उनका सुहाग ऑपरेशन सिन्दुर में उजड़ गया शहीद मनीष का पार्थिव शरीर पर नजर पड़ी तो फफक फफक कर दहाड़ मारकर रोने लगी पुरा महौल गमहीन हो गया। खुशबू पति के शव मे लिपटकर रोते बिखरते कह रही थी कि कैसे हमें छोड़कर चले गये आपने कहा कि कुछ दिनों के बाद जून महीने का छुटी लेकर घर आउँगा और कश्मीर की वादिया मे शादी के सुनहरे पल बिताउँगा। पर आपने ऐसा नही किया मुझे अकेले छोड़कर चले गये। अब हम आपके वगैर कैसे जिउँगी यह कहकर बार-बार बेहोश हो जाती। पत्नी और माँ बार-बार बेहोश हो रही थी उन्हे सात्वना देने वाले भी अपना आपा खो बैठते है। स्वत ही उनकी ऑखो मे आँसु निकलने लगते।

माता सुशीला देवी पिता अशोक चन्द्रवंशी का रो रोकर बुरा हाल है। दादा युगल सिंह चन्द्रवंशी एवं दादी रामादेवी कहती है कि हमे अपने पोते पर गर्व है। जो देश के लिए बलिदान दिया। मनीष की पत्नी ने सेना मे भर्ती की बात कही ऐसी विरागना को पूरा देश सलाम करता इनके माता पिता ने बिहार सरकार से एक शिक्षक की नौकरी दे ताकि इनका जीवन का भरण पोषण हो सके। उनके परिजनो ने बिहार सरकार एवं केन्द्र सरकार से पेट्रोल पम्प की लाइसेंस की मांग की। एवं 25 वेड का रेफरल अस्पताल शहीद मनीष कुमार चन्द्रवंशी के नाम से खोलने की मांग की। एक गेट जिस पर शहीद मनीष कुमार का नाम अंकित की मांग की।

मनीष के पिता अशोक चन्द्रवंशी ने कहा कि बेटे का असमय शहीद हो जाने पर किसे दुख और गम नही होगा। पर हमे गम और दुख के साथ गर्व भी है कि मेरा बेटा देश की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त किया है। मै वैसे बेटो का पिता हूँ, जिसका तीनों बेटा भारतीय सेना में भर्ती होकर देश की सेवा कर रहा है। मै गर्व महसुस करता हूँ कि मैने वैसे तीन-तीन वीरो को जन्म से लेकर पाल पोष कर तैयार किया है। जो भारत माता का सेवा कर रहे है। आज मेरा बेटा मनीष कम ही उम्र मे वीरगति

को प्राप्त कर लिया। ग्रामीणो ने बताया कि जिस दिन बेटे की शहीद होने की माँ को सूचना मिली उसी वक्त से वेसुध हो रही है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। मनीष बड़ा ही मिलनसार और सामाजिक व्यक्तित्व का लड़का था। वह छुटी पर घर आता था तो सभी लोगो से मिलकर हाल चाल पूछता वह अपना भी हाल चाल बताता।

एयर इंडिया के विमान से नवादा के शहीद मनीष कुमार का शव 16/5/2025 शुक्रवार की शाम 7 बजे पटना एयर पोर्ट पहुँचा तिरंगे से लिपटे शहीद के पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ ऐयर पोर्ट ने स्टेट हैनर पर लगाया गया जहाँ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विजय कुमार सिन्हा, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, बिहार सरकार विज्ञान एवं प्रोधौगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह, वीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, पाटलीपुत्र सांसद मीसा भारती सहित अन्य नेता एवं कई बड़े आला अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी। उनकी अंतिम विदाई मे भाजपा के उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ0 भीम सिंह चन्द्रवंशी अपनी टीम के साथ शामिल हुआ। उन्होने शहीद मनीष को श्रद्धांजलि दी परिजन से मिले और सांत्वना दी। डॉ0 सिंह ने कहा कि भारत माता की रक्षा मे अपनी जान न्योछावर करने वाले सौभाग्य सभी को नही मिलता है। मनीष के शहादत से बिहार का गौरव पूरे देश मे बढ़ा है। उन्होने कहा कि शहीद के सम्मान में सांसद कोस से शहीद मनीष कुमार स्मारक चौपाल का निर्माण करायेगे। उन्होने राज्य सरकार और नवादा जिला प्रशासन से मांग की नवादा में निर्माणाधीन नगर भवन का नाम भी शहीद मनीष कुमार के नाम पर रखा जाय। मनीष कुमार को नवादा पुलिस लाइन मे गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया उसके बाद भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जय हिन्द, हिन्दुस्तान जिन्दाबाद के गगनभेदी जय घोस के साथ हर आँखे नम और आंतकवादियो के खिलाफ चेहरे पर गुस्सा, जब तक सुरज चाँद रहेगा। मनीष तेरा नाम रहेगा। वीर मनीष अमर रहे की हुंकार। हाथो में तिरंगा लिए युवाओं द्वारा पकिस्तान मुर्दाबाद की गुंज यह दृश्य था। कारगिल मे शहीद पाण्डेय गंगौट कौवाकोल के लाल की अंतिम विदाई 17/5/2025 को सेना के विशेष वाहन से नवादा पहुँचे। शहीद मनीष का दर्शन पाने के लिए बच्चो युवा से लेकर बुजूर्ग यहाँ तक की महिलाऐं भी भारत माँ के इस वीर सपुत का झलक पाने और नमन करने के लिए लालाभिंत थी।

पटना से सुबह 8 बजे सड़क मार्ग से विशेष वाहन से शहीद मनीष कुमार का पार्थिव शरीर पुलिस लाइन पहुँचा जहाँ उन्हे सलामी देने के बाद फूल से सजे वाहन में शव को रखा गया। जहाँ सांसद विवेक ठाकुर समेत कई नेता पदाधिकारी ने श्रद्धांजलि दी। सारी प्रक्रिया पुरी होने के बाद करीब 10 बजे यहाँ से काफिले के साथ वाहन शहर के सदभावना चौक पहुँचा। जहाँ हजारो लोग वीर सपुत को श्रद्धांजलि दी। घरो की छतो और दुकानो के बीच-बीच मे तिरंगे से लिपटे शहीद मनीष कुमार पर फूल बरसाये गये, स्कूल के बच्चो ने भी फूल वरसाये निकली अंतिम यात्रा चर्च रोड से होकर पार नवादा लाल चौक, मेन रोड होते हए प्रजातंत्र चौक पहुँची। जहाँ सड़क के दोनो ओर से हजारो लोगो ने शहीद को नमन किया। यहाँ से काफिला अस्पताल रोड इंदरा चौक होते हुए कादिरगंज पहुँचा। जहाँ देश के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले इस

वीर सपूत लोगो ने श्रद्धांजलि दी। हर कोई मनीष की शहादत पर गर्व कर रहा था। हमलोगो के नम ऑखो से कहाँ नवादा के लाल को खोने का गम है। लेकिन देश के लिए बलिदान देना हमसब के लिए गौरव का पल है। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाला नवादा का वीर सपुत जिले के सभी जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी के साथ सदर विधायक विभा देवी ने पुलिस लाईन पहुँचकर शहादत को नमन किया और शहीद रथ के साथ चल रहे विशाल काफिले का हिस्सा बनी। एमएलएसी अशोक यादव पूर्व एमएलएसी डॉ0 रामवली सिंह चन्द्रवंशी पूर्व बाल सरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ0 प्रो प्रमिला कुमारी जिला परिषद अध्यक्ष पुष्पा कुमारी, युवा नेता अमित कुमार, सुरेन्द्र यादव, अजय मुखिया, मदन कुमार इत्यादि लोग शामिल थे।

बिहार प्रदेश वी0जे0पी0 अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के संयोजक प्रमोद सिंह चन्द्रवंशी ने उनके गॉव पहुँचकर कहा कि वीर शहीद मनीष कुमार चन्द्रवंशी ने जम्मू कश्मीर में देश रक्षा करते हुए एवं पकिस्तान के सेना को नेस्तावुद करते शहीद हो गये। श्री चन्द्रवंशी ने कहा कि वीर शहीद मनीष कुमार ने कम उम्र मे देश के रक्षा माँ बहन के सिंदुर के रक्षा करते शहीद हो

गये। आज हजारो लोग नम: ऑखो से विदाई दी। ऑपरेशन सिन्दुर मे पकिस्तानी सेना की गोली वारी में शहीद हुये सैनिक मनीष कुमार का 17/5/2025 शनिवार को पूरे सैनिक सम्मान ने साथ अंतिम संस्कार किया गया । बिधान सभा प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 1 लाख का चेक देकर सहयोग किया और हम उनके माता पिता को सैल्यूट करते है। आपका बेटा बहुत कम उम्र मे बहुत बड़ा काम कर दिया। हमलोग आपके साथ खड़ा है। लोजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने 1 लाख का चेक देकर सहयोग किया। मनीष की बहन चिराग पासवान मे चिपकर रोने लगी। श्री पासवान से उसे हर सहयोग करने का आसवासन दिया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हर सम्भव मदद करने का कहा।

डॉ0 अनुज कुमार मॉर्डन ग्रुप के चेयरमेन ने एक लाख का चेक देकर सहयोग किया। हमलोग आपके साथ खड़े है। अशोक आजाद पूर्व नालन्दा लोक सभा प्रत्याशी सह चन्द्रवंशी महासभा अध्यक्ष ने 50 हजार का चेक देकर सहयोग किया एवं हर संभव मदद का भरोसा दिया अन्य सहयोग करेन वाले में श्रवण कुशवाहा ने 25 हजार सहयोग किया एवं अनिल मेहता ने भी सहयोग किया। उनके भाई राजीव कुमार ने कहा कि केन्द्र सरकार से 21 लाख का चेक प्राप्त हुआ। इस अवसर पर आम जनमानस एवं परिजन की मांग की नवादा में नवनिर्मित नगर भवन, गॉव का विद्यालय, गॉव का नवनिर्मित सड़क एवं गॉव में निर्मित गेट का नामांकरण पेट्रोल पम्प का लाइसेस बिहार सरकार के घोषणा का 50 लाख मिलेगा। साथ ही उनके परिजन ने खुशबू ने जीवन यापन के लिए बिहार सरकार एवं केन्द्र सरकार से नौकरी की मांग की इसके लिए बिहार सरकार के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अवगत कराकर इस कार्य को पूरा करने का नीतीश कुमार प्रयास करेगें। हमारे साथ हमके प्रदेश महासचिव लवकुश लोजपा के मुकेश चन्द्रवंशी पूर्व नगर अध्यक्ष रविशंकर चन्द्रवंशी मौजूद थे।●

महिला अण्डर 19 टीम बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी कुमारी रंजना

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

नवादा की अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ी मेवालाल की धरती रही है। जिन्होने कई राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ी का चयन मगध की धरती नवादा से हुई है। वही लगातार 7 वर्षो की लम्बी संघर्ष की लड़ाई लड़ने के बाद कुमारी रंजना ने अपना लक्ष्य की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है। नवादा में हुए ट्रायल में वेहतर प्रदर्शन पर कुमारी रंजना का चयन अंडर 19 टीम के लिए कर लिया गया है। अब वह बिहार का प्रतिनित्व कर सकेगी। अकबरपुर निवासी रंजना की प्रारंभिक पढ़ाई लिखाई कोलकता मे हुई। जहाँ उनके पिता रेलवे सीनियर टेक्नीशियन के रूप में पोस्टेट है। केन्द्रीय विद्यालय कचरापाड़ा मे 86 फिसदी अंको के साथ इंटर के बाद वर्तमान में के0एल0एस कॉलेज में B.A. Part I की पढ़ाई कर रही है। उनका क्रिकेट प्रैटिक्स मॉडर्न स्कूल ग्राउन में होता है। माता-पिता के प्रोत्साहन के बाद कुमारी रंजना ने अपने छोटे भाई आदित्य के साथ क्रिकेट ग्राउण्ड मे खेलना शुरू किया शुरूआती मे झिझक भी उसके इरादे के आड़े नही आ सकी आखिरकार इस वर्ष नवादा से रजिस्ट्रेशन कराने के बाद हुए ट्रायल मे अपना उत्कर्स प्रदर्शन देने पर उनका चयन हो सका। कोलकता मे डीएसपी कलब कल्याणी के लिए खेलने के साथ उन्होने अपने क्रिकेट जीवन का एक दिशा देने की कोशिश की अब तक वह सात बार मैन ऑफ द मैच का खिताब जीत चुकी है। जबकि 10 मैचो मे वेस्ट विकेट किया का खिताब अपने नाम कर चुकी है। क्रिकेटर स्मृति मंधना को अपना आदर्श बताने वाली रंजना कहती है कि उनकी प्रेरणा मेरे आज काम आ रही है। कोलकता मे अपने कोच स्वरूप विश्वास और नवादा के कोच राकेश रंजन क्रिकेट वर्कशॉप का वह काफी मददकार बताती है।

इसके पूर्व जिले के चार बेटियो ने बिहार को आठ जोन मे बाटकर हो रहा क्रिकेट टुर्नामेन्ट में मगध जोन टीम में बिहार क्रिकेट एशोसियेशन के द्वारा पूरे बिहार में कराया जा रहा है। जिसमे नवादा की चार बेटियों का जलवा नवादा मे क्रिकेट मे अब महिला टीम का भी जलवा देखने को मिल रहा है। नवादा की बेटियो का दहाड़ अब पूरे बिहार में सुनाई देगा। मगध जोन में नवादा की चार बेटियो को चयनित किया गया है। ये लड़किया अपने शानदार प्रदर्शन से बिहार में अपना स्थान सुनिश्चित करेगी। बिहार क्रिकेट एशोसियेशन शिक्षण की ओर से नवादा जिला क्रिकेट एसोशियन से जुड़े खिलाड़ियो का ट्रायल पटना में 27 मई को किया गया था। आयोजित ट्रायल में जोनल टीम के लिए अंडर-19 में कुमारी रंजना मुस्कान कुमारी वर्मा, रिमी नारायण का चयन किया गया। इसी प्रकार से अण्डर 15 टीम में पहले से खेल रही प्रिया राज को भी जगह दी गई है। इन खिलाड़ियो के चयन से जिला क्रिकेट एसोसिऐशन ने खुशी जताई है। यहाँ के खिलाड़ी जिले के मैदान में पसीना बहाती है। मुस्कान कुमारी वर्मा नारदीगंज के रहने वाली है। इनके पिताजी भी क्रिकेटर थे जो नारदीगंज मे स्पेशल खेल मैदान बनवाकर अपनी बेटी और अन्य खिलाड़ियो के खेल के अभ्यास में मदद करते है। अकबरपुर प्रखंड के तेयार गॉव की रहने वाली कुमारी रंजना मॉडर्न स्कूल नवादा में प्रैक्टिस करते है। इनके पिताजी धमेन्द्र चन्द्रवंशी रेलवे कर्मी है। माता संगीता देवी खुशी गदगद देखते बन रही थी। ये इनके कठिन तपस्या का परिणाम है। लोगो ने आशा जताई कि बिहार की टीम मे सभी खिलाड़ियो का चयन संभव है। क्योंकि इनका प्रदर्शन काफी बेहतर है।

कुमारी रंजना का भाई आदित्या भी क्रिकेट खेलता भी लेकिन उसके पढ़ाई के कारण क्रिकेट मे उतना बेहतर प्रदर्शन नही कर पाया। लेकिन वेटी ने जो कमाल किया है। वह बेटो पर भारी पढ़ रहा है। इसी प्रकार मुस्कान वर्मा के परिजन एवं अन्य का खुशी का ठिकाना न रहा सेक्रेटरी मनीष आनन्द ने बताया कि नवादा के क्रिकेट मे एक नया बदलाव और इशारा कर रहा है। अब बेटे ही नहीं बल्कि बेटिया भी क्रिकेट ये अपना परचम लहरायेगी। बिहार टीम मे नवादा की यह बेटिया यदि चयनित होती तो निश्चित ही नवादा के लिए एक नई शुरूआत होगी।●

के.एल.एस. कॉलेज में बौद्धिक विरासत, संरक्षण और संवर्द्धन पर संगोष्ठी

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

नवादा में पहली बार के एल एस कॉलेज नवादा मे नेशनल कॉनफ्रेस का आयोजन बौद्धिक विरासत का सरक्षण एवं सवर्द्धन पर टिप्पणी की व्याख्या की गई। महाविद्यालय प्राचार्य 17.05. 2025 को के एल एस कॉलेज नवादा के विवेकानन्द सभागार मे भारतीय वौद्धिक विरासत, संरक्षण एवं सवर्द्धन पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन प्राचार्य डॉ0 शैलज कुमार श्री वास्तव के सफल निदेशन में किया गया। जिसमें देश भर के विशिष्ट शिक्षाविद प्राचार्य तथा बड़ी संख्या में शोधार्थी छात्र-छात्राओ ने अपना शोध प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आगाज द्वीप प्रज्जवलित कर विधिवत उद्धघाटन किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान जन गण मन कॉलेज के छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत किया गया। वही स्वागत गान मे छात्राओ ने लोगो को मनगुग्ध कर दिया स्वागत.....स्वागतम अतिथियो का स्वागत महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा अंगवस्त पुरूष गुच्ध एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जिले के शिक्षा जगत के पुरोधा जिले मे शिक्षा का अलख जगाने वाले शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले कॉलेज के संस्थापक स्व0 कन्हाई बाबू की मूर्ति पर माल्यापर्ण कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

कार्यक्रम के संयोजक सचिव डॉ0 राजीव कुमार एवं अभिषेक आशीष तथा कार्यक्रम का संयोजक डॉ0 अमर नाथ चटर्जी एवं डॉ0 सुधाकर उपाध्याय द्वारा किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के वाणिज्य विभाग एवं भौतिक विभाग के भवनो का उद्धघाटन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान ही महाविद्यालय पत्रिका College Mirror तथा डॉ0 राजीव कुमार द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय संविधान एक परिजय का विमोचन किया गया। साथ ही डॉ0 विनोद कुमार प्राचार्य R.M.W.K. कॉलेज नवादा डॉ0 असंजय कुमार प्राचार्य किशोरी सिन्हा महिला कॉलेज औरंगाबाद डॉ0 अंजनी कुमार घोष विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र स्नातकोतर मगध विश्वविद्यालय बोधगया एवं देश भर से आये विशेषवक्ताओ ने नास्य शास्त्र, नृत, संगीत, योग, भारतीय दर्शन आर्यवेद प्राचीन गणित, पाली एवं संस्कृत साहित्य की उपयोगिता पर अपनी-अपनी विचार रखी। वही समापन सत्र मे डॉ0 पदम प्रबोध द्वारा सभी अतिथियो का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया गया। मंच पर वरीय प्राचार्य डॉ0 सुरेश शाह, डॉ0 आशिश कुमार कुण्डु एवं डॉ0 साधना कुमारी मंच पर आसीन थे। इस अवसर डॉ0 ज्ञान प्रकाश रत्नेश, श्री अशोक कुमार गुप्ता मो0 आजम, डॉ0 सरिता कुमारी, डॉ0 मनोज कुमार साह, डॉ0 मुकेश कुमार, डॉ0 वाहिद हसन रजा, डॉ0 शिव चन्द्र कुमार, विकास कुमार निराला प्रधान सहायक श्री मणी भूषण एवं अन्य उपस्थित थे।

मंच संचालन डॉ0 सुधाकर उपाध्याय द्वारा किया गया। आयोजित संगोष्ठी मे मीडिया प्रभारी के रूप में डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह एवं श्री सत्येन्द्र पासवान ने पूरे कार्यक्रम का तकनिकी रूप से रिपोटिंग करने का कार्य सफलतापूर्वक किया गया। ●

युवा नेता चितरंजन उर्फ चिंटू भैया की क्षेत्र में बढ़ती लोकप्रियता से घबराये कई नेता

हरेक जाति धर्म के लोगों का मिल रहा अपार जनसमर्थन

● राकेश रौशन

आगामी विधानसभा चुनाव की विछ रही बिसाते के बीच गया जिले के वजीरगंज विधानसभा क्षेत्र में युवा नेता चितरंजन उर्फ चिंटू भैया के बढ़ते लोकप्रियता से राजनीतिक हलकों में हलचल मची हुई है। हालांकि चुनाव में अभी कई महीने बाकी है लेकिन चुनावी समर में कूदने वाले नेताओं के द्वारा क्षेत्र भ्रमण के साथ साथ छोटे छोटे कार्यक्रम भी चलाये जा रहे है। वजीरगंज विधानसभा की बात करें तो यहाँ का चुनावी समीकरण अगड़ों और पिछडो की लड़ाई रही है, हालांकि अगड़े यहाँ दो खेमे में बटे हुए है। विगत चुनाव में कई प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई थी। इस बार के विधानसभा चुनाव का मौसम और मतदाताओं का मिजाज बदला दिख रहा है, अगर युवाओं की माने तो इस बार निश्चित तौर पर परिवर्तन की लहर चल रही है।जिसमें युवा मतदाताओं में काफी लोकप्रिय चितरंजन कुमार काफी आगे दिख रहे है। चिंटू भैया के नाम से प्रसिद्ध युवा दिलों में राज करने वाले नेता ने अपनी हार के बाबजूद लगातार लोगों के सुख दुःख में शामिल होकर सामाजिक सुचिता का बोध करा रहे हैं। राजनीतिक समुन्द्र में तूफानी लहरों के बीच एक युवा चेहरा सभी जनप्रतिधियों का आराम हाराम कर रखा है। क्योंकि इस युवा को हरेक समाज का आशीर्वाद एवं समर्थन प्राप्त है। जी हाँ , मैं बात कर रहा हूँ गया जिला अन्तर्गत वजीरगंज विधानसभा के उस युवा चेहरा का जो बहुत कम समय में अति-सराहनीय कार्य के बदौलत युवाओं का प्रेरणास्रोत, गरीब निराधार का आधार एवं आम-जनमानस के दिलों में राज करने लगा है। सुबह से शाम तक उस युवा के आवास पर फरियादियों की भीड़ जमा रहती है। जिसे लोग चितरंजन कुमार के नाम से कम और चिन्टु भईया के नाम से ज्यादा जानते हैं। बतादें कि 42 बर्षीय इस युवा ने अपने कर्मठता के बदौलत आज के राजनीतिक परिवेश में सभी राजनीतिक जनप्रतिनिधियों को पीछे छोड़ते हुए आम-जनमानस के दिलों पर अपने कर्मठता का छाप छोड़ता जा रहा है। क्षेत्र में ये बहुत सारे नामों से जाने जाते हैं, कोई युवा सम्राट, तो कोई मसीहा और कई लोग तो इन्हें विधायक जी तथा नेता जी भी कहते हैं।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान बहुत सारे लोगों से बात हुई। लोगों ने बताया कि अभी वर्तमान में

इस कर्मवीर योद्धा के समान कोई नेता नहीं है। क्षेत्र अंतर्गत कारीसोवा निवासी बबन रमानी सहित गरीब तबके के लोगों ने बताया कि हमलोग अपने बच्ची की शादी हो या माता-पिता का श्राद्ध जैसे संकट के वक्त उनके पास अगर पहुँच जाते हैं, तो निराश नहीं लौटना पड़ता है। उस दरबार से हमेशा संतोषजनक सहायता मिलते रहता है। इसी क्षेत्र भ्रमण के दौरान मीरगंज गाँव निवासी अजय कुमार ऊर्फ जाटो सिंह, अर्जुन सिंह,राजा पाण्डेय,अनिश कुमार, मिथिलेश पाण्डेय, दिनेश सिंह एवं प्रमोद कुमार सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि इस युवा नेता के बदौलत आज वजीरगंज बाजार स्वच्छ हो पाया है। उक्त लोगों ने बताया कि 2019 से पहले वजीरगंज बाजार का हालत बद से बदतर था। जिसे स्वच्छ एवं सुदृढ बनाने का संकल्प 2019 में चितरंजन कुमार ऊर्फ चिन्टु भईया ने लिया। इस दौरान इन्होंने अपने सहयोगियों एवं बाजार के व्यापारियों के साथ मिलकर गया नवादा पथ को जाम कर दिया। इस दौरान चिन्टु भईया द्वारा जिलाधिकारी को एक आवेदन के माध्यम से वजीरगंज बाजार के सड़क मरम्मती एवं वजीरगंज स्टैंड के समीप महिला सहित अन्य लोगों के लिए शौचालय की व्यवस्था अबिलम्ब सुचारू करने की मांग की गई। जिलाधिकारी ने चिन्टु भईया द्वारा आम-जनमानस के हित में किए गए मांग को मद्देनजर रखते हुए, इन कार्यो की स्वीकृति दे दी । तब कहीं जाकर बाजार का कायाकल्प हो पाया। उसी दौरान ये परोपकारी युवा नें स्वच्छता अभियान का जिम्मा उठाया। इन्होंने अपने खर्चे से वजीरगंज बाजार, तरवां, केनारचट्टी, जमुआवां सहित अन्य स्थानों की सफाई के लिए 25 महिलाओं को नियुक्त किया। इसी प्रकार का एक अविश्वसनीय कार्य वजीरगंज विधानसभा अन्तर्गत महुएत पंचायत के मदरडीह बुधौल को जोड़ने बाला मंगुरा नदी के ऊपर एक सौ तेरह (113) फीट के पुल का निर्माण ग्रामीणों एवं चिन्टु भईया के सहयोग से किया गया। उक्त लोगों ने बताया कि चिन्टु भईया धार्मिक कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। कहीं से कोई भी मंदिर निर्माण हो या अन्य धार्मिक कार्य के लिए पहुँचे लोग खुश हो कर के

कौन हैं चिन्टू भईया

यह कहानी है एक ऐसे साधारण से बालक की जिसने अपने असाधारण सपनों से अपने गांव, समाज और पीढ़ियों की सोच को बदलने की ठानी है, यह कहानी हैख्रचितरंजन कुमार जिन्हें आप 'चिन्टू भईया' के नाम से भी जानते हैं। 9 फरवरी 1982 को गया जिले के अतरी विधानसभा अंतर्गत मोहड़ा प्रखंड के सेवतर पंचायत के चेया गांव में जन्में चिन्टू भईया का बचपन संघर्षो की धूल में बीता। पिता स्वर्गीय राम किशोर सिंह, जो पुलिस विभाग में एक मामूली कर्मचारी थे, और माता सविता सिन्हा एक साधारण गृहणी। चार भाइयों और एक बहन में दूसरे नंबर पे होने के कारण जिम्मेदारियों की पहली किताब उन्हें बहुत जल्दी पढ़नी पड़ी। +2 श्री रामानुग्रह उच्च विद्यालय वजीरगंज से पढ़ाई पूरी करने के बाद पटना में सोशल साइंस की पढ़ाई करने वाले चिन्टू भईया का सपना था। वजीरगंज में एक बेहतर कल, लेकिन पढ़ाई के बाद जैसे ही बेरोजगारी की तल्ख हवा लगी, उन्हें भी घर-द्वार, माँ-पिता, खेत-खलिहान सब छोड़कर दिल्ली की ओर रुख करना पड़ा।

दिल्ली में संघर्ष आसान नहीं था। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। धीरे-धीरे उन्होंने न सिर्फ खुद के लिए, बल्कि अपने वजीरगंज विधानसभा के सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार के द्वार खोल दिए। एक साधारण नौकरी से शुरू कर, उसी कंपनी में दर्जनों लोगों को नौकरी दिलवाकर उन्होंने 'अपने लोगों के दिल में उनके अपने नेता' होने की पहली पहचान बना ली। खेलों में विशेष रुचि रखने वाले चिन्टू भईया खासकर क्रिकेट के लिए गांव-गांव में लोकप्रिय हो गए। कोई भी टूर्नामेंट हो-क्रिकेट या फुटबॉल का, उनकी मौजूदगी मानो आयोजन की शान बन गई हो।

2008 में वजीरगंज को अलग विधानसभा घोषित किया गया। और उसी दिन से चिन्टू भईया के भीतर की राजनीतिक चेतना और भी प्रज्वलित हो गई। अपने क्षेत्र के लिए, रोजगार के लिए, युवाओं के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प उन्हें राजनीति की ओर खींच लाया। 2020 में पहली बार विधानसभा चुनाव में उतरकर लगभग बारह हजार वोट लाकर चिन्टू भईया ने साफ कर दिया कि उनका एजेंडा जाति और ध र्म से ऊपर उठकर, शिक्षा, रोजगार, पलायन, और मूलभूत सुविधाओं को केंद्र में लाना है।

सड़क हो या बिजली, खाद हो या रेलवे की मांग, चिन्टू भईया हर उस आंदोलन में सबसे आगे रहे। एक बार तो खराब सड़क पर धान की रोपनी कर यह बताया कि 'वजीरगंज की सड़कें, सड़क नहीं, खेत है।' उनकी यह शैली जनता की आवाज को हुक्मरानों तक पहुंचाने का जरिया बन गई।ष चितरंजन कुमार उर्फ चिन्टू भईया , एक ऐसा नाम जो उम्मीद है, संघर्ष है, और बदलाव की बयार है। उनके कदमों की आहट गांव-गांव, गली-गली महसूस की जा सकती है। राजनीति उनके लिए सत्ता नहीं, सेवा का माध्यम है। और यही उन्हें भीड़ से अलग बनाता है। ये सिर्फ एक नेता की कहानी नहीं, ये एक सपने की उड़ान है, जो मिट्टी से निकली है और आसमान छूने की जिद में है।

हीं उस दरवाजा से लौटते हैं। हाल में हीं उन्होंने वजीरगंज के तरवां फतेहपुर रोड में हनुमान जी के जर्जर पड़े मंदिर को नवनिर्मित कर विधि-विधान पूर्वक प्राण-प्रतिष्ठा करवाया। युवाओं को भी बहुत मदद करते हैं, चाहे वह शिक्षा का क्षेत्र हो या खेल का मैदान। उक्त लोगों ने बताया कि करीब तीन चार बर्ष पूर्व कुर्किहार गाँव निवासी शनि कुमार ऊर्फ टुटु का निधन सड़क दुर्घटना में हो गया था। घटना की जानकारी मिलते हीं चिन्टु भईया वहाँ पहुँचे। इन्हें देखते ही मृतक के विधवा फुटफुट कर रोने लगी तथा मदद की गुहार लगाई। तब इस कर्मवीर योद्धा ने मृतक के दोनों बच्चे को अपने खर्चे से पढ़ाई करवाने का जिम्मा लिया। जिसका निर्वहन आज तक करते आ रहे हैं।

चिन्टु भईया से हमारे प्रतिनिधि से हुई बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि मैं मूलतः अतरी विधानसभा अन्तर्गत मोहड़ा प्रखंड के सेवतर पंचायत के चेया गाँव का रहने वाला हूँ। मेरे पिताजी का नाम स्व0 राम किशोर सिंह एवं माता जी का नाम सविता देवी है। पिता जी पुलिस इन्सपेक्टर के पद पर थे। मुझे सामाजिक सेवा का प्रेरणा अपने माता-पिता से मिला। कष्ट में रहे लोग मुझसे देखे नहीं जाते। सेवा के दौरान मेरे लिए जाति-धर्म मायने नहीं रखते। मैं 2009 से निरंतर आम-जनमानस के सेवा के लिए खड़ा हूँ। आम लोगों के सुझाव पर मैने 2020 में वजीरगंज विधानसभा से भासपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरा था। उस वक्त (भासपा) भारतीय सबलोग पार्टी का नाम कोई नहीं जानता था। बावजूद यहाँ के अभिभावको एवं युवाओं का भरपुर प्यार मिला। इन्हीं के आशीर्वाद से मेरा हौसला बुलंद हुआ । अब मैं निरंतर आम-जनमानस के सेवा का प्रण ले चुका हूँ। आम लोगों को एकजुट होने के लिए मागधी सेना नाम का एक ग्रुप बनाया गया है। जिसमें हजारों की संख्या में युवा,नौजवान एवं अभिभावक जुड़े हुए हैं। बहुत कम समय में इतने लोगों का आशीर्वाद मिलना और लोगों को मुझपे विश्वास जताना ही मेरे हौंसले को बुलंदी तक पहुँचाया है।आगामी चुनाव में यहाँ के लोगों के आशीर्वाद की जरूरत है। मैं क्षेत्र का नेता नहीं बेटा बनकर काम करूंगा।

बता दें कि परिसीमन के बाद 2008 में वजीरगंज क्षेत्र वजूद में आया और 2010 में वजीरगंज विधानसभा चुनाव में बीजेपी के प्रत्याशी वीरेन्द्र सिंह पर आम-जनमानस ने उम्मीद जताई और उन्हें विजयी का आशीर्वाद दिया। लेकिन लोगों के विश्वास पर वे खरे नहीं उतरे। जिसका नतीजा हुआ कि 2015 विधानसभा चुनाव में लोगों ने परिवर्तन करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी अवधेश सिंह पर भरोसा किया। लेकिन वे भी भरोसे के लायक नहीं निकले। इसी बीच 2020 विधानसभा चुनाव में चितरंजन कुमार ऊर्फ चिन्टु भईया चुनाव मैदान में उतर गए, तब मतदाताओं के बीच उहापोह की स्थिति पैदा हो गई। प्रथम बार चुनाव मैदान में उतरे चिन्टु भईया ने दोनों प्रत्याशियों को पानी-पानी कर दिया। चिन्टु भईया के इसी अपार समर्थन को देखते हुए आम-जनमानस ने इस बार अपना पूर्ण समर्थन चितरंजन कुमार ऊर्फ चिन्टु भईया को देने का मन बनाया है।●

जोकीहाट विधानसभा चुनाव 2025 बनेगी सीमांचल की हॉट सीट

शाहनवाज आलम

मुर्शीद आलम

सरफराज आलम

● अब्दुल कैय्यूम

आगामी विधानसभा 2025 को लेकर कुछ माह शेष रह गया हैं। लेकिन अररिया जिला में चुनावी सरगर्मी बढ़ती जा रही हैं। जहां एक और भाजपा, जदयू, राजद, जनसुराज पार्टी, कांग्रेस, एआईएमआईएम के संभावित प्रत्याशियों की भीड़ बढ़ने लगी हैं। वही संभावित प्रत्याशी अपनी अपनी सीट की दावेदारी को लेकर लगातार सक्रियता बढ़ा दी हैं। खाश कर सीमांचल की सीटों पर कई दिग्गजों की नजर लगी हुई हैं। सीमांचल की सबसे हॉट सीट जोकीहाट विधानसभा में कई दिग्गज चुनावी मैदान में कूद कर अपनी सक्रियता को इस कदर बढ़ा दिया है कि अन्य पार्टी के संभावित उम्मीदवार भी चुनावी समर में कूद कर जनसम्पर्क अभियान तेज कर दिया हैं।जोकीहाट विधानसभा सीट सीमांचल गांधी अल्हाज स्व.तस्लीम उद्दीन की सीट मानी जाती रही हैं। लेकिन पिछले लोकसभा व विधान सभा चुनाव से सीमांचल गांधी की जोकीहाट विधानसभा सीट दो भाइयों के इर्द गिर्द घूमने लगी हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में जोकीहाट विधानसभा से दोनों भाइयों ने चुनावी मैदान में कूद कर अपनी अपनी किस्मत आजमाई। लेकिन कामयाबी सीमांचल गांधी स्व. तस्लीम साहेब के छोटे पुत्र शाहनवाज आलम को मिली। जिन्होंने एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव जीता जो बाद में जाकर राजद में शामिल हो गए। वर्तमान में राजद विधायक शाहनवाज आलम दोबारा 2025 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के लिये क्षेत्र में लगातार जनसम्पर्क अभियान चला रहे हैं। वही उनके बड़े भाई पूर्व सांसद सरफराज आलम भी 2025 के विधानसभा चुनाव में कमर कस कर भीड़ चुके हैं। 2025 का विधानसभा चुनाव वे हर हाल में जितना चाहते हैं। वही वर्तमान विधायक शाहनवाज आलम अपनी सीट को बचाने के लिये हरसंभव प्रयास में लगे हुए हैं। जोकीहाट विधानसभा सीट पर इन दिनों एआईएमआईएम के संभावित प्रत्याशी मुर्शीद

आलम अपनी प्रबल दावेदारी पेश करते हुए जोकीहाट विधानसभा की सीट को अपने नाम पर करने के लिये लगातार जीतोड़ जनसंपर्क अभियान चला रहा हैं। इनदिनों मुर्शीद आलम के नाम सब के जुबान पर छाता जा रहा हैं। उनके द्वारा क्षेत्र में किये जा रहे लगातार जन सम्पर्क अभियान, पंचायतों में एआईएमआईएम के संगठन को मजबूती प्रदान करना, शादी विवाह में शामिल होने यह दर्शाता है कि मुर्शीद आलम आने वाले समय में मजबूत पीलर बन कर उभरेगा। जो कड़ी चुनोती देगा। वर्तमान राजद विधायक शाहनवाज आलम इन दिनों क्षेत्र के सर्वांगीण विकास कार्य में लगे हुए हैं। लगातार उनके द्वारा क्षेत्र में किये जा रहे पुल पुलियों का शिलान्यास, जनता से जान संपर्क अभियान यह दर्शाता है कि चुनाव का परिणाम को आप के पक्ष में लाने के लिये वे कड़े संघर्ष करने से पीछे रुकने वाले नही हैं। इस के अलावे एनडीए गठबंधन के उमीदवार भी चुनाव में कड़े टक्कड़ देने से पीछे नही रुकने वाले हैं। विगत चुनाव में भाजपा की टिकट पर रंजीत यादव ने चुनाव लड़ कर सीमांचल गांधी के दोनों पुत्रों को कड़ी टक्कर दी थी। महज कुछ हजारो के अंतर से यह सीट उनकी झोली से निकल गयी थी। आगामी विधान सभा चुनाव 2025 में एनडीए गठबंधन किसे अपना उमीदवार बनाती हैं। यह आने वाले समय बतायेगा। इस के अलावे कई पार्टी एनडीए गठबंधन, जन सूरज पार्टी के भी कई संभावित प्रत्याशी हैं जो चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं। एक साक्षत्कार में मुर्शीद आलम ने बताया कि वे वर्तमान में पलासी प्रखंड के मुखिया संघ का अध्यक्ष हैं। वे लगातार 20 वर्षो से राजनीति में है। इस के अलावे वे वर्तमान में एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष भी हैं। आगामी 2025 में उनका जोकीहाट से विधानसभा का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि जोकीहाट विधानसभा की जनता एक ही परिवार की राजनीति से ऊब चुकी हैं। अब वे बदलाव के मूड में हैं। वे आगामी विधानसभा चुनाव 2025 पूरी मजबूती से लड़ूंगा। उन्होंने जोकीहाट विधानसभा की जनता से अपील करते हुए कहा है कि अगर उनको उनका साथ मिला तो जोकीहाट विधानसभा क्षेत्र की दिशा व दशा बदलने में कोई कसर नही छोड़ेगा। ●

बैठक में अनुपस्थित पदाधिकारियों पर सदस्यों ने जताई नाराजगी

बिहारी ठाकुर
(अध्यक्ष)

सदानंद मंडल
(उपाध्यक्ष)

शाद आलम
(सदस्य)

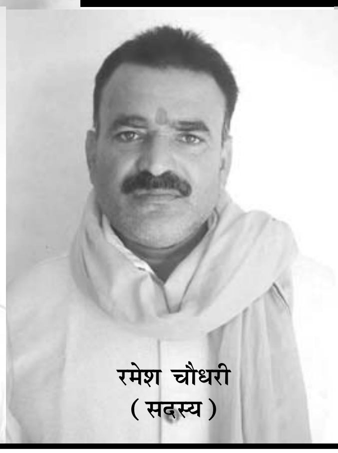
रमेश चौधरी
(सदस्य)

जगरनाथ झा
(सदस्य)

ऋषव राज
(सदस्य)

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के पलासी प्रखंड के सभा भवन में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक कि अध्यक्षता 20 सूत्री अध्यक्ष बिहारी ठाकुर ने की। बैठक में कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में प्रभारी बीडीओ परवेज आलम मौजूद थे। बैठक में प्रमुख प्रतिनिधि सदानंद यादव, बीपीआरओ अखिलेश कुमार, एमओ अजित कुमार, प्रभारी चिकित्सक जहांगीर आलम, 20 सूत्री के उपाध्यक्ष सदानंद मंडल, बीएम पन्नानन्द, सीआईए पवन पंडित, पीटीए चंदेश्वर मेहरा, निशांत कुमार निर्मल, एलएस उषा कुमारी, सोनाली कुमारी आदि मौजूद थे। बैठक कि शुरुआत सब से पहले सभी बैठक में अवस्थित सदस्यों के परिचय पात्र से हुआ। बैठक में चर्चा के दौरान बैठक से अनुपस्थित पदाधिकारियो के प्रति 20 सूत्री सदस्यों ने नाराजगी जताते हुए गायब पदाधिकारियो से शोकॉज पूछने का प्रस्ताव लिया गया। बैठक में 20 सूत्री सदस्य जगरनाथ झा ने बीडीओ से सभी पदाधिकारियों की सूची की मांग की।

बैठक में जनवितरण प्रणाली के मुद्दों पर चर्चा की गई। इस क्रम में समिति सदस्यों ने आपूर्ति विभाग में संचालित योजनाओ की जानकारी मांगी। बैठक में एमओ अजित कुमार ने आपूर्ति विभाग के योजनाओ की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान में जून जुलाई माह का आवंटन प्राप्त हैं।जून के वितरण हो रहा हैं। जुलाई के वितरण शुरू होने वाला हैं। बैठक में 20 सूत्री सदस्य रामानंद साह ने डीलर द्वारा प्रति लाभुक से आधा किलो अनाज काटने का मुद्दा उठाया। बैठक में सदस्य गोपाल कृष्ण मंडल ने परिमार्जन व म्युटेशन के नाम पर अबैध उगाही का मामला उठाया गया। बैठक में शाद आलम ने राजस्व कर्मचारीयो का जिला में रहना कार्य में हो रही समस्या का भी मुद्दा उठाया। बैठक में पलासी चौक व मार्किट में अतिक्रमण का मुद्दा उठाया गया। बैठक में 20 सूत्री सदस्यों ने आवास सर्वे के नाम पर अबैध वसूली का मुद्दा उठाया गया। बैठक में 20 सूत्री सदस्यों ने मनरेगा योजना में बिना काम के राशि उठाने का मुद्दा उठाया गया। बैठक में सदस्यों ने आंगनबाड़ी से अबैध उगाही पर सदस्यों ने आवाज उठाई। बैठक में शाद आलम ने पोशाक की राशि सेविको को अलग अलग सेविको को देने का भी मुद्दा उठाया। जिस पर एलएस उषा कुमारी ने सरकारी प्रावधानों को जानकारी देते हुए बताया कि सेविका को मालब के आधार पर राशि उपलब्ध कराने की जानकारी दी। साथ ही साथ उन्होंने आंगनबाड़ी में संचालित योजना पीएम मातृत्व बंदना योजना, अन्न प्रशासन योजना, गोदभराई , टीएचआर योजना की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में समिति सदस्यों ने पंचायत में चल रहे सोलर लाइट योजना,व भेपर योजना की जानकारी की मांग की। जिस की जानकारी बीपीआरओ ने दी। 20 सूत्री सदस्य ने शाद आलम सोलर लाइट के स्थल चयन पर अनियमिता बरतने की मुद्दा उठाया। बैठक में महिला चिकित्सक, एमबीबीएस डॉ की कमी, एम्बुलेंस की कमी का मुद्दा छाया रहा। बैठक में मैना बैंक के बीएम पन्नानन्द ने बैंक में संचालित विभिन्न प्रकार की ऋण योजनाओ की जानकारी दी। बैठक में बीडीओ परवेज आलम ने आवास योजना सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में मुख्य रूप से शाद आलम,रामानंद साह, गोपल कृष्ण मंडल, शमीम आलम, रमेश चौधरी, जगरनाथ झा, कुणाल झा, सुरेश यादव, संजीव चौधरी, रजिया सुल्ताना, लीला देवी आदि मौजूद थे।●

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिहार सरकार की अध्यक्षता में अररिया में बीएलओ की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

● अब्दुल कैय्यूम

निर्वाचक नामावली के सतत् अद्यतीकरण एवं विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की तैयारी के क्रम में सोमवार को विनोद सिंह गुंजियाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार की अध्यक्षता में परमान सभागार, समाहरणालय, अररिया में बीएलओ के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिलांतर्गत सभी छः विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधि कारी सहित करीब 150 से अधिक बीएलओ ने भाग लिया।सर्वप्रथम जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अररिया अनिल कुमार के द्वारा पौधा देकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का स्वागत किया गया। साथ ही फणीश्वरनाथ रेणु जी की पुस्तक एवं स्मृति स्वरूप प्रदान दिया गया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा सभी बीएलओ को संबोधित करते हुए निर्वाचक नामावली के निर्माण में बीएलओ के कर्तव्य से जुड़ी कई अहम जानकारी दी गई। साथ ही मतदाताओं को निर्वाचक नामावली में पंजीकृत करने एवं अन्य नियम आदि से संबंधित दिशा निर्देश दिए गए। इस समीक्षा बैठक के क्रम में आसन्न बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारी, ईवीएम के एफएलसी आदि की भी समीक्षा की गई तथा जिला में गठित कोषांग के नोडल पदाधिकारी को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार, अपर समाहर्ता श्री राजमोहन झा, उप विकास आयुक्त रोजी कुमारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी डॉ राम बाबू कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अररिया एवं फारबिसगंज, भूमि सुधार उप समाहर्ता अररिया एवं फारबिसगंज, अवर निर्वाचन पदाधिकारी अररिया एवं फारबिसगंज सहित संबधित पदाधिकारी उपस्थित थे। ●

हेम नारायण यादव दोबारा बने पलासी प्रखंड के राजद अध्यक्ष

● अब्दुल कैय्यूम

अररिया जिला के पलासी प्रखंड के भीखा पंचायत अंतर्गत मोहनियां मदरसा चौक पर रविवार को राजद के संगठनात्मक चुनाव को लेकर राजद कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राजद के प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी के रूप में मौजूद अमित पूर्वे व सहायक निर्वाची पदाधिकारी प्रभाष यादव की देख रेख में संगठनात्मक चुनाव सम्पन्न हुआ। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में राजद के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डा. शत्रुघ्न मंडल, इंजीनियर अभिषेक आनंद, राकेश कुमार विश्वास, मुखिया आदिल रजा, अंजर आलम, संजय दास,मुकेश विश्वास, हेलाल, दिन दयाल मांझी, उमेश मांझी, विनोद राम, संतोष ऋषिदेव, कृष्ण पासवान, इम्तियाज आलम, मायानंद यादव, प्रदीप यादब, शाहबाज आलम, नैयर आलम, मेराज आलम आदि मौजूद है। बैठक में सर्वसम्मति से प्रखंड अध्यक्ष पद पर निर्वाचन प्रक्रिया के तहत निर्विरोध हेमनारायण यादव को दोबारा राजद के प्रखंड अध्यक्ष चुना गया। इस क्रम में उन्हें प्रखंड निर्वाची पदाधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र भी दिया गया। ●

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिलेवासियों व चहटपुर पंचायत के सभी जनता को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-

रूबी शोएब

मुखिया, ग्राम पंचायत राज चहटपुर,
पलासी, अररिया

ओवरलोड का तांडव

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज-बहादुरगंज मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 327ई इन दिनों ओवरलोड वाहनों के तांडव का गवाह बनता जा रहा है। नियमों को ताक पर रखकर दौड़ते इन भारी वाहनों से न केवल सड़कें जर्जर हो रही हैं, बल्कि आम लोगों के जीवन को भी संकट में डाल दिया गया है। पथ निर्माण विभाग और परिवहन विभाग की निष्क्रियता और मौन स्वीकृति के बीच एक संगठित एंट्री माफिया सक्रिय रूप से इस अवैध नेटवर्क को चला रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इन माफियाओं के सहयोगी रणनीतिक स्थानों पर रेकी कर ओवरलोड वाहनों को निर्बाध पास कराने में लगे हैं। गौर करे कि ओवरलोड ट्रकों की आवाजाही में कोडवर्ड का एक नया ट्रेंड सामने आया है। पहले 'डायमंड', 'काबा', और 'स्टीकर' जैसे संकेतों का उपयोग किया जाता था, अब 'मेजर' और 'बादशाह' जैसे कोडवर्ड्स ने इस अवैध व्यवस्था को और मजबूत बना दिया है। ये कोड वाहन चालकों और माफिया के बीच संकेत बन चुके हैं, जिससे टोल टैक्स, चेकपोस्ट और अन्य नाकों पर इन्हें रोका न जाए। मंगलिहाट के पास स्थित टोल टैक्स इस काले खेल का एक प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां स्थानीय सूत्रों

के अनुसार माफिया के एजेंट तैनात रहते हैं जो ओवरलोड गाड़ियों की एंट्री में मदद करते हैं। NH पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी इस गतिविधि के गवाह हैं, मगर कार्रवाई की कोई ठोस पहल अब तक नहीं हो सकी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग केवल कागजी खानापूर्ति कर रहा है। कभी-कभार औपचारिक चेकिंग होती है, जिसका कोई प्रभाव नहीं दिखता। इस लापरवाही से माफिया के हौसले बुलंद हैं और सरकारी राजस्व की भी भारी क्षति हो रही है। पूर्व में जब इस विषय पर मीडिया रिपोर्ट सामने आई थी, तो कई जनप्रतिनिधियों ने इस पर नाराजगी जताई थी। बावजूद इसके, हालात जस के तस बने हुए हैं। कार्रवाई का अभाव यह साबित करता है कि या तो सिस्टम की नीयत में खोट है या एंट्री माफिया की पकड़ बहुत मजबूत। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस ओवरलोडिंग के तांडव पर लगाम नहीं कसी गई, तो आने वाले समय में सड़कें पूरी तरह ध्वस्त होंगी और परिवहन व्यवस्था चरमरा जाएगी। साथ ही सरकार को करोड़ों के राजस्व का नुकसान भी झेलना पड़ेगा। अब वक्त है कि शासन-प्रशासन जागे और सख्ती से नियमों का पालन सुनिश्चित कर इस अवैध नेटवर्क पर रोक लगाए।●

एक पेड़ एक मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपन कार्यक्रम

विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर ग्रामीण विकास विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा के तहत एक पेड़ माँ के नाम अभियान 2 के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में अररिया जिला अंतर्गत गैयारी पंचायत भवन के प्रांगण एवं खेल मैदान गैयारी में उप विकास आयुक्त, अररिया रोजी कुमारी द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा स्वच्छ, हरित और संतुलित पर्यावरण के निर्माण हेतु संकल्प लिया गया। इस क्रम में पर्यावरण संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयास पर बल दिया गया।

उक्त कार्यक्रम में निदेशक, लेखा प्रशासन, डी०आर०डी०ए०, अररिया, निदेशक, एन०ई०पी०, डी०आर०डी०ए०, अररिया, सहायक परियोजना पदाधिकारी, डी०आर०डी०ए०, अररिया, जिला अंकेक्षण प्रबंधक, कार्यक्रम पदाधिकारी, अररिया एवं सम्मानित मुखिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। **रिपोर्ट :- अब्दुल कैय्यूम** ●

जब पाकिस्तान के निशाने पर था किशनगंज

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज वर्ष 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय हमारा किशनगंज पाकिस्तानी फौज के टारगेट पर रहता था। दरअसल पूर्व दिशा में किशनगंज शहर से महज 30 किमी दूर पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी फौज को यह मालूम हो गया था कि पूर्वी पाकिस्तान के सर्वमान्य नेता शेख मुजीबुर्रहमान की मुक्तिवाहिनी के गुरिल्लाओं को किशनगंज में शरण व आर्थिक मदद मिलती है। इसलिए पाकिस्तानी फौज ने किशनगंज में मुक्तिवाहिनी के लड़ाकों को टारगेट करने और किशनगंज में दहशत फैलाने सहित भारत सरकार को सबक सिखाने की मंशा से एक ही दिन सीरियल बम विस्फोट कराए थे।

बांग्ला संस्कृति के मुस्लिमों के इस क्षेत्र पूर्वी पाकिस्तान में शेख मुजीबुर्रहमान रहमान की अगुवाई में मुक्ति वाहिनी के बैनर तले पाकिस्तानी हुकूमत और पाकिस्तानी सेना के आतंक के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध छिड़ गया था। तब भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुक्ति वाहिनी के समर्थन में भारतीय सेना को उतार दिया था। और, भारत के आर्मी जनरल मानेक शॉ की सेना ने अपना जौहर दिखाते हुए पाकिस्तानी फौज के करीब एक लाख सिपाहियों को बंदी बना लिया था। इसके बाद ही पूर्वी पाकिस्तान का यह इलाका बांग्लादेश नामक एक नया मुल्क बना।

☞ **मनोरंजन क्लब की छत का सायरन :-** मेरा जब जन्म हुआ तो उस वक्त भारत-चीन युद्ध चल रहा था। माँ बताती है कि उन दिनों दहशत की काली छाया मँडराती रहती। फिर, 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ। तब मैं अबोध था। पर, युद्ध की छाया में ही बचपन गुजर रहा था। जगन्नाथ स्कूल में मैं तब चौथी कक्षा में था। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के कारण आसमान में भारतीय सेना के फाइटर प्लेन उड़ान भरते रहते। हम सभी बच्चे आसमान में प्लेन गुजरने के बाद छल्लेनुमा धुएँ की लकीर को अपलक देखते रहते। पास में मनोरंजन क्लब की छत पर प्रशासन ने सायरन लगा दिया था। बाल-सुलभ उत्सुकतावश मैंने क्लब की छत पर इस सायरन की इंस्टालेशन नीचे खड़े होकर देखी थी। 3-4 साल पहले तक यह सायरन मशीन क्लब की छत पर ही रखी देखी थी। किसी खतरे की आशंका होते ही सायरन बज उठता और सड़क के लोग अपने-अपने घरों में ही छिप जाते थे। रात में सायरन बजते ही पूरे शहर में 'ब्लैक आउट' हो जाता। यानी, पूरे शहर की बिजली काट दी जाती। ऐसा इसलिए किया जाता था कि दुश्मन देश के फाइटर प्लेन को नीचे कोई रोशनी नजर न आए और निर्जन इलाका जानकर दुश्मन बम न बरसाए। उन दिनों एक अजीब-सी दहशत थी और रोमांच भी। मुझे याद है कि हम बच्चे भी मुक्ति वाहिनी को एक तरीके नैतिक समर्थन दे रहे थे। घर से सटे प्रसन्न लाल दादा की किराना-दूकान पर लगे कैलेंडर में शेख मुजीबुर्रहमान की तस्वीर को देखकर मैं रोमांचित हो जाता था और उन्हें एक 'रीयल हीरो' मानकर मन ही मन सैल्यूट भी करता था।

☞ **इन्दू टॉकीज में बम ब्लास्ट :-** उस काली रात हम सभी भाई-बहन कमरे में सोये हुए थे। माँ-बाबा भी इसी कमरे में सोये थे। टीन की छत वाले हमारे कमरे का काठ का दरवाजा मामूली ढंग का ही था। काठ की ही कुंडी और काठ के ही एक डंडे से दरवाजा बंद किया जाता। टीन की छत वाले कमरे में लकड़ी के टेढ़े-मेढ़े तख्तों की दुछत्ती थी, जिसे आप आजकल के जमाने की फॉल्स सीलिंग कह सकते हैं। दुछत्ती पर दादा-दादी के घर के कबाड़ और माँ को दहेज में मिले पुराने बर्तन रखे थे। रात के करीब 11 बज रहे होंगे। अचानक एक जोरदार आवाज हुई। लगा जैसे कि हमारा कमरा पूरा हिल गया। टीन की छत और दुछत्ती पर रखे बर्तन ढ़नमना कर आवाज करने लगे थे। डर के मारे मैं बिस्तर पर उकड़ूं बैठ गया था। मेरी नजर दरवाजे पर गई .... यकीन जानिए ! काठ का पुराना दरवाजा हिल रहा था..जैसे बाहर से कोई दरवाजा पीट रहा हो! तबतक माँ-बाबा भी जग गए थे।

बाबा ने तेजी से उठकर दरवाजा खोला, किन्तु बाहर हमारे बड़े-से आँगन में कोई नहीं था। बाबा के पीछे-पीछे मैं भी बाहर निकल आया था। मेरा डर कम हो गया था और घटना की वजह जानने को उत्सुक था। दादा जी, बड़े बाबा और सभी चाचा भी कमरे से बाहर निकल कर आँगन में जमा हो गए थे। फिर, किसी ने मुख्य द्वार खोला और टार्च लेकर दरवाजे की तलाशी हुई। हमारा दरवाजा चौक पर पूरब में ठाकुरबाड़ी रोड और दक्षिण में धर्मशाला रोड से बिल्कुल सटा है। धमाके के बाद तबतक आस-पास के अन्य घरों के लोग भी सड़क पर आ गए थे। थोड़ी देर में ही पता लग गया कि हमारे घर से बमुश्किल 300 मीटर की दूरी पर स्थित इन्दू टॉकीज में बम फटा है। कुछ लोग मरे हैं और दर्जनों घायल हैं। यह सूचना मिलते ही सभी दहशत में आ गए थे। दादा जी ने हम सभी बच्चों को कमरे में जाने की हिदायत दी। परंतु, मैं दादाजी की नजर बचाकर दरवाजे से सटे उनके कमरे में ही खड़ा रहा था। वजह जानने की जिज्ञासा जो थी ! इस बीच कुछ हिम्मती लोग इन्दू टॉकीज की तरफ निकल पड़े थे।

☞ **गजब थी टाइम बम फटने की टाइमिंग :-** उस हृदयविदारक घटना की रात इन्दू टॉकीज में वॉलीवुड की एक मशहूर फिल्म 'सावन भादो' चल रही थी। उस दिन का सेकेंड शो यानी रात के 9 से 12 बजे का अंतिम शो। उस रात मुक्तिवाहिनी के लड़ाकों की इच्छा पर इन्दू टॉकीज में 'सावन भादो' फिल्म देखने के लिए फर्स्ट क्लास की शायद दो कतारें रिजर्व की गई थीं। यह बात पाकिस्तानी जासूसों को पता चल गई थी। फिल्म में नवीन निश्चल हीरो और आज की मशहूर अदाकारा रेखा हीरोइन थी। फिल्म में एक दृश्य था कि कार में बम फटता है। आतंकवादियों ने सिनेमा हॉल के ग्राउंड फ्लोर में फर्स्ट क्लास की कतार में किसी सीट के नीचे टाइम बम फिट कर दिया था। बम ठीक उसी वक्त फटा जब पर्दे पर चल रही फिल्म में कार में बम फटा। ऐसा इसलिए किया गया था कि सिनेमा हॉल में टाइम बम फटने की आवाज से दर्शक गच्चा खा जाएं और ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। यहाँ दुश्मनों की बम फटने की टाइमिंग सेट करने की फुलप्रूफ योजना की न चाहते हुए भी तारीफ करनी होगी। हॉल का बड़ा दरवाजा टूटकर छिटक गया था क्योंकि दरवाजा अंदर खुलते ही फर्स्ट क्लास की 'ए' या 'बी' कतार की सीट के नीचे बम फटा था। इसके ठीक करीब 8 फीट ऊपर छत पर बॉलकनी और लेडीज सेक्शन था। यहां हमेशा मद्धिम रोशनी वाले बल्ब ही लगे होते थे। सिनेमा हॉल के दो-तिहाई हिस्से के मुकाबले इस

एक तिहाई वाले निचले हिस्से में अपेक्षाकृत अंधेरा ज्यादा होता था, इसलिए दुश्मनों को बम फिट करने में आसानी हुई थी। बाद में, दरबान ने पुलिस को बताया था कि बम फटने के ठीक पहले एक दर्शक पेशाब करने के बहाने बाहर निकला, किन्तु फिर वापस अंदर नहीं गया। बताए हुलिए के मुतानिक पुलिस उस शख्स की तलाश करती रही, पर वह तो फुर्र हो चुका था। इस लोमहर्षक घटना में बुरी तरह घायल हुए रिश्ते में मेरे एक चाचा (बाबा के खास मौसेरे भाई) प्रकाश चन्द्र साहा का बायां हाथ काटना पड़ा था और फुफेरी बड़ी बहन अंजलि दीदी के पति यानी बड़े बहनोई प्रह्लाद मोदी के कान के पर्दे फट गए थे और आजीवन वें इसी हाल में रहे। हाँ ! प्रकाश चाचा आज भी उस बम-विस्फोट के जीवित गवाह हैं और स्वस्थ हैं।

☞ **रेलवे ट्रैक पर हुआ था पहला बम-विस्फोट :-** इन्दू टॉकीज में बम फटने के कुछ घंटे पहले खगड़ा और रामपुर के बीच रेलवे ट्रैक पर भी पाकिस्तानी फौज के जासूसों ने बम विस्फोट किया था। इस विस्फोट के कारण ट्रेन पटरी से उतर गई थी और काफी नुकसान हुआ था। पाकिस्तानी जासूसों को शायद यह जानकारी मिली थी कि मिलिट्री स्पेशल ट्रेन किशनगंज आ रही है। उन दिनों नवयुवक रहे बीरेंद्र कुमार दुबे भैया बताते हैं कि रामपुर की ट्रेन वाली घटना के बाद वे साइकिल से घटनास्थल पर पहुँचे थे तब इंजन से पानी रिस रहा था और जले कोयले बुझने जा रहे थे। यह एक अप लाइन की स्टीम इंजिन की मालगाड़ी थी जिसे मिल्ट्री स्पेशल समझ कर एंटी टैंक लैंड माइंस द्वारा उड़ाया गया था। दो और एंटी टैंक लैंड माइंस डाउन लाइन में रखे गए थे। परंतु, शायद हड़बड़ी में प्रेसर एरिया से नीचे प्लांट किये गये थे, इसलिए पैसेंजर ट्रेन गुजरने के बावजूद नहीं फटे। इन्हीं दोनों माइंस पर एक फोटोग्राफर की नजर पड़ी और उन्होंने ही सुरक्षाकर्मियों को यह दिखाया था। जिन्हें सुरक्षाकर्मियों ने डिफ्यूज कर दिया था।

किशनगंज में मुक्तिवाहिनी के युवाओं को शस्त्र विधा में निपुण व पहलवान सरीखी कदकाठी वाले पूर्व सांसद व समाजवादी नेता लखन लाल कपूर और बड़े जीवट व गठीली देह वाले महेन्द्र साहा 'महेन्द्र मास्टर' यहां शरण-प्रशिक्षण देते थे। ये लड़ाके मेरे घर के बगल में ही मनोरंजन क्लब में रहते थे। और भी कई जगहों पर इन्हें शरण मिलती थी। यद्यपि मैं बच्चा था पर, युवाओं की गतिविधियों पर उत्सुकतावश मेरी नजर गड़ी रहती थी। स्थानीय युवाओं की एक 'थर्ड लाइन' भी थी, जो किसी भी मदद के लिए खड़ी रहती। इन्हीं में शामिल थे अंग्रेजों के शासन काल मे ऑनरेरी मजिस्ट्रेट के खिताब से नवाजे जमींदार व नगरपालिका के चेयरमैन चंचल प्रसाद के बड़े पुत्र व फर्राटे से अंग्रेजी बोलने वाले गोपाल प्रसाद,अधिवक्ता एवं मेरे काका विजय प्रसाद। मेरे कॉलेज से सेवानिवृत्त लिपिक स्वपन दास ने भी मुझे बताया था कि वे अपने 20 साथियों व बेनी बाबू के साथ ट्रक में राशन सामग्री भरकर पूर्वी पाकिस्तान के बॉर्डर पहुंचे थे और सारा सामान भिजवाया था। स्वपन दा के अनुसार बॉर्डर पर पूर्वी पाकिस्तान के जगदल गाँव तक राशन पंहुचाने वाले किशनगंज के स्वयंसेवी दल में मेरे पिता श्री कृष्ण माधव प्रसाद भी शामिल थे।। इन्दू टॉकीज में टाइम बम फटने के अगले ही दिन सूड़ी बस्ती के बड़े-बुजुर्गों के समक्ष गोपाल प्रसाद चाचा ने रहस्योद्घाटन किया था कि दरअसल मुक्तिवाहिनी के युवाओं ने इन्दू टॉकीज में 'सावन-भादो' फिल्म देखने की इच्छा जतायी थी और इसके लिए फर्स्ट क्लास की 15-16 सीटों

वाली पूरी कतार बुक थी। शायद इसकी जानकारी पाकिस्तानी फौज को मिल गयी थी, इसलिए यहां टाइम-बम लगाकर विस्फोट कराया गया। उन्होंने बताया था कि यह संयोग ही था कि शो शुरू होने के दो घंटे पहले खगड़ा और रामपुर के बीच हुए बम विस्फोट की खबर सुनते ही मुक्तिवाहिनी के युवाओं के साथ वे सभी घटनास्थल पर पंहुचे थे और बाद में सिनेमा देखने का प्रोग्राम कैंसिल कर दिया गया था। यदि सिनेमा देखने जाते तो उन सभी की मृत्यु निश्चित थी। इस्लामपुर के रास्ते गोपाल चाचा व विजय काका अपने कई साथियों के साथ पूर्वी पाकिस्तान के अंदर भी गए थे। वहां उनका स्वागत मुरही और चाय से किया गया था। वहाँ के लोग 'सुरजापुरी' बोली में बातें कर रहे थे और गवालपोखर, इस्लामपुर, किशनगंज के जमींदार परिवारों से वाकिफ थे। गोपाल चाचा व विजय काका अपने साथियों के साथ बलियाडाँगी के रास्ते ठाकुरगांव जाना चाहते थे। लेकिन, पाकिस्तानी फौज को खबर लग गई थी और इन लोगों की तलाश में निकल पड़ी थी, जिस कारण इन सभी को वहां से भागना पड़ा था। मेरे हैंडसम विजय काका बड़े दुस्साहसी हैं और वे समाजवादी लखन लाल कपूर के सच्चे अनुयायी आज भी हैं। स्व. गोपाल प्रसाद चाचा ने मुझे बताया था कि जब पूर्वी पाकिस्तान को एक नए मुल्क 'बांग्लादेश' के रूप में पहचान मिली तो, ढ़ाका में इसका जश्न मनाया गया था और महेन्द्र मास्टर साहब को विशेष रूप से आमंत्रित करके ढ़ाका बुलाया गया था। महेंद्र मास्टर जब ढाका से लौटे तो 'थर्ड लाइन' के उन जैसे सभी सहयोगियों के लिए मुक्तिवाहिनी ने 'आमार सोनार बांग्ला' लिखी टोपियाँ भिजवाई थीं पर गोपाल प्रसाद चाचा को इस बात का मलाल रहा कि जिस बांग्लादेश के गठन के लिए उनके जैसे युवाओं ने तन-मन-धन से मदद की, वही बांग्लादेश अब भारत विरोधी रुख अपनाने से गुरेज नहीं करता।●

अपराध की कमाई पर पुलिस का प्रहार

● **धर्मेंद्र सिंह**

किशनगंज में अपराध की कमाई से ऐश करने वाले अपराधियों के दिन अब लद गए हैं। बिहार पुलिस का शिकंजा अब सिर्फ अपराध पर नहीं, बल्कि उससे अर्जित अकूत संपत्ति पर भी कसता जा रहा है। किशनगंज पुलिस ने ब्राउन शुगर और स्मैक जैसे घातक नशे के सौदागरों की अवैध रूप से बनाई गई संपत्तियों पर सीधा वार करने की तैयारी पूरी कर ली है।

☞ **नए कानून की धार-सीधे संपत्ति पर चोट :-** 1 जुलाई 2024 से लागू भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत अब पुलिस को किसी अपराधी द्वारा अर्जित संदेहास्पद संपत्ति को जब्त करने का सीधा अधिकार मिला है। पहले यह अधिकार केवल आर्थिक अपराध इकाई (EOU) के पास था, लेकिन अब जिला पुलिस स्तर पर ही कार्रवाई संभव है। इससे न सिर्फ प्रक्रिया तेज हुई है, बल्कि अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बना है।

☞ **डॉली-रहमान का ड्रग साम्राज्य-अब इतिहास बनने की कगार पर :-** खगड़ा माछमाड़ा निवासी डॉली और रहमान अंसारी उर्फ सुबोध अंसारी की पहचान जिले के सबसे कुख्यात ड्रग तस्करों में होती है। स्मैक और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी से इस दंपती ने करोड़ों की अवैध कमाई की और शहर के रुईधासा व झुलझुली क्षेत्रों में महंगी जमीन खरीदी। वर्तमान में दोनों जेल में हैं, लेकिन पुलिस ने अब इनके चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने के लिए कोर्ट में प्रस्ताव भेज दिया है। कोर्ट की अनुमति मिलते ही जब्ती की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

☞ **ब्राउन शुगर का तस्कर 'आर्यन'-फर्जी नाम, असली खेल :-** सुभान आलम उर्फ आर्यन, ठाकुरगंज के कौआभिट्टा का रहने वाला, ब्राउन शुगर तस्करी का बड़ा नाम बन चुका था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि सुभान ने न केवल अपने नाम पर, बल्कि अपने भाई के नाम पर भी दो दर्जन से अधिक जगहों पर महंगी जमीनें खरीदी हैं। इसके पास एक क्रेटा कार और कई महंगे बाइक भी मिले हैं। सुभान वर्तमान में जेल में है, लेकिन पुलिस उसके पूरे नेटवर्क को

आर्थिक रूप से तोड़ने की दिशा में कदम बढ़ा चुकी है।

☞ **अब हर चौंकाने वाली संपत्ति रडार पर :-** किशनगंज जिले में कम से कम आधा दर्जन ऐसे अपराधी और तस्कर पुलिस की रडार पर हैं, जिन्होंने अचानक ही गांवों और कस्बों में करोड़ों की संपत्ति बना ली है। नये कानून के तहत थाना स्तर पर ही ऐसे लोगों की कुंडली तैयार की जा रही है और उनसे संपत्ति के स्रोत की जानकारी मांगी जाएगी। जवाब असंतोषजनक हुआ तो संपत्ति जब्त करना अब मुश्किल नहीं।

☞ **समाप्त नहीं होगी इमारत, बदलेगा इस्तेमाल :-** सरकार की मंशा साफ है-अपराधियों की संपत्ति पर अब स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक भवन बनेंगे। इस योजना से न केवल जनता को लाभ होगा बल्कि अपराधियों के लिए यह एक करारा संदेश भी होगा कि अपराध की कमाई से इज्जत नहीं, शर्म मिलती है।

☞ **एसपी सागर कुमार का स्पष्ट संदेश :-** किशनगंज के एसपी सागर कुमार ने कहा, "नए कानून के तहत डॉली-रहमान और सुभान आलम की करोड़ों की अवैध संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस महीने के अंत तक कार्रवाई शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही अन्य अपराधियों की संपत्ति की भी जांच जारी है।"

☞ **यह सिर्फ कार्रवाई नहीं, बदलाव की शुरुआत है :-** किशनगंज पुलिस की यह पहल न सिर्फ कानून का सख्त क्रियान्वयन है, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है। 'अब अपराध करके कोई चौन की नींद नहीं सो सकेगा।' जब अपराधियों के महल स्कूल बनेंगे और उनकी गाड़ियाँ सरकारी उपयोग में आएंगी, तब अपराध का रास्ता चुनने वालों को एक बार जरूर सोचना पड़ेगा।●

इतिहास, आस्था और अनदेखी की त्रासदी

बिहार के सीमांचल में उपेक्षित 8वीं शताब्दी की सूर्य प्रतिमा

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज बिहार के सीमांचल क्षेत्र, किशनगंज जिले के कोचाधामन प्रखंड स्थित बड़ीजान गांव में एक अद्‌भुत ऐतिहासिक धरोहर आज गुमनामी और उपेक्षा की पीड़ा झेल रही है। यहां आठवीं शताब्दी की मानी जा रही भगवान सूर्य की दुर्लभ प्रतिमा खुले आसमान के नीचे, एक पीपल के पेड़ तले विराजमान है। बिना किसी सुरक्षा, संरक्षण या सरकारी मान्यता के। छठ पर्व के लिए प्रसिद्ध बिहार और उत्तर भारत में सूर्य की पूजा का एक समृद्ध इतिहास रहा है। कोणार्क के सूर्य मंदिर की भांति बड़ीजान की यह मूर्ति भी सांस्कृतिक गौरव और पुरातात्विक वैभव का प्रतीक है, लेकिन अंतर केवल यह है कि एक पर्यटकों से गुलजार है, जबकि दूसरी उपेक्षा की शिकार। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यह काले पत्थर की सूर्य प्रतिमा खेत की जुताई के दौरान दो भागों में मिली थी। पहले ऊपरी हिस्सा, फिर एक विनाशकारी बाढ़ के बाद निचला भाग। जब दोनों टुकड़े जोड़े गए, तो सामने आया सात घोड़ों की रथ पर सवार भगवान भाष्कर का दिव्य स्वरूप। प्रतिमा के दोनों ओर ऊषा और प्रत्युषा की आकृतियाँ

ग्रामीणों की मांग :-

☞ बड़ीजान को पर्यटन स्थल घोषित किया जाए।

☞ सूर्य प्रतिमा को संरक्षित किया जाए।

☞ एक स्थानीय संग्रहालय की स्थापना हो।

☞ मूर्तियों और मंदिर अवशेषों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराया जाये।

हैं, गले में मणियों की माला और शरीर पर अलंकरण। यह सब मिलकर इसकी प्राचीनता और कलात्मकता को प्रमाणित करते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह क्षेत्र कभी सूर्यवंशी राजाओं का केंद्र रहा होगा। 'सुरजापुर' नामक ऐतिहासिक परगना, सुरजापुरी भाषा और सुरजापुर गांव की निकटता इस अनुमान को बल देती है। ग्रामीणों का कहना है कि इस क्षेत्र में सूर्य मंदिर के अवशेष भी समय-समय पर मिलते रहे हैं। शिखर, द्वार की चौखटें, पत्थर की नक्काशी जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि यहां कभी भव्य सूर्य मंदिर रहा होगा। साल 1999-2000 में तत्कालीन जिला पदाधिकारी ने इस स्थान को संरक्षित क्षेत्र घोषित करने का प्रस्ताव देने की बात कही थी, लेकिन तब से अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। न सुरक्षा घेरा बना, न ही मूर्ति का कोई वैज्ञानिक मूल्यांकन कराया गया।ग्रामीणों की पीड़ा केवल उपेक्षा तक सीमित नहीं है। बबलू सिन्हा जैसे स्थानीय लोग बताते हैं कि जब भी कोई अधिकारी आता है, इतिहास पूछता है, तस्वीरें खींचता है, और वादे कर चला जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं बदलता। पूर्व सांसद स्वर्गीय तस्लीमुद्दीन से लेकर जिलाधिकारी आदित्य प्रकाश तक कई प्रशासनिक प्रयास हुए, लेकिन नतीजा शून्य रहा। एक स्थानीय बुजुर्ग, सुरेश राम कहते हैं, "इतिहास की धरोहर मिट्टी में मिल रही है। हमारी मांग है कि यहां पर्यटन स्थल बने, मूर्तियों के लिए संग्रहालय बने और सरकार इस जगह को मान्यता दे।" विडंबना यह है कि इसी दौरान बीबीसी की एक रिपोर्ट में प्रकाशित हुआ कि ब्रिटेन के ग्लासगो म्यूजियम्स सात भारतीय कलाकृतियां भारत को लौटाएंगे, जिनमें एक सूर्य प्रतिमा भी है जो बिहार के दानापुर की मानी जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है: जब विदेश से खोई हुई धरोहरों को लौटाया जा रहा है, तो अपने ही गाँव में पड़ी जीवित संस्कृति की मूर्ति को हम क्यों भूल बैठे हैं? गौर करे कि बड़ीजान की यह प्राचीन सूर्य प्रतिमा केवल पत्थर का टुकड़ा नहीं है, यह सीमांचल की ऐतिहासिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपरा का प्रतीक है। आज यह उपेक्षित है, लेकिन यदि संरक्षित और प्रचारित किया जाए, तो यह न केवल एक पर्यटन केंद्र बन सकता है बल्कि क्षेत्र के गौरव को भी फिर से स्थापित कर सकता है।●

नगर परिषद में सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज नगर परिषद की सफाई व्यवस्था इन दिनों गहरे सवालों के घेरे में है। एक ओर शहर की सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर आम नजर आते हैं, दूसरी ओर नगर परिषद द्वारा नियुक्त एनजीओ को हर महीने लाखों रुपये का भुगतान किया जा रहा है। नगर परिषद के 24 वार्डों में स्वच्छता व्यवस्था का जिम्मा सिलीगुड़ी स्थित आरईएस प्राइवेट लिमिटेड नामक एनजीओ को दिया गया है, जिसे हर माह लगभग 42 लाख रुपये का भुगतान किया जाता है। बावजूद इसके, जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। गौर करे कि नगर परिषद के सभी वार्ड पार्षदों ने एकजुट होकर जिलाधिकारी विशाल राज को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें एनजीओ की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। पार्षदों का कहना है कि गली-मोहल्लों और चौक-चौराहों पर कचरे के ढेर लगे रहते हैं। कचरे से उठती दुर्गंध और संक्रमण की आशंका से लोग परेशान हैं। सफाईकर्मियों की संख्या अपर्याप्त है, जिससे कई

इलाकों में हफ्तों तक झाड़ू तक नहीं लगता। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था नाममात्र की है। पार्षद प्रतिनिधि फिरोज के अनुसार, 'एनजीओ केवल महीने में 10 दिन काम करता है। बाकी दिन सफाईकर्मी और वाहन नदारद रहते हैं। लाखों खर्च करने के बाद भी हम लोगों को जनता के गुस्से का सामना करना पड़ता है।'

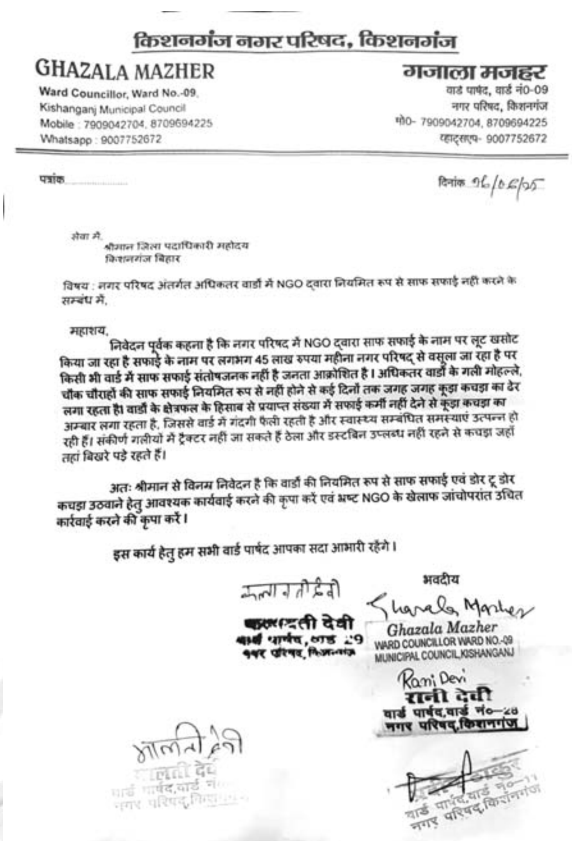

किशनगंज नगर परिषद, किशनगंज

GHAZALA MAZHER
Ward Councillor, Ward No.-09,
Kishanganj Municipal Council
Mobile : 7909042704, 8709694225
Whatsapp : 9007752672

गजाला मजहर
वार्ड पार्षद, वार्ड नं0-09
नगर परिषद, किशनगंज
मो0- 7909042704, 8709694225
व्हाट्सएप- 9007752672

पत्रांक..........

दिनांक 16/06/25

सेवा में,
श्रीमान जिला पदाधिकारी महोदय
किशनगंज बिहार

विषय : नगर परिषद अंतर्गत अधिकतर वार्डों में NGO द्वारा नियमित रूप से साफ सफाई नहीं करने के सम्बंध में,

महाशय,
निवेदन पूर्वक कहना है कि नगर परिषद में NGO द्वारा साफ सफाई के नाम पर लूट खसोट किया जा रहा है सफाई के नाम पर लगभग 45 लाख रुपया महीना नगर परिषद् से वसूला जा रहा है पर किसी भी वार्ड में साफ सफाई संतोषजनक नहीं है जनता आक्रोशित है। अधिकतर वार्डों के गली मोहल्ले, चौक चौराहों की साफ सफाई नियमित रूप से नहीं होने से कई दिनों तक जगह जगह कूड़ा कचड़ा का ढेर लगा रहता है। वार्डों के क्षेत्रफल के हिसाब से प्रयाप्त संख्या में सफाई कर्मी नहीं देने से कूड़ा कचड़ा का अम्बार लगा रहता है, जिससे वार्ड में गंदगी फैली रहती है और स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। संकीर्ण गलीयों में ट्रैक्टर नहीं जा सकते हैं ठेला और डस्टबिन उप्लब्ध नहीं रहने से कचड़ा जहाँ तहां बिखरे पड़े रहते हैं।

अतः श्रीमान से विनम्र निवेदन है कि वार्डों की नियमित रूप से साफ सफाई एवं डोर टू डोर कचड़ा उठवाने हेतु आवश्यक कार्यवाई करने की कृपा करें एवं भ्रष्ट NGO के खेलाफ जांचोपरांत उचित कार्रवाई करने की कृपा करें।

इस कार्य हेतु हम सभी वार्ड पार्षद आपका सदा आभारी रहेंगे।

भवदीय

Ghazala Mazher
WARD COUNCILLOR WARD NO.-09
MUNICIPAL COUNCIL,KISHANGANJ

Rani Devi
रानी देवी
वार्ड पार्षद,वार्ड नं०-28
नगर परिषद,किशनगंज

☆ **प्रमुख मांगें जो ज्ञापन में उठाई गई :-**

☞ सभी वार्डों में नियमित रूप से सफाई कार्य सुनिश्चित किया जाए।

☞ डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली प्रभावी ढंग से लागू हो।

☞ फंड के दुरुपयोग के लिए एनजीओ की जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

☞ प्रत्येक वार्ड में पर्याप्त सफाईकर्मी, ठेले और डस्टबिन की व्यवस्था की जाए।

प्रवीण कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद किशनगंज ने कहा कि 'सफाई में कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एनजीओ प्रतिनिधि से सफाईकर्मियों और सुपरवाइजर की रिपोर्ट तलब की गई है।' वहीं एनजीओ के प्रतिनिधि विकास कुमार का दावा है कि 'हमारे पास 180 सफाईकर्मी हैं और सभी 24 वार्डों में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व झाड़ू आदि का कार्य नियमित किया जा रहा है।' गौर करे कि यह पहली बार नहीं है जब इस एनजीओ के खिलाफ शिकायत हुई है। पिछले ढाई वर्षों में एक दर्जन से ज्यादा बार आवेदन दिए जा चुके हैं। हर बार कुछ दिनों के लिए सफाई व्यवस्था में सुधार होता है, लेकिन फिर स्थिति जस की तस हो जाती है। वार्ड नंबर 9 की पार्षद गजाला मजहर ने कहा कि ‘अगर प्रशासन ने अबकी बार ठोस कदम नहीं उठाए, तो हम आम जनता के साथ आंदोलन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।' शहर में सफाई के लिए खरीदी गई कई आधुनिक मशीने जैसे कम्पैक्टर वाहन और वाटर स्प्रिंकलर अब उपयोग में नहीं लाई जा रही हैं। ये वाहन महीनों से अनुपयोगी अवस्था में खड़े-खड़े खराब हो रहे हैं। किशनगंज नगर परिषद की यह स्थिति साफ दर्शाती है कि फंडिंग और सुविधाएं होने के बावजूद जब तक जवाबदेही तय नहीं होती, तब तक जमीनी बदलाव संभव नहीं है। पार्षदों की एकजुटता और जनता की बढ़ती नाराजगी एक चेतावनी है, यदि जल्द और सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह मामला सिर्फ एक प्रशासनिक चूक नहीं, जन आक्रोश का कारण बन सकता है।●

फर्जी आधार कार्ड रैकेट का भंडाफोड़

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज भारत-नेपाल सीमा से सटे किशनगंज जिले के जियापोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत गिलहा बाड़ी गांव में पुलिस ने 07 जून को एक बड़े फर्जी आधार कार्ड रैकेट का भंडाफोड़ किया। यह गिरोह अवैध रूप से भारत में घुसे बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय पहचान दस्तावेज मुहैया कराने का काम कर रहा था। पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि गिलहा बाड़ी गांव में अशरफुल नामक व्यक्ति के घर पर फर्जी आधार कार्ड बनाने का काम चल रहा है। सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गई, जिसमें अशरफुल को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान दो अन्य आरोपी जमाल और पंकज फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

✯ छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में तकनीकी उपकरण और दस्तावेज बरामद किए हैं, जिनमें शामिल हैं :-

☞ Canon PIXMA प्रिंटर, जिस पर "Rasigul7-9955310756" लिखा हुआ कागज।

☞ 3M कंपनी की Retina Scanner (Model : CIS-2021-504305)

☞ Finger Scanner (Model: CS500e13P3906)

☞ Apple लोगो लगे Dell लैपटॉप (Intel i3 प्रोसेसर)

☞ चार पहिया वाहन (पश्चिम बंगाल नंबर: WB16AE1725)

☞ OPPO मोबाइल फोन (IMEI: 862615245451617-09) नेपाली सिम व Airtel सिम के साथ Ncell कंपनी का नेपाल मूल का MRP 50 कूपन ।

☞ तीन नेपाली नोट (घ10) और एक भारतीय घ20 नोट

☞ लाल रंग की टूटी हुई सरकारी मुहर।

☞ 22 व्यक्तियों की रेटिना स्कैन की फोटोकॉपी।

☞ फर्जी निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र और आधार नामांकन फॉर्म (बिहार व बंगाल के विभिन्न जिलों से)

✯ बांग्लादेशी घुसपैठियों को वैध नागरिक दिखाने की साजिश :- पूछताछ में सामने आया है कि यह गिरोह बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में घुसने वाले लोगों को आधार कार्ड, निवास प्रमाण-पत्र और अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाकर उन्हें वैध नागरिक घोषित करने का काम करता था। ये प्रमाण पत्र बिहार के मधुबनी, पूर्णिया और पश्चिम बंगाल के कूचबिहार से बनवाए जा रहे थे। एसपी सागर कुमार ने कहा कि यह गिरोह लंबे समय से सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय था और आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर असली जैसे दिखने वाले आधार कार्ड तैयार करता था। गांव के स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना की और मांग की कि भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया जाए, ताकि इस तरह की राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। जब्त वाहन (ठ नंबर) के मालिक समेत चार लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इस रैकेट का पश्चिम बंगाल से भी कनेक्शन सामने आया है, जिसकी विस्तृत जांच की जा रही है।इस कार्रवाई में एसडीपीओ 2 मंगलेश कुमार सिंह, जियापोखर थानाध्यक्ष विकास कुमार, प्रीति कुमारी, रमेश राय सहित अन्य पुलिस बल के जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।●

भवन निर्माण विभाग की बड़ी अनियमितता उजागर

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के बीच भवन निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जिले के कोषागार परिसर में लाखों रुपये की लागत से बने गार्ड रूम का निर्माण तो पूरा हो गया, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि इस निर्माण के बाद विभाग ने टेंडर जारी किया।

☞ **निर्माण पहले, टेंडर बाद में : नियमों की खुलेआम उड़ाई धज्जियां :-** सूत्रों के अनुसार, कोषागार परिसर में बने गार्ड रूम का निर्माण कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका है। लेकिन जब भुगतान की प्रक्रिया और फाइलों की जांच शुरू हुई, तब यह सामने आया कि इस निर्माण के लिए पूर्व में कोई वैध टेंडर प्रक्रिया नहीं अपनाई गई थी। उल्टा, काम पूरा होने के बाद 9 मई 2025 को भवन निर्माण विभाग ने टेंडर जारी किया, जिसकी निविदा खोलने की तिथि 22 मई 2025 निर्धारित की गई थी।

☞ **खास ठेकेदार को लाभ पहुंचाने का आरोप :-** स्थानीय ठेकेदारों और नागरिकों का आरोप है कि यह पूरा मामला एक विशेष ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए रचा गया था। निर्माण पहले ही उसी ठेकेदार से करवा लिया गया और बाद में टेंडर की प्रक्रिया केवल कागजी खानापूर्ति के लिए की गई। इससे स्पष्ट होता है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार के बीच गहरी सांठगांठ रही है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, किशनगंज
अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा संख्या –08/2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल किशनगंज
2. परिमाण विपत्र बिक्री तिथि एवं समय :– दिनांक–21.05.2025 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–22.05.2025 को 3:00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–22.05.2025 को 3:30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिक्री एवं खोलने का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल किशनगंज। (ख) सहायक अभियंता, भवन अवर प्रमण्डल किशनगंज। (ग) सहायक अभियंता, भवन अवर प्रमण्डल बहादुरगंज।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :–क्रमांक 5 के अनुसार

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य अवधि
1	2	3	4	5	7
1.	किशनगंज जिलान्तर्गत नवनिर्मित कोषागार भवन में गार्ड रूम के निर्माण कार्य।	14615.00	30000.00	2500.00	01 माह

निविदा की शर्तें–
7. पथ निर्माण विभाग द्वारा निबंधित किशनगंज जिलान्तर्गत चतुर्थ श्रेणी के संवेदक ही निविदा में भाग ले सकते हैं।
8. सभी निविदाताओं को परिमाण विपत्र की राशि (जो किसी भी स्थिति में लौटाया नहीं जाएगा) का भुगतान ऑनलाइन अर्थात O- Grass/ Challan के माध्यम से जमा करना होगा।
9. निविदा के साथ परिमाण विपत्र में अंकित अग्रधन की राशि पीडब्लूडी कोड के नियम 161 में उल्लेखित निम्न विकल्प के अनुसार जमा करना होगा तथा सभी कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल किशनगंज (Executive Engineer, Building Division, Kishanganj) के पदनाम से Pledge कराकर संलग्न करना होगा।
(i) One/Two/Three years Post office/Bank Term Deposit.
(ii) N.S.C issued within State.
10. सभी निविदादाता को निविदा के साथ संलग्न किये जाने वाले कागजातों की अभिप्रमाणित प्रति सीलबंद लिफाफे में देना अनिवार्य होगा एवं लिफाफे पर मोबाईल नं0 अंकित करना है।
11. निविदा के साथ संलग्न कागजातों की सत्यता से संबंधित काली सूची में दर्ज नहीं होने तथा किसी भी सरकारी विभाग द्वारा Debar नहीं होने संबंधी तथा किसी भी आपराधिक मामले में सम्मिलित नहीं होने से संबंधित शपथ –पत्र संलग्न करना होगा। काली सूची में दर्ज होने अथवा Debar होने की स्थिति में निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
12. सशर्त निविदा अमान्य होगा।
13. ऐसे संवेदक जिन्होंने कार्य आवंटित होने के बाद एकरारनामा नहीं किया है। एकरारनामा करने के बाद लंबी अवधि तक कार्यों को बिना प्रगति के लंबित रखा गया है। कार्यादेश निर्गत होने के बाद भी कार्य को प्रारंभ नहीं किया गया है, निविदा में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे।
14. बिना कारण बताये निविदा को अस्वीकृत करने/रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
15. किसी कारणवश निर्धारित तिथि को सरकारी अवकाश घोषित होने पर निविदा की कार्रवाई अगले कार्य दिवस को होगी।
16. तकनीकी स्वीकृति के मद एवं मात्रा में परिवर्तन से परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है, तकनीकी स्वीकृति के मद एवं मात्रा के अनुरूप तुलनात्मक विवरणी में भी परिवर्तन होगा जो संवेदक को मान्य होगा। जिसकी शुद्धि पत्र सूचनापट्ट पर देखी जा सकती है।
17. निविदा के साथ निम्नांकित सूचनाएँ एवं कागजात संलग्न करना होगा।
(a) अग्रधन की राशि (b) पथ निर्माण विभाग द्वारा किशनगंज जिलान्तर्गत चतुर्थ श्रेणी का निबंधन प्रमाण –पत्र (C) आयकर PAN (e) जी0 एस0 टी0 नं0 की प्रति।
18. निविदाताओं को परिमाण विपत्र में कम/अधिक या परिमाण विपत्र दर पर शब्दों एवं अंकों में अंकित कर निविदा देना होगा। एवं दर अंकित करने के पश्चात् उस स्थान पर हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा।
19. निविदा का निष्पादन लोक निर्माण विभाग के संहितानुसार एवं विभाग से प्राप्त अद्यतन निर्देशों के आलोक में किया जायेगा। एकरारनामा F2 प्रपत्र में होगा जिसका कंडिका 23 विलोपित होगा।
20. परिमाण विपत्र खरीदने हेतु संवेदक निबंधन प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ स्वयं अथवा प्राधिकृत व्यक्ति को ही परिमाण विपत्र निर्गत किया जायेगा।

☞ **अधिकारी दे रहे गोलमोल जवाब :-** इस मामले में जेई राजेश कुमार ने कहा कि वे हाल ही में पदस्थापित हुए हैं और इस बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं कह सकते। वहीं, प्रभारी कार्यपालक अभियंता ओम प्रकाश ने टेंडर के बाद निर्माण से जुड़े सवालों पर फोन पर बात करने से इनकार करते हुए कॉल काट दी।

☞ **जनता और जनप्रतिनिधियों में आक्रोश :-** इस गंभीर अनियमितता पर स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधियों ने भ्रष्टाचार निरोधक इकाई, निगरानी ब्यूरो, से जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यह मामला केवल सरकारी पैसे की बंदरबांट नहीं, बल्कि पूरी सरकारी व्यवस्था की साख पर सवाल खड़ा करता है।

☞ **सचिव ने जताई सख्ती :-** भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने इस मामले को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा, "निर्माण कार्य पूरा होने के बाद उस पर टेंडर निकालना नियमों के खिलाफ है। समाहरणालय से सटे कोषागार परिसर में गार्ड रूम का निर्माण बिना डीएम की अनुमति कैसे हुआ, यह जांच का विषय है।" गौर करे कि किशनगंज में उजागर हुआ यह मामला दर्शाता है कि कैसे सरकारी विभागों में नियमों की अनदेखी कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब देखना यह है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है या फिर यह भी महज एक फाइल बनकर बंद दरवाजों के पीछे दबा दिया जाएगा।●

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला जदयू परिवार व प्रखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-

कमर आजाद
जिला सचिव
मीडिया सेल, जदयू, अररिया

शाद आलम
जिलाध्यक्ष
मीडिया सेल, जदयू, अररिया

महिला संवाद कार्यक्रम बना प्रेरणा का मंच

स्वरोजगार और शिक्षा से बदल रही महिलाओं की तकदीर

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले के विभिन्न प्रखंडों में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम महिलाओं के अनुभव साझा करने, उन्हें प्रेरित करने और सरकारी योजनाओं से जोड़ने का सशक्त मंच बनकर उभर रहा है। पोठिया प्रखंड के मिर्जापुर पंचायत की झरना देवी ने कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनकी बहू ने बीपीएससी शिक्षक परीक्षा पास कर महिलाओं को दिए जा रहे 50% आरक्षण का लाभ उठाते हुए शिक्षक की नौकरी प्राप्त की है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई और सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई। झरना देवी स्वयं फूल जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं और समूह से ऋण लेकर स्वरोजगार कर रही हैं। उन्होंने बताया कि समूह की सहायता से वे अब घर चलाने में सक्षम हैं और परिवार को एक नई दिशा मिली है। इसी क्रम में 30 मई को मिर्जापुर पंचायत की कृष्णा देवनाथ ने बताया कि उनकी बेटी को पोशाक योजना, छात्रवृत्ति, साइकिल योजना, मध्याह्न भोजन एवं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिला, जिससे उसकी पढ़ाई निरंतर जारी रह सकी और वह अब उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही है। ठाकुरगंज प्रखंड के कुकुरबाघी पंचायत की लता सिंह ने बताया कि वे तुलसी जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़कर बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। इस कार्य से उन्होंने आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल की है और समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि जीविका समूह से जुड़कर

महिलाएं अब संगठित, जागरूक और सशक्त हो रही हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने बाल विवाह उन्मूलन, दहेज मुक्त विवाह, बच्चों की शिक्षा और सर्वांगीण विकास को लेकर सामूहिक रूप से शपथ ली। साथ ही स्वरोजगार को अपनाकर पारिवारिक आमदनी बढ़ाने की भी संकल्पना दोहराई। कार्यक्रम में प्रेरणादायक वीडियो फिल्में दिखाई गई और लीफलेट वितरित कर महिलाओं को सरकारी योजनाओं और महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। महिला संवाद कार्यक्रम महिलाओं के लिए नवचेतना और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होने का सशक्त मंच बनता जा रहा है। इससे समाज में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को नई ऊर्जा मिल रही है, जो सामाजिक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।●

विश्व साइकिल दिवस पर मतदाता जागरूकता हेतु भव्य साइकिल रैली का आयोजन

● धर्मेन्द्र सिंह

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 3 जून को किशनगंज में स्वीप कोषांग द्वारा भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी विशाल राज ने की। रैली का शुभारंभ समाहरणालय परिसर से हुआ और समापन गांधी चौक पर किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने "साइकिल चलाओ, मतदान बढ़ाओ" जैसे प्रेरणादायक नारों के साथ पूरे मार्ग को जागरूकता के रंग में रंग दिया। रैली में बालिका उच्च विद्यालय, इंटरस्तरीय उच्च विद्यालय, मारवाड़ी महाविद्यालय एवं आर०के० साहा० महिला महाविद्यालय के कक्षा 10वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालयों की रैली का नेतृत्व संबंधित शिक्षक एवं NSS के

नोडल शिक्षक ने किया।गांधी चौक पर सभी रैलियों का समापन हुआ, जहां जिलाधिकारी विशाल राज ने प्रतिभागियों को मतदाता शपथ दिलाई एवं बैलून उड़ाकर मतदान जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आगामी विधानसभा चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा, "सभी योग्य मतदाता लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लें और अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।" स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी रवि शंकर तिवारी और रेड क्रॉस के सचिव मिक्की साह ने बताया कि यह आयोजन 'फिट भी वोटर, हिट भी वोटर' तथा 'Vote for Earth, Vote for Democracy' जैसे संदेशों को आमजन तक पहुंचाने का प्रयास है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 3 से 5 जून तक तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, रेड क्रॉस के सचिव, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने जिले में मतदाता जागरूकता अभियान को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।●

राजपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए मो. कलीमुद्दीन बने लोजपा (रा.) के प्रभारी

● धर्मेन्द्र सिंह

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश महासचिव मोहम्मद कलीमुद्दीन को बक्सर जिला के राजपुर 202 विधानसभा क्षेत्र का नया विधानसभा प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लिए गए इस निर्णय के बाद किशनगंज सहित पूरे प्रदेश में लोजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान

का आभार व्यक्त करते हुए किशनगंज के लोजपा कार्यकर्ताओं ने इसे पार्टी के संगठन को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम बताया है। मोहम्मद कलीमुद्दीन की संगठनात्मक क्षमता और सामाजिक जुड़ाव को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने यह निर्णय लिया है। उनकी नियुक्ति के बाद किशनगंज में बधाइयों का तांता लग गया है और युवा कार्यकर्ताओं में जोश व उत्साह साफ तौर पर देखा जा रहा है। लोजपा (रामविलास) के कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि मोहम्मद कलीमुद्दीन के नेतृत्व में राजपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी और अधिक सक्रिय व मजबूत होगी।●

लखविंदर सिंह लक्खा बने बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष

● धर्मेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन एवं भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड तथा केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य इकबाल सिंह लालपुरा ने सरदार लखविंदर सिंह लक्खा को बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है। अपने शुभकामना संदेश में श्री लालपुरा ने कहा कि "यह प्रतिष्ठित जिम्मेदारी श्री लक्खा को राज्य के अल्पसंख्यक समुदायों की सेवा करने और उनके अधिकारों की रक्षा हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।" उन्होंने विश्वास जताया कि श्री लक्खा अपने अनुभव, समर्पण और सेवा भावना से बिहार में अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याण हेतु प्रभावशाली कार्य करेंगे। उन्होंने आगे कहा, "भारतीय जनता पार्टी के एक समर्पित सदस्य के रूप में लखविंदर सिंह लक्खा का यह योगदान पार्टी की मूल भावना 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' को और अधिक मजबूत करेगा।" श्री लक्खा पूर्व में तख्त श्री हरिमंदिर साहिब, पटना साहिब के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं, जहां उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए। श्री लालपुरा ने कहा कि श्री लक्खा का यह अनुभव अंतरधार्मिक समन्वय और सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करने में मदद करेगा।उन्होंने अंत में कहा, "मैं श्री लक्खा की इस नई भूमिका में सफलता की कामना करता हूं और आशा करता हूं कि वे अल्पसंख्यक समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सफल होंगे।" यह नियुक्ति किशनगंज सहित पूरे बिहार में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए आशा और सशक्तिकरण का प्रतीक मानी जा रही है। पार्टी और समुदाय दोनों में इस नियुक्ति का स्वागत किया गया है।●

Iqbal Singh Lalpura
Member Parliamentary Board &
Central Election Committee

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. D.O. No. BJP/06/PBC/ 2025 — 06.06.2025

Dear Sardar Lakhwinder Singh ji
Guru Fateh

My heartiest congratulations to you on being appointed as the Vice Chairman of the Minorities Commission of Bihar. This esteemed role will empower you to serve the community and make significant contributions to the State's development.

As a Member of the National Parliamentary Board and Central Election Committee of the Bharatiya Janata Party, it's a delight to see dedicated party members excel in various capacities. Your commitment to social service and community welfare perfectly aligns with the party's vision.

Your experience as Vice Chairman of Takht Sri Hari Mandir, Patna Sahib, will undoubtedly be invaluable in fostering interfaith harmony and promoting cultural understanding. I wish you great success in your new role and look forward to witnessing the positive impact, you will have on the lives of Bihar's minority communities.

With regards,

Yours sincerely,

(Iqbal Singh Lalpura)

Shri Lakhwinder Singh,
Vice Chairman,
Bihar State Minorities Commission,
Purab Pali, Ward No. 11,
Dharamganj, Kishanganj,
Takhat Sri Harimandir Sahib Ji,
Patna Sahib Ji, Patna (Bihar)

95, लोधी एस्टेट, नई दिल्ली-110039 | मोबाईल : +91 83684 44444, 9877353321 | ई-मेल : iqbalsingh_73@yahoo.co.in
95, Lodhi Estate, New Delhi -110039 | Mob.: +91 83684 44444, 9877353321 | E-mail : iqbalsingh_73@yahoo.co.in

सरदार लखविंदर सिंह लक्खा ने बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष पद का किया ग्रहण

किशनगंज, पटना स्थित बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग के कार्यालय में 02 जून को सरदार लखविंदर सिंह लक्खा ने आयोग के उपाध्यक्ष पद का विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। उनके पदभार ग्रहण के साथ ही शुभचिंतकों, समर्थकों और सिख संगत में उत्साह और हर्ष का माहौल देखा गया। बधाई देने वालों का तांता लग गया। इस विशेष अवसर पर पूर्व उपाध्यक्ष प्रह्लाद सरकार और वरिष्ठ अधिवक्ता शिशिर कुमार दास भी उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण समारोह को गरिमा प्रदान करने के लिए तख्त श्री हरिमंदिर पटना साहिब के सचिव सरदार इंद्रजीत सिंह एवं सरदार सिंह नलवा जी भी विशेष रूप से उपस्थित हुए।इस मौके पर उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों से सिख संगत, सामाजिक कार्यकर्ता, समुदाय के प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिन्होंने सरदार लक्खा को पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ नये दायित्व के लिए बधाई दी। गौरतलब है कि सरदार लखविंदर सिंह लक्खा का सिख समाज में एक सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में विशेष स्थान है। सामाजिक कार्यो एवं अल्पसंख्यक अधिकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदभार ग्रहण के उपरांत उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, "मैं अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं को राज्य सरकार तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करूंगा। यह पद मेरे लिए एक जिम्मेदारी है, जिसे मैं समाज सेवा के माध्यम से सार्थक बनाऊंगा।"

पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में पप्पू गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने रविवार रात बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए टॉप टेन अपराधियों की सूची में शामिल 50 हजार रुपये के ईनामी बदमाश मोहम्मद पप्पू को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोचाधामन थाना क्षेत्र के भवानीगंज चौक के पास से दबोचा गया। 02 जून को एसपी सागर कुमार ने प्रेसवार्ता में बताया कि पप्पू मस्तलिया कोचाधामन का निवासी है और उस पर कोचाधामन सहित अन्य थानों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। लंबे समय से फरार चल रहे इस ईनामी बदमाश की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयासरत थी। पूर्व में कई बार छापेमारी की गई थी, लेकिन वह हर बार पुलिस को चकमा देने में सफल रहा। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर 01 जून की रात पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त टीम ने भवानीगंज चौक के पास छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ कोचाधामन थाना सहित कुल चार आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से अधिकांश कोचाधामन थाने में दर्ज हैं। गिरफ्तारी से इलाके में अपराध पर लगाम लगाने में मदद मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।●

सरकारी अस्पताल में कर्मी निजी उपयोग में ले रहे बेड

● फरीद अहमद

जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत एपीएचसी पौआखाली (सरकारी अस्पताल) में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। अस्पताल में उपलब्ध सरकारी बेड का उपयोग कुछ कर्मी अपने निजी कार्यों के लिए कर रहे हैं। यह बेड अस्पताल की जगह कर्मियों के निजी कमरों में पाए गए, जिससे अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने

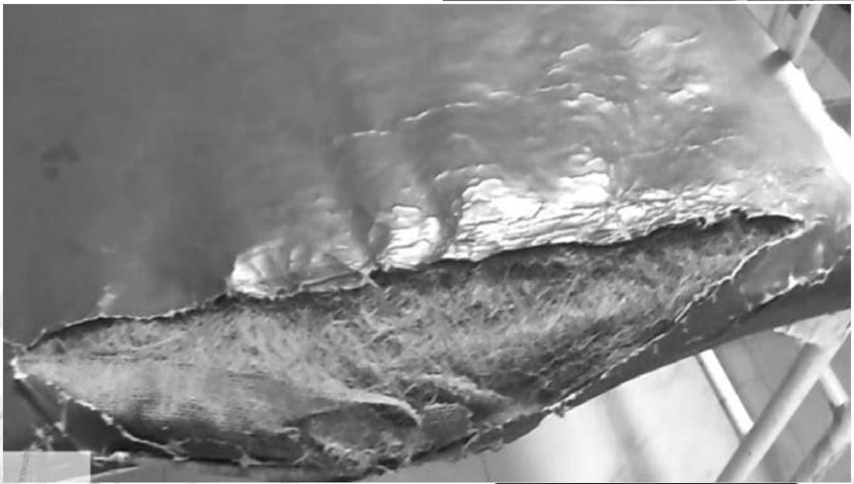

लगे हैं। वहीं महिला वार्ड की स्थिति और भी दयनीय है। वार्ड में रखे गए कई बेड फटे और जर्जर हालत में हैं, जिन पर मरीजों का बैठना तक मुश्किल हो गया है। ऐसे में महिला मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में जब प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी ठाकुरगंज से जानकारी ली गई, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकारी बेड का उपयोग निजी कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिन कर्मियों द्वारा सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया गया है, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होती है?●

नगर पंचायत में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

● **फरीद अहमद**

किशनगंज जिले के नगर पंचायत ठाकुरगंज में हो रहे कथित भ्रष्टाचार को लेकर समाज सेवक, भाजपा नेता एवं अधिवक्ता कौशल किशोर यादव ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से नगर पंचायत के विभिन्न विकास कार्यों में अनियमितताओं, मनमानी और पारदर्शिता की कमी की ओर इशारा करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

☞ **शिलान्यास से पहले ही प्रस्ताव? :-** प्रेस वार्ता में श्री यादव ने आरोप लगाया कि 13 मार्च 2024 को मुख्य पार्षद ने फेसबुक पर 100 दुकानों के निर्माण हेतु शिलान्यास की जानकारी सार्वजनिक की, जबकि इसका आधिकारिक प्रस्ताव नगर पंचायत की 25 जून 2024 की बैठक में लिया गया था। यह गंभीर प्रशासनिक चूक या जानबूझकर की गई अनियमितता को दर्शाता है।

☞ **पुराने दुकानदारों को नजरअंदाज किया गया :-** प्रस्ताव में यह कहा गया था कि पहले से व्यवसाय कर रहे दुकानदारों को प्राथमिकता दी जाएगी, परंतु विज्ञप्ति में इसका कोई उल्लेख नहीं है। कई पुराने दुकानदारों को नजरअंदाज कर जल्दबाजी में नए दुकान आबंटित किए गए।

☞ **निर्माण कार्यों में अनियमितता और हड़बड़ी :-** श्री यादव ने बताया कि राजस्व हाट की कई दुकानें अभी अधूरी हैं, फिर भी उनकी विज्ञप्ति जारी कर दी गई। न रंग है, न दुकान नंबर। इससे यह संदेह होता है कि निर्माण कार्यों को जल्दबाजी में पूर्ण दिखाने का प्रयास किया जा रहा है।

☞ **वित्तीय अनियमितता और टेंडर प्रक्रिया की अवहेलना :-** आरोप है कि करोड़ों की लागत से हाटों का निर्माण नगर पंचायत के आंतरिक कोष से किया जा रहा है, जबकि 15 लाख रूपये से ऊपर के कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया अनिवार्य होती है। इसके बावजूद टेंडर प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

☞ **जल-नल योजना और संवेदकों की उपेक्षा :-** श्री यादव ने बताया कि जल-नल योजना पूरी तरह असफल है और इसकी देखरेख करने वाली एजेंसी प्रहर्ष शुक्ला को बिना किसी प्रतिस्पर्धा के जिम्मेदारी दी गई है। दो वर्षों से दर्जनों संवेदक बेरोजगार हैं, जबकि सभी कार्य विभागीय तौर पर कराए जा रहे हैं, यह भ्रष्टाचार का बड़ा उदाहरण बताया गया।

☞ **सफाई व्यवस्था में भी अनियमितताएं :-** आउटसोर्स एजेंसी के साथ हुए अनुबंध के अनुसार सफाई कर्मियों को EPF/ESIC सहित सभी भुगतान बैंक खाते में किए जाने थे। लेकिन इन नियमों की अवहेलना की जा रही है। रविवार को सफाई नहीं होती, जबकि अनुबंध 24×7 सफाई की शर्त रखता है। इससे हर साल लाखों की राशि का दुरुपयोग हो रहा है।

☞ **कार्यपालक पदाधिकारी पर पूर्व में लगे हैं भ्रष्टाचार के आरोप :-** कौशल किशोर यादव ने ठाकुरगंज नगर पंचायत के वर्तमान कार्यपालक पदाधिकारी कुमार ऋत्विक पर भी सवाल उठाए। उन्होंने बताया कि ऋत्विक पर पूर्व में डेहरी नगर परिषद में वित्तीय अनियमिताओं और सरकारी धन के गबन के आरोप लग चुके हैं। रोहतास के जिलाधिकारी द्वारा गठित जांच कमेटी ने प्रतिवेदन में इन पर गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके बाद इनके विरुद्ध स्पष्टीकरण मांगा गया था।

☞ **अन्य आरोप :-**

❖ हॉस्पिटल रोड और बस स्टैंड में निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार।

❖ वार्ड 1 से 4 तक बिना आबादी के रोड निर्माण कर भू-माफियाओं को लाभ।

❖ पुरानी नालियों की सफाई नहीं होना।

❖ पुस्तकालय भवन, हॉस्पिटल का निरीक्षण नहीं होना।

❖ व्यक्तिगत योगदान से सड़क निर्माण का दावा और पत्रकार पर फर्जी मुकदमा।

☞ **उच्चस्तरीय जांच की मांग :-** कौशल किशोर यादव ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए राज्य सरकार एवं नगर विकास विभाग से आग्रह किया है कि एक स्वतंत्र एजेंसी या न्यायिक समिति द्वारा इन सभी आरोपों की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि ठाकुरगंज नगर में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके।

☞ **इस संबंध में नगर पंचायत ठाकुरगंज के मुख्य पार्षद कृष्ण सिंह उर्फ सिकंदर पटेल का बयान :-** भ्रष्टाचार और अनियमितता का जो आरोप उन्होंने लगाया है उस संबंध में उन्होंने वरीय पदाधिकारियों को भी आवेदन देकर जांच की मांग की है या कराई है। जांच होने दीजिए जांच में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। इसके अलावा उन्होंने दुकानदारों से हाइकोर्ट भी कराया है और मुझे न्यायालय पर पूरा भरोसा है।

कृष्ण सिंह उर्फ सिकंदर पटेल ने कहा कि मैने ठाकुरगंज को स्वच्छ सुंदर व्यवस्थित और विकसित करने का वादा चुनाव में किया था और मुख्यपर्षद का शपथ लेने के बाद से मैं अपने इस काम में लगा हूं। राजनीति में आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। आलोचनाएं मुझे काम करने को प्रेरित करते हैं। इस संबंध में नगर पंचायत ठाकुरगंज के EO से संपर्क करने का प्रयास किया गया परंतु नहीं हो पाने के कारण व्हाट्सएप के माध्यम से पूछा गया है। जवाब आते ही उनका पक्ष रखा जाएगा।

☞ **नगर पंचायत ठाकुरगंज के SDO का बयान :-** नगर पंचायत ठाकुरगंज के SDO से पूछने पर उन्होंने बताया कि मैं इसमे क्या ही बोलूं.. ●

आजादी के बाद भी नही बनी पक्की सड़क

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड के विधिभिट्टा गांव में आजादी के बाद से अब तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ है। इस गांव की सड़क भोराभिट्टा, बलकाडूबा, वाधिभिट्टा होते हुए भेलागुरी तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी है, जो चार पंचायतों को आपस में जोड़ती है।

☞ **'ग्रामीणों को हो रही दिक्कतें' :-** बरसात के दिनों में कीचड़ और गड्ढों में पानी जमा होने से ग्रामीणों को काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के अभाव में उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

☞ **'ग्रामीणों ने की मांग' :-** स्थानीय ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण की मांग की है। पूर्व समिति सदस्य अनवर हुसैन ने कहा कि अगर सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो वोट डालने का क्या फायदा है? उन्होंने कहा कि बरसात में गांव में चलना मुश्किल हो जाता है और वाहनों को गांव से बाहर ही रखना पड़ता है।

☞ **'शासन प्रशासन से आग्रह' :-** अनवर हुसैन ने शासन प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण के लिए आग्रह किया। गौरतलब हो की चुनावी साल है और मोजूदा विधायक राजद से सऊद आलम है।●

नाला सफाई का काम शुरू, जल्द अतिक्रमण पर भी होगी कार्रवाई

अहमद हुसैन (लल्लू मुखिया)

● फरीद अहमद

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत नगर पंचायत क्षेत्र में मानसून से पहले जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने नाला सफाई अभियान की शुरुआत कर दी है। यह कार्य 26 मई से जेसीबी मशीन की सहायता से शुरू किया गया है। सोमवार को पौआखाली बाजार में नाले के ढक्कन हटाकर सफाई का काम कराया गया। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अहमद हुसैन ने बताया कि 'बरसात से पहले नाला सफाई का कार्य कराया जा रहा है ताकि जल निकासी में कोई समस्या न हो। इसके साथ ही नए नाले के निर्माण की योजना भी तैयार की जा रही है। बहुत जल्द अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।' वहीं उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि अबूनसर आलम ने बताया कि नाला सफाई का काम नगर की निगरानी में किया जा रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सफाई अभियान में सहयोग करे।●

मादक पदार्थ के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार, 6.46 ग्राम एम.डी.एम.ए बरामद

पुलिस अधीक्षक सागर कुमार झा के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के तहत किशनगंज पुलिस एवं एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) की संयुक्त कार्रवाई में जियापोखर थाना क्षेत्र के तेधारी चौक से एक व्यक्ति को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तसीम शेख, पिता – नूरुद्दीन, निवासी – गिलहाबाड़ी, थाना – जियापोखर, जिला – किशनगंज के रूप में की गई है। उसके पास से 6.46 ग्राम एम.डी.एम.ए (नशीला मादक पदार्थ) एवं एक स्कूटर बरामद किया गया है। यह कार्रवाई जियापोखर एवं पौआखाली थाना की संयुक्त टीम द्वारा की गई, जिसमें एसएसबी का भी विशेष सहयोग रहा। कार्रवाई की जानकारी थानाध्यक्ष विकास कुमार ने दी। **रिपोर्ट :- फरीद अहमद**

बड़े भाई को मारने आये अपराधियों ने छोटे भाई को मारी गोली

● **गुड्डू कुमार सिंह**

भोजपुर में रविवार को बदमाशों ने युवक की 3 गोली मार कर हत्या कर दी। बुलेट बाएं साइड गाल, एक गोली दाहिने पंजरी और एक गोली सीने के ऊपर लगी है। अपराधी मृतक के बड़े भाई को मारने के लिए आए थे। वो मर्डर के मामले में जेल जा चुका है। उसने एक लाख रूपए लेकर 3 साल पहले मैकेनिक की हत्या की थी। क्योंकि मैकेनिक पुलिस को हेरोइन की तस्करी की सूचना देता था। मृतक के बड़े भाई को जिसने हत्या की सुपारी दी थी। उसपर ही मर्डर का आरोप है। उनका अब बड़े भाई वीरा से किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। मामला टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर कॉलोनी का है। घटना की सूचना मिलने के बाद नगर थानाध्यक्ष देवराज राय, दीव की टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक युवक नगर थाना क्षेत्र के अंबेडकर कॉलोनी वार्ड नंबर-23 निवासी सुदामा प्रसाद का 18 साल का बेटा बिरजू कुमार है। बिरजू पेशे से मजदूर था। मृतक के पिता सुदामा प्रसाद ने बताया कि उनके इलाके में देसी और विदेशी शराब की तस्करी होती है। जिसका विरोध उनके बड़ा बेटा वीर बराबर करता था। इसी बात को लेकर बदमाशों ने पांच महीने पहले वीर को जान से मारने की धमकी भी दी थी। बराबर जान मारने के फिराक में रहते थे । पत्नी ने नाश्ते के दुकान से नाश्ता मंगवाकर बिरजू को खिलाया था । वह बड़ के पेड़ के पास बैठा हुआ था । तभी एक बाइक पर तीन हथियारबंद अपराधी वहां आ धमके, कुछ देर खड़ा रहने के बाद बिरजू पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बिरजू किसी तरह अपनी जान बचाकर एक घर में घुस गया था, लेकिन पीछा कर अपराधियों ने उसे तीन गोली मार दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सुदामा राम ने बताया कि मेरे बड़े बेटे को मारने के लिए अपराधी आए थे, लेकिन उसके नहीं मिलने के बाद उसने छोटे बेटे को निशाना बनाया है। वारदात के बाद परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि 22 फरवरी 2022 को हुए झगड़े के विवाद में मृतक का बड़ा भाई हत्या का आरोपी था। कुछ लोगों के नाम सामने आए है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम का गठन किया गया है। जल्द ही सभी की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

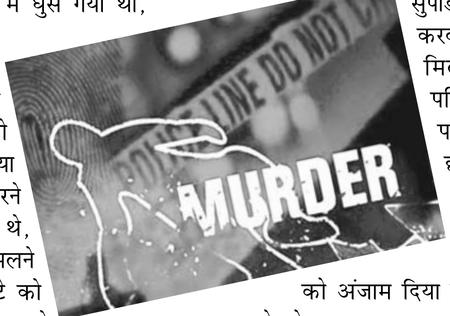

बता दें कि 22 फरवरी 2022 को मृतक के बड़े भाई वीरा राम ने मैकेनिक सुशील कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने 24 घंटे के अंदर एक देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। मैकेनिक सुशील की हत्या दो गैंगों से दुश्मनी और पुलिस मुखबिरी करने का नतीजा था। सुशील हीरोइन बेचने की सूचना पुलिस को देता था। जिनपर हत्या का आरोप लग रहे है, उसने वो वीरा को एक लाख रुपए सुपाड़ी देकर सुशील की हत्या करवाई थी। घटना की सूचना मिलने के बाद एएसपी परिचय कुमार ने मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन में जुट गए है। परिचय ने बताया कि पहले के दो गुटों की रंजिश में इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। पहले हुए हत्या को लेकर इस घटना को अंजाम देने की बात कही जा रही है। अपराधियों ने उनके घर के पास ही गोली मारी है, जो इस घटना में शामिल थे उन्हें चिह्नित कर लिया गया है। घटनास्थल से पांच खोखा और एक पिलेट बरामद किया गया है। दोनों गुटों के बीच पहले से विवाद चल रहा है। आरोपियों गिरफ्तारी के बाद पूरा मामला सामने आएगा । बताया जाता है कि मृतक तीन भाई वीर राम, लक्की, जीतू और एक बहन विजेता कुमारी से दूसरे स्थान पर था। घर में मां ममता देवी समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।●

बैसाडीह गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

● **गुड्डू कुमार सिंह**

पिरो ब्लॉक के नारायणपुर पंचायत के बैसाडीह गांव में क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन नारायणपुर के युवा मुखिया निशांत उपाध्याय के द्वारा किया गया है मैच के दौरान हजारों लोग उपस्थित रहे फाइनल में 2 टीम पहुंची खरौना और तेतरडीह खरौना ने पहले बैटिंग करते हुए 10 ओवर में 67 रन बनाए लक्ष्य का पीछा करती हुई तेतरडीह की टीम 9 ओवर में ऑल आउट होई गई फलस्वरूप खरौना की टीम को विजेता घोषित किया गया इसके बाद नारायणपुर मुखिया के छोटे भाई नवीन उपाध्याय के द्वारा खिलाड़ियों के बीच पुरस्कार वितरण किया गया टूनामेंट का आयोजन मंटू यादव कारिया कुमार नागेश्वर कुमार प्रियांशु उपाध्याय राकेश उपाध्याय तथा समस्त युवा क्लब बैसाडीह द्वारा किया गया था।●

स्वास्थ्य सेवा की बुनियादी ढ़ांचे को सुदृढ़ करने का ऐतिहासिक पहल

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। आज माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे जी द्वारा रेफरल अस्पताल, जगदीशपुर परिसर में दो नवीन 30 शैय्या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन (जगदीशपुर एवं संदेश प्रखंड हेतु) तथा जिले के विभिन्न प्रखंडों में 19 प्री-फैब्रिकेटेड हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का शिलान्यास किया गया। जगदीशपुर परिसर में प्रस्तावित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनों का निर्माण लगभग 11. 50 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जबकि 19 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का निर्माण 8.14 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किया जा चुका है। ये सभी कार्य राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुलभ और सशक्त बनाने के सतत प्रयासों का हिस्सा हैं। राज्य सरकार द्वारा विगत दो वर्षों में जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों में 30-बेड वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। ये भवन IPHS मानकों के अनुरूप 5.75 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किए जा रहे हैं, जिनमें फायर फाइटिंग सिस्टम, फायर अलार्म, ऑक्सीजन पाइपलाइन जैसी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इसके अतिरिक्त, जिले में 100-बेड वाला मातृ-शिशु अस्पताल तथा 24 नए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर निर्माणाधीन हैं। भोजपुर सदर अस्पताल को मॉडल अस्पताल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को उच्च गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें। शिक्षा विभाग की योजनाओं के अंतर्गत भोजपुर जिले में 3 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 6 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं 11 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों का निर्माण कार्य पूर्ण कर उन्हें जनता को समर्पित किया जा चुका है। कोविड-19 महामारी के दौरान जिले के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 20, 50 और 100-बेड वाले प्री-फैब्रिकेटेड अस्पतालों तथा 42-बेड वाले PICU अस्पताल का निर्माण कार्य भी सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इन सभी संस्थानों को MGPS प्रणाली से सुसज्जित कर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ चालू किया गया है, जिससे जिले के नागरिकों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। इस अवसर पर माननीय सांसद, आरा श्री सुदामा प्रसाद जी, माननीय श्रम संसाधन मंत्री श्री संतोष कुमार सिंह जी, बिहार विधान परिषद सदस्य व पूर्व मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा, भोजपुर जिलाधिकारी श्री तनय सुलतानिया जी, सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी, जगदीशपुर एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। ●

दिव्यांग मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी हेतु जिला स्तरीय बैठक

● गुड्डू कुमार सिंह

निर्वाचन विभाग,बिहार, पटना से प्राप्त निर्देश एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, भोजपुर श्री तनय सुल्तानिया के आदेशानुसार उप विकास आयुक्त श्रीमती गुंजन सिंह की अध्यक्षता में बिहार विधान सभा आम निर्वाचन 2025 के सुगम एवं समावेशी संचालन के उद्देश्य से District Monitoring Committee on Accessible Election (DMCAE) की बैठक आहूत की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के अवसर पर दिव्यांग मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं (AMF) जैसे रैंप, व्हीलचेयर, पेयजल, विद्युत, स्वयंसेवक, परिवहन सुविधा आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर समिति के सदस्यों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। दिव्यांग मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रपत्रख्रफॉर्म 6, 7 एवं 8 की जानकारी प्रदान की

जाएगी ताकि सभी पात्र दिव्यांगजन का निर्वाचक सूची में पंजीकरण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, दिव्यांग मतदाताओं को वोटर हेल्पलाइन ऐप एवं सक्षम ऐप की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर) आदि के माध्यम से भी उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत जिले के कॉलेजों एवं शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ELC) एवं कैंपस एंबेसडर के माध्यम से भी दिव्यांग मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा।

इस बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी भोजपुर, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, सहायक निदेशक (दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग), सहायक निदेशक (सामाजिक सुरक्षा), बुनियाद केंद्र के जिला प्रबंधक एवं जिले के PWD आइकॉन श्री धीरज कुमार एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। ●

39 पीटीसी सिपाही को मिला प्रमोशन

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार पुलिस मुख्यालय (कार्मिक एवं कल्याण प्रभाग) के आदेश के आलोक में आज पुलिस अधीक्षक महोदय,भोजपुर एवं सहायक पुलिस अधीक्षक महोदय, भोजपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, भोजपुर(आरा) में पी.टी.सी. सिपाही से सहायक अवर निरीक्षक (कुल-39) को पदाधिकारी कार्यकारी प्रभार के लिए बैच लगाकर सम्मानित किये एवं इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वही प्रमोशन मिले पीटीसी सिपाही का नाम/गृहजिला...

सिपाही-137 अनिल कुमार सिंह/सारण
सिपाही-201 अरूण कुमार/गया
सिपाही-290 प्रवीण कुमार / नवादा
सिपाही-57 चंदन कुमार / खगड़िया
सिपाही-28 हरेन्द्र प्रसाद यादव / मोतिहारी
सिपाही-33 मिथिलेश कुमार मंडल/पूर्णिया
सिपाही-175 सुनीता कुमारी/पटना
सिपाही-200 सुभाष प्रसाद/पटना
सिपाही-203 अनमोल कुमार यादव/मधेपुरा
सिपाही-205 अंजनी कुमार पाण्डेय/गया
सिपाही-238 शिव कुमार प्रसाद / नालन्दा
सिपाही-239 जय कुमार दास / शेखपुरा
सिपाही-249 बच्चु प्रसाद / नालन्दा
सिपाही-284 राजेश कुमार रंजन/भागलपुर
सिपाही-332 रामईश्वर कुमार / बेगुसराय
सिपाही-339 रविरंजन कुमार / नालन्दा
सिपाही-348 संजीव सुमन / शेखपुरा
सिपाही 350 संध्या कुमारी/पटना
सिपाही-382 विकास कुमार / लखीसराय
सिपाही-390 दिलीप कुमार / नवादा
सिपाही-402 दिनेश प्रसाद दिनकर/मधेपुरा
सिपाही-407 संतोश कुमार / पटना
सिपाही-412 शम्भू प्रसाद / जहानाबाद
सिपाही-419 बिहारी पासवान / गधुबनी
सिपाही-429 राजकुमार हंस / भागलपुर
सिपाही-430 महादेव कुमार / खगड़िया
सिपाही-435 शैलेश कुमार सिंह/ लखीसराय
सिपाही-439 विपिन कुमार पासवान/नवादा
सिपाही-492 शरद कुमार / जहानाबाद
सिपाही-511 चमन कुमार / मुंगेर
सिपाही-514 सदानंद कुमार / लखीसराय
सिपाही-534 संजय कुमार / गधेपुरा
सिपाही-621 राजेश कुमार मांझी / सिवान
सिपाही-626 दिपु कुमार तिवारी / सिवान
सिपाही-630 मुकेश कुमार/पटना
सिपाही-641 सुबारण टोपनो / राज्य से बहार
सिपाही-642 रामेश्वर मंडल/पूर्णिया
सिपाही-643 सुमंत शर्मा/बेतिया
सिपाही-653 कमलेश कुमार/सारण

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला जदयू परिवार व जिला परिषद क्षेत्र संख्या-26 के आम जनता को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-
मोहम्मद अली
जिला महासचिव
युवा जदयू, अररिया
सह भावी प्रत्याशी जीप
क्षेत्र संख्या-26
पलासी, अररिया

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रखंडवासियों व थाना के सभी कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-
मिथिलेश कुमार
एसएचओ
पलासी थाना,
अररिया

एक साथ पूरे बिहार के जेलों में पड़ी रेड, मचा हड़कंप

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के सभी जेलों में एक साथ छापेमारी से हड़कंप मचा हुआ है। अलग-अलग जिलों के DM और SP ने छापेमारी की इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। इनमें अनुमंडल कारा, जिला स्तरीय कारा एवं आदर्श केंद्रीय कारा शामिल हैं। गुरुवार को राज्य के कारा महानिरीक्षक के कार्यालय से मिली सूचना के अनुसार जेलों में अवैध सामानों की आपूर्ति, मोबाईल फोन, नशीले पदार्थों की आपूर्ति रोकने को लेकर छापेमारी की जा रही है। इसके लिए अलग-अलग टीमें जिलों में गठित की गई है। छापेमारी के देर शाम तक जारी रहने की संभावना है। आरा में मंडल कारा जेल में अचानक छापेमारी हुई। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने इस छापेमारी का नेतृत्व किया। छापेमारी के दौरान जेल में अफरातफरी मच गई। भोजपुर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक अपने दल के साथ अचानक आरा मंडल कारा पहुंचे। और जेल में छापेमारी शुरू हो गई। इस दौरान कोई भी संदिग्ध सामग्री या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। पूर्णिया सेंट्रल जेल में भी छापा पड़ा है। डीएम-एसपी के नेतृत्व में छापेमारी की जा रही है। एक घंटों से लगातार छापेमारी जारी है। इस दौरान अलग-अलग वार्ड को खंगाला जा रहा है। छापे के दौरान कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है। बता दें कि जेल में क्षमता से अधिक कैदी हैं। बक्सर केंद्रीय कारा में डीएम के नेतृत्व में छापेमारी चल रही है। एसपी, एसडीओ व सदर डीएसपी के साथ काफी संख्या में पुलिसबल है। इसी तरह छपरा मण्डल कारा में डीडीसी के नेतृत्व में छापेमारी हुई है। एसडीओ, डीएसपी व काफी संख्या में पुलिसबल छापेमारी के लिए जेल में पहुंचा हुआ है। वार्डों की तलाशी ली जा रही है। हाजीपुर में डीएम यशपाल मीणा और एसपी हरकिशोर राय के नेतृत्व में जेल में रेड डाली गई। 100 पुलिस बल के साथ जेल में यह रेड हुई है। इस दौरान सभी वार्डो की सघन तलाशी ली गई है। हालांकि, कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है। जेल की सुरक्षा को लेकर जेल प्रशासन को अधिकारियों ने दिशा निर्देश जरूर दिया है। नवादा मंडल कारा में भी जिला प्रशासन के द्वारा छापेमारी की गई है। डीएम व एसपी के नेतृत्व में कई टीमों ने इस छापेमारी में भाग लिया। मंडल कारा के सभी वार्डों की एक साथ तलाशी ली गई है। भभुआ जिले के मंडल कारा में डीएम व एसपी ने एक साथ छापेमारी की है। इस दौरान वार्ड, शौचालय, और बाथरुम की भी तलाशी ली गई। अररिया जिले में डीएम अनिल कुमार और एसपी अमित रंजन के नेतृत्व में अररिया मंडल कारा में छापेमारी हुई है। एक-एक वार्ड को खंगाला गया है। हालांकि, कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला है। डीएम अनिल कुमार ने बताया कि छापेमारी में जेल में किसी तरह का कोई आपत्तिजनक सामान नही मिला है। साफ सफाई और किचेन की व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया गया है। कटिहार जेल में प्रशासन के द्वारा छापेमारी की है। डीएम मनेश कुमार मीणा, एसपी वैभव शर्मा सहित अधिकारियों की टीम ने विभिन्न वार्डों में जाकर जांच की। इस दौरान बंदी में हड़कंप मच गया। वहीं जेल प्रशासन भी अलर्ट हो गया। जानकारी हो कि कुछ दिन पहले भी प्रशासन के द्वारा जेल में छापेमारी की गयी थी। जिसमें ब्लैड बरामद किया गया था। इस दौरान प्रशासन के द्वारा मामला भी दर्ज किया गया था।●

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-

आदित्य प्रकाश

बीडीओ

पलासी, अररिया

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रखंड वासियों व अंचल के सभी कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-

सुशीलकान्त सिंह

सीओ

पलासी, अररिया

बिहार में शासन-प्रशासन व स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह विफल : भाकपा (माले)

● गुड्डू कुमार सिंह

भाकपा (माले) के राज्य सचिव का. कुणाल ने मुजफ्फरपुर के कुढ़नी प्रखंड स्थित जगन्नाथपुर गांव में 10 वर्षीय दलित समुदाय की नाबालिग बच्ची के साथ हुई बर्बर यौन हिंसा और इलाज में हुई घोर लापरवाही के कारण हुई मृत्यु पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को न केवल बिहार की चरमराती कानून-व्यवस्था का प्रतीक बताया, बल्कि राज्य की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह घटना राज्य सरकार की दोहरी विफलता को दर्शाती है। पहला की, एक नाबालिग बच्ची के साथ अमानवीय बलात्कार; दूसरा, उपचार में आपराधिक उपेक्षा। का. कुणाल ने मांग की कि स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे इस विफलता की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा दें। उन्होंने कहा कि राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल पीएमसीएच में बलात्कार पीड़िता के इलाज को लेकर जो लापरवाही सामने आई है, वह न केवल निंदनीय बल्कि आपराधिक भी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था गरीबों, दलितों और पीड़ितों के लिए न केवल असंवेदनशील है, बल्कि अमानवीय भी हो चुकी है। आज पार्टी विधायक का. गोपाल रविदास, ऐपवा राज्य सचिव का. अनिता सिन्हा और पूर्व विधायक का. मनोज मंजिल के नेतृत्व में भाकपा (माले) ऐपवा का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़िता के गांव पहुंचा और परिजनों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में सूरज कुमार सिंह, रानी प्रसाद, विमलेश मिश्रा, परशुराम पाठक और फहद जमा शामिल थे। प्रतिनिधियों ने परिवार को न्याय की लड़ाई में हर संभव साथ देने का आश्वासन दिया। जांच दल ने बताया कि पीड़िता अत्यंत गरीब व भूमिहीन परिवार से संबंधित थी। पिता का निधन दो वर्ष पूर्व हो चुका है और मां मजदूरी कर बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। मृतका के दो छोटे भाई भी हैं।

यद्यपि आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है, लेकिन प्रशासन की संवेदनहीनता स्पष्ट रूप से उजागर हुई है। सामान्यत: ऐसे मामलों में मजिस्ट्रेट की नियुक्ति होती है, किंतु पीएमसीएच तक प्रशासन का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। मुजफ्फरपुर से रेफर करने में देरी हुई और पीएमसीएच में भी घंटों इलाज शुरू नहीं हो सका, जो प्रशासनिक लापरवाही की पराकाष्ठा है। प्रशासन का कोई प्रतिनिधि पीड़ित परिवार से मिलने नहीं पहुंचा। लेकिन माले ऐपवा जांच दल के गांव पहुंचते ही प्रशासन सक्रिय हुआ। बीडीओ दौड़ते हुए पहुंचे और पीड़िता की मां को 4 लाख रुपये का चेक सौंपा। साथ ही उन्हें आजीवन 7750 रूपये मासिक पेंशन, इंदिरा आवास और बच्चों को आंबेडकर स्कूल में पढ़ाने का आश्वासन दिया गया। जांच दल ने स्थानीय भाजपा विधायक की पूर्ण निष्क्रियता पर भी गहरा रोष व्यक्त किया। इस घटना के बाद गांव की बच्चियां स्कूल जाने से डर रही हैं। उन्हें भय है कि कहीं उनके साथ भी ऐसी कोई अमानवीय घटना न हो जाए। यह तथाकथित सुशासन पर करारा तमाचा है। भाकपा (माले) और ऐपवा ने 4 जून को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे और पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए दोषी के विरुद्ध स्पीडी ट्रायल की मांग को लेकर राज्यव्यापी विरोध दिवस आयोजित करने की घोषणा की है। पार्टी ने सभी लोकतांत्रिक संगठनों, नागरिक समाज और आम नागरिकों से इस जन आंदोलन में व्यापक भागीदारी की अपील की है। पार्टी ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।●

अपराधियों द्वारा दो लोगों की गोली मारकर की गई हत्या

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के गड़हनी थाना क्षेत्र के रतनाढ़ गांव में मंगलवार की देर शाम हथियारबंद अपराधियों द्वारा दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान चंदन कुमार सिंह और मो. सोनू के रूप में हुई है। घटना रतनाढ़ गांव स्थित एक अंडे की दुकान पर घटित हुई, जहां मामूली विवाद के बाद गाली-गलौज हुई, जिसके परिणामस्वरूप यह हिंसक घटना हुई। चंदन कुमार सिंह ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया, जबकि मो. सोनू की मृत्यु गड़हनी पीएचसी ले जाने के दौरान हुई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई है और पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है, हालांकि हत्या का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस घटना से मृतकों के परिवार में शोक की लहर है। मंगलवार की देर शाम हुई इस घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। सूचना मिलते ही गड़हनी थानाध्यक्ष रणबीर कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गये है। जानकारी के अनुसार मृतकों में गड़हनी थाना क्षेत्र के रत्नाढ़ गांव निवासी सुरेंद्र सिंह का 36 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार सिंह एवं कल्लू मियां का 22 वर्षीय पुत्र मो.सोनू बताया जा रहा है। इसमें मृतक, चंदन

कुमार सिंह बेंगलुरु में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंगलवार की देर शाम रतनाढ़ गांव स्थित अंडा की दुकान पर मो.सोनू एवं गांव कहीं कुछ लोगों के बीच मामूली विवाद को लेकर लेकर गाली-गलौज हुआ था। उसके बाद हथियारबंद अपराधियों द्वारा चंदन कुमार सिंह एवं मो.सोनू को गोली मार दी गई। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद चंदन कुमार सिंह को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। जबकि मो.सोनू ने इलाज के लिए गड़हनी पीएचसी ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया। हालांकि हथियारबंद अपराधियों ने दोनों की गोली मारकर हत्या क्यों की। इसका कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं दूसरी तरफ मृतक चंदन कुमार सिंह के परिजनों द्वारा रत्नाढ़ गांव निवासी कल्लू मियां, उसके बेटे आफताब, इस्तेयाक एवं प्रशांत महतो पर गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि मृतक चंदन कुमार सिंह अपने पांच भाई व दो बहन में चौथे स्थान पर था। उसके परिवार में मां चंद्रकेशरा देवी,चार भाई, दो बहन व एक पुत्र अंकित एवं एक पुत्री अंशिका है। मृतक चंदन कुमार सिंह की पत्नी रीता देवी की छह माह पूर्व डिलीवरी के समय मौत हो गई थी। घटना के बाद मृतकों के घर में कोहराम मच गया है। उसके परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।●

दो दिवसीय आरवाईए बिहार राज्य सम्मेलन संपन्न

● गुड्डू कुमार सिंह

दो दवसीय अरवल में त्ल। '(त्evolutionary Youth Association)' '(इंकलाबी नौजवान सभा)' का '9वां राज्य सम्मेलन' की शुरुआत आरवाईए राष्ट्रीय महासचिव कॉ. नीरज कुमार द्वारा शहीद बेदी पर झंडा झंडातोलन के बाद शुरू किया गया। उद्घाटन सत्र को संबोधित मुख्य अतिथि भाकपा-माले आरा सांसद कॉ. सुदामा प्रसाद, अरवल विधायक कॉ. महानंद सिंह, पालीगंज विधायक डॉ. संदीप सौरव, डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा, राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉ. आफताब आलम, राज्य सचिव सह अंगियांव विधायक शिवप्रकाश रंजन, आरवाईए राज्य प्रभारी कॉ. अभ्युदय, जेएनयू पूर्व महासचिव व प्रो. चिंटू कुमारी सहित अन्य नेताओं में संबोधित किया। बिहार के तमाम जिलों के प्रतिनिधि शामिल थे। सम्मेलन के सांगठनिक सत्र में विदाई कमिटी के राज्य सचिव व अंगियाव विधायक कॉ. शिवप्रकाश रंजन द्वारा बीते कार्यकाल का रिपोर्ट प्रस्तुत करने

के बाद,भोजपुर से आरवाईए जिला सह सचिव अखिलेश कुमार प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित होकर बहस में हिस्सा में अपनी बात को रखें, आने वाले दिनों में बिहार के भीतर युवाओं का आंदोलन और तेज होगा! शिक्षा, रोजगार, लोकतंत्र और संविधान - सारे पैमाने पर जनविरोधी और निकम्मी साबित हो चुकी मौजूदा मोदी-नीतीश की सरकार को बदलने में युवा अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। नई राज्य पदाधिकारी व राज्य कमिटी का गठित किया। सम्मेलन ने 95 सदस्यीय राज्य परिषद का चुनाव किया। कॉ. शिव प्रकाश रंजन को सचिव व जितेंद्र पासवान पासवान को राज्य अध्यक्ष चुना गया। कॉम संदीप चौधरी, निरंजन केशरी, रणजीत राम, शाह शाद, तारीख अनवर, रामाकांत टुन्ना, मिथिलेश कुमार और जयशंकर पंडित प्रदेश उपाध्यक्ष बने। कॉ विनय कुमार, ओणम सिंह, रौशन यादव, मुकेश पासवान, सुमित यादव, विशाल कुमार, वीरेश कुमार और पंचम मांझी प्रदेश सह-सचिव बने।●

रोहतास पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजे गये अभियुक्त

● गुड्डू कुमार सिंह

बड्डी थाना कांड सं0-89/25, दिनांक-22.05.2025, धारा-126 (2)/127 (2)/351(2)/309 (4)/3(5) भा०न्या०सं० एवं 27 आर्म्स एक्ट के अभियुक्त 1. उमेश कुमार, पे० शत्रुधन राम, 2. हरेराम राम, पे०-राजु राम, 3. रौशन कुमार, पे० लल्लु राम एवं 4. विधि विरूद्ध बालक मनीष कुमार, पे०-सुरेश राम, सभी सा०-मुरलीपुर, थाना-बड्ध्डी, जिला रोहतास को देशी कट्टा-01. जिन्दा कारतुस-04, खोखा-02, मोबाइल-01, एवं मोटरसाईकिल-01 के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ अगरेर थाना कांड सं0-64/25, दिनांक-26.05.2025, धारा-191 (2)/190/126(2)/115/132/125 (ए) (बी) भा०न्या०सं० एवं 45/37 बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद संसोधन अधिनियम के अभियुक्त 1. चितरंजन राम, पे० स्व० कामता राग, सा०-मोकर, थाना अगरेर, जिला-रोहतास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

झ सासाराम नगर थाना कांड सं0-611/24, दिनांक 19.07.24. धारा-303 (2) भा०न्या०सं० के अप्राथमिकी अभियुक्त 1. मनीष कुमार, पे० नन्दकिशोर चौधरी, सा० दचनपुर, थाना-करवंदिया, जिला-रोहतास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ सूर्यपुरा थाना अन्तर्गत माननीय न्यायालय बिक्रमगंज का कम्पलेन नं0-59/90, के वारंटी सीताराम, पे०-बेंगा राम, सा०-कवई, थाना-सूर्यपुरा, जिला-रोहतास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ काराकाट थाना अन्तर्गत माननीय न्यायालय सासाराम का जी०आर०नं0-1623/98, के वारंटी महेन्द्र राम, पे० रामदयाल राम, सा०-बाद, थाना-काराकाट, जिला-रोहतास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ सासाराम मु० थाना कांड सं0-218/19, दिनांक 03.07.19, घारा-302/34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट के अभियुक्त 1. सिपाही चौधरी उर्फ संजय चौधरी, सा०-लालगंज, थाना-नोखा, जिला-रोहतास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ सासाराम मु० थाना अन्तर्गत माननीय न्यायालय सासाराम का जी०आर०नं0-150/21. के वारंटी जयराम राय, पे० स्व० मुखदेव राय, सा० मेसही,

थाना-सासाराम मु०, जिला-रोहतास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ सासाराम मु० थाना अन्तर्गत माननीय न्यायालय सासाराम का एस०टी०आर०नं0-687/23, के वारंटी राधाकुशुन चौधरी उर्फ राधा किशुन सिंह, सा०-काजीलपुर, थाना-सासाराम मु०. जिला रोहतास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ दरिहट थाना कांड सं0-40/25, दिनांक-23. 05.2025, धारा-30ए बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 के अभियुक्त शोभानाथ साह, पे० अशोक साह, सा० भूसोला. थाना-दरिहट, जिला-रोहतास को 35 लीटर देशी महुआ शराब एवं मोटरसाईकिल 01 के साथ गिर० कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ अगरेर थाना कांड सं0-93/25, दिनांक-22. 05.2025, धारा-30ए बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2018 अभियुक्त भरत पासवान, पे० मुन्द्रिका पासवान, सा०-जिगना, थाना-अगरेर, जिला-रोहतास को गिर० कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ सूर्यपुरा थाना कांड सं0-180/25, दिनांक-23. 05.2025, धारा 30ए बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 अभियुक्त नागेश्वर राम, पे० स्व० शिवमंगल राम, सा० कुसुम्हरा, थाना-सूर्यपुरा, जिला-रोहतास को 2.8 लीटर देशी महुआ भाराब के साथ गिर कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ डालमियानगर थाना कांड सं0-125/25, दिनांक-23.05.2025, धारा-30ए बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2018 अभियुक्त मुकेश राजवंशी, पे० रामएकबाल राजवंशी, सा० गंगोली, थाना-डालमियानगर, जिला-रोहतास को 12 ली० देशी महुआ शराब के साथ गिर० कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ कोचस थाना कांड सं0-130/25, दिनांक 23.05.2025, धारा-30ए बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम-2018 के अभियुक्त 1. रौशन राज सोनी, पे० दीपक कुमार सिंह, 2. अजय कुमार वर्मा, पे० रामाशंकर वर्मा दोनों सा० सिंगरौली, थाना बेढ़न, जिला-सिंगरौली (मध्यप्रदेश) एवं 3. शिवकुमार सोनी, पे०-स्व० बालगोबिन्द, सा०+थाना-खिरकीघाट, थाना-सासाराम नगर, जिला-रोहतास को 05 लीटर विदेशी भाराब 01 कार के साथ गिर० कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

☞ घौडाढ़ थाना कांड सं0-51/25. दिनांक-23. 05.2025, धारा-30ए बिहार मद्य निशेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम 2018 के अन्तर्गत 30 ली०, देशी महुआ शराब बरामद / जप्त किया गया है।●

केवल सच राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रखंड वासियो को हार्दिक शुभकामनाएं।

-: निवेदक :-

सदानंद यादव

प्रमुख प्रतिनिधि

पलासी, अररिया

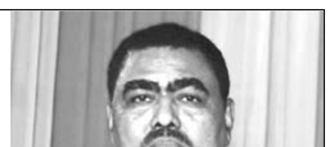

ट्रिपल मर्डर के बाद एक और हत्या

● गुड्डू कुमार सिंह

बिहार के बक्सर में पिछले दिनों तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. यह घटना अभी लोगों के जेहन में मौजूद थी, तभी हत्या की एक और वारदात को अंजाम देकर बदमाशों ने सनसनी फैला दी. बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के विभिन्न शहरों में अपराधी खुलेआम कहर बरपा रहे हैं। बक्सर में पिछले 24 घंटों में दो बड़ी घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना बासुदेवा थाना क्षेत्र के देवपुरा टोला गांव की है। दरअसल, शनिवार को अहियापुर गांव में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस ट्रिपल मर्डर से पुलिस पहले से ही सवालों के घेरे में थी। अब रविवार सुबह एक और हत्या ने स्थिति को और भी चिंताजनक बना दिया है। रविवार सुबह करीब चार बजे, बक्सर जिले के बासुदेवा थाना क्षेत्र के देवपुरा टोला गांव में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव निवासी संतोष सिंह के रूप में हुई है, जो महेंद्र सिंह का पुत्र था। संतोष सिंह नावानगर औद्योगिक प्रक्षेत्र में ठेकेदारी का काम करता था और बियाड कार्यालय में दैनिक मजदूर के रूप में भी कार्यरत था। घटना के समय संतोष सिंह शौच के लिए बाहर गए थे, तभी अपराधियों ने उन्हें सिर में गोली मार दी। चौंकाने वाली बात यह रही कि गांव में किसी ने गोली चलने की आवाज तक नहीं सुनी। जब सुबह पांच बजे तक वह घर नहीं लौटे, तो परिजन उन्हें खोजने निकले। गांव के बाहर स्थित ट्यूबवेल के पास, एक खेत में उनका शव पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही बासुदेवा और नावानगर थाना की पुलिस के साथ-साथ डीएसपी भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सफर अस्पताल भेज दिया है। संतोष सिंह सामाजिक रूप से काफी लोकप्रिय थे। उनकी हत्या की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। घटनास्थल पर स्थानीय विधायक, प्रखंड प्रमुख, पंचायत प्रतिनिधि, जिला पार्षद और कई नेता भी पहुंचे। गांव में मातम का माहौल है, और मृतक की पत्नी, पिता व अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। यह घटना न केवल बक्सर, बल्कि पूरे बिहार में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।●

राजनेता पात्रता परीक्षा का वैचारिक आधार

● बिन्ध्याचल सिंह

मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण 2000 छात्रों से मैंने यह पूछा कि बड़े होकर भविष्य में क्या बनना चाहते हो तो उन सभी ने सभी तरह के पदों का नाम लिया लेकिन उनमें से किसी ने यह नहीं कहा कि मुझे राजनेता बनना है क्योंकि उनका मानना था कि यह क्षेत्र और प्रतिभा संपन्न अभ्यर्थियों के लिए उपयुक्त नहीं है वे सभी इसको छोड़कर ही अन्य क्षेत्रों में ही सफल होना चाहते थे मैं इस विषय पर गहन चिंतन करने के पश्चात इस निर्णय पर पहुंच की मेरिट के आने वाले उच्च प्रतिभा संपन्न लोगों को राजनीतिक नेतृत्व के क्षेत्र में लाने के लिए अगर सरकार एक राजनेता पात्रता परीक्षा करती और हमें हासिल करने वाले व्यक्ति को एमपी चुनाव में 5 000 और विधानसभा चुनाव में 4 000 बोनस वोट का लाभ दिया जाए तो उक्त लक्ष्य को प्राप्त करना संभव हो सकता है.

☞ भारत में सफल लोकतंत्र और राजनीतिक वातावरण को बेहतर बनाने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राजनेता पात्रता परीक्षा का आयोजन होना चाहिए.

☞ इस तरह के योग्यता धारी व्यक्ति यदि प्रत्याशी बनते हैं तो चुनाव परिणाम में एमपी प्रत्याशी के लिए 5000 वोट और विधानसभा प्रत्याशी के लिए 4000 वोट बोनस के रूप में जोड़कर फाइनल चुनाव रिजल्ट देना चाहिए.

☞ राजनेता पात्रता परीक्षा की पात्रता अहर्ता आरक्षण सहित उनकी विस्तृत नियमावली इस तरह बनाई जाए की राजनीति का अपराधीकरण स्वत समाप्त हो जाए.

☞ जो प्रत्याशी इस तरह की योग्यता नहीं रखते हैं उनका चुनाव लड़ने पर किसी तरह का रोक नहीं होना चाहिए लेकिन उन्हें बोनस वोट का लाभ नहीं मिल जाएगा अनपढ़ व्यक्ति यदि लोकप्रिय है तो भारी मतों से विजई होगा.●

पीएमएफएमआई योजना में हो रहे भ्रष्टाचार को क्या रोक पायेंगे नव पदस्थापित उप विकास आयुक्त

● बिन्ध्याचल सिंह

अप्रैल के अंक में जानकारी दी जा चुकी है कि बक्सर जिला में संचालित योजना पीएमएफएमई को उँची उडान देने वाले वाले जिला संसाधन सेवी श्री सचिन कुमार पाण्डेय की अथक प्रयास की देन है जिनके मार्ग दर्शन में 95 यूनिट सफलता के उँचाई को छु चुकी है जबकि 35 योजना कार्यरत थी। परन्तु खबर लिखे जाने तक श्री पाण्डेय जी से केवल सच प्रतिनिधि को मुलकात नही होने के कारण वर्तमान स्थिति पाठकगण को जानकारी उपलब्ध नही कराई जा सकती है। तत्कालीन जिलाधिकारी बक्सर से दो बार प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर चुके श्री पाण्डेय की परमार्थी सोच बहुत से बेरोजगार युवक को स्वावलम्बी बना चुके है। वही दुसरा डी आर पी श्री राजु प्रसाद भी तत्कालीन जिलाधिकारी से दो बार प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर तीसरी बार के लिये अपनी अथक प्रयास से जिलाधिकारी से प्रशस्ति प्राप्त करने के लिये रात-दिन बेरोजगार युवक को स्वावलम्बी बनाने के लिये लगातार मेहनत कर रहें है। वैसे राजु प्रसाद से भी खबर लिखे जाने तक मुलकात नही हो पायी हैं। जानकारी के अनुसार डी आर पी श्री सचिन कुमार पाण्डेय जी वर्तमान में सभी डी आर पी में सबसे ज्यादा प्रयास कर रहे है। ठीक इसके उल्टे जिला संसाधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव अपनी अथक प्रयास से पीएमएफएमई योजना के माध्यम से जिला को बदनाम करने व अपनी जेब भरने के लिये अथक प्र्यास कर रहे है। वितिय वर्ष 2024-2025 में लगभग 75-80 लाख रू0 से अपनी जेब भर चुके है,जो जॉच का विषय है। पीएमएफएमई योजना मे जिला उद्योग केन्द्र बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार वितिय वर्ष 2024-2025 में कुल 154 आवेदक को 142803952 रू0 की राशि बैको के द्वारा लोन दिया गया है। जिसमें जिला संसाधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव के मार्ग दर्शन में लगभग 35 आवेदक को बैक से लोन दी गई है जिसमें अबतक के जानकारी के अनुसार यूको बैक,शाखा सानेवर्षा से 07 लाभुक को लोन दिया गया है। पंजाब नेशनल बैक शाखा-कडसर से 05 लाभुक, बैक ऑफ इंडिया शाखा-कसिया से एक लाभुक, इंडियन बैक शाखा-इटाढी से 01 लाभुक, पंजाब नेशनल बैक शाखा-कुकुढा से 01 लाभुक,पंजाब नेशनल बैक शाखा-बलिहार से 01 लाभुक को, पंजाब नेशनल बैक शाख-बडका सिंघनपुरा से 03 लाभुक को लाभ दिया गया है। परन्तु केवल एक यूनिट धरातल पर जो ग्रम-इठौना पोस्ट-वैना में आटा चक्की मिल संचालित हो रही है। जिसकी लागत खर्च लगभग दो लाख रू0 होगी परन्तु जिला संसाधन सेवी अपनी कमीशन के लिये आवेदक को यूको बैक शाखा- सोनवर्षा से दिनांक/12/09/2024 को लगभग आठ लाख रू0 की प्रोजक्ट बना कर बैक को सुपुर्द कर लोन स्वीकृत करा चुके है। सूत्रो की माने तो जिला संसाधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव का लगभग कुल 35 में 34 युनिट धरातल पर नही है जो गहन जॉच का विषय है। वही सेवा शुल्क के बारे में सूत्रो का कहना है कि श्री श्रीवास्तव अपनी भावनाओ में

डीडीसी

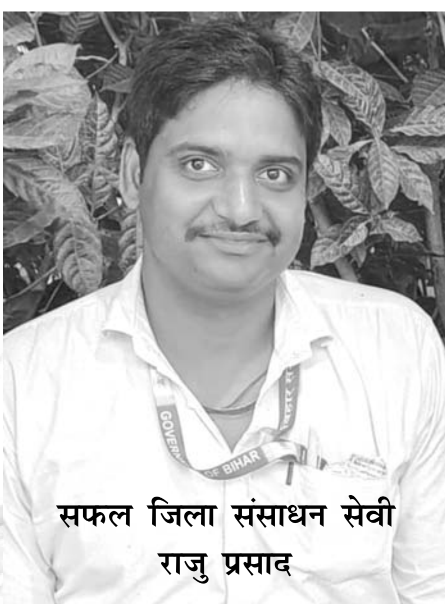

सफल जिला संसाधन सेवी
राजु प्रसाद

भ्रष्ट जिला संसाधन सेवी
रवि प्रकाश श्रीवास्तव

सफल जिला संसाधन सेवी
सचिन कुमार पाण्डेय

निबंधित

10

प्रेषक-
महाप्रबंधक
जिला उद्योग केन्द्र
बक्सर
7320923232

सेवा मे- श्री विन्ध्याचल सिंह
ग्राम- जादोपुर
पो0- महुऑव
जि0- भोजपुर (आरा)
मो0 8935909034

RF458798236IN

R/G

प्रेषक
7320923232

सेवा मे-
श्री विन्ध्याचल सिंह
ग्राम- जादोपुर
पो0- महुऑव
जि0- भोजपुर (आरा)
मो0- 8935909034

RF458935379IN

कार्यालय महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, बक्सर

पत्रांक 377 / जि0उ0के0,बक्सर/ दिनांक 17/03/2025

प्रेषक,
लोक सूचना पदाधिकारी,
जिला उद्योग केन्द्र
बक्सर।

प्रेषित,
बिन्ध्याचल सिंह,
ग्राम–जादोपुर, पो0–महुऑव
जिला–भोजपुर (आरा)
मोबाईल नं0–8935909034

विषय– समाहरणालय बक्सर लोक सूचना प्रशाखा द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम,2005 के तहत सूचना उपलब्ध कराने के संबंध में।

उपर्युक्त विषयक समाहरणालय बक्सर लोक सूचना प्रशाखा द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत बिन्ध्याचल सिंह, द्वारा तीनों आवेदनों द्वारा मांगी गई सूचना के आलोक में पत्रांक 202 दिनांक 24.01.2025 द्वारा समेकित रूप से सूचना भेजी गयी थी। पुनः इस पत्र के साथ संलग्न कर उपलब्ध कराया जा रहा है।

अनुलग्नकः– यथोक्त।

विश्वासभाजन,
17-02-25
लोक सूचना पदाधिकारी
जिला उद्योग केन्द्र, बक्सर।

कार्यालय महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, बक्सर

पत्रांक 202 / जि0उ0के0,बक्सर/ दिनांक 24/01/25

प्रेषक
सहायक लोक सूचना पदाधिकारी,
जिला उद्योग केन्द्र
बक्सर।

प्रेषित
बिन्ध्याचल सिंह
ग्राम–जादोपुर पो0–महुऑव
जिला भोजपुर (आरा)

विषय सूचना का अधिकार अधिनियम,2005 के तहत सूचना उपलब्ध कराने के संबंध मे।

उपर्युक्त विषयक सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत आपके द्वारा तीन आवेदनों द्वारा मांगी गई सूचना के आलोक में समेकित रूप से सूचना इस पत्र के साथ संलग्न कर उपलब्ध कराया जा रहा है।

अनुलग्नक– यथोक्त।

विश्वासभाजन,
24/01/25
सहायक लोक सूचना पदाधिकारी
जिला उद्योग केन्द्र, बक्सर।

बह कर आवेदक से कहते है कि मैं इस प्रकार सेवा शुल्क देते है :–

सेवा शुल्क जिन्हे दिया जाता है	–	कमीशन प्रतिशत में
महाप्रबंधक,डी आई सी बक्सर	–	05/–
शाखा प्रबंधक, बैक	–	10/–
जीएसटी	–	18/–
डी आर पी यानि मैं	–	02/–

उपरोक्त कमीशन विभित्र सूत्रो व आवेदक से प्राप्त जानकारी के आलोक में सूचीबध्द्ध की गई जिसका प्रमाण केवल सच प्रतिनिधि के पास नही है। परन्तु पीएमएफएमई योजना के लाभुक जो बैक ऑफ इंडिया शाखा–कसिया से प्राप्त कर चुके है उनके पास यूपीआई से दिनांक 16/12/2024 को 95000 रू0 समय–अपराह्न एक बजकर बतीस मिनट पर भेजा गया है, प्रतिनिधि के पास उपलब्ध है जो सम्भवत: डी आर पी रवि र्प्रकाश श्रीवास्तव या बिनोद कुमार राजभर विराज इन्टरप्राइजेज बलिया का हो सकता है। जहॉ डी आर पी श्री श्रीवास्तव जी के मार्ग दर्शन में कि गई सभी फाइल का भुगतान मशीन खरीददारी के लिये भेजी जाती है। विराज इन्टरप्राइजेज, मॉल गोदाम रोड बलिया में स्थित है। डी आर पी, विराज इन्टरप्राइजेज, मॉल गोदाम बलिया एवं वाणिज्य कर से प्राप्त जानकारी अनुसार विशेष जानकारी दी जायेगी। कार्यालय महाप्रबंधक,जिला उघ्योग केन्द्र बक्सर के पत्रांक–202 दिनांक 24/01/2025 और समाहरणाय बक्सर लोक सूचना प्रशाखा से प्राप्त पत्रांक–377 दिनांक–17/03/2025 का अवलोकन करेगे तो आप दावे के साथ कह सकते है कि भ्रष्ट डी आर पी की छतरी है जिला उद्योग केन्द्र बक्सर। ●

''केवल सच'' हिन्दी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
-: निवेदक :-
उषा कुमारी
अंचलाधिकारी, शेरघाटी, गया

"उत्तर देता मौन" काव्य-संग्रह का लोकार्पण

● रवि रंजन मिश्रा

साहित्य की भूमि पश्चिम चम्पारण ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि कलम की शक्ति प्रशासन और समाज सेवा के साथ भी गहरे तालमेल में आगे बढ़ सकती है। इसका जीवंत उदाहरण तब देखने को मिला जब चन्दन कुमार झा द्वारा रचित काव्य-संग्रह ष्उत्तर देता मौनष् का भव्य लोकार्पण समारोह होटल सिद्धार्थ, बेतिया में संपन्न हुआ। दो सत्रों में विभाजित इस आयोजन ने साहित्य, प्रशासन और सामाजिक चेतना का दुर्लभ संगम प्रस्तुत किया।

☞ **लोकार्पण एक भावपूर्ण संवाद बना :-** समारोह का पहला सत्र पुस्तक के लोकार्पण को समर्पित था, जहां पश्चिम चम्पारण के जिलाधिकारी श्री दिनेश कुमार राय ने पुस्तक का विमोचन करते हुए कहा कि 'शब्दों से परे जो मौन है, वही जीवन का सबसे सशक्त उत्तर है।' उन्होंने लेखक की लेखनी को "विवेक और संवेदना का मेल" बताया। उन्होंने भगवान बुद्ध से जुड़ी एक कहानी को बताते हुए मौन किस प्रकार से सभी प्रश्नों का उत्तर दे सकता है को स्रोताओं को बताया। उन्होंने कहा कि पुस्तक का शीर्षक काफी पारदर्शी है। इससे प्रेरणा मिलती है कि मन में उठने वाले हजारों प्रश्न का उत्तर एक मौन से दिया जा सकता है। उन्होंने प्रशासनिक कार्यो की व्यस्तता के बीच साहित्यिक सृजन करने वाले श्री चन्दन कुमार झा के बारे में बताया कि ये समाहरणालय में कार्यरत हैं लेकिन तमाम व्यस्ताओं के बीच भी साहित्य का सृजन कर रहे हैं, ये अनुकरणीय है। उन्होंने पुस्तक के बारे में बताया कि इस किताब में प्रेम को केंद्रित रखते हुए अच्छी कविताएं लिखी गई हैं। वहीं समसामयिक और संवेदनशील विषयों पर भी मार्मिक कविताएं लिखी गई हैं। उन्होंने चन्दन झा को भविष्य के लिए अग्रिम बधाई दी।

लोकार्पण मंच पर श्री राजीव कुमार सिंह (अपर समाहर्ता), श्री कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता विभागीय जांच, श्री अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता लोक शिकायत, श्री बिनोद कुमार,

अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर , श्री सुजीत कुमार, जिला पदाधिकारी के ओ एस डी सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने लेखक की साहित्यिक दृष्टि और सामाजिक प्रतिबद्धता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। लोकार्पण सत्र के प्रारंभ में डॉ किशोर आनंद, उप निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण के द्वारा कविता मंचन करते हुए कार्यक्रम की रूप-रेखा और किताब के प्रकाशन की यात्रा पर प्रकाश डाला।

☞ **कविता और विवेक का समन्वय :-** डॉ परमेश्वर भक्त के द्वारा पुस्तक के संदर्भ में अपने विचार प्रकट करते हुए लेखक को बधाई दी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ संजय कुमार यादव ने लेखक के भीतर छिपे संवेदनशील मनुष्य को उजागर करते हुए बताया कि 'चन्दन झा का मौन, केवल मौन नहीं, आत्मचिंतन की एक जीवंत प्रक्रिया है।' डॉ विनय कुमार सिंह ने उत्तर देता मौन को समकालीन हिन्दी कविता के परिप्रेक्ष्य में रखते हुए इसकी शैली और अभिव्यक्ति की आलोचनात्मक व्याख्या प्रस्तुत की। जिला नाजिर और साहित्यकार श्री जय किशोर जय के द्वारा अपनी एक कविता के माध्यम से पुस्तक पर विचार प्रकट किया गया।

कैवल्य प्रकाशन के प्रकाशक अंकित देव अर्पण ने बताया कि यह पुस्तक न केवल पाठकों को भीतर तक छूती है, बल्कि उन्हें अपने मौन से भी संवाद करना सिखाती है। यह संग्रह 50 से अधिक कविताओं का संकलन है, जिसमें जीवन, संघर्ष, प्रेम, आत्मचिंतन और समकालीन विसंगतियों की अनुभूत झलक मिलती है।

☞ **द्वितीय सत्रः कविता गोष्ठी में बही संवेदना की धारा :-** कार्यक्रम का दूसरा सत्र कविता गोष्ठी को समर्पित रहा, जिसकी अध्यक्षता डॉ परमेश्वर भक्त ने की। इस सत्र में मंच पर खुशबू मिश्रा, शालिनी रंजन, डॉ जफर इमाम जफर, डॉ गोरख मस्ताना, अरुण गोपाल, सत्येंद्र गोविंद, चंद्रिका राम, प्रशांत सौरभ, प्रफुल्ल तिवारी सहित अनेक कवियों ने भावपूर्ण कविताएँ प्रस्तुत कीं। इस सत्र की विशेषता यह रही कि यह गोष्ठी केवल कविता पाठ नहीं, बल्कि कवि और श्रोता के बीच संवेदना के आदान-प्रदान का माध्यम बनी। कई रचनाएँ श्रोताओं को मौन की शक्ति और शब्दों की मर्यादा पर पुनः विचार करने के लिए प्रेरित करती रहीं।

☞ **क्षण भर को थमा समय, जब कविता ने मौन से बात की :-** यह आयोजन 'क्षितिज : साहित्यिक-सांस्कृतिक वितान' के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसने एक बार फिर यह प्रमाणित किया कि बेतिया जैसे नगरों में साहित्यिक चेतना कितनी सशक्त और जीवंत है। डॉ किशोर आनंद, जय किशोर जय, ज्योति शंकर गिरी सहित कई सक्रिय साहित्य-सेवियों की उपस्थिति ने आयोजन को स्मरणीय बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में लेखक चन्दन कुमार झा ने कहा 'यह पुस्तक मेरे भीतर के मौन की यात्रा है, जो कभी संवाद बनकर फूटी, कभी अश्रु बनकर बही। यदि पाठक इसमें अपना मौन पहचान पाएं, तो यही मेरा सृजन सार्थक है।'

☞ **एक निष्कर्ष : जब शब्द मौन को सुनते हैं :-** 'उत्तर देता मौन' केवल एक काव्य संग्रह नहीं, बल्कि हमारे समय की सबसे बड़ी सच्चाई का रेखांकन है कि अब शब्दों के कोलाहल में मौन ही सच्चा उत्तर है। यह आयोजन उस मौन की सार्वजनिक उद्घोषणा था, जिसमें कविता ने समाज से कहा 'मैं अब भी बोलती हूँ, भले ही चुप हूँ'।●

श्रीनगर की साँझ, उम्मीद की रौशनी और एक जिलाधिकारी का वादा

● रवि रंजन मिश्रा

गंडक की दोआब में बसा श्रीनगर पंचायत वर्षों से विकास की मुख्यधारा से कटकर समय के थपेड़े सहता रहा। पश्चिम चंपारण के ठकराहा प्रखंड का यह दुर्गम इलाका कभी मानचित्र पर भी स्याही से छूटा हुआ लगता था। सड़कों की कमी, शिक्षा की अनदेखी, स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव और बिजली जैसी बुनियादी सुविधा से कोसों दूर यह पंचायत अपने ही देश में एक भूला हुआ गांव बन चुका था। सरकारें आती गईं, घोषणाएं होती रहीं, लेकिन गांव की गलियों में न तो बिजली की चकाचौंध पहुंची, न ही योजनाओं की रोशनी। यह वो जगह थी, जहां आजादी के इतने वर्षों बाद भी बिजली के पंखे के नीचे सोने का सपना बुजुर्गों की आंखों में धुंधला होता चला गया था।लेकिन 18 मई का दिन इतिहास में दर्ज हो गया, जब श्रीनगर पंचायत का आंगन जिला मुख्यालय की तरह चहक उठा। शनिवार को आयोजित ग्रामोदय विशेष विकास शिविर ने गांव को महज एक पंचायत नहीं, बल्कि एक परिवर्तनशील भूगोल में तब्दील कर दिया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस शिविर में जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय, डीडीसी बेतिया, बगहा के एसपी और जिले के तमाम वरीय पदाधिकारी न सिर्फ मौजूद रहे, बल्कि वे लोगों के बीच उतरे, उनकी बातें सुनीं, समस्याएं समझीं और समाधान प्रस्तुत किया।शिविर में 25 से अधिक विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए। पशुपालन से लेकर स्वास्थ्य, मनरेगा से लेकर आधार केंद्र तक सभी विभागों के कर्मी तत्पर दिखे। ऐसा दृश्य इससे पहले श्रीनगर की धरती ने नहीं देखा था। यह महज एक सरकारी उपस्थिति नहीं थी, यह प्रशासन की आत्मा का ग्रामीण जीवन से साक्षात्कार था। जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने 62 भूमिहीन परिवारों को बासगीत की पर्ची दी। दिव्यांगजन विभाग ने जो सहायताएं बांटीं। ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, मोटर चालित साइकिलें, श्रवण यंत्र, स्मार्ट स्टिक और चश्मे ख्र वो किसी भी समाज की संवेदनशीलता का प्रमाण बन गई। यह सिर्फ वितरण नहीं था, यह उन जिंदगियों में आत्मविश्वास का संचार था, जो अब तक समाज के हाशिए पर थे।डीएम ने खुलकर कहा कि 11 अप्रैल को उन्होंने बाइक से श्रीनगर का दौरा किया। स्कूलों में बच्चों की अनुपस्थिति और अभिभावकों की उदासीनता ने उन्हें विचलित किया। शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी साफ झलक रही थी। यह देखकर उन्होंने तय किया कि बदलाव अब कागजों से नहीं, जमीन से होगा और बदलाव हुआ। एक महीने के भीतर DEO के नेतृत्व में नामांकन और स्कूल भेजने की प्रक्रिया तेज हुई। गांव के बच्चे फिर से किताबों की ओर लौटे। संपर्क पथ का निर्माण कार्य आरंभ हुआ। निर्मल टोला से लेकर फोरलेन तक सड़क बनेगी, श्रीनगर यूएमएस विद्यालय से लेकर पक्की सड़क का निर्माण होगा। यह वादे नहीं, क्रियान्वयन की पगडंडियां हैं। शिविर समाप्त होने के बाद 90 वर्ष की वृद्धा दुखनी देवी आईं, जिनका न राशन मिल रहा था, न पेंशन। जिलाधिकारी ने तुरंत निर्देश दिया और उसी शाम उन्हें राशन भी मिला और पेंशन की प्रक्रिया भी आरंभ हो गई। यह दृश्य किसी कविता जैसा था- जहां संवेदना, प्रशासन और सेवा का अद्भुत समागम हुआ। यह दौरा महज एक प्रशासनिक कार्य नहीं था। यह एक जिलाधिकारी का आत्मिक दायित्व था। दिनेश कुमार राय के लिए यह पंचायत सिर्फ एक भूगोल नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। इस शिविर में जब लोग उन्हें देखकर हाथ जोड़ रहे थे, 'धन्यवाद बाबू साहेब' कह रहे थे, तो वह श्रद्धा किसी डर से नहीं, प्रेम और भरोसे से उपजी थी। आज श्रीनगर पंचायत के हर वार्ड में बिजली के खंभे गड़े हुए दिखते हैं। वह सपना, जो दशकों से अधूरा था। अब

हकीकत में बदल रहा है। जिन घरों में कभी चूल्हे की रोशनी में दिन ढलता था, वहां अब बल्ब की रौशनी में उम्मीदें पल रही हैं। शराबबंदी को लेकर जीविका दीदियों को प्रशिक्षित और जागरूक किया गया। महिलाओं की भागीदारी को प्रशासन ने प्राथमिकता दी। स्वास्थ्य सेवाएं वहां पहुंचीं, जहां अब तक सिर्फ अफवाहें और भरोसा पहुंचता था। लोग कह रहे हैं कि यह सब जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के कारण ही संभव हो पाया है। प्रशासनिक सेवा का यह चेहरा दुर्लभ है ख्र जहां संवेदना, समर्पण और संकल्प एक साथ कार्य करते हैं। उनका यह दौरा श्रीनगर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। क्योंकि यह न केवल योजनाओं का प्रसार था, यह उस चिरकालिक उपेक्षा को समाप्त करने का संकल्प था, जो वर्षों से श्रीनगर पर मंडरा रही थी। यह यात्रा किसी फिल्मी दृश्य की तरह नहीं थी, यह एक सच्चाई है। एक जिलाधिकारी जब अपने क्षेत्र को अपना परिवार मानता है, तो ऐसे ही बदलाव आते हैं। श्रीनगर अब बदलाव की ओर है, और इस बदलाव के केंद्र में खड़े हैं दिनेश कुमार राय।●

राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि

● रवि रंजन मिश्रा

महानिरीक्षक, एस०एस०बी० द्वारा जिला पदाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण डॉ0 शौर्य सुमन के साथ आज 'आपरेशन सिंदूर' के परिदृश्य में सीमावर्ती क्षेत्रों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तमाम प्रशासनिक/पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में 44वीं बटालियन, एस०एस०बी० नरकटियागंज में बैठक की गयी। जिलाधिकारी ने बताया कि कल मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि देश में व्याप्त वर्तमान हालात में सभी को सचेत रहकर सुदृढ़ कार्रवाई करनी है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा के साथ-साथ प्रत्येक गतिविधि पर ध्यान देना है ताकि जिला सहित राज्य और देश की सुरक्षा पर कोई आँच नहीं आए। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में कई लोग कालाबाजारी करने का भी प्रयास करेंगे, इस पर विशेष निगरानी रखते हुए सघन जांच और छापेमारी करनी है। जिलाधिकारी ने महानिरीक्षक, सशस्त्र सीमा बल को जानकारी दिया कि विगत दिनों मैनाटांड़, सिकटा के सीमावर्ती क्षेत्रों का जायजा लिया गया और वहां उपस्थित एसएसबी के जवानों को पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने सीमा पर शांति एवं सौहार्द कायम रखने की दिशा में समुचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा कि ज्वाइंट पेट्रोलिंग कराने सहित इंटेलिजेंस गैदरिंग की आवश्यकता है। पुलिस अधीक्षक, पश्चिम चंपारण डॉ० शौर्य सुमन ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में प्रॉपर चेकिंग करने का निर्देश दिया गया है। एक-एक वाहन को सही तरीके से जांच करने का निर्देश दिया गया है ताकि किसी प्रकार की चूक नहीं रह जाये। एसएसबी के अधिकारी एवं जवान पूरी तरह एक्टिव रहें। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों से कहा कि नियमित रूप से पेट्रोलिंग करते रहें। साथ ही नियमित रूप से रात्रि गश्ती करते रहें। संदिग्धों की विशेष निगरानी एवं जाँच करें। महानिरीक्षक, एस०एस०बी० के द्वारा बताया गया कि सभी चेकपोस्ट पर एस एस बी के जवान मुस्तैद हैं। उन्हें संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही जॉइंट पेट्रोलिंग करने का भी निर्देश दिया गया है। जो जवान छुट्टी पर गए थे उन्हें रिकॉल कर लिया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जब भी जिस प्रकार की आवश्यकता हो तुरंत खबर दिया जाए, उस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सुमित कुमार, अपर समाहर्ता (राजस्व) श्री राजीव कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज, श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, नरकटियागंज, श्री जय प्रकाश सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, श्री सुजीत कुमार, सेकंड इन कमांडेंट, एस एस बी, 44वीं बटालियन सहित स्थानीय प्रशासनिक, पुलिस पदाधिकारी एवं एस०एस०बी० के तमाम पदाधिकारी उपस्थित थे।●

''केवल सच'' हिन्दी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

विक्रम सिंह

अंचलाधिकारी

बांके बाजार, गया

एसएसबी व जिला प्रशासन के साथ निर्वाचन आयुक्त की बैठक

● रवि रंजन मिश्रा

निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने वाल्मीकिनगर, पश्चिम चम्पारण में सशस्त्र सीमा बल (SSB), वन विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विनोद सिंह गुंजियाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार, सुरेश सुब्रमण्यम, उप महानिरीक्षक, SSB, दिनेश कुमार राय, जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण बगहा के पुलिस अधीक्षक, SSB की 21वीं, 44वीं, 47वीं और 65वीं वाहिनियों के कमांडेंट, पीयूष कुमार वर्णवाल, विकास अहलावत, अतीस कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी, अशोक प्रियदर्शी, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, कपिल शर्मा, राज्य मीडिया नोडल पदाधिकारी तथा अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत में सशस्त्र सीमा बल (SSB) द्वारा भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एवं निगरानी संबंधी प्रयासों पर पावर प्वॉइंट प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात निर्वाचन आयुक्त डा. जोशी ने क्षेत्र की सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक संरचना पर चर्चा करते हुए सीमावर्ती मतदाताओं की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त रणनीति बनाने पर बल दिया। डॉ. जोशी ने सशस्त्र सीमा बल (SSB) को निर्देशित किया कि वे जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस के साथ समन्वय बढ़ाते हुए निगरानी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएं, ताकि आगामी निर्वाचन शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सहभागी बन सकें। उन्होंने यह भी कहा कि SSB के पास उपलब्ध अतिरिक्त मानव संसाधन का निर्वाचन कार्यों में समुचित उपयोग किया जा सकता है। पिछले शांतिपूर्ण निर्वाचनों के लिए सराहना करते हुए डॉ. जोशी ने कहा कि वन विभाग, SSB, पुलिस और जिला प्रशासन के बीच समन्वय से प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि हुई है, जिसका लाभ आगामी विधानसभा आम निर्वाचन में भी मिलेगा। अपने दौरे के दौरान डॉ. जोशी ने थारू जनजातीय कलाकारों से भी मुलाकात की और उनकी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की सराहना की। इसके पश्चात निर्वाचन आयुक्त ने वाल्मीकि नगर विधानसभा क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय बगहा-2 स्थित मतदान केंद्र संख्या 14, 15, 16 एवं 17 का निरीक्षण किया और संबंधित मतदान केन्द्र पदाधिकारियों (BLO) से मतदाता सहभागिता एवं प्रशिक्षण अनुभवों पर चर्चा की। मतदान केंद्र पदाधिकारियों ने बताया कि उन्होंने हाल ही में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जिससे उनके कार्य में दक्षता और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। डॉ. जोशी ने मतदान केंद्र पदाधिकारियों के कार्यों की सराहना करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देशित किया कि सभी प्रशिक्षण सत्रों में तकनीकी दक्षता और पारदर्शिता के लिए राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों, मतदान केंद्र पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी का गहन प्रशिक्षण और सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को राज्य के मतदाताओं के लिए एक श्रेष्ठ अनुभव बनाने हेतु संकल्पित है, और इसी क्रम में चंपारण का यह दौरा किया गया है।

अंत में, डॉ. जोशी ने जिले में निर्वाचन तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जिला का मतदान प्रतिशत राज्य औसत से बेहतर है, जिसे राष्ट्रीय औसत तक पहुँचाने के लिए जिला प्रशासन को रचनात्मक एवं प्रशासनिक पहलों को तत्परता से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। वाल्मीकि नगर में बैठक के उपरांत निर्वाचन आयुक्त डॉ. जोशी ने कहा की चम्पारण का यह दौरा जमीनी स्तर पर निर्वाचन प्रक्रिया को समझने के लिए आवश्यक था जिसमें जिला प्रशासन ने सक्रिय रूप से सहयोग किया। आगामी निर्वाचन को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियों पर संतोष जताते हुए टीम बना कर श्रेष्ठ निर्वाचन प्रबंधन करने का निर्देश दिया। वाल्मीकि नगर भ्रमण के उपरांत निर्वाचन आयुक्त डॉ. जोशी पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) के लिए रवाना हुए और कल वैशाली होते हुए पटना से नई दिल्ली प्रस्थान करेंगे।●

''केवल सच'' हिन्दी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

अरशद मदनी

अंचलाधिकारी, आमस, गया

शिक्षा कैसे बनेगी बिहार में सतत

● रवि रंजन मिश्रा

जीविका दीदी की लाइब्रेरी हेतु साप्ताहिक वेबिनार को प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की सीईओ डॉ. रुक्मिणी बनर्जी ने संबोधित किया। वेबिनार के माध्यम से उन्होंने 7 हजार से अधिक युवाओं और जीविका दीदियों से संवाद कर शिक्षा के माध्यम से गरीबी निवारण हेतु उनके नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने 21वीं सदी में ग्रामीण युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि देने में सक्षम बनने का आह्वान किया। साथ ही डॉ. बनर्जी ने गांव के युवाओं और महिलाओं को 20 मई से 20 जून 2025 तक जीविका द्वारा आयोजित समर कैंप 2025 में स्वयंसेवक के रूप में भाग लेने और दूसरों को जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ये सीखने और सिखाने, दोनों के लिए यह सुनहरा अवसर है। इस एक माह लंबे समर कैंप अभियान में स्वयंसेवको द्वारा गाँव के कक्षा 5 एवं 6 के गणितीय कौशल में कमजोर बच्चों को कहानियों एवं खेल आधारित गतिविधियों के माध्यम से सिखाएंगे।ऐसे स्वयंसेवको को ग्राम संगठनों की बैठक में जीविका सीईओ हिमांशु शर्मा एवं डॉ. रुक्मिणी बनर्जी द्वारा हस्ताक्षरित प्रशस्ति प्रमाण पत्र देकर दीदियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। पश्चिम चंपारण जिले में संचालित लौरिया, बगहा -1,नौतन में जीविका दीदियों और उनके बच्चों ने भाग लिया । इस वेबिनार का सीधा प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से किया गया, जिसमें 100 दिदी की लाइब्रेरी एवं 173 दीदी अधिकार केंद्र से युवा एवं जीविका दीदियां सहित सभी 38 जिलों के जीविका एवं प्रथम संस्था के कर्मी ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता डॉ. रुक्मिणी बनर्जी ने क्या-क्या कहा? :- जीविका के मॉडल की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि:"जीविका ने ग्रामीण विकास को नई दिशा दी है ख़ जहाँ सफलता की परिभाषा सामूहिक प्रगति पर आधारित है, न कि केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों पर। डॉ. बनर्जी ने दीदी की लाइब्रेरी की सराहना करते हुए कहा, ष्मैंने अपने कार्य के दौरान कई देश और मॉडल देखे हैं, लेकिन दीदी की लाइब्रेरी जैसी जगह पहले कभी नहीं देखीख़जहाँ कंप्यूटर, फ्री इंटरनेट, पढ़ने की जगह और यहां तक कि शौचालय तक की सुविधा है, ताकि सीखने में कोई बाधा न आए।" उन्होंने बताया कि जीविका एवं प्रथम द्वारा संयुक्त रूप से सेकेंड चांस कार्यक्रम अंतर्गत कम उम्र में पढ़ाई छोड़ देने वाली किशोरियों और महिलाओं को एनआईओएस जैसे ओपन बोर्ड से कक्षा 10वीं पास करने में मदद कर रहा है। इस कार्यक्रम उ बृहद स्तर पर लाखों ड्रॉपआउट लड़कियों और महिलाओं को जोड़ने की आवश्यकता है। यह सिर्फ डिग्री नहीं, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता देने का माध्यम है।●

नये जिलाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने किया पदभार ग्रहण

● रवि रंजन मिश्रा

जिले के नए डीएम श्री धर्मेन्द्र कुमार ने आज मंगलवार को पश्चिम चंपारण समाहरणालय पहुंच कर पदभार ग्रहण किया। नव पदस्थापित जिलाधिकारी को निवर्तमान जिलाधिकारी श्री दिनेश कुमार राय ने पदभार सौंपा। जिलाधिकारी द्वारा पदभार ग्रहण करने के उपरांत उपस्थित पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए जिले में क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी ली गयी। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ जिले के हर तबके तक पहुंचाने के लिए सभी को कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले की ऐतिहासिक धरती पर आकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। जिले के विकास के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी ईमानदारी एवं तत्परतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा ताकि यह जिला और तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर हो सके। उन्होंने कहा कि विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा जो भी विकास के कार्य किये गये है उनको तीव्र गति से लक्ष्य तक पहुंचाया जायेगा। पदभार सौंपने के उपरांत निवर्तमान जिलाधिकारी श्री दिनेश कुमार राय ने कहा कि ऐतिहासिक पश्चिम चम्पारण की धरती को वे कभी भी नहीं भूलेंगे। जिले के लोगों का प्यार और स्नेह हमेशा साथ रहेगा। पश्चिम चम्पारण से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। यहां के अधिकारियों कर्मियों एवं लोगों का अच्छा सहयोग मिला है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले को विकास के पथ पर तेजी के साथ बढ़ाने में जिस तरह से आपने सहयोग किया है, उसी प्रकार नये जिलाधिकारी को भी सहयोग प्रदान करेंगे ताकि इस जिले का समग्र विकास हो सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सुमित कुमार, अपर समाहर्ता राजस्व श्री राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता विभागीय जांच श्री कुमार रविन्द्र, नगर आयुक्त नगर निगम बेतिया श्री लक्ष्मण तिवारी सहित जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।●

जंगल किनारे बसी महिलाएं बन रही आत्मनिर्भरता की मिसाल

● रवि रंजन मिश्रा

वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे सिधाव प्रखंड के मिसरौली पंचायत में धनवर्षा और भारत जीविका महिला ग्राम संगठन में महिला संवाद कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए कि कैसे वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलतापूर्वक अग्रसर हो रही हैं। वार्ड संख्या 6 की पूनम देवी ने बताया कि उन्होंने सतत् जीविकोपार्जन योजना की सहायता से एक सिलाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना कि है। इसके माध्यम से वे न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित कर रही हैं। उनके इस प्रयास से महिलाओं की जंगल पर निर्भरता में भी कमी आई है। वहीं माया देवी ने अपने निजी प्रयास से एक प्राइवेट लाइब्रेरी की शुरुआत कि है, जो बच्चों को शिक्षा का वातावरण प्रदान कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने क्षेत्र की समस्याओं और आवश्यकताओं पर भी खुलकर अपनी बात रखी। बरसात के मौसम में मिसरौली और भऔवा के बीच का मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। महिलाओं ने स्थायी पुल निर्माण की मांग रखी है।सीमा देवी और अन्य महिलाओं ने प्रखंड में जन औषधि केंद्र की स्थापना की आवश्यकता जताई।उर्मिला देवी समेत कई महिलाओं ने स्थानीय स्तर पर तकनीकी शिक्षा (आई.टी.आई.) की स्थापना कराने तथा युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देने की मांग की है ।कार्यक्रम के अंतर्गत, जीविका के कर्मियों द्वारा महिलाओं की सभी जायज आकांक्षाओं एवं सुझावों की ऑनलाइन एंट्री भी की गई, ताकि उन्हें आगे की योजनाओं में शामिल किया जा सके।●

मतदाता जागरूकता अभियान को लेकर तीन दिवसीय कार्यक्रम

● रवि रंजन मिश्रा

आगामी 3 जून से 5 जून तक चलने वाले तीन दिवसीय मतदाता जागरूकता अभियान की तैयारियों को लेकर स्वीप कोषांग की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी रोचना माद्री ने की। बैठक में कार्यक्रम के सुचारू संचालन सुश्री मेरी एडलीन ने किया तथा व्यापक जनसहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सुझावों और योजनाओं पर चर्चा की। तीन दिवसीय अभियान के अंतर्गत साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली, जन संवाद, और मतदाता पर्यावरण उत्सव जैसे जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन प्रस्तावित है। इन गतिविधियों का उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति सजगता और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना है। बैठक में कार्यक्रम को अधिक प्रभावशाली और आकर्षक बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। साथ ही आयोजन स्थल, प्रतिभागियों की भूमिका, प्रचार-प्रसार, और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर स्वीप कोषांग के सदस्य रामइकबाल, संजय कुमार कुशवाहा, पर्यावरणविद डॉ. दुर्गा दत्त पाठक, नगर निगम बेतिया के ब्रांड एम्बेसडर आदित्य मधुकर, तथा नुक्कड़ नाटक टीम के प्रतिभाशाली बाल कलाकार भी उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को जनसंपर्क और जनजागरूकता की दिशा में मील का पत्थर बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव साझा किए। सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी रोचना माद्री ने कहा, 'यह अभियान केवल मतदान के महत्व को बताने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे एक सामाजिक चेतना आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें मतदान के साथ पर्यावरण, जन संवाद और रचनात्मक अभिव्यक्तियों को भी जोड़ा जाएगा।' इस तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम को लेकर उत्साह चरम पर है, और प्रशासनिक तंत्र के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी इसे एक सफल और प्रेरणादायी आयोजन में तब्दील करने की दिशा में अग्रसर है।●

''केवल सच'' हिन्दी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
-: निवेदक :-
डॉ. अमित कुमार
शेरघाटी, गया

मुख्यमंत्री सोरेन ने जनता को दी बड़ी सौगात

● गुड्डी साव

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्य की जनता को एक बड़ी सौगात दी। उन्होंने आधुनिकतम तकनीक से निर्मित सिरमटोली चौक से राजेंद्र चौक होते हुए मेकॉन गोलचक्कर तक फोरलेन फ्लाईओवर / एलिवेटेड पथ -सह -आरओबी परियोजना का उद्घाटन कर इसे राज्य की जनता को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने इस फ्लाईओवर का नामकरण झारखंड के सपूत दिवंगत कार्तिक उरांव जी के नाम पर करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने वन भवन, डोरंडा, रांची में विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सिरमटोली सरना स्थल में पूजा अर्चना कर राज्य के सर्वांगीण विकास, सुख समृद्धि और शांति की कामना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों के व्यवस्थित विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में कई योजनाएं धरातल पर उतर चुकी है, और कई योजनाओं का क्रियान्वयन जल्द होगा। साथ ही राजधानी रांची को ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। इस फ्लाईओवर के चालू होने से राजधानी वासियों को काफी हद तक ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी । इससे यातायात व्यवस्था सुगम होगा और परिवहन में समय के साथ ईंधन की बचत होगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को आपका बड़ा सहयोग मिला है। ऐसे में हमारी सरकार राज्य की जनता के प्रति जिम्मेदारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ निभा रही है। एक जिम्मेदार सरकार होने के नाते हम शहर से लेकर गांव तक हर व्यक्ति, वर्ग, समुदाय और तबके के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य योजनाओं को धरातल पर उतार रहे हैं, ताकि इस राज्य को पूरी मजबूती के साथ आगे ले जा सकें। इस कड़ी में जहां बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, वहीं मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के जरिए नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसी ही कई और योजनाएं हैं, जिनसे लोगों को सशक्त बनाने का प्रयास निरंतर जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी देश और राज्य से अपने राज्य की तुलना करना उचित नहीं है। हर देश की अपनी अलग-अलग व्यवस्थाएं, वातावरण, रहन-सहन और माहौल होते हैं, जिसे अपने प्रदेश में लागू करना उचित नहीं है। लेकिन, हम वहां की बेहतर व्यवस्था को अपने राज्य के वातावरण, जरूरतों और परिस्थितियों के अनुरूप अपना सकते हैं। झारखंड वीरों-वीरांगनाओं की

धरती है। हमारे पूर्वजों ने देश की आजादी की लड़ाई में बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया था। संविधान निर्माण समिति में भी हमारे राज्य के कई व्यक्तित्व शामिल थे। ऐसे में अपने इन वीर शहीदों, और शख्सियतों को सम्मान देने की परंपरा कभी नहीं रुकेगी। आज पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ लगातार हो रहा है। पर्यावरण पर हो रहा यह हमला मानव जीवन और जीव जंतुओं के लिए खतरा बनता जा रहा है। आज पर्यावरण पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुका है। अगर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे नहीं आएं तो हम सभी को इसके गंभीर परिणाम भुगतने से कोई रोक नहीं सकता। ऐसे में पर्यावरण को बचाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। प्रकृति का सीधा संबंध हमारे जीवन से जुड़ा है। पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, तभी मानव जीवन और अन्य जीव जंतु सुरक्षित रहेंगे। ऐसे में वनों को बढ़ाने का प्रयास करना है । उन्होंने लोगों से कहा कि इसके लिए हम सभी सिर्फ एक-एक पेड़ भी लगाएं तो निश्चित तौर पर बदलाव देखने को मिलेगा और यह पर्यावरण के लिए काफी निर्णायक साबित होगा।

झारखंड का नाम ही हरियाली का प्रतीक है। जल, जंगल और जमीन इस राज्य की पहचान है। इतना ही नहीं, किसी ना किसी माध्यम से हम सदियों से प्रकृति की पूजा करते आ रहे हैं। हमें ना सिर्फ प्रकृति के साथ जुड़ा रहना है, बल्कि इसे और समृद्ध करने के लिए पहल करना है । अब सरकारी समारोहों में अतिथियों को पौधा प्रदान करने की परंपरा को शुरू किया है। इसका मकसद पर्यावरण के प्रति लोगों को सजग और सतर्क करना है। हमें विकास की नई ऊंचाइयों को छूना है। पर्यावरण का भी ख्याल रखना है। मानव जीवन और जीव जंतुओं को भी सुरक्षित करना है। ऐसे में पर्यावरण के साथ तालमेल स्थापित

करना आज की जरूरत है। यह संतुलित विकास से ही संभव है। ऐसे में पर्यावरण को बिना नुकसान पहुंचाते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार के स्तर पर कई नियम- कानून और नीतियां बनाई गई है, लेकिन इन नियमों और नीतियों से बेहतर है कि हम सभी दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए कार्य करें। जब हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक होगा ,तभी प्रकृति को सुरक्षित रख सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि हमें ऐसी चीजों से दोस्ती करना चाहिए, जिससे पर्यावरण को खतरा नहीं हो। उन्होंने कहा कि आज प्लास्टिक पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। एक छोटा सा प्लास्टिक का बैग आपकी जिंदगी को खतरे में डाल सकता है। इसी वजह से प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जा रहे हैं। लेकिन, इसका कोई अंतिम परिणाम अभी तक सामने नहीं आ पाया है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक आने के पूर्व भी हमारी जिंदगी चल रही थी। हम एनवायरमेंट फ्रेंडली सामानों का इस्तेमाल कर रहे थे और प्रकृति का बचाव भी हो रहा था । ऐसे में आज एक बार फिर हमें वैसी चीजों के इस्तेमाल के लिए आगे आना होगा, जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं पहुंचे।

इस अवसर पर मंत्री श्री सुदिव्य कुमार, मंत्री श्री संजय प्रसाद यादव, मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की, राज्यसभा सांसद श्रीमती महुआ माजी, विधायक श्री अमित कुमार महतो, विधायक श्री सुरेश बैठा, राज्य समन्वय समिति के सदस्य श्री राजेश ठाकुर, मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, प्रधान सचिव श्री सुनील कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री अनुराग गुप्ता, सचिव श्री अबुबकर सिद्दीक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री अशोक कुमार और रांची रेल मंडल के डीआरएम सहित कई वरीय अधिकारी मौजूद थे।●

सीएमपीडीआई में दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन

● गुड्डी साव

सीएमपीडीआई के खेल मैदान में 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन हुआ। शिविर के समापन के अवसर पर कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती रूपाली गुप्ता ने सभी प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत किया। मौके पर श्रीमती गुप्ता ने प्रशिक्षक, अभिभावक तथा प्रशिक्षणार्थियों के सहभागिता एवं समर्पण की सराहना की। उन्होंने इस शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बच्चों को जीवन में सफल होने की कामना करते हुए कहा कि धूप में कठिन परिश्रम करके इन सभी बच्चों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस प्रशिक्षण को बच्चों द्वारा अपने दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। इससे बच्चे न केवल शारीरिक एवं मानसिक रूप से तनदुरूस्त

बल्कि अपने जीवन में स्व-अनुशासित रहेंगे। इस शिविर में प्रतिदिन सुबह 5.30 से 8 बजे तक 3 वर्ष से लेकर 17 वर्ष तक के लगभग 200 बच्चों को मास ड्रिल, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, कैरम एवं कराटे का प्रशिक्षण दिलाया गया। सीएमपीडीआई के विभागीय खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक श्री सी0बी0 सोनार, श्री सरफराज अहमद, सुश्री विक्टोरिया कुजूर, श्री पी0एन0 सिंह, श्री गणेश मिस्त्री, श्री सुनेम आईन्द, श्री आनंद प्रकाश, श्री विजय कुमार, श्री ओंकार पासवान एवं उनके सहायक श्री अमन, सुश्री राजश्री आदि ने बच्चों को प्रशिक्षण दिलाया। अंत में संस्थान के महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री संजय कडम्बार ने आगत अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि इस शिविर के सफल आयोजन में बच्चों के अभिभावकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।●

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी पहुंची राँची

● गुड्डी साव

राँची के प्रदेश कार्यालय पहुंची पूर्व केंद्रीय मंत्री, जहां महिला मोर्चा की महिलाओं ने उनका स्वागत किया। पार्टी द्वारा आयोजित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन स्मृति ईरानी, प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी,कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,महामंत्री सांसद आदित्य साहू ने किया। प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर उनका किया स्वागत ।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि 11 वर्षों में केंद्र की मोदी सरकार ने असंभव को भी संभव किया है। आज दुनिया भारत को सम्मान के साथ देख रही है। दुनियां में तिरंगे की ताकत बढ़ी है। आज भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता और प्रबुद्ध देशवासी जिन्होंने अपने सहयोग से तीसरी बार मोदी सरकार बनाया है वे गौरव का अनुभव करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार प्रकट कर रहे। जब विकास की बात होती है तो केंद्र में गरीबों को रखा जाता है। 50 करोड़ लोगों को जनधन खाता के माध्यम से देश की तिजोरी से जोड़ा गया। 45 लाख करोड़ रुपए सीधे डीबीटी के माध्यम से खाते में भेजे गए। बहुआयामी गरीबी से उबारने के संकल्प के कारण आज 25 करोड़ नागरिक तीव्र गति से उन्नति के पथ पर अग्रसर हुए हैं। 81 करोड़ लोगों को अन्नपूर्णा का आशीर्वाद प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज के रूप में मिल रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि 4 करोड़ गरीबों के सिर पर पक्के छत की सुविधा जिसमें 73% मालकिन महिलाएं ,और 15 करोड़ घरों तक नल से जल की सुविधा पहुंचना यह सुशासन और कुशल नेतृत्व के कारण ही संभव हुआ है।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत 12 करोड़ गरीबों के घर शौचालय निर्माण ने महिलाओं बेटियों की इज्जत ,लाज को सुरक्षित किया है। साथ ही उज्जवला गैस योजना के माध्यम से 12 करोड़ घरों तक धुआं मुक्त रसोई ने महिलाओं के दुखदर्द को कम किया है। गरीब कल्याण के साथ किसान कल्याण भी मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है।आज डीबीटी के माध्यम से

देश के 11 करोड़ किसानों के खाते में प्रतिवर्ष किसान सम्मान निधि के 6 हजार रुपए पहुंच रहे है। यूपीए सरकार की तुलना में देश का कृषि बजट 5गुना बढ़ा है। 3लाख 70 हजार करोड़ रुपए किसानों को प्राप्त हुए।25 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड और 1.75 हजार करोड़ रुपए फसल बीमा योजना में किसानों को प्राप्त हुए है। किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 5लाख तक बढ़ाई गई। मोदी सरकार ने नारी सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। आर्मी में स्थाई कमीशन की व्यवस्था से सेना में अधिकारी बनने का अवसर,सैनिक स्कूल में लड़कियों का नामांकन मोदी सरकार की सार्थक कोशिश है। संसद के नवनिर्मित भवन में पहला बिल महिलाओं के लिए 33% आरक्षण की सुविधा का रहा जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से थी। उन्होंने कहा कि सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 4.25 करोड़ खाते खुले, स्तनपान कराने वाली और गर्भवती महिलाओं केलिए 18593 करोड़ रुपए खर्च किए गए ।10 करोड़ महिलाओं के द्वारा देश में 90 लाख स्वयं सहायता समूह चल रहे जो 6.40 लाख गांव में सेवा दे रही। अब तो महिलाएं ड्रोन दीदी भी बन रही। भारत ने कोविड काल में सिर्फ 140 करोड़ लोगों की जान नहीं बचाई बल्कि 160 राष्ट्रों तक वैक्सीन देकर विश्व बंधुत्व की सोच को मजबूत किया। जम्मू कश्मीर में हाल में उद्घाटित विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज की सराहना विपक्षी दल के मुख्यमंत्री ने की ये है मोदी सरकार का सबका साथ सबका विकास। देश की नारियों की पूजा शक्ति,लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में हुई लेकिन सिंदूर ऑपरेशन ने एक नए शौर्य, साहस और धैर्य को प्रकट किया है।

भारत का स्वदेशी रक्षा तंत्र आज तेजी से आगे बढ़ रहा।भारत के रक्षा उपकरणों का निर्यात 34 गुना बढ़ गया है। पूर्व मंत्री स्मृति इरानी ने यह भी कहा की धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ,महाकाल कोरिडोर निर्माण जैसे कार्य भारत की राष्ट्रीय एकात्मता और सांस्कृतिक विरासत को समर्पित रहा है। मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास को साकार कर रही।आज मोदी सरकार में 68% मंत्री एसटी एससी और ओबीसी वर्ग से हैं। पूरे देश के साथ झारखंड के सर्वांगीण विकास केलिए मोदी सरकार समर्पित है। प्रधानमंत्री जी ने भगवान बिरसा मुंडा की धरती से 24 हजार करोड़ रुपए की जन मन योजना से आदिवासी गांव के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया है। आज भाजपा कार्यकर्ता सेवा,सुशासन ,गरीब कल्याण के कार्यों को तेजी से धरातल पर उतारने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और उनके कैबिनेट के सभी मंत्रीगण का आभार प्रकट करते हैं।●

जल्द बनेगा रिम्स-2

स्वास्थ्य व्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान

● गुड्डी साव

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में हम स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। रिम्स-2 का निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, और अगले दो वर्षों में यह सपना साकार होगा। राज्य के लोगों को आधुनिक और व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं देने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम होगा। डॉ अंसारी मंगलवार 3 जून को राजधानी रांची स्थित रेडिसन ब्लू होटल में आयोजित AHPI कॉन्क्लेव में राज्यभर के निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि, प्रबंधक एवं चिकित्सकों को संबोधित कर रहे थे। यह कॉन्क्लेव आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY) के अंतर्गत सरकारी देय बिलों के लंबित भुगतान से संबंधित मुद्दों को लेकर बुलाया गया था। मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि कुछ अस्पतालों द्वारा आयुष्मान कार्ड का दुरुपयोग किया जाता है। कुछ अस्पताल कार्ड को स्वाइप कर पूरा पैसा निकाल लेते हैं और मरीज को रिम्स रांची रेफर कर देते हैं, यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। गरीबों को उनके हक का इलाज मिलना चाहिए और योजना का पूरा लाभ भी। ऐसा कोई भी व्यवहार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा की स्वास्थ्य व्यापार नहीं सेवा है , इसे समझना होगा। इरफान अंसारी ने सभी अस्पताल प्रबंधकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और इस

पर सख्त रुख अपनाते हुए विभाग को जल्द से जल्द लंबित बकाया बिलों के भुगतान का निर्देश जारी किया।उन्होंने कहा कि नेशनल एंटी फ्रॉड यूनिट द्वारा चिन्हित 212 अस्पतालों की जांच के चलते कुछ भुगतान में देरी हुई है।अन्य 350 अस्पतालों के भुगतान में नई पोर्टल प्रणाली के कारण तकनीकी अड़चनें सामने आई हैं, जिन्हें दूर करने के लिए विभाग की टीम लगातार NHA से संपर्क में है। समाधान जल्द सुनिश्चित किया जाएगा।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि राज्य की नवजात और मातृ मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से थोड़ी कम है और हम कई राज्यों से बेहतर हैं। राज्य में सरकारी और निजी क्षेत्र में कुल लगभग 15,500 बेड हैं। सरकार हर साल 2,000–3,000 नए बेड जोड़ने की दिशा में काम कर रही है, ताकि एक लाख बेड का लक्ष्य जल्द पूरा हो सके। एनएचएम के अभियान निदेशक अबू इमरान ने कहा कि मातृ और शिशु मृत्यु दर को लेकर सरकार गंभीर है। राज्य के 85% लोगों को हेल्थ इंश्योरेंस कवर मिल चुका है। झारखंड पहला राज्य है जहां कर्मचारियों को असीमित बीमा कवर दिया जा रहा है। राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा, मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना और आयुष्मान भारत योजना मिलकर राज्यवासियों को मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर रही है।●

कुकिंग कम्पीटिशन के साथ विश्व पर्यावरण दिवस-2025

● गुड्डी साव

सीएमपीडीआई के ''रबीन्द्र भवन'' में विश्व पर्यावरण दिवस-2025 समारोह का शुभारंभ एक आकर्षक कुकिंग प्रतियोगिता के साथ हुई। इस समारोह का उद्घाटन सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार एवं कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्षा श्रीमती रूपाली गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर उत्सव की शुरूआत की। मौके पर श्री कुमार ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह और कुकिंग कला की रचनात्मकता की सराहना की और रोजमर्रे की जिंदगी में टिकाऊ/सतत् प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कुकिंग प्रतियोगिता में सीएमपीडीआई के कर्मियों, उनके जीवन-साथियों तथा बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने कुकिंग कला कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल टीम भावना को बढ़ावा देना था बल्कि पर्यावरण संरक्षण के साथ जुड़े टिकाऊ

पाककला अभ्यासों को बढ़ावा देना भी था।

पर्यावरण जागरूकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप सीएमपीडीआई ने विश्व पर्यावरण दिवस तक कई गतिविधियों की योजना बनाई है। इनमें पर्यावरण विषयों पर केंद्रित ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताएं, तात्कालिक भाषण प्रतियोगिताएं, प्रश्नोत्तरी और लघु वीडियो प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य प्रतिभागियों और व्यापक समुदाय को टिकाऊ/सतत् जीवन शैली अपनाने और पर्यावरण की रक्षा करने के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इन समारोहों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सीएमपीडीआई पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। संगठन सभी कर्मियों और उनके परिवारों को इन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने और हरित भविष्य के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री मनोज कुमार ने कुकिंग कला प्रतियोगिता के समापन पर विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित व पुरस्कृत किया।●

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ

● गुड्डी साव

प्रदेश भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पर्यावरण दिवस से एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बूथ से लेकर प्रदेश तक के नेताओं,कार्यकर्ताओं और पार्टी के जन प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर वृक्षारोपण किया। प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने सांगठनिक प्रवास के दौरान साहेबगंज जिला मुख्यालय स्थित गौशाला परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के

नेतृत्व में भारत तेजी से विकास पथ पर अग्रसर है। लेकिन विकसित भारत का संकल्प पर्यावरण की रक्षा के बिना अधूरा होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत,मजबूत भारत के साथ हमे हरित भारत भी बनाना है। भारत की सनातन परम्परा ने मां भारती का स्वरूप शस्य श्यामला ,सुजलाम , सुफलाम है। उन्होंने कहा कि एक मां जो हमें जन्म देती है और दूसरी मां प्रकृति जो हमें जीवन देते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान करते हुए पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण में फलदार और औषधीय गुणों से युक्त पौधे भी लगाए जाएं तो मनुष्यों के अलावा पशु पक्षियों के लिए भी उपयोगी हो। प्रदेश महामंत्री संगठन कर्मवीर सिंह ने कहा कि व्यक्ति और समाज तभी बचेगा जब पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। जीवों का शरीर पांच तत्वों से बना है। और पंच तत्वों की सुरक्षा पर्यावरण की सुरक्षा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि ये पर्यावरण का संरक्षण पूरी मानवता की रक्षा के लिए जरूरी है। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने अपने पैतृक गांव में वृक्षारोपण करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति जंगलों में प्रकृति के बीच पुष्पित पल्लवित और विकसित हुई है। सनातन संस्कृति के व्यवहार संस्कार सभी प्रकृति से जुड़े हैं। सनातन में प्रकृति मां पूजनीय है। कहा कि भारत की सांस्कृतिक सुरक्षा पर्यावरण की सुरक्षा से ही संभव है। प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू ने सरस्वती शिशु मंदिर कूल्ही ओरमांझी में,डॉ प्रदीप वर्मा ने नामकुम में सहित विधायक सीपी सिंह,नवीन जायसवाल,बालमुकुंद सहाय, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।●

''केवल सच'' हिन्दी मासिक पत्रिका के
20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
-: निवेदक :-
स्नेहिल आनंद
प्रखंड विकास पदाधिकारी
शेरघाटी, गया

कार्तिक उरांव पथ के नाम से जाना जायेगा सिरमटोली फ्लाईओवर : मुख्यमंत्री

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के चर्चित सिरम टोली फ्लाईओवर का हुआ उद्घाटन। कार्तिक उरांव पथ के नाम से जाना जायेगा सिरमटोली फ्लाईओवर, हजारों लोगों को मिलेगी जाम से राहत। कुछ गिने चुने आदिवासी संगठनों के विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 5 जून गुरुवार को अचानक सिरमटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन करके सभी को चौंका दिया और रांची वासियों को एक और नया फ्लाईओवर तोफे में मिल गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फ्लाईओवर उद्घाटन के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के विकास की एक और कड़ी जोड़ी गई है । कांटा टोली फ्लाईओवर के बाद सिरम टोली फ्लाईओवर दिया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस फ्लाईओवर से रांची वासियों को और दूसरे प्रदेशों से भी जो आते हैं या दूसरे जिलों से भी आते हैं उन्हें भी सहूलियत मिलेगी और जाम से मुक्ति मिलेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह फ्लाईओवर बाबा कार्तिक उरांव के नाम से जाना जाएगा।

☞ **2.34 किलोमीटर एलविटेड सह आरओबी है: सचिव :**- पथ निर्माण विभाग के सचिव सुनिल कुमार ने कहा कि 5 जून 2025 को रांची के राजेंद्र चौक और मेकॉन होते हुए सिरम टोली तक फ्लाईओवर का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कर दिया और आमजनों के लिए फ्लाईओवर खोल दिया गया है। इस फ्लाईओवर के बनने से सबसे अधिक फायदा उन लोगों को होगा जो हर दिन राजेंद्र चौक के पास 30 मिनट तक जाम में फंसे रहते थे। इस फ्लाईओवर की लंबाई 2.34 किलोमीटर एलविटेड सह आरओबी है। इस परियोजना का उद्देश्य सिरमटोली को मेकॉन से जोड़कर लोगों के सफर को सुगम बनाना है। इस परियोजना पर अगस्त 2022 में काम शुरू हुआ था। इसकी लागत करीब 340 करोड़ रुपए से अधिक है और इसमें और अधिक खर्च बढ़ेगी।

इस फ्लाईओवर की जिम्मेदारी एलएनटी कंपनी को दी गई है।

☞ **आदिवासियों ने नहीं किया विरोध :**- 4 जून को आदिवासी के कुछ गिने चुने संगठनों ने झारखंड बंद बुलाया था और उन्होंने रांची में सिरम टोली फ्लाईओवर का जो रैंप सरना स्थल के पास उतर रहा था, इसका पुरजोर विरोध कुछ महीनो से कर रहे थे , लेकिन 5 जून को जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन फ्लाईओवर उद्घाटन करने की घोषणा किये तो फ्लाईओवर के दूर-दूर तक कोई भी विरोध करने वाले आदिवासी पुरुष महिला नजर नहीं आए और शांतिपूर्ण तरीके से के साथ फ्लाईओवर का उद्घाटन किया गया।

☞ **कार्तिक उरांव के नाम से क्यों रखा गया फ्लाईओवर का नाम :**- बता दे कि लंबे समय से कुछ आदिवासी संगठनों के द्वारा सिरम टोली फ्लाईओवर का विरोध किया जा रहा था। इस विरोध में दिवंगत नेता रहे कार्तिक उरांव की सुपुत्री कांग्रेस की पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने विरोध किया, इन सबका कहना था कि सिरमटोली के पास ऐतिहासिक सरना स्थल है। वहां पर रैंप उतर रहा है जिससे सरना स्थल के रास्ते का चौड़ाई कम हो गया है, जिस कारण से सरहुल पर्व के दौरान दिक्कतें होंगी। हालांकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पष्ट कहा था कि फ्लाईओवर का जो रैंप उतर रहा है उसमें किसी तरह की दिक्कतें नहीं आएगी , बावजूद इसके कुछ लोग राजनीतिक कर रहे थे। लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी उन राजनीतिक करने वालों को एक सटीक जवाब दिया है। अब इस फ्लाईओवर का नाम आदिवासियों के नेता कहे जाने वाले बाबा कार्तिक उरांव के नाम से कर दिया गया है। बाबा कार्तिक उरांव कांग्रेस के बड़े नेता थे, सांसद रहे हैं और उन्होंने भारतीय संसद में लोहरदगा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। वे भारत सरकार के उड्डयन और संचार मंत्री थे। 8 दिसंबर 1981 को नई दिल्ली में उनका निधन हो गया था। जिस सरना स्थल को लेकर विवाद हो रहा था वहां पर सरहुल पूजा की शुरुआत करने में उनकी अहम भूमिका रही है, इसलिए इस फ्लाईओवर का निर्माण भी उन्हीं के नाम से किया जाना आदिवासियों के लिए एक सौगात है।●

पलामू डीआईजी नौशाद आलम ने संभाला पदभार

संगठित अपराधियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई का एलान

पलामू के नए डीआईजी नौशाद आलम ने 29 मई गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व पुलिस के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया। पलामू एसपी रिस्मा रमेशन, एसडीपीओ मणि भूषण प्रसाद और शहर थाना प्रभारी देवबरत पोद्दार ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। डीआईजी नौशाद आलम ने पदभार ग्रहण के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि पलामू प्रमंडल में हालत बदल रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ पुलिस को लगातार सफलता मिल रही है, हाल के दिनों में कई टॉप नक्सली पुलिस मुठभेड़ में मारे गए है। डीआईजी ने कहा कि मुख्य धारा से भटके नक्सली सरकार की आत्मसमर्पण नीति के तहत आत्मसमर्पण कर सरकार की योजनाओं का लाभ लें ताकि समाज में अच्छे से जीवन व्यतीत कर सकें। पुलिस हमेशा मदद के लिए तैयार है। डीआईजी ने यह भी संकेत दिया अब उनके पास लड़ाई लड़ने का रास्ता नहीं है। अगर नक्सली इसी रास्ते पर चलेंगे तो पुलिस कार्रवाई करेगी और वे मारे जाएंगे। डीआईजी ने कहा कि पुलिस अपराधियों पर नकेल कसने में हमेशा तत्पर है। जो भी अपराध की दुनिया से जुड़े हुए हैं वह भी पुलिस की गिरफ्त से दूर नहीं रहेंगे। इस दिशा में लगातार पुलिस की कार्रवाई हो रही है। कई अपराधी पकड़े भी गए हैं और जेल की हवा खा रहे हैं। डीआईजी ने कहा कि पुलिस पब्लिक के साथ अच्छे संबंध बनाकर कार्य करने का प्रयास करेगी। पुलिस के पदाधिकारी हो या जवान, आम लोगों के साथ अच्छे संबंध रखकर उनके हित में कार्य करें। किसी तरह का गलत व्यवहार करने की शिकायत मिलने पर जांच कर वैसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पलामू प्रमंडल के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) नौशाद आलम अंसारी एक संवेदनशील, अनुशासित और जनपक्षधर पुलिस अधिकारी हैं। वे जन-संवेदना को प्राथमिकता देने और पुलिस को जनता के करीब लाने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं। उनका फोकस पुलिस-जन सहयोग, कानून व्यवस्था की मजबूती और संगठित अपराध पर सख्ती से कार्रवाई पर है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और मुख्यधारा में वापसी की पहल उनके कार्य की एक अहम विशेषता है। उनका मानना है कि झारखंड के समग्र विकास के लिए पुलिस, प्रशासन और आम नागरिकों को मिलकर सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। पलामू के नए डीआईजी का पदभार लेने के बाद संवाददाता **ओम प्रकाश** द्वारा पलामू **डीआईजी नौशाद आलम** से किए साक्षात्कार के प्रस्तुत है प्रमुख अंश :-

❖ **पलामू प्रमंडल में आपकी प्राथमिकताएं क्या रहेंगी?**

जनता की समस्याओं का समाधान हमारी पहली प्राथमिकता है। पुलिस को सरल और सौम्य तरीके से काम करना होगा, ताकि पीड़ित ग्रामीणों का विश्वास जीता जा सके।

❖ **पुलिस और आम जनता के बीच दूरी कैसे कम की जाएगी?**

पुलिस को 'पीपुल फ्रेंडली' बनाना होगा। जनता के बीच एक्सेस बढ़े, इसके लिए संवाद, सहयोग और संवेदनशीलता जरूरी है।

❖ **क्या समाज के हर वर्ग को साथ लेने की कोशिश की जाएगी?**

बिल्कुल। समाज में कुछ असामाजिक तत्व होते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो उनसे परेशान हैं। हमें उन्हीं का भरोसा जीतना है।

❖ **लापरवाह पुलिसकर्मियों पर क्या कार्रवाई होगी?**

जो पुलिस अधिकारी कसौटी पर खरे नहीं उतरेंगे, उन पर सख्त कार्रवाई होगी। शिकायत मिलते ही तत्काल कदम उठाए जाएंगे।

❖ **नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को लेकर आपकी क्या रणनीति है?**

मैंने नक्सलियों से अपील की है कि वे सरकार की पुनर्वास योजनाओं का लाभ लें और मुख्यधारा में लौटें। जंगल में रहकर वे अपना और समाज का कोई भला नहीं कर सकते।

❖ **अगर वे नहीं लौटे तो?**

फिर पुलिस की शक्ति से उनका मुकाबला किया जाएगा। लेकिन हमारी कोशिश है कि वे खुद लौटकर समाज में योगदान दें।

❖ **झारखंड के विकास में पुलिस की भूमिका क्या हो सकती है?**

हम सभी झारखंडी हैं। जब तक सब मिलकर काम नहीं करेंगे, झारखंड का विकास संभव नहीं। हर व्यक्ति और संस्था को अपनी भूमिका रेखांकित करनी होगी।

❖ **संगठित अपराध को लेकर क्या विशेष कदम उठाए जाएंगे?**

ऑर्गेनाइज्ड क्राइम के खिलाफ हमारी कार्यवाही तेज होगी। चिन्हित अपराधियों पर फोकस करते हुए कार्रवाई की जाएगी। कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

❖ **क्या यह अभियान लगातार जारी रहेगा?**

हां, संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस का अभियान निरंतर तेज गति से चलता रहेगा।

राजकुमार मेहता ने जामताड़ा एसपी का किया पदभार ग्रहण

● ओम प्रकाश

जामताड़ा के नए पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता ने 28 मई की देर शाम पदभार ग्रहण किया। उन्होंने 21 वें एसपी के रूप में जामताड़ा के निवर्तमान पुलिस अधीक्षक डा० एहतेशाम वकारिब से पदभार लिया। निवर्तमान एसपी डॉ एहतेशाम वकारिब ने वर्तमान एसपी राजकुमार मेहता को पद भार सौंपा। मौके पर नव पदस्थापित एसपी राजकुमार मेहता ने अपराधियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि जिस प्रकार से भारत के नक्शे पर साइबर क्राइम को लेकर जामताड़ा जिला को रेखांकित किया गया है, उसे मिटाने का काम जामताड़ा पुलिस करेगी। अपराधी अपनी मुख्य धारा पर पुनः लौटे अन्यथा उन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला को अपराध मुक्त बनाना मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने आगे कहा कि पूर्व के एसपी ने जिले में अच्छे काम किये हैं। उनसे भी मार्गदर्शन मिलता रहेगा। ये ग्रामीण क्षेत्र का जिला है। यहां के लोगों के साथ पुलिस अच्छा व्यवहार करेगी। जामताड़ा पुलिस जनता के साथ बेहतर संबंध स्थापित कर जिले में अपराध नियंत्रण करने की दिशा में काम करेगी। इस अवसर पर जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी/पुलिस अंचल निरीक्षक तथा शाखा प्रभारी उपस्थित थे। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के बाद जिले के सभी डीएसपी और थानेदारों के साथ मीटिंग की और सभी पुलिस पदाधिकारी से आवश्यक जानकारी लिया।

☞ **रांची में बेहतर रहा कर्यकाल :-** बताते चले कि 10 सितंबर 2023 को नगर पुलिस अधीक्षक रांची के रूप में राजकुमार मेहता ने पदभार संभाला था और 27 मई 2025 तक के लंबे कार्यकाल में उन्होंने तत्परता के साथ कई आपराधिक मामलों का उदभेदन करने में सफलता हासिल की। खासकर हत्या, चेन छीनताई, नशाखोरी, ब्राउन शुगर के खिलाफ भी उन्होंने बेहतर काम किया है, करीब 300 से अधिक नशाखोरों को जेल भेजा, लोकसभा और विधानसभा चुनाव बेहतर तरीके से संपन्न हो, अपने क्षेत्र के करीब बीस से अधिक बदमाशों पर सीसीए एक्ट लगाये और तड़ीपार किये, साइबर जैसे मामले का उदभेदन किया। देह व्यापार का भी खुलासा किया और चालीस से अधिक युवतियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। समाजिक कार्यों के लिए भी उनका हृदय हमेशा से गरीबों, असहाय लोगों के लिए मचलता रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल में 105 ऐसी जरूरतमंद युवतियों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया जो अपने आप में काबिले तारीफ है। जिस दिन उन्होंने अपना पदभार लिया उसी दिन एक बच्ची ने उन्हें फोन पर सूचना दी कि उसके पिताजी की हालत खराब है और उन्हें मदद की जरूरत है। जिसके बाद नगर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता उस बच्ची की मदद के लिए उसके पास पहुंचते हैं और बूटी मोड़ स्थित एक निजी अस्पताल सिनर्जी ग्लोबल में उसके पिता का इलाज करवाते हैं। इसके अलावे भी कई ऐसे लोग हैं जो उन्हें यह बताते थे कि उनके क्षेत्र में आपराधिक छवि के लोग हैं, जो गलत काम एवं बदमाशी कर रहे हैं और लोगों को परेशान कर रहे है। जिसके बाद उनके द्वारा वैसे बदमाशों पर तुरंत कार्रवाई की जाती थी। सबसे बड़ी बात मेकन फ्लाईओवर निर्माण के रैंप को लेकर कुछ आदिवासी समुदायों के द्वारा विरोध किया जा रहा था, सरना स्थल पर रैंप उतारने नहीं दिया जा रहा था, इस पर भी उन्होंने विधि व्यवस्था को बेहतर तरीके से संपन्न कराया और उक्त विवादित स्थल पर रैंप निर्माण कार्य को बेहतर तरीके से संपन्न कराने में अपनी अहम भूमिका निभाई। राजकुमार मेहता ने बताया कि नगर पुलिस अधीक्षक के रूप में मेरे सभी थाना क्षेत्र के थानेदार सब इंस्पेक्टर और डीएसपी का सहयोग रहा। सभी के सहयोग से ही लंबित मामलों का निष्पादन हुआ एवं अपराधियों तक पहुंचने में सफलता मिली। वरीय पुलिस अधीक्षक का मार्गदर्शन भी बहुत सराहनीय रहा जो आगे भी मेरे काम आएगा। अब जामताड़ा में पुलिस अधीक्षक के रूप में काम करेंगे। अपने कार्यकाल में जितने भी केस आए थे लगभग मैंने उस का उद्वेदन करने और गिरफ्तारी करने का काम किया है।

☞ **इनका रहा सबसे लंबा कार्यकाल :-** बता दें कि नगर पुलिस अधीक्षक के रूप में सबसे लंबा कार्यकाल तत्कालीन नगर पुलिस अधीक्षक तदाशा मिश्रा 5/12/ 1997 से 8/6/2000 तक, सौरभ कुमार 23 अक्टूबर 2019 से 6 अप्रैल 2022 तक और राजकुमार मेहता 10/9/2023 से 27/5/2025 तक कार्यकाल रहा।●

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के कांके थाना क्षेत्र में हुए रमेश उरांव हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। जमीन कारोबारी रमेश उरांव की हत्या की पूरी साजिश उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ रची थी। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रमेश की पत्नी सहित तीन को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि राँची के कांके थाना क्षेत्र के सर्वोदय नगर में 19 मई की सुबह रमेश उरांव नाम के जमीन कारोबारी की बड़ी ही बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। रमेश की हत्या के बाद इलाके में स्थानीय लोगों के द्वारा जमकर हंगामा भी किया गया था। जिसे देखते हुए रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने हेडक्वार्टर डीएसपी वन के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर हत्याकांड में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार करने का टास्क दिया गया था। हत्या के करीब 10 दिनों के बाद पुलिस की टीम ने रमेश हत्याकांड की गुत्थी को सुलझा सुलझाई जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। एसएसपी ने बताया कि रमेश हत्याकांड को अवैध संबंध की वजह से अंजाम दिया गया था जिसमें उसकी पत्नी भी शामिल थी। रमेश हत्याकांड की गुत्थी को सुलझाने के लिए गठित टीम ने तकनीकी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर कई जिलों में जैसे रामगढ़, हजारीबाग, चतरा एवं गया (बिहार) में छापामारी की। अनुसंधान के क्रम में कांड में सबसे पहले शाहिद अंसारी को उसके घर से ही गिरफ्तार किया गया। पुलिस को मिले कई टेक्निकल साक्ष्य ने शाहिद अंसारी को शक के घेरे में रखा था। जब शाहिद अंसारी से कड़ाई से पूछताछ की गई तब एक घिनौनी साजिश का पर्दाफाश हुआ। गिरफ्तार अभियुक्त ने घटना में अपनी संलिप्तता को स्वीकार करते हुए बताया कि रमेश उरांव के साथ काफी वर्षों से वह मिल कर जमीन का काम करता था। इस दौरान शाहिद का रमेश के घर प्रायः आना जाना होता था। इसी क्रम में शाहिद अंसारी की रमेश की पत्नी तन्नु लकड़ा से जान पहचान हुई और दोनो के बीच प्रेम हो गया। दोनों अक्सर मोबाइल पर घंटों बात करते रहते थे। इसी दौरान दोनों में शारीरिक संबंध भी बनने लगे। जब इस बात जानकारी रमेश उरांव को हुई तो वह अपनी पत्नी के साथ मारपीट और उसे प्रताड़ित करने लगा। रमेश की प्रताड़ना से तंग आकर उसकी पत्नी ने प्रेमी शाहिद अंसारी के साथ मिलकर रमेश की हत्या की योजना बना डाली। घटना की रात रमेश और उसकी पत्नी सपरिवार अपने बच्चों के मुंडन कार्यक्रम सह रात्रि भोज में सर्वोदय नगर में शामिल होने गए। इस दौरान शाहिद अंसारी रात्रिभोज कार्यक्रम में शामिल रमेश के पल-पल की खबर अपने मित्र सतीश बैठा के माध्यम से ले रहा था, साथ ही शाहिद अंसारी रमेश की पत्नी से भी लगातार फोन के माध्यम से संपर्क में था। वहीं रमेश के कमरे की चाबी भी उसकी पत्नी ने ही शाहिद अंसारी को उपलब्ध करा दी थी। फिर शाहिद अंसारी षडयंत्रपूर्वक रमेश व उसके परिजन के घर पहुँचने तक कमरे में इंतजार करता रहा। इसी बीच रमेश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जैसे ही घर में घुसा, वैसे ही सुनियोजित योजना के तहत पत्नी वॉशरूम चली गई। इधर रमेश जैसे ही अपने कमरे में गया तो शाहिद अंसारी ने दरवाजा खोलते ही रमेश पर चाकू से ताबड़तोड़ कई हमले किए, जिससे रमेश उरांव की मौत हो गई। एसएसपी ने बताया कि हत्याकांड को अंजाम देने के बाद शाहिद सफेद रंग की फोर्ड फिगो वाहन सं0-JH01AU-7636 से ओरमांझी होते हुये हजारीबाग भाग गया तथा वहाँ से गया (बिहार) भाग गया। गिरफ्तार अभियुक्त शाहिद अंसारी के द्वारा दिए गए स्वीकारोक्ति बयान में उसने हत्या की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।उसने हत्या करने का तरीका और सुनियोजित षड्यंत्र को भी विस्तारपूर्वक पुलिस से बताया है, जिसमें मृतक की पत्नी तनु लकड़ा और अभियुक्त शाहिद अंसारी का मित्र सतीश कुमार बैठा की घटना में संलिपत्ता की पुष्टि हुई है। गिरफ्तार अभियुक्त की निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल फोर्ड फिगो वाहन, धारदार चाकू और मोबाइल बरामद कर लिया गया है।●

''केवल सच'' हिन्दी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-: निवेदक :-

चंद्रशेखर कुमार सिंह

डायरेक्टर

गौतम बुद्ध रेजिडेंशियल पब्लिक स्कूल, शेरघाटी, गया

नये ग्रामीण एसपी के पद पर प्रवीन पुष्कर ने किया पदभार ग्रहण

● ओम प्रकाश

रांची के नए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में प्रवीन पुष्कर ने पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध पर नियंत्रण, कानून-व्यवस्था को मजबूत करना और पुलिसिंग को अधिक संवेदनशील बनाना होगा. उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण जनता को सुरक्षा और न्याय मिल सके, यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी होगी। प्रवीन पुष्कर ने अपने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध पर नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध हैं और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वे पुलिसिंग को अधिक संवेदनशील बनाने के लिए भी काम करेंगे, ताकि ग्रामीण जनता को सुरक्षा और न्याय मिल सके। प्रवीन पुष्कर की नियुक्ति के बाद, रांची ग्रामीण पुलिस को नई दिशा मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग में सुधार होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षा और न्याय प्रदान करना उनकी प्राथमिकता होगी।

ग्रामीण क्षेत्र का एरिया काफी बड़ा होता है और कई थाने से कई गांव की दूरी भी बहुत होती है, इन दूरियों के बीच में ग्रामीणों से बेहतर समन्वयी बनाकर अपराध को कंट्रोल करना पहली प्राथमिकता होगी। बता दे कि प्रवीण पुष्कर ने 29 मई गुरुवार को अपना पदभार संभाला। इस मौके पर मुख्यालय वन और मुख्यालय टू डीएसपी एवं कार्यालय के सभी पुलिसकर्मी ने बूके देकर उनका भव्य स्वागत किया। बातचीत में ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने कहा कि पूर्व के पुलिस पदाधिकारी ने भी बेहतर काम किया हैं, जो काम अधूरी रह गई है उन बचे हुए कामों को पूर्ण करना और हर तरह के अपराध को कंट्रोल करना है। रांची के ग्रामीण क्षेत्रों के ग्रामीणों और थाना अन्तर्गत अपराध की स्थिति क्या है, इन सब को लेकर सभी डीएसपी और थाना प्रभारियों के साथ बैठक करेंगे वर्तमान परिस्थितियों से अपडेट होंगे तभी आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में देखने वाली यह भी बात होती है कि कौन-कौन से अपराधी किस तरह के घटनाओं को अंजाम दिया है। कौन-कौन से ऐसे स्थल है जहां पर अपराधी घटनाएं होती हैं, उन स्थलों को चिन्हित करना भी हमारी प्राथमिकता में होगी। इसके अलावा महिलाओं की सुरक्षा, जमीन विवाद को खत्म करना, चोरी, छीनताई, लूट, डकैती ना हो, नक्सलियों के नाम पर लेवी वसूली, रंगदारी जैसी घटनाएं न हो। सभी थानेदार अपने-अपने थाना में जो ग्रामीण शिकायत लेकर आते हैं। उसे पर तुरंत संज्ञान ले ताकि उन्हें मायूस ना होना पड़े और पुलिस प्रशासन पर विश्वास बढ़े। ●

कौन है प्रवीण पुष्कर

प्रवीण पुष्कर 2020 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। वे बिहार के सुपौल के रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी पढ़ाई धनबाद आईएसएम से पूरी की उसके बाद आईपीएस की तैयारी की और सफलता हासिल होने के बाद पहली पोस्टिंग परीक्ष्यमान के रूप में एएसपी जमशेदपुर रहे, इसके बाद कोडरमा एसडीपीओ बनाया गये, फिर जमशेदपुर के रेल एसपी में अपना योगदान दिए और इस दौरान उन्होंने काफी सराहनीय कार्य किया। 27 मई 2025 को रांची ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के रूप में उनका पदस्थापन किया गया, 29 मई 2025 को उन्होंने अपना प्रभार लिया। प्रवीण पुष्कर की नियुक्ति से रांची ग्रामीण पुलिस को नई दिशा मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिसिंग में सुधार होगा। उनकी प्राथमिकता होगी कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षा और न्याय प्रदान किया जाए।

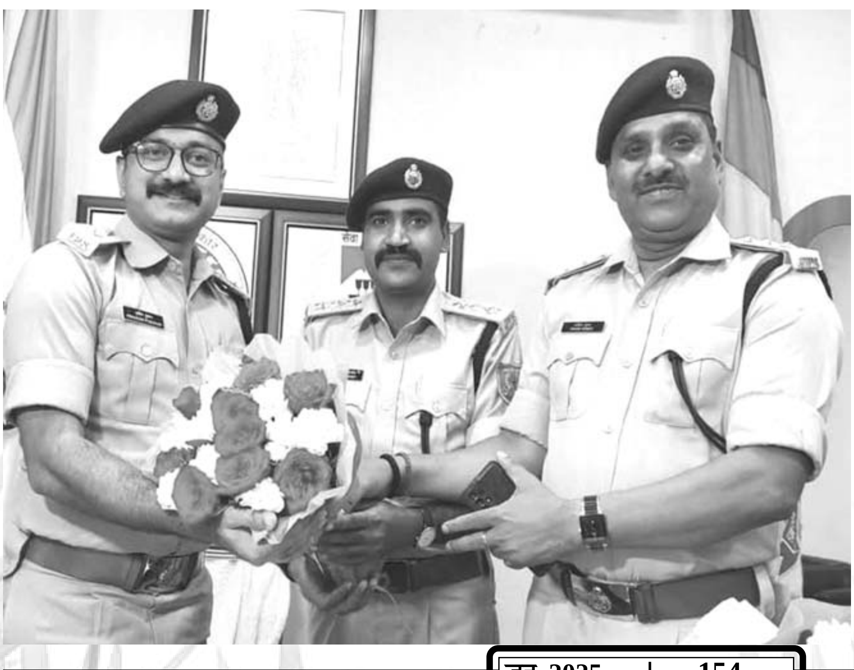

बंधना उरांव हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

● ओम प्रकाश

राजस्थानी रांची के रातू थाना क्षेत्र स्थित बांधलता टोंगरी में छह दिन पहले बुजुर्ग बंधना उरांव की पत्थर से कूचकर हत्या किए जाने की गुत्थी राँची पुलिस ने सुलझा ली है। जमीन दलालों ने अपराधियों को छह लाख की सुपारी देने का वादा कर हत्या की वारदात को अंजाम दिलाया है। पुलिस ने जमीन दलाल समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में रातू के छोटू कच्छप, अघनु मुंडा उर्फ अघनु नगड़ूवार, लोहरदगा का अमन लकड़ा उर्फ अनीश उरांव उर्फ लंबू और कैलाश उरांव शामिल हैं। मामले का खुलासा करते हुए ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि 31 मई की शाम में बंधना उरांव (65 वर्ष) अपने भगीना सोमरा उरांव से मिलने के लिए बांधलता टोंगरी जाने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक जब वह घर नहीं लौटे तो परिजन उनकी खोजबीन की। मगर, उनका कुछ पता नहीं चला। एक जून की सुबह उनका शव बांधलता गांव से बरामद किया गया। उनकी पत्नी के बयान पर रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले का खुलासा करने के लिए डीएसपी मुख्यालय टू अरविंद कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर सभी अपराधियों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि बंधना उरांव की रातू इलाके में एक जमीन है। डेढ़ एकड़ जमीन का सौदा छोटू कच्छप और अघनु मुंडा ने किया। इस एवज में बंधना उरांव को 2.30 लाख रुपए दिया। दोनों के बीच एग्रीमेंट भी हुआ। शेष राशि बाद में देने की बात कही गई। लेकिन, दोनों राशि दिए बिना उस भूमि पर काम लगा दिया, जिसे बंधना उरांव ने रुकवा दिया। कहा कि जब तक शेष राशि का भुगतान नहीं होता, तब तक वे काम नहीं करने देंगे। इसके बाद आरोपी छोटू और अघनु ने बधना उरांव को रास्ते से हटाने की योजना बनायी। इसके लिए लोहरदगा के बिजवाली निवासी अपराधी अमन व कैलाश से संपर्क किया। हत्या के एवज में छह लाख रुपए सुपारी देने का वादा किया। एडवांस के तौर पर दोनों को दस हजार रुपए छोटू ने दिया। कहा कि शेष राशि काम होने के बाद दिया जाएगा। आरोपी छोटू ने सभी को 31 मई की रात अपने घर बुलाकर बैठक की। इसी दौरान बंधना को भी छोटू ने फोन कर अपने घर बुलाया। दोनों के बीच बातचीत भी हुई। छोटू के घर से लौटने के क्रम में अपराधियों ने बांधलता गांव के पास बंधना को रोका। फिर अमन लकड़ा एवं कैलाश उरांव ने बंधना का गला दबाने के बाद पत्थर से कूचकर उसकी हत्या कर दी। इस घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गए। वहीं ग्रामीण एसपी ने आगे बताया कि अमन कुख्यात अपराधी है। उस पर लोहरदगा के पुसो, सिसई, भंडरा और कुडू थाना में हत्या, लूटपाट समेत अन्य मामले दर्ज हैं। वह कई बार जेल भी जा चुका है।●

छापामारी दल का विवरण :-

☞ श्री अरविन्द कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) द्वितीय रॉची।
☞ श्री राम नारायण सिंह, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी, रातू रॉची।
☞ प्रियंका कुमारी, पुलिस अवर निरीक्षक, रातू थाना रॉची।
☞ संतोष यादव, पुलिस अवर निरीक्षक, रातू थाना रॉची।
☞ नवीन शर्मा, पुलिस अवर निरीक्षक, रातू थाना रॉची।
☞ अनुरंजन कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रातू थाना रॉची।
☞ छोटू कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रातू थाना रॉची।
☞ विशेश्वर कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रातू थाना रॉची ।
☞ अनुप कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक रातू थाना रॉची।
☞ सुनिल कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक रातू थाना, राँची ।
☞ मंटू कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक रातू थाना, राँची ।
☞ बलेन्द्र यादव, सहायक अवर निरीक्षक, तकनिकी शाखा, राँची ।
☞ सशस्त्र बल, चालक रातू थाना राँची ।

''केवल सच'' हिन्दी मासिक पत्रिका के 20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
-: निवेदक :-
नरेंद्र कुमार सिंह
प्राचार्य
एस. एम. एस. जी. कॉलेज, शेरघाटी, गया

दुष्कर्म मामले में दो अभियुक्तों को भेजा गया जेल

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के चान्हो थाना क्षेत्र के चौड़ा गांव स्थित जंगल में गुमला की नाबालिग लड़की से गैंगरेप किए जाने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। इस मामले में रातू पुलिस ने रातू के विनय कुमार साव और बसंत कुमार उर्फ बसंत साव को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने ऑटो और बाइक भी बरामद की है। पुलिस उप महानिरीक्षक सह वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि रातु थाना अतर्गत ग्राम- मुरगु स्थित मंत्री होटल के पास एक 16-17 वर्ष की लड़की उपस्थित है, जिसके साथ कुछ आपराधिक घटना घटित होने की बात बताई गई है। जिसके बाद इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण को दी गयी। तत्काल कार्रवाई हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। तदोपरांत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक (मु०) द्वितीय के नेतृत्व में रातु थाना पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाई करते हुए उक्त लड़की को रातु थाना लाया गया तथा रातु थाना में पदस्थापित महिला पुलिस पदाधिकारी के द्वारा उसके साथ घटित घटना के संबंध में फर्दब्यान लेते हुए प्रासंगिक कांड अंकित किया गया, फर्दब्यान में पीड़िता के द्वारा बताया गया कि 30.05.25 को वह अपने गाँव से दिल्ली जाने के लिए निकली थी तथा ट्रेन पकड़ने के लिए हटिया स्टेशन पहुँची थी। परन्तु माँ के मना करने पर दिल्ली का ट्रेन न लेकर वापस अपने घर गुमला जाने के लिए किराए का ऑटो लेकर गुमला का बस पकड़ने लालगुटवा के लिए निकली थी। इसी क्रम में उक्त ऑटो चालक के द्वारा पीड़िता को लालगुटवा न ले जाकर उसे झाँसे में लेकर सीधे उसके घर गुमला पहुँचा देने की बात कहकर रातु, ठाकुरगाँव, बुढ़मु होते हुए राय ले जाया गया तथा जहाँ से अपने एक अन्य साथी को लेकर पुनः रातु मांडर, विजुपाड़ा होते हुए चान्हों थाना अंतर्गत चौड़ा गाँव के जंगल में ले जाकर जबरन बलात्कार की घटना कारित की गई। रातु थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम- मुरगु स्थित मंत्री होटल में लाकर पीड़िता को छोड़कर भाग गए। वरीय पदाधिकारी के निकट मार्गदर्शन में कांड का त्वरित अनुसंधान करते हुए तकनिकी शाखा के सहयोग से कांड में संलिप्त दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। तथा घटना में प्रयुक्त वाहनों को भी बरामद कर लिया गया है।●

☆ गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-

☞ विनय कुमार साव ग्राम-सोपारम, थाना-टंडवा, जिला-चतरा, वर्तमान पता-कृष्णा नगर (देवनगर), चटकपुर थाना रातु, जिला राँची।

☞ बसंत कुमार उर्फ बसंत कुमार साव, बुंडु थाना-केरेडारी, जिला-हजारीबाग, वर्तमान पता-एरॉन वाटिका मैरेज हॉल, ग्राम-हुरहुरी, थाना रातु, जिला-राँची।

☆ बरामद/जप्त सामानो का विवरण :-

☞ घटना में प्रयुक्त ऑटो (टेम्पु) रजि० नं0-ज जेएच01ईएफ8404 ।

☞ पल्सर मोटरसाइकिल रजि० नं0-जेएच01 जेड 0967 ।

☞ घटना में शामिल दोनों अभियुक्त का एन्ड्रॉयड मोबाईल फोन ।

☆ छापामारी दल में शामिल पदाधिकारी :-

☞ पुलिस उपाधीक्षक मु0-2 राँची अरविन्द कुमार ।

☞ पु०नि० सह थाना प्रभारी रातु, राम नारायण सिंह।

☞ पु०अ०नि० प्रियंका कुमारी, रातु थाना।

☞ पु०अ०नि० नवीन शर्मा, रातु थाना।

☞ पु०अ०नि० संतोष यादव, रातु थाना।

☞ पु०अ०नि० अनुप कुमार, रातु थाना।

☞ पु०अ०नि० विश्वेश्वर कुमार, रातु थाना।

☞ पु०अ०नि० अनुरंजन कुमार, रातु थाना।

विवाहित महिला की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा

राजधानी रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित बसीला गांव में अनवरी खातून नामक महिला की गला रेतकर हत्या किए जाने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। मामले में पुलिस ने पति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पति महबूब अंसारी, देवर सहबूब अंसारी और सौतन गजाला परवीन शामिल हैं। मामले का खुलासा करते हुए राँची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि आरोपी महबूब अंसारी ने दो शादी की थी। इस वजह से महबूब से पहली पत्नी का काफी दिनों से विवाद चल रहा था। तीन महीने पहले समझौता होने के बाद महबूब और उसकी दोनों पत्नियां साथ एक ही घर में रह रही थीं। तीन जून की रात दूसरी पत्नी गजाला के साथ अनवरी का विवाद हुआ। इसके बाद पति, देवर सहबूब और सौतन गलाजा ने अनवरी की गला रेतकर हत्या कर दी। इस घटना को अंजाम देकर पूरा परिवार मौके से फरार हो गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद अनवरी के मायके वाले बेटी के ससुराल पहुंचे। इस मामले में पिता जिब्राइल अंसारी के बयान पर महबूब, सहबूब, मकसूद, मुमताज और गजाला परवीन के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन की। इसके बाद नामजद आरोपियों में से तीन को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार किया। ● **रिपोर्ट :- ओम प्रकाश**

टीएसपीसी के दो सक्रिय सदस्य हथियार के साथ गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

जिले के बुढ़मू इलाके से प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के दो सक्रिय सदस्यों को राँची पुलिस ने हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी बुढ़मू और बड़कागांव थाना क्षेत्र की सीमा से हुई है। गिरफ्तारी में मुख्य आरोपी सुमित लहरी, जो पहले भी उग्रवादी गतिविधियों में जेल जा चुका था, शामिल है। बुढ़मू और बड़कागांव थाना सीमा पर बिंजा ग्राम से घायल अवस्था में सुमित लहरी को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर उसके साथी मनु सिंह उर्फ अभिमन्यु को भी गिरफ्तार किया गया है। मौके से मनु के पास से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक चिड़िया मारने वाला हथियार भी बरामद किया गया है। पुलिस उप महानिरीक्षक सह वरीय पुलिस अधीक्षक राँची चंदन सिन्हा ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि टीएसपीसी का सक्रिय सदस्य सुमित लहरी बुढ़मू एवं बड़कागांव थाना के सिमावर्ती क्षेत्र में छूप कर अपने पैर का ईलाज करा रहा है। उक्त सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राँची प्रवीण पुष्कर के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक खलारी रामनारायन चौधरी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए बुढ़मू एवं बड़कागांव थाना के सिमावर्ती क्षेत्र ग्राम बिंजा से सुमित लहरी, हेन्देगीर रेलवे स्टेशन के पास, थाना केरेडारी, जिला हजारीबाग को टीएसपीसी का पर्चा के साथ घायल अवस्था में (दाहिने पैर पर प्लास्टर चढ़ा हुआ) पकड़ा गया। सुमित लहरी की निशानदेही पर ग्राम बिंजा के ही मनु सिंह उर्फ अभिमन्यु को एक पिस्टल, दो जिंदा गोली एवं एक चिड़िया मारने वाला हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। सुमित लहरी वर्ष 2024 में बुढ़मू थाना से जेल गया था। तदोपरांत पुनः जेल से बाहर निकलकर टीएसपीसी के एरिया कमाण्डर दिवाकर गंझू के साथ पार्टी में शामिल हो कर उग्रवादी घटना को अंजाम देने लगा। इनके विरूद्ध गोली मारकर हत्या करने, रंगदारी माँगने, गाड़ियों में आग लगाने एवं तोड़फोड़ करने तथा गोली चला कर दहशत फैलाने से संबंधित कई कांड दर्ज है। एरिया कमांडर दिवाकर गंझू के जेल जाने के उपरांत यह ग्राम हेन्देगीर, बिंजा, छापर, उरीमारी, बड़कागांव, पतरातु इत्यादि इलाके में ताबड़तोड़ कई उग्रवादी घटना को अंजाम दिया ताकी पार्टी इसे एरिया कमाण्डर बना दे।●

✯ **छापामारी में जप्त सामानो की विवरणी** :- एक पिस्टल, 7.65 एम०एम० का दो जिंदा गोली, एक चिड़िया मारने वाला हथियार, तीन पीस टी०एस०पी०सी० का पर्चा,दो मोबाईल फोन जब्त किया गया।

✯ **छापामारी दल के सदस्य** :-

☞ पु०उपा० खलारी, रामनारायण चौधरी।

☞ पु०अ०नि० रितेश कुमार महतो थाना प्रभारी बुढ़मू थाना, राँची।

☞ पु०अ०नि० प्रभाष कुमार रवानी, बुढ़मू थाना एवं बुढ़मू थाना सशस्त्र बल शामिल थे।

मुंशी का अपहरण कर मांगी गई फिरौती

● **ओम प्रकाश**

पद्धौर थाना क्षेत्र के द्वारी गांव में बलबल नदी पर निर्माणाधीन पुल के कार्यस्थल से मुंशी धर्मेंद्र गुप्ता का अपहरण कर फिरौती मांगे जाने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देश पर गठित विशेष अनुसंधान दल (SIT) ने महज 48 घंटे में अपहरण कांड का पर्दाफाश करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। टीम ने उनके पास से 9.05 लाख नकद, हथियार, तीन बाइक, आठ मोबाइल और लूटा गया सामान भी बरामद किया है। यह घटना 31 मई की रात घटी थी, जब अज्ञात अपराधियों ने निर्माण स्थल पर मजदूरों के साथ मारपीट करते हुए मुंशी का अपहरण कर लिया था। वारदात के दौरान अपराधी एक मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और सीसीटीवी का डीवीआर भी लूटकर फरार हो गए थे। एसपी सुमित अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया शुभम खंडेलवाल (IPS) के नेतृत्व में SIT का गठन किया था। टीम ने तकनीकी अनुसंधान के सहारे अपहरण की साजिश का भंडाफोड़ करते हुए चार कुख्यात रामेश्वर कमार उर्फ रमाकांत, दीपक यादव, राजन यादव उर्फ टार्जन और सुभान अंसारी को गिरफ्तार किया। इनमें से दो अपराधियों पर विभिन्न जिलों के कई थानों में हत्या, लूट, अपहरण, आर्म्स एक्ट समेत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज हैं। एसपी अग्रवाल ने रविवार को देर शाम समाहरणालय स्थित कार्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से एक देशी कट्टा, दो कारतूस, योजना संबंधी डायरी, मोबाइल, बाइक व अन्य सामान बरामद किए गए हैं। उन्होंने सभी व्यवसायियों व ठेकेदारों से अपील की कि किसी भी प्रकार की धमकी या रंगदारी के मामले में तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने कहा कि चतरा पुलिस अपराध के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए है। फरार अपराधियों की तलाश में लगातार छापेमारी जारी है और किसी भी सूरत में उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इस सफल कार्रवाई में SIT के साथ डीएसपी वसीम रजा, इंस्पेक्टर अनिल उरांव, थाना प्रभारी कुमार गौतम, अनुसंधानकर्ता अशोक पांडेय और तकनीकी शाखा की टीम भी शामिल थे।●

नक्सली के नाम पर लेवी मांगने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र में पुल निर्माण कार्य में लगे कर्मियों से लेवी मांगने वाले दो अपराधी को नामकुम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल दो अपराधी सुखलाल मुंडा और सुखराम भेंगराज को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नामकुम थाना कांड संख्या 166/25, दिनांक 22.05.2025 के तहत बीएनएस की धारा 308(3), 308(4) और 17 सीएलए एक्ट के अंतर्गत की गई। पुलिस के अनुसार, वादी द्वारा दर्ज कराए गए शिकायत में बताया गया था कि गरुडपीढ़ी स्थित पुल निर्माण स्थल पर डब्ब संगठन के नाम पर लेवी मांगी गई। मुंशी को एक पर्चा दिया गया और काम बंद करने की धमकी दी गई। साथ ही, अलग-अलग मोबाइल नंबरों से ठेकेदार को फोन कर लेवी की मांग की गई और नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने पहले शिवा पाहन के घर से धमकी देने में प्रयुक्त मोबाइल जब्त किया, जो पूर्व में भी उग्रवादी मामलों में जेल जा चुका है। इसके बाद तकनीकी शाखा, रांची की सहायता से दो अन्य आरोपियों- सुखलाल मुंडा (उम्र 29 वर्ष, निवासी सरेंगडीह, सोनाहातु) और सुखराम भेंगराज (उम्र 32 वर्ष, निवासी मइलबुरु, सायको, जिला खूंटी) को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त एक आईटेल कंपनी का मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें-पल्सर (JH02AK 5851) और अपाचे (JH01CN4181) बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि इस घटना में शामिल है और साथ ही अपने अन्य सात साथियों के नाम उजागर किए,

जिनमें से कुछ का 17 सीएलए एक्ट के तहत आपराधिक इतिहास रहा है। इसके अतिरिक्त, इन अभियुक्तों ने खूंटी जिले के अड़की थाना क्षेत्र अंतर्गत बेड़ाहातु में बन रहे एक अन्य पुल के ठेकेदार को भी लेवी के लिए धमकी देने और पर्चा चिपकाने की बात कबूल की है। इस संबंध में अड़की थाना कांड संख्या 37/25 दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। इस सम्बंध में रांची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि नामकुम थाना क्षेत्र के गरुड़पीढी स्थित पुल निर्माण स्थल पर नक्सली के नाम पर लेवी देने के किए पार्टी का पर्चा मुंशी को दिया गया और काम बंद करने की धमकी दी गयी। साथ ही अलग-अलग मोबाइल नंबर से ठेकेदार को लेवी देने के लिए धमकी दी गई, नहीं देने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी गयी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।●

✯ टीम मे शामिल पुलिस पदाधिकारी :-

☞ पु०नि० सह थाना प्रभारी, नामकुम, मनोज कुमार।
☞ पु०अ०नि० गौतम कुमार।
☞ पु०अ०नि रंजीत कुमार।
☞ पु०अ०निशशिरंजन।
☞ पु०अ०नि० जयदेव कुमार सराक।
☞ थाना रिजर्व गार्ड।

हथियार खरीद-बिक्री करते पांच अपराधी गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची के पंडरा ओपी क्षेत्र में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस ने छापेमारी कर हथियार खरीद बिक्री करने वाले गिरोह के पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हेहल अंचल के पीछे अपराधियों द्वारा अवैध हथियार की खरीद-बिक्री की मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए पांच अपराधियों को देसी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस सम्बंध में डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में अवैध हथियारों की तस्करी होने वाली है। सूचना मिलते ही एसएसपी के निर्देश पर उन्होंने पंडरा पुलिस के साथ छापेमारी की। जहां पांच संदिग्धों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान हर्ष कुमार विश्वकर्मा रवि स्टील श्रीनगर

कॉलोनी रातू, अनुज महतो कमड़े, अंकुर कुमार सिंह कमड़े, अभिषेक कुमार उर्फ सन्नी पंडरा और मंतोष कुमार उर्फ पैन्डी पंडरा विजय पथ कॉलोनी के रूप में की गई है। डीएसपी प्रकाश ने बताया कि छापेमारी के दौरान एक देसी कट्टा और दो जिंदा गोली मौके से बरामद की गई हैं। इस संबंध में सुखदेवनगर थाना (पंडरा ओपी) आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री के नेटवर्क पर एक बड़ा प्रहार है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से हुई पूछताछ में मिली अहम जानकारी के बाद आगे की कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। डीएसपी का कहना है कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि शहर में अपराधियों के मंसूबों को नाकाम कर उन्हें जेल के सलाखों के पीछे पहुंचाया जा सके।●

पुलिसकर्मियों ने राजकुमार मेहता व सुमित अग्रवाल को दी विदाई

● ओम प्रकाश

पूर्व नगर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल की विदाई और नगर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार व ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर का स्वागत रांची जिला के पुलिस कर्मियों द्वारा करमटोली स्थित सेलिब्रेशन बैंकवेट में भव्य तरीके से विदाई सह स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। देर रात तक आयोजित कार्यक्रम में जामताड़ा के नव पदस्थापित पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता व चतरा पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल ने रांची में अपने कार्यकाल के दौरान के अनुभवों को साझा किया। साथ ही एसडीएम उत्कर्ष और लॉ एंड आर्डर राजेश्वर नाथ आलोक ने भी आईपीएस अधिकारियों के साथ विरोध व धरना प्रदर्शन, बंदी पर्व त्योहार के दौरान संयुक्त रूप से किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला। नगर पुलिस अधीक्षक अजीत,ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर ने भी अपनी बातों को रखा। वहीं बरियातु थाना प्रभारी मनोज ने अपनी बातों से थाना प्रभारी की जिम्मेदारियों और वरीय पुलिस पदाधिकारियों व जनता के बीच कैसे समन्वय स्थापित करके काम करना है इसे व्यंग्यात्मक रुप से रखा जिस पर खुब तालिया बजी। वहीं मंच संचालन कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत ने की। सभी वरीय पुलिस पदाधिकारियों को माला पहना कर, शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। डीएसपी के वी रमन ने पूर्व पुलिस अधीक्षक रांची को

बूके देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद ने नगर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मेहता को और डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद ने ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को भगवान् बिरसा मुंडा का प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान कई पल भावुक करने वाला भी रहा। मौके पर नगर पुलिस अधीक्षक रांची रहे राजकुमार मेहता , ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल, नव पदस्थापित नगर पुलिस अधीक्षक रांची अजीत कुमार, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, एसडीएम उत्कर्ष कुमार , लॉ एंड ऑर्डर राजेश्वर नाथ आलोक, एएसपी श्रीराम समद, लालपुर थाना प्रभारी रुपेश, लोअर बाजार दयानंद, कोतवाली थाना प्रभारी आदिकांत, टाटीशिलवे रंजीत सिन्हा, डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद, अरगोड़ा थाना प्रभारी आलोक, हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी सुनील, सुखदेव नगर थाना प्रभारी मनोज, कांके थाना प्रभारी प्रकाश रजक, हटिया डीएसपी प्रमोद मिश्रा, कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोंय, सदर थाना डीएसपी संजीव बेसरा, सिटी डीएसपी केवी रमन, डीएसपी मु वन अमर पांडेय, डीएसपी मु.टू अरविंद, यातायात डीएसपी प्रमोद केशरी, बीआईटी मेसरा प्रभारी संजीव, खादगढ़ा टीओपी प्रभारी दीवाकर, एसआई भीम सिंह, रवि सहित कई पुलिस कर्मियों ने हिस्सा लिया।●

दो जमीन कारोबारी को अवैध हथियार खरीदते दबोचा

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में दो जमीन कारोबारी को अवैध हथियार खरीदना भारी पड़ा। दोनों जमीन के धंधे में अपना वर्चस्व कायम करने के लिए हथियार खरीद रहे थे, तभी पुलिस की टीम वहां पहुंच गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मौके से पुलिस ने तीन हथियार भी बरामद किए हैं। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में बताया कि कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए को गुप्त जानकारी मिली थी कि राँची के सुखदेवनगर थाना अन्तर्गत पहाड़ी मंदिर के पास अवैध हथियार की खरीद बिक्री करने के लिये कुछ लोग आने वाले हैं। सूचना के आलोक में सिटी एसपी ने डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित छापामारी टीम के द्वारा पहाड़ी मंदिर के पास संदिग्ध अवस्था में दो व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गये व्यक्ति का नाम पूछने पर उन्होंने अपना नाम अनिल गाड़ी और आकाश मिर्धा बताया। पकड़े गये व्यक्ति अनिल गाड़ी एवं आकाश मिर्धा की जब तलाशी ली गई तो अनिल गाड़ी के पास से लोहे का बना

एक पिस्टल, मैगजीन और एक मिसफायर गोली मिला। साथ ही लोहे का बट पर लकड़ी लगा हुआ एक देशी कट्टा जिसके उपर तार लपेटा हुआ था, बरामद किया गया। वहीं आकाश मिर्धा की तलाशी लेने पर उनके पास से भी एक लोहे का बना पिस्टल बरामद किया गया। दोनों के पास से कुल 04 जिन्दा कारतूस भी बरामद किया गया है। गिरफ्तारी के बाद विधिवत जब्ती सूची बनाकर हथियार को जब्त किया गया है। गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्ति अनिल गाड़ी और आकाश मिर्धा से अवैध हथियार के बारे में पूछताछ करने पर दोनों के द्वारा बताया गया कि उन्होंने आकाश कुमार वर्मा और संदीप कुमार से हथियार की खरीदारी की थी। दोनों अभियुक्तों ने बताया कि वे दोनों कांके क्षेत्र में जमीन का कारोबार करते हैं। इसलिये ये दोनों हथियार और 30 गोली की व्यवस्था करने के लिए पहाड़ी मंदिर के पास पहुंचे थे। दोनों जमीन के धंधे पर अपना वर्चस्व कायम करने के लिए अवैध हथियार खरीदने के लिए पहुंचे थे। दोनों के विरुद्ध सुखदेवनगर थाना में कांड संख्या-298/25, दिनांक-07.06. 2025, धारा-25 (1-B)a/25 (1-8)e/25 (6)/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत कांड दर्ज किया गया है।●

ठगी करते चार साइबर अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

● ओम प्रकाश

झारखण्ड की जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराधियों के खिलाफ छापेमारी कर 04 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी को जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र में स्थित जंगल से गिरफ्तार किया है। जहाँ बैठकर सभी साइबर ठगी की घटना को अंजाम दे रहे थे। पुलिस की इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में मोबाइल फोन, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड और अन्य चीजें बरामद हुई। बताया गया कि साइबर अपराधियों के बारे में जामताड़ा पुलिस अधीक्षक राज कुमार मेहता को सूचना मिली थी। जिसके बाद एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर अपराधियों के खिलाफ छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में 04 साईबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। पलिस के मुताबिक, गिरफ्तार अपराधियों के पास से 13 मोबाइल फोन, 28 सिम कार्ड, 05 एटीएम कार्ड सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। जामताड़ा पुलिस की यह कार्रवाई साइबर अपराधियों पर बड़ी चोट मानी जा रही है। इस सम्बंध में जामताड़ा के पुलिस अधीक्षक राज कुमार मेहता ने प्रेसवार्ता में बताया कि साइबर अपराधियों के सम्बंध में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद इंस्पेक्टर बिहारी मराण्डी के नेतृत्व में एक टीम गठित कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। गठित पुलिस टीम ने नारायणपुर थानान्तर्गत ग्राम मोहनपुर (बथानटाँड़) स्थित जंगल के पास साईबर अपराधियों के विरुद्ध छापामारी कर साईबर अपराध कारित

करते हुए साईबर अपराधकर्मी (1) सलाउद्दीन अंसारी, उम्र 20 वर्ष, पिता जमरूद्दीन मियाँ, ग्राम अमराटांड़, (2) इमतियाज फेजी, उन्न 18 वर्ष, पिता मनिरूद्दीन मियाँ, ग्राम फोफनाद दोनों थाना करमाटौंड़, (3) समसुद्दीन शेख, उम्र 46 वर्ष, पिता मरहूम नासिर शेख, (4) शेख मुजाहिद हुसैन, उम्र 19 वर्ष, पिता समसुद्दीन शेख दोनों ग्राम महतोडीह, थाना नारायणपुर सभी जिला जामताड़ा को फर्जी मोबाईल, सिम, ए०टी०एम० कार्ड, पासबुक, चेकबुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड के साथ पकड़ा गया। इस संबंध में इनके विरुद्ध जामताड़ा साईबर अपराध थाना कांड संख्या 43/25, दिनांक 04.06.2025, ERT 111(2) (b)/317 (2)/317 (5)/318(4)/319(2)/336(3)/338/340 (2)/3 (5) B-N-2 2023-66 (B) (C) (D) IT-ACT - 42 (3) (e) TELECOMMUNICATIONS ACT 2023. के अंतर्गत कांड दर्ज किया गया है। जिसके बाद गिरफ्तार सभी अभियुक्तों जेल भेज दिया गया। वहीं जामताड़ा एसपी राज कुमार मेहता ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के CREDIT/DEBIT CARD में KYC अपडेट कराने की बात बताकर एवं लोगों को झांसा में लेकर उनके मोबाईल पर APK FILE भेजकर तथा उनके मोबाईल में APK FILE डाउनलोड करवाकर उनके सारी बैंक की गोपनीय जानकारी प्राप्त कर साईबर ठगी करते थे। इन सभी ने पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और असम के लोगों को झांसे में लेकर ठगी करने की बात स्वीकार किया है।●

24 घंटे के अंदर साइबर अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची में क्रेडिट कार्ड के नाम पर ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को राँची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साइबर अपराधी की गिरफ्तारी देवघर जिले से हुई है। पुलिस ने इसके पास से पैनासोनिक कम्पनी का 1.5 टन एसी, सैमसंग कम्पनी का 246 लिटर फ्रीज और अभियुक्त के पास से दो व्व्व्व कम्पनी का मोबाईल बरामद किया है। एसएसपी ने बताया कि 24 घंटे के अंदर एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार करना बड़ी कामयाबी है। साइबर थाना की टेक्निकल टीम के सहयोग से न सिर्फ अपराधी को गिरफ्तार किया गया, बल्कि उसके द्वारा ठगी के पैसे से खरीदे गए सभी सामान भी जब्त कर लिए गए हैं। एसएसपी ने बताया कि 28 अप्रैल को राँची के साइबर थाने में सूरज नाम के एक व्यक्ति ने आवेदन देकर बताया कि आरबीएल क्रेडिट कार्ड का चार्ज कटने के नाम पर एक व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर लिंक और एपीके फाइल भेजकर उनके क्रेडिट कार्ड से कुल 1,08,479 रुपये की अवैध निकासी कर एक कमर्शियल वेबसाइट से कई कीमती सामान ऑर्डर किया है। आवेदन मिलने के बाद साइबर अपराध थाना में आईटी एक्ट के अंतर्गत कांड दर्ज किया गया। मामले की

जानकारी एसएसपी को भी दी गई। जिसके बाद एसएसपी के निर्देशानुसार एसआईटी गठित की गई।

अनुसंधान के क्रम में साइबर अपराध थाना राँची से प्राप्त तकनीकी डेटा के आधार मालूम हुआ कि पीड़ित के क्रेडिट कार्ड से साइबर ठगी की गई राशि का उपयोग कर 1.5 टन का एसी, 246 लीटर का फ्रीज और मोबाइल फोन आर्डर किया गया है। सामान की डिलीवर करने के लिए जो एड्रेस दिया गया था, जब उसकी जांच की गई तो वह झारखण्ड के देवघर जिले का निकला। जिसके बाद पुलिस की टीम देवघर पहुंच गई और वहां जैसे ही डिलीवरी का सभी सामान पहुंचा मौके से रंगेहाथ साइबर अपराधी अजय को गिरफ्तार कर लिया। मौके से साइबर ठगी के पैसे से एमेजॉन के माध्यम से आर्डर किए गए पार्सल एसी और फ्रीज को बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी अजय कुमार ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि वह एपीके फाइल भेजकर साइबर ठगी करता था। इस काम में उसके कुछ सहयोगी भी शामिल हैं। ठगी की गई राशि से ऑनलाइन सामान ऑर्डर कर मंगा लेता था। कभी-कभी ठगी के पैसे को अन्य साइबर अपराधियों के बैंक खाते में प्राप्त कर कैश के रूप में ले लेता था।●

ब्राउन शुगर का धंधा करने वाले बाप-बेटे गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

रांची पुलिस को नशा विरोधी अभियान में एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चुटिया थाना क्षेत्र के कृष्णापुरी इलाके में छापेमारी कर दो अपराधियों को ब्राउन शुगर की बिक्री करते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। दोनों बाप–बेटे हैं। गिरफ्तार आरोपियों में राधेश्याम साव (उम्र 19 वर्ष) और उसका पिता रामबाबू साव (उम्र 39 वर्ष) शामिल हैं, जो कृष्णापुरी रोड नंबर 02, थाना चुटिया के निवासी हैं। इनके पास से पुलिस ने करीब 16.50 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया है। नगर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार ने पत्रकारों को बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची को कृष्णापुरी चुटिया में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री होने के सबंध में प्राप्त गुप्त सूचना मिली थी। उनके दिए आदेशानुसार पुलिस उपाधीक्षक नगर, राँची के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा छापामारी कराया गया जिसमें दो की गिरफ्तारी हुई है। रिश्ते में दोनों बाप बेटे है और ब्राउन शुगर का धंधा करते है।

✯ छापामारी दल में शामिल अधिकारी :-

☞ कुमार वेंकटेश्वर रमण, वरीय पुलिस उपाधीक्षक (नगर), रांची
☞ लक्ष्मीकांत, थाना प्रभारी, चुटिया
☞ जितेंद्र मिश्र, अवर निरीक्षक, चुटिया थाना
☞ निरंजन कुमार महतो, चुटिया थाना
☞ आरक्षी गणेश कुमार सिंह
☞ आरक्षी गोपीकांत रजक
☞ एवं साथ सशस्त्र बल के सदस्य

पुलिस के अनुसार, रामबाबू साव पूर्व में भी ब्राउन शुगर की तस्करी के आरोप में जेल जा चुका है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ एन.डी.पी.एस. एक्ट की धारा 21(बी) और 22(बी) के तहत चुटिया थाना में कांड संख्या 128/25, दिनांक 31.05.2025 को प्राथमिकी दर्ज की गई है। पकड़ाये दोनों अभियुक्तों से पूछताछ के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से रांची पुलिस ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि नशा के खिलाफ उनकी मुहिम लगातार जारी है और किसी भी सूरत में नशे के सौदागरों को बख्शा नहीं जाएगा।●

रांची नगर पुलिस अधीक्षक के रूप में अजीत कुमार ने लिया पदभार

● **ओम प्रकाश**

रांची नगर पुलिस अधीक्षक के रूप में अजीत कुमार ने अपना पदभार 29 मई गुरुवार की देर रात करीब 10–50 में लिया। इससे पहले वे धनबाद नगर पुलिस अधीक्षक के पद पर थे। मौके पर शहर के कई थाना प्रभारी और कई डीएसपी मौजूद रहे। पुलिस उपाधीक्षक सदर, शाखा के प्रभारी एवं नगर क्षेत्र के कई थानों के थाना प्रभारी ने उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। वहीं शुक्रवार से सभी संबंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारियों के साथ उन्होंने बैठक की। बता दे कि 2016 बैच के आइपीएस अधिकारी अजीत कुमार 1 सितंबर 2020 को नक्सली क्षेत्र के बालूमाथ में एसडीपीओ पद पर नक्सलियों के विरुद्ध अभियान चलाया और नक्सल गतिविधियों की कमर तोड़ने का काम किया। इसके बाद 18 महीने से खाली पड़े धनबाद नगर पुलिस अधीक्षक के पद पर, चौथे नगर पुलिस अधीक्षक धनबाद के रूप में 10 सितंबर 2023 को योगदान दिए । उन्होंने सबसे ज्यादा काम धनबाद को अपराध गैंग से मुक्त कराने के लिए किया। उन्होंने लगातार मुहिम चलाया और गैंग ऑफ वासेपुर से प्रसिद्ध, धनबाद के वासेपुर में भी लगातार अभियान चलाया, बैठकें की, जनसंपर्क अभियान चलाया और अपराध को कम करने, कोयले तस्करी पर रोक लगाने में कोई भी कसर नहीं छोड़ी। फिर 27 मई 2025 को रांची के नए नगर पुलिस अधीक्षक के रूप में उनका पदस्थापन हुआ और 29 मई की रात्रि में उन्होंने पदभार लिया। अब रांची शहर में वे किस तरह से काम करते हैं, इस पर उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिस तरह से बालूमाथ में नक्सली गतिविधियों का कमर तोड़ने का काम किया, धनबाद में गैंग्स को खत्म करने का काम किया। उसी तरह रांची में भी नया आया हूं और अभी बैठक किया हूं और सभी थानेदार से समझ रहा हूं कि यहां किस तरह की अपराधिक गतिविधियां हैं, संगठित अपराध जो संगठन के रूप में गिरोह काम कर रहे हैं, ऐसे संगठित अपराधियों को एवंअपराध कर्मियों को खत्म करना जरुरी है और इस पर काम करने जा रहा हूँ।●

कोल इंडिया परिवार के वैभव कुमार ने यूपीएससी-2024 में पाया 90वां रैंक

सीसीएल ने किया सम्मानित

● गुड्डी साव

11 जून, 2025 को यूपीएससी-2024 परीक्षा में 90वां रैंक हासिल करने वाले, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, कुजू क्षेत्र के अमला अधिकारी (प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग) श्री वीरेश कुमार के सुपुत्र वैभव कुमार से सीसीएल सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने वैभव के माता-पिता श्री वीरेश कुमार एवं श्रीमती सुनीता कुमारी को भी शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस खास मौके पर सीसीएल सीएमडी के साथ-साथ निदेशक(वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री चंद्र शेखर तिवारी, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार सहित सीसी एवं पीआर विभाग के विभागाध्यक्ष श्री आलोक गुप्ता सहित अधिकारीगण उपस्थित रहें। सीसीएल सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि, वैभव की यह सफलता केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे सीसीएल परिवार की सफलता है। आपने न सिर्फ अपने माता-पिता, बल्कि पूरे कोल इंडिया समूह को राष्ट्रीय पटल पर गौरवान्वित किया है। आप जिस पद पर होंगे, वहाँ से समाज के लिए सकारात्मक बदलाव की दिशा में कई कार्य कर सकते हैं। हमें गर्व है कि

आप कोल इंडिया परिवार का हिस्सा हैं। सीसीएल वृहद परिवार की तरफ से आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।"

उल्लेखनीय है कि वैभव कुमार ने वर्ष 2023 में भी यूपीएससी परीक्षा में 151वीं रैंक प्राप्त की थी और वर्तमान में वे भारतीय राजस्व सेवा IRS (C-IT) में कार्यरत हैं। इस बार की बेहतर रैंकिंग से उनके उज्जवल भविष्य की संभावनाएं और भी प्रबल हुई हैं। वैभव कुमार की इस प्रेरणादायक यात्रा पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म सीसीएल सीएमडी के सामने भी प्रदर्शित की गई, जिसमें उनके संघर्ष, समर्पण और सफलता की कहानी को भावनात्मक रूप से चित्रित किया गया था। इस फिल्म ने वैभव की उपलब्धि के पीछे की मेहनत और परिवार के योगदान को उजागर किया। सीएमडी श्री सिंह द्वारा ऐसे प्रेरणादायी सम्मान समारोहों का आयोजन ऐसे उपलब्धियों के समय किया जाता रहा है, ताकि सीसीएल परिवार के सदस्य एक-दूसरे की उपलब्धियों को साझा कर सकें और एकजुटता व प्रेरणा का भाव बना रहे। सीसीएल परिवार की ओर से वैभव कुमार को हार्दिक बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं।●

मेष राशि :- परिवार और मित्रों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा, अगर आप किसी बिजनेस में धन निवेश करने की सोच रहे हैं तो इस माह निवेश कर सकते हैं,इससे आपको लाभ मिलेगा कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी सफलता हासिल होगी,इस माह के अंत में अपनी सेहत का खास ख्याल रखें,दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

वृषभ राशि :- इस राशि के जातकों को कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पहले परिवार जनों से जरूर बात करनी चाहिए, इसके साथ ही अपनी वाणी में थोड़ा संयम बनाए रखें,वरना बनते-बनते काम बिगड़ सकते हैं,प्रॉपर्टी संबंधी कामों में आपको सफलता प्राप्त होगी, नौकरी करने वाले लोगों को पदोन्नति मिल सकती है!

मिथुन राशि :- इस राशि के जातकों के फालतू खर्चे बढ़ेंगे,नौकरी और बिजनेस में थोड़ी सी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन अपनी मेहनत से जल्द ही इन समस्याओं से निकल जाएंगे,इस माह में इस राशि के जातक अपनी सेहत का खास ख्याल रखें,संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

कर्क राशि :- लंबे समय से लटके हुए मामले मे इस माह निपटने के आसार दिख रहे हैं, इस राशि के जातक छोटी-मोटी उलझनों को इग्नोर करने की कोशिश करें,बीमारी का खास ख्याल रखें, वरना किसी रोग की गिरफ्त में आ सकते हैं!

सिंह राशि :- इस माह की शुरुआत में कार्यक्षेत्र से संबंधित परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है,काम का बोझ बढ़ेगा। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो यह माह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है!

कन्या राशि :- इस राशि के जातकों को लिए ये माह मिला जुला रहने वाला है,किसी शुभ समाचार की प्राप्ति होगी, आपके लिए अधिकार और उपलब्धियों से भरपूर यह माह रहेगा,काम को लेकर थोड़ा सोच-विचार करना लाभकारी साबित होगा।

तुला राशि :- इस राशि के जातक इस माह किसी भी चीज में इन्वेस्ट सोच-समझ कर करें,हो सकता है अभी फायदा नजर आ रहा हो लेकिन बाद में अपनी निर्णय में पछतावा हो सकता है, कामकाज के सिलसिले में किसी यात्रा में जा सकते हैं।

वृश्चिक राशि :- इस राशि के लोग इस माह अपनी बुद्धिमत्ता से लोगों के बीच काफी फेमस हो सकते हैं,लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि इस माह आप बोले कम और सुनने की क्षमता को ज्यादा लगाएं,तभी आपको ज्यादा लाभ मिलेगा।

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

धनु राशि :- इस राशि के जातकों को मानसिक शांति और सुकून मिलेगा, जिससे चिंता मुक्त होंगे,कार्यक्षेत्र में काम का बोझ अधिक होगा,अधिक मेहनत और समय देना होगा,लेकिन भविष्य में इस मेहनत का फल आपको अवश्य मिलेगा, व्यापार से जुड़े लोगों को निवेश करने का फायदा मिलेगा।

मकर राशि :-मकर राशि के लोगों के लिए ये माह कैरियर की दृष्टि से काफी लाभकारी साबित हो सकता है, नौकरी के लिए कई अवसर मिलने के आसार है, आप अपनी वाणी से लोगों के दिलों में राज करेंगे,घर परिवार संबंधित कोई मसला है तो उसे जरूर सुलझा लें,क्योंकि इससे आपके अपनों के ही भावनाओं को ठेस पहुंचेगी।

कुंभ राशि :- कुम्भ राशि के जातकों की नए कार्यो में दिलचस्पी पैदा होगी, माह की शुरुआत में खर्च अधिक बढ़ेगा जिसके कारण बजट थोड़ा बिगड़ सकता है, नौकरी की तलाश इस माह पूरा हो सकती है,इस राशि के जातकों को कई बड़ा अवसर हाथ लग सकता है,जीवन साथी के साथ संबंधों में गहराई आएगी।

मीन राशि :- मीन राशि के जातकों के लिए ये माह मिला जुला रहने वाला है,नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति मिल सकती है, अगर आप शेयर मार्केट में निवेश करने की सोच रहे हैं तो इससे पहले अपने करीबियों से सलाह जरूर ले लें,इस माह कई यात्रा कर सकते हैं।

अजगैबीनाथ महादेव

● अंजु प्रभा

भागलपुर के सुल्तानगंज में स्थित भगवान भोलेनाथ का एक अति प्राचीन मंदिर है,यह मंदिर पवित्र गंगा नदी के किनारे बसा हुआ है। माना जाता है कि भगवान राम ने यहां से जल लेकर बाबा बैद्यनाथ को अर्पित किया था! पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव ने अमरनाथ गुफा की यात्रा के दौरान कुछ समय के लिए यहां निवास किया था,अजगैबीनाथ मंदिर का संबंध देवघर के बाबा बैद्यनाथ से है, भक्त अजगैबीनाथ मंदिर से पूजा करने के बाद जल भरकर देवघर में चढ़ाते हैं! कहा जाता है कि इस मंदिर के पुजारी देवघर में जल चढ़ाने नहीं जाते हैं, इसके पीछे एक पुरानी परंपरा चली आ रही है माना जाता है की करीब 500 साल पहले महंत सिद्धनाथ भारती और उनके शिष्य सुल्तानगंज से जल भरकर हर दिन बाबा बैद्यनाथधाम जाया करते थे,भगवान शिव वेष बदलकर महंत की परीक्षा ली उसे पानी पिलाने को कहा महंत और उसके शिष्य ने जल पिलाने से मना कर दिया और कहा यह जल सिर्फ बाबा पर चढ़ेगा,आप कोई और जल पिले इस पर भगवान शिव ने दोनों को दर्शन देकर आशीर्वाद देते हुए कहां प्रतिदिन तुम्हें देवघर आने की जरूरत नहीं है, वे भोलेनाथ अजगैबीनाथ में ही रहते हैं बस श्रृंगार के लिए देवघर आते हैं। भगवान शिव ने महंतों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि अजगैबीनाथ मंदिर में पिंड के पास उनके भी दो पिंड रहेंगे, इसके बाद अजगैबीनाथ मंदिर में तीनों पिंडियों पर जल चढ़ाने के बाद ही कांवरिये देवघर जाते हैं ।●

माँ

हस्ती हुई मां से ज्यादा खूबसूरत इस दुनिया मैं
कुछ भी नहीं,
उधेड़ को बुन देती है,
टूटे को जोड़ देती है,
बिखरे को समेट लेती है,
उलझे को सुलझा लेती है,
बिगड़ी को बना लेती है,
रूठे को मना लेती है,
दु:ख को भूला देती है,
सुख को बांध लेती है,
अपने हिस्से का जीवन भी औरों पर वार देती है,
मां तो ऐसी ही होती है
वो फायदा या नुकसान कहां देखती है।।।।

प्रांशा राज
लेखिका एवं शिक्षिका

"केवल सच" हिन्दी मासिक पत्रिका के
20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
-: निवेदक :-
डॉ. उदय कुमार
अनुमंडलीय अस्पताल,
शेरघाटी, गया

"केवल सच" हिन्दी मासिक पत्रिका के
20वें स्थापना वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।
-:निवेदक :-
पवन कुमार
थानाध्यक्ष, आमस, गया

कानूनी सलाह

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-
shivanandgiri5@gmail.com

☆ अपराधिक मामले में अभियुक्त, पीड़ित या सूचक की मौत हो जाने पर क्या केस की कार्यवाही बंद हो जाती है?

राज्य किसी भी अपराध की घोषणा करती है कि क्या काम अपराध है और किस काम को करना अपराध नहीं है, इसका निर्धारण स्टेट द्वारा किया जाता है जिस किसी भी कार्य या कार्य लोप को स्टेट द्वारा अपराध बना दिया जाता है उसके लिए निर्धारित किया गया दंड भी न्यायालय के आदेश से स्टेट द्वारा दिया जाता है। एक अभियुक्त जिस पर कोई मुकदमा चलाया जा रहा है यदि वे कोई अपराध करता है तब उसका अपराध पीड़ित के खिलाफ नहीं होता है बल्कि राज्य के खिलाफ होता है जैसे कि भारत सरकार ने संसद द्वारा अधिनियमित किए गए कानून के माध्यम से उतावलेपन से मोटरयान चलाना एक अपराध बनाया गया है ऐसे उतावलापन के कारण अगर किसी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई नुकसान होती है तब वह व्यक्ति पीड़ित होगा लेकिन होने वाला अपराध राज्य के विरुद्ध किया गया माना जाता हैद्य राज्य सरकार उस अपराध का अभियोजन चलाता हैद्य अपराध साबित होने पर अभियुक्त को दोस्त सिद्ध कर दंडित किया जाता है।

एक आपराधिक मामले में अभियुक्त होते हैं और एक पीड़ित होते हैं। पीड़ित वह व्यक्ति होता है जिसे अपराध के जरिए नुकसान पहुंचाया गया है अगर किसी आपराधिक मामले में अभियुक्त या पीड़ित की मौत हो जाती है तब परिस्थितियां भिन्न हो जाती हैं :-

पीड़ित की मौत होने पर केस की स्थिति :- किसी आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर अभियोजन पर किसी भी प्रकार का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ता है जैसे कि किसी व्यक्ति को चाकू मारकर घायल किया गया है। चाकू से हमला करने वाले पर स्टेट अभियोजन चला रही है, कुछ समय बाद जिस व्यक्ति को चाकू से मारा गया था उसकी मौत हो जाती है तब मामला खत्म नहीं होता है, मुकदमे में अभियोजन तो चलता रहता है।

स्टेट मामले को अंत तक चलाती है क्योंकि स्टेट कभी भी समाप्त नहीं होती हैद्य एक पीड़ित की मौत होने से केवल अभियोजन में एक गवाह कम हो जाता है, अगर पीड़ित ने गवाही दे दी है तब गवाह भी कम नहीं होता है। एक पीड़ित की मौत के बाद भी मुदालय को दंडित किया जा सकता द्य पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी की ओर से किसी भी आवेदन को लगाने की आवश्यकता नहीं होती है। वैसे चाहे तो सीआरपीसी की धारा 302 के तहत अभियोजन चलाने का परमीशन लिए जा सकते हैं। आवेदन लगाने की आवश्यकता सिविल मामले में होती हैद्य आपराधिक मामलों में ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं है।

परिवाद पर दर्ज किए गए आपराधिक मामले में पीड़ित की मौत होने पर उसके उत्तराधिकारी आवेदन के माध्यम से स्वयं को उपस्थित कर सकते हैं जैसे कि कोई चेक बाउंस होने पर नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के अधीन आयोजन चलाने पर पीड़ित की मौत हो जाने पर उसके वैध उत्तराधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर आगे मामले का संचालन कर सकते हैं तथा मरने के बाद व्यक्ति की ओर से उत्तराधिकार के रूप में प्रतिकर भी प्राप्त कर सकते हैं।

मुदालय की मौत होने पर मुकदमों की स्थिति :- किसी आपराधिक मामले में मुदालय की भी मृत्यु हो सकती हैद्य भारत में न्यायालय में चलने वाले मुकदमे वर्षों वर्ष तक चलते हैं ऐसी स्थिति में मुदालय भी मर सकते हैं। एक मुदालय के मर जाने से अभियोजन समाप्त नहीं होता है अपितु उसके दोष सिद्धि या दोष मुक्ति अंत तक निर्धारित नहीं होती है। जिस दिन न्यायालय द्वारा मामले में निर्णय लिया जाता है उस दिन ही यह माना जाता है कि वह व्यक्ति दोषी था या नहीं। हालांकि अभियोजन की ओर से किसी भी मुदालय की मृत्यु हो जाने पर एक आवेदन प्रस्तुत कर दिए जाने पर न्यायालय मामले को आगे नहीं चलाती है परंतु अभियुक्त के परिवार जन किसी विशेष मामले में मुदालय को बरी करवाना चाहते हैं तथा मुकदमे को आगे चलाना चाहते हैं तब अभियोजन को पूरा चलाया जा सकता है।

अगर किसी अभियोजन में एक से अधिक अभियुक्त हैं तब तो अभियोजन के समाप्त होने का कोई सवाल ही नहीं उठता है जो मुदालय जिंदा है उन पर तो मुकदमा चलाया ही जाएगा द्य अंत में जिंदा मुदालय दोष सिद्ध पाए जाते हैं तब उन्हें दंडित करने के लिए जेल भी भेजा जा सकता है। उत्तराधिकार इत्यादि के मामले में हत्या का आरोप लगने पर कोई व्यक्ति को उतराधिकार नहीं मिलता है इसलिए हत्या जैसे मामलों में अभियुक्त के उत्तराधिकारी न्यायालय से यह निवेदन करते हैं कि अभियोजन को पूरा चलाया जाए ताकि इससे यह स्पष्ट हो सके कि मरने वाला अभियुक्त दोषी था या नहीं उत्तराधिकार विधि में यदि कोई व्यक्ति हत्या का दोषी पाया जाता है तब उसे उत्तराधिकार नहीं प्राप्त होता है।

☆ क्या पुलिस किसी अपराधी की गिरफ्तारी करते समय गिरफ्तारी का विरोध करने पर उसकी हत्या भी कर सकती है?

यदि कोई व्यक्ति गिरफ्तारी का बलपूर्वक विरोध करता है तो पुलिस अधिकारी हत्या के अभियुक्त व्यक्ति की मृत्यु कारित कर सकता है किंतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 43(4) से यह स्पष्ट होता है कि यदि मृत्यु या आजीवन कारावास से दंडनीय अपराध का अभियुक्त अपनी गिरफ्तारी का बलपूर्वक विरोध करता है तो पुलिस अधिकारी उसकी मृत्यु कारित कर सकता है या अगर खतरनाक अपराधी जिस पर हत्या का आरोप हो वह कैद से फरार हो रहा हो तो उसकी हत्या पुलिस कर सकती है या सेल्फ डिफेंस में भी पुलिस वैसे मुदालय की हत्या कर सकती है। पुलिस द्वारा फर्जी एनकाउंटर के मामले भी काफी चर्चा में इन दिनों रहे हैं खासकर उत्तर प्रदेश राज्य में कई फर्जी एनकाउंटर की बातें मीडिया में सुनने को मिली है जब भी कोई एनकाउंटर का विरोध होता है तो सरकार उसे सीबीआई के हवाले जांच करने के लिए भेज देती है ताकि उनके सरकार की फजीहत ना हो।

☆ क्या दो नपुंसको या दो पुरुषों या स्त्रियों के बीच किया गया विवाह वैध होता है?

दो नपुंसको के बीच किया गया विवाह शुन्य होता है यही बात दो पुरुषों के बीच या दो महिलाओं के बीच किया गया विवाह के ऊपर भी लागू होता है क्योंकि विवाह के लिए दो पक्ष कार होनी चाहिए जिनमें एक पक्षकार का पुरुष होना तथा दूसरे पक्षकार का स्त्री होना आवश्यक होता है इसलिए यदि दो पुरुष आपस में विवाह करते हैं तो वह विवाह शुन्य माना जाएगा या दो महिला आपस में विवाह करती है तो भी वह विवाह शुन्य होता है।

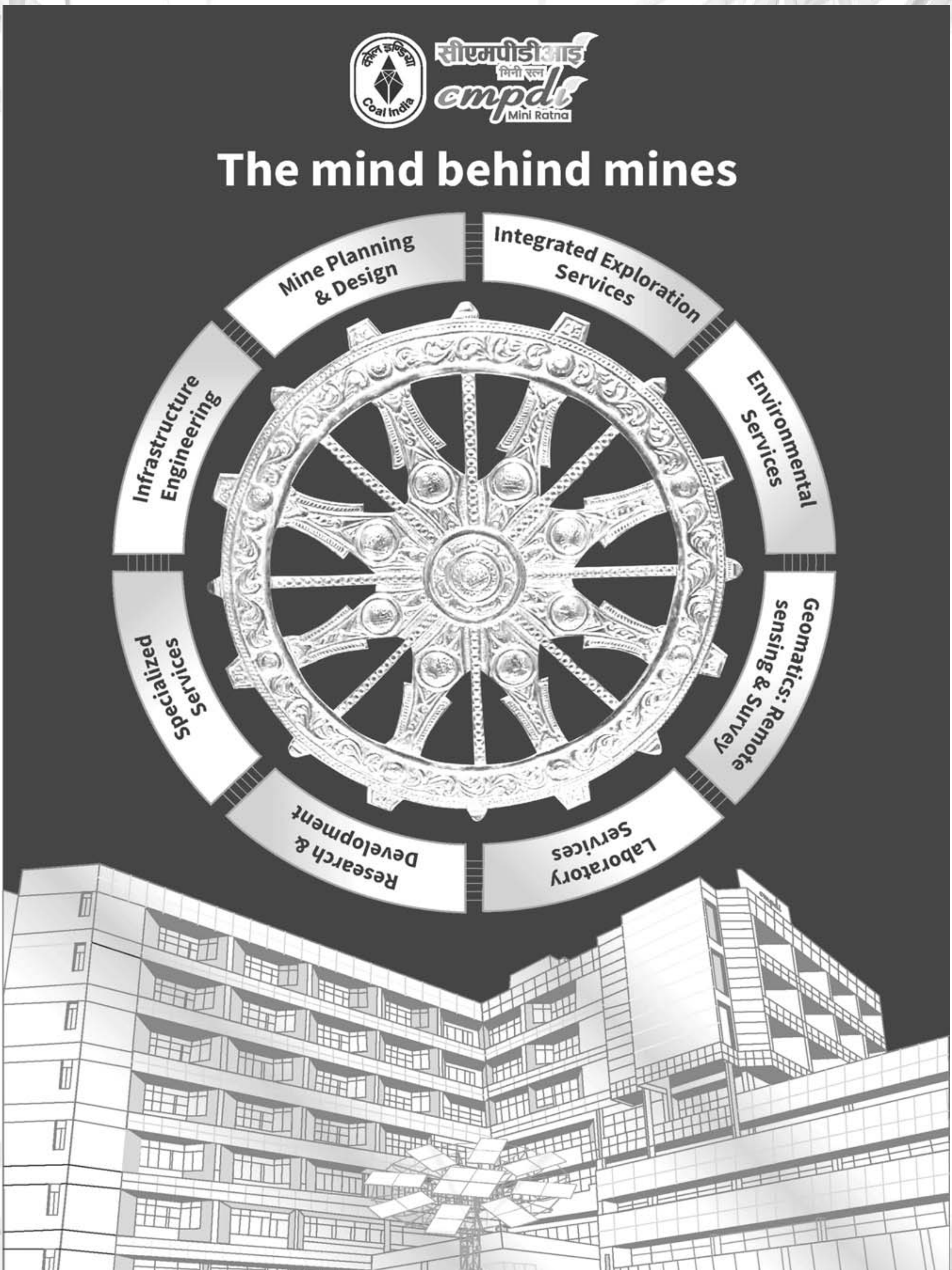
कोल इण्डिया
Coal India
सीएमपीडीआई
मिनी रत्न
cmpdi
Mini Ratna
The mind behind mines
Mine Planning & Design
Integrated Exploration Services
Environmental Services
Geomatics: Remote sensing & Survey
Laboratory Services
Research & Development
Specialized Services
Infrastructure Engineering

नगर परिषद सम्पतचक प्रगति के पथ पर

❖ जल जीवन हरियाली मिशन योजना अंतर्गत इलाही बाग छठ घाट तालाब का निर्माण कार्य प्रगति पर।

❖ जल जीवन हरियाली मिशन योजना अंतर्गत 21 कुआँ का जीर्णोद्धार।

❖ जल जीवन हरियाली मिशन योजना अंतर्गत वार्ड संख्या-30 एवं वार्ड संख्या-25 कर्णपुरा में छठ घाट तालाब का जीर्णोद्धार कार्य का विभाग से स्वीकृति।

❖ सम्राट अशोक भवन का शिलान्यास वार्ड संख्या-24, बैरिया सूर्य मंदिर के निकट माननीय मंत्री, नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा किया गया।

❖ सार्वजनिक शौचालय का निर्माण, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सम्पतचक के निकट।

❖ रजिस्ट्री ऑफिस सम्पतचक के सामने प्रतीक्षालय शेड का निर्माण।

❖ स्टैण्ड पोस्ट बोरिंग 21 वार्डों में कार्यान्वित।

❖ (पी०सी०सी०/पेभर ब्लॉक) सड़क तथा (आर०सी०सी०/ह्यूम पाईप) नाला की कुल 96 योजनाओं का कार्यान्वयन पूर्ण।

❖ कुल 1000 LED स्ट्रीट लाइटों का अधिष्ठापन प्रथम चरण में पूर्ण जबकि 5000 LED स्ट्रीट लाइटों के लगाने हेतु निविदा की प्रक्रिया जारी।

❖ PM Vishwakarma योजना के तहत कुल 174 लाभुको का अनुमोदन/जिसमें 74 लाभुको को ऋण वितरित।

❖ PM SVAN Nidhi योजना के तहत कुल 105 लाभुकों को ऋण वितरण।

अमित कुमार
अध्यक्ष
न०प० सम्पतचक

❖ कुल 31 सामुदायिक भवनों/ पंचायत भवनों /सरकारी भवनों का मरम्मती एवं जिलों द्वारा हेतु चयन कर निविदा हेतु प्राक्कलन तैयार।

❖ पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल द्वारा नगर परिषद सम्पतचक के 1500 परिवारों को अगले 5 साल तक इलाज हेतु FAMILY ADOPTION PROGRAMME के तहत गोद लिया गया है।

❖ पांच जगहों पर पार्क निर्माण हेतु स्थल का चयन।

❖ वार्ड संख्या-16 अब्दुल्लाहचक में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स निर्माण हेतु प्राक्कलन तैयार।

❖ बुडको के माध्यम से मंगल चौक से बेईमान टोला तक आर०सी०सी० मुख्य नाला निर्माण कार्य प्रगति पर।

बीमार न रहेगा अब लाचार
कैंसर का विश्व स्तरीय इलाज आपके शहर में ...
बीमारी का होगा मुफ्त उपचार
पटना कैंसर सेन्टर
24/7 EMERGENCY SERVICES
एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
यह अस्पताल आयुष्मान भारत PM-JAY के तहत सूचीबद्ध है।
पात्र लाभार्थी परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रूपये तक का निःशुल्क ईलाज प्राप्त कर सकते है।
TPA / Insurance (Cashless) की भी सुविधा उपलब्ध है।
QCI
आयुष्मान भारत PM-JAY से सूचीबद्ध DEPARTMENT
• SURGICAL ONCOLOGY • EMERGENCY ROOM PACKAGES
• GENERAL SURGERY • NEUROSURGERY
• MEDICAL ONCOLOGY • GENERAL MEDICINE
डॉ. नवीन कुमार
एम.बी.बी.एस. (पी.एम.सी.एच.)
एम.एस, (जेनरल सर्जरी)
एम सी एच, एम्स, नई दिल्ली
(सर्जिकल ऑन्कोलॉजी)
पूर्व - सिनियर रेसीडेंट टी. एम. एच (मुंबई)
पूर्व हेड एवं वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ
सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट
महावीर कैंसर संस्थान, पटना
असिस्टेंट प्रोफेसर पी.एम.सी.एच., पटना
बिहार में एम्स, दिल्ली और टी एम एच, मुंबई के कैंसर स्पेशलिस्ट से इलाज कराएँ।
उपलब्ध सुविधायें
आयुष्मान भारत
मुख्यमंत्री राहत कोष
प्रधानमंत्री राहत कोष एवं अन्य सरकारी सुविधाएं
अत्याधुनिक विधि से कैंसर सर्जरी (लेजर/लैप्रोस्को पीक सर्जरी)
अंतिम स्टेज के कैंसर के लिए पैलियेटिव केयर
सभी तरह के कैंसर की जाँच, स्क्रीनिंग, कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी
PATNA CANCER CENTRE & MULTISPECIALITY HOSPITAL
अप्वाइंटमेंट के लिए सम्पर्क करें। : 7543871884, 9835695991
शेमरॉक स्कूल के नजदीक, आकाशवाणी रोड, पिलर नं.- 27, राजा बाजार, खाजपुरा, बेली रोड, पटना- 14

Estd.1970
T.S. COLLEGE
Hisua (Nawada)-805103
(A Constituent Unit of
Magadh University, Bodh Gaya)
केवल सच पत्रिका
के 20वें स्थापना वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएँ।
प्रो. (डॉ.) पवन कुमार शर्मा
प्राचार्य

केवल सच के 20वें स्थापना वर्ष
की हार्दिक शुभकामनाएँ
निवेदक :- अरुण कुमार
उप मुख्य पार्षद
नगर परिषद वारिसलीगंज, (नवादा)

केवल सच के 20वें स्थापना वर्ष
की हार्दिक शुभकामनाएँ
निवेदक :- पिंकी कुमारी
वार्ड पार्षद, वार्ड नंबर-11,
नगर परिषद वारिसलीगंज, नवादा
शंभू प्रसाद, पूर्व वार्ड पार्षद

बालाजी नर्सिंग होम
कटहलबाड़ी (काली स्थान के पास),
सबरंग मॉल के बगल में,
भागलपुर- 812001, मो.- 7856004406, 0641-2422038
डॉ. गोपाल शरण सिंह
M. B. B. S. (HONS.), M.S.
(SURGERY) F. A. I. S., FIAGES
सहायक प्रध्यापक, सर्जरी विभाग
जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज
एवं अस्पताल, भागलपुर
(जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन)
डॉ. अनुपमा सिंह
M. B. B. S., M. S.
(Obstetrics and Gynaecology)
सहायक प्रध्यापक, स्त्री रोग विभाग
जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज
एवं अस्पताल, भागलपुर
(स्त्री एवं प्रसव रोग विशेषज्ञ)

नगर परिषद बख्तियारपुर के बढ़ते कदम

- ❖ नली-गली निर्माण योजना :- 135 सभी 27 वार्डों में।
- ❖ नल जल योजना :- 12 वार्डों में।
- ❖ सम्राट अशोक भवन :- ब्लॉक कैंपस में।
- ❖ आश्रय स्थल :- ब्लॉक कैंपस में।
- ❖ सामुदायिक भवन :- वार्ड संख्या 03।
- ❖ 'खेलो इंडिया' :- खाईच ठाकुरबाड़ी के पास।
- ❖ पिंक लाइब्रेरी।
- ❖ अंबेडकर स्कूल :- कल्याणबिगहा रोड (STP के बगल में)।
- ❖ टेम्पु स्टैण्ड (स्थाई) :- खाईच ठाकुरबाड़ी के पास।
- ❖ जल जीवन हरियाली अंतर्गत पोखर सौंदरीकरण कार्य।
- ❖ सबके लिए आवास योजना अंतर्गत (शहरी) 2.0 अंतर्गत लगभग 700 लाभुको का चयन।
- ❖ नागरिक सुविधा हेतु स्ट्रीट लाइट एवं हाई मास्क लाइट सभी 27 वार्डों में।
- ❖ नमामी गंगे अंतर्गत STP निर्माण कार्य।
- ❖ राज्य योजना अंतर्गत नली-गली :- 08 योजना निर्माण कार्य।
- ❖ मुख्यमंत्री समग्र योजना अंतर्गत नली-गली :- 6 योजना का निर्माण कार्य।
- ❖ नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत सिटी घाट में रिभर फ्रंट का निर्माण कार्य।

पवन कुमार
सभापति
नगर परिषद बख्तियारपुर

श्रीमती प्रियंका
उपसभापति
नगर परिषद बख्तियारपुर

Affiliation No.: 330574

संत जॉन्स पब्लिक स्कूल

Senior Secondary School 10+2

आपकी उम्मीद से एक कदम आगे Affiliated to C.B.S.E., New Delhi

Nur से 10+2 तक की कक्षाएं संचालित

के. एन. मार्केट, मेन रोड, वारिसलीगंज (नवादा)

आपके क्षेत्र का सी.बी.एस.ई. (नई दिल्ली) द्वारा मान्यता प्राप्त एक विशिष्ट पहचान का विद्यालय है। विद्यालय अपनी विशेषताओं के कारण जानी जाती है।

हमारी विशेषताएं

- शैक्षिक वातावरण में विद्यार्थियों का सम्पूर्ण विकास।
- समय-समय पर प्रतियोगी परिक्षाएँ।
- बच्चों की इंगलिश स्पीकिंग पर विशेष ध्यान।
- प्रत्येक माह अभिभावक एवं शिक्षक गोष्ठी स्कूल के बाद कमजोर विद्यार्थियों के लिए डे-बोर्डिंग कोचिंग की सुविधा।
- वर्ग X में अच्छे रिजल्ट की गारण्टी।
- बच्चों को आने-जाने के लिए वाहन की सुविधा।
- बच्चों के विशेष देखभाल के लिए प्रत्येक कमरे में सी.सी.टी.वी. कैमरे की व्यवस्था।
- बच्चों के खेल-कूद के लिए 2 एकड़ का खेल मैदान।
- छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास की व्यवस्था।
- प्रत्येक वर्ग में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था।
- सबसे कम शुल्क में सबसे अच्छी शिक्षा की गारण्टी।

SANTOSH KUMAR
PRINCIPAL

अधिक जानकारी के लिए हमारे विद्यालय से सम्पर्क करें।

8210216352, 9006206449, 9431277471

Lal kothi, opposite Muslim High School, Bhagalpur

केवल सच के स्थापना दिवस पर
वारिसलीगंज के बुद्धिजीवीयों, शिक्षा विदों समेत तमाम प्रखंडवासियों एवं केवल सच के सभी पत्रकारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

निवेदक :- मनोज प्रसाद
पैक्स अध्यक्ष,
ग्राम पंचायत मोसमा
वारिसलीगंज, नवादा

केवल सच के स्थापना दिवस पर
वारिसलीगंज के बुद्धिजीवीयों, शिक्षा विदों समेत तमाम प्रखंडवासियों एवं केवल सच के सभी पत्रकारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

-: निवेदक :-
राज कुमार सिंह
मुखिया, ग्राम पंचायत-अपसढ़
निदेशक
जेपीएस आईटीई वारिसलीगंज, नवादा

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008

Dispersing Happiness

HIMALAYA GROUP OF INSTITUTIONS

Affiliated To :- Aryabhatta Knowledge University, Patliputra University, M.M.H.A & P.University, Bihar University of Health Science

Approved By :- N.M.C., B.C.I., P.C.I., I.N.C., N.C.I.S.M., A.I.C.T.E., N.C.T.E., N.C.V.T., (Govt. of India), BNRC, Health Department (Govt. of Bihar)

Brahampur, New Jaganpura, New Bypass Road, Patna- 800027

"अपनी क्षमताओं पर विश्वास करो, और दुनिया को अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाओ।"

Course Offered :

Medical Course
M.B.B.S. | B.A.M.S

Educational Courses
B.Ed.
D.El.Ed

100% Placement Assistance

Pharmacy Courses
M.Pharm | B. Pharm
D.Pharm

Professional Courses
M.B.A. | M.C. A.
B.B.A. | B.C. A.

Dip. In Eng. Courses
Dip. in Civil Engineering
Dip. in Electrical Engineering
Dip. in Mechanical Engineering
Dip. in Computer Science Engineering

Law Courses
LL.M | LL.B | B.A. LL.B
B.B.A. LL.B

ITI Courses
Electrician | Fitter
Electronics | Mech. Disels

Nursing Course
ANM | GNM
B.Sc. Nursing
P.B. B.Sc. Nursing
M.Sc. Nursing

Paramedical Course
Diploma | Degree
Master Degree
Lateral Entry

बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध

Take Admission Now Or Get more Information At -

Cont. : 9031068027, 9031015472

Website : www.himalayagroupofinstitutions.com

मैं, राजू दानवीर, बीते कई वर्षों से समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन एक सेवक के रूप में निःस्वार्थ भाव से करता आ रहा हूं। बचपन से ही यह सीख मिली थी कि गरीबों और जरूरतमंदों की मदद बिना किसी स्वार्थ के होनी चाहिए। उसी भावना के साथ मैंने अपने जीवन की दिशा तय की। जिस उम्र में लोग करियर बनाने के पीछे भागते हैं, उस उम्र में मैंने मानव सेवा को अपना लक्ष्य बना लिया। चाहे वह गरीब की दवा हो या किसी असहाय की बेटी की शादी, मैंने जितना बन पड़ा, खुद के संसाधनों से मदद की।

राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव
सांसद, पूर्णिया

समाज में दलित, वंचित, पीड़ित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की संख्या बहुत अधिक है। शुरू में अपने स्तर पर सेवा कार्य करते हुए कई बार ऐसा लगा कि यह प्रयास बहुत छोटे हैं, और समाज की जरूरतें इससे कहीं ज्यादा बड़ी हैं। जब यह अहसास हुआ कि अकेले प्रयासों से बदलाव संभव नहीं, तभी एक व्यापक मंच और मजबूत संगठन की आवश्यकता महसूस हुई। यहीं से मेरे सामाजिक कार्यों को एक संगठित दिशा देने की सोच बनी।

इस सोच को गति मिली जब मैं जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव जी के संपर्क में आया। उनके जमीनी संघर्ष, सेवा के प्रति समर्पण और पीड़ितों के लिए निरंतर आवाज उठाने की भावना ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। विगत 5 वर्षों से मैं उनके सिद्धांतों और विचारों के साथ जुड़कर लगातार समाज सेवा के काम में लगा हूं। यह रिश्ता केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि विचार और उद्देश्य का भी है।

समाज सेवा को और प्रभावशाली बनाने के लिए मैंने राजनीति में आने का निर्णय लिया। मेरे लिए राजनीति कोई पावर या पद प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि लोगों की समस्याओं को हल करने का एक माध्यम है। राजनीति में मेरी भूमिका एक जिम्मेदार कार्यकर्ता की है, जो लोगों की आवाज बनकर उनके अधिकार और न्याय के लिए संघर्ष करता है। मैंने राजनीति में उतरकर सेवा कार्यों का नेटवर्क विस्तृत किया और जमीनी स्तर पर प्रभावी समाधान देने की कोशिश की।

पटना की भीषण बाढ़ के समय मैंने पप्पू यादव जी को जिस प्रकार से लोगों की जान बचाते और जरूरतमंदों की मदद करते देखा, वह दृश्य मेरे मन-मस्तिष्क पर छा गया। वहीं से मुझे समझ में आया कि सेवा की ताकत को अगर सही मंच मिले, तो वह कितनी बड़ी राहत बन सकती है। तभी मैंने राजनीति को जनसेवा का संगठित माध्यम मानते हुए इसे अपनाया और संकल्प लिया कि सेवा का यह सिलसिला अब और बड़े स्तर पर जारी रहेगा।

आज मैं गर्व से कहता हूं कि मेरे राजनीति में आने का उद्देश्य केवल एक है-सेवा। मैं चाहता हूं कि हर युवा अपने भीतर छिपी असीम संभावनाओं को पहचाने और समाज के लिए कुछ करने की भावना रखे। अगर हम सब मिलकर एकजुट हों, तो समाज की तस्वीर बदल सकती है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं, और समर्पण से बड़ी कोई राजनीति नहीं। मेरा रास्ता स्पष्ट है-सेवा, संघर्ष और समाज के लिए समर्पण। यही मेरा मिशन है और इसी पर मेरा जीवन अर्पित है।

राजू दानवीर

युवा नेता, बिहार